GOSSNER EVANGELICAL – LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

GELC ARCHIVE

Signature: **GELC-A _ 001 _ 0667**

Classification:

Original File No: 17- A

Title

Singhbhum (J.M.B.)

Volume:

Running **from year: 1961** **till year: 1964**

Content:

- Report of Nakti, Joint Mission Board, G.E.L.Church.
- Monthly report of daily work of Simon Bodra, Johan Surin, Lukas Hansda, Manohar Bara.

17A

OFFICE
FILE

Smith Ohio

1961-64

17A

तारीख

जुलाई । नक्टी

रिपोर्ट

1, को घर में रहा
2, को विज्ञप्ति किया
3, को शिक्षा दिया गया। क्योंकि प्रचारक की लड़की बड़ जोर से
4, बीमार में थी उस को देखने के लिये गया।
को मानिक के साथ नक्टी का बस्ती मनकी के घर में बैठ के
उसी समय बासु हो फोदा टो और 3-6 बजे से उन को मानिक
के साथ धर्म शिक्षा देते हुए बहुत प्रचार किया। दूसरे बेला नक्टी
बाजार किया।
5, को इन्सपेक्टर साहब खेनापुरी के लिये आया वहाँ मुझ को
बुलाया गया।
6, को टुड़ंगदला गया वहाँ आदमी नहीं मिला वहाँ से कड़ई कला।
दोबा खरीदने के लिये गया
7, को कड़ई कला बाजार किया
8, को बच्चा साहब किया।
9, को विज्ञप्ति किया
10, को औद्योगिक पर्व मनाया
11 को नक्टी बाजार देखा
12, को तुइसमा कई गया कन्दरा को गया। बात चीत करते करते धर्म
विषय में शिक्षा दिया। सुन के जानाव किया कि बहुत अच्छा
धर्म आप लोग पकड़े हैं मैं कोई दिन आप के धर्म में
जायेंगे।
13 को घर में रहा कुछ विमार में था
14, को कड़ई कला बाजार गया
15, को तुंगला देला: रबुस्त के घुसिक का घर एक उपासना के लिये दोबा कहुंचा
वहाँ को गया।
16, को विज्ञप्ति किया
17, को प्रचारिन विमार में पड़ गई इसलिये उस को दोबा खोड़ा के
लिये तोकाल गया। और उसकी बेला दोबा बनाने लगे।
18 को कला काता को आदमी बैपटिस्ट सोसाइटी के तरफ से रहनधार
पुर आया वहाँ से Rest day के साथ नक्टी आप साथ में
बड़ गड़ा को प्रचारक गी आया कि बाजार का दिन था
बाजारटी में प्रचार करने लगे। 200 तक आदमियों को
प्रचार किया।

तारीख

१६ को भी वही बैठक सोलह के स्थान में Rev. j. Joy and Late Thomas and मैं Late [illegible] बन्दगाड़ी विचार गया वहाँ भी धर्म प्रचार किया करीब ४०० तक पुरुषों को उपदेश किया फिर वहाँ से लौट आया

२० को घर में रहा शाम को सब कोई मिलके मरकस बैठाके समाप्त किये

२१ को फिर के वही बैठक सोलह के स्थान में पर्व दास से Rev D. Thomas को पहुँचाने तब भी वही से Late [illegible] and Late J. Sukin Sisters के सबके में आप ने हाथ में सरंगी लेके गए और कई एक बाजार में धर्म प्रचार किये गीत गाने लगे सरंगी बजाये एक बार सुनाये इस तरह करीब ४०० तक पुरुषों को प्रचार किये सुनने वाले ध्यान से सुनने लगे

२२ को वचन स्टाडी किया

२३ को छुट्टी किया

२४ को मरम्मत गया वहाँ दो सज्जनों को पाया और बात चीत करते करते धर्म पढ़ा दिया दोनों दोस्त थे

२५ को पहिली बेला जंगलापा प्रचारने के लिये दावा खोजा दूसरी बेला नकटी बजार किया

२६ को चक्रधारपुर बजार किया क्योंके तीन दोनों का दावा खरीदना था। अर्थात कोंदसोरा सबका मुद्दा और कोकोवा मुकदमा मुद्दा को नकटी का कुर्पा नाएक।

२७ को ये तीनों को दावा की होने लगा

२८ को शाम से समय में नकटी कुर्पा नाएक का दावा हुआ ने कोलिये गया उस्ती समय उस को धर्म शिक्षा में शिक्षा दिया। शुरु से इस प्रकार किया कि दावा बिगी पर्यन्त का इतिहास को दिया गया।

२९ को वचन स्टाडी किया

३० को छुट्टी किया

३१ को कोरकोरा बजार गया व गाँव वालों से भेंट करने के लिये

मैं जुलाई महिना आपने अंतिम के अनुसार दूर नहीं कर सके क्या दो हफ्तों के कारण एक खालापुरी या एक प्रचारिनों की जिम्मेदारी के कारण इसलिये मैं अपनी मंगता हूँ।

जब मैं दूर आता हूँ तो यही पाता हूँ कि आप लोग एक धर्म घराने हैं इसलिये मन तो आप लोगों के धर्म के तरफ खींचे चला जाता है पर इधर के आदमी बहुत ही मुस्किल हैं इसलिये हम लोगों को स्वतंत्र उनके मौहने में दुःख सुःख में अलग करते हैं। तो भी कोई दिन इधर ही चलेंगे। क्योंकि जितना पुस्तक पाठ करेंगे। मुस्किल बड़ी बड़ी नहीं मिलते हैं यही एक जवाब बार बार मिलता है। इसलिये मालुम होता है कि ये गुप्त में धर्म खोजक बहुत हैं।

ईश्वर दयालु है कि हम लोग आपने आपने काम में प्रतीफल पाते रहें।

भी: आप का सेवक

Late G. Dolla
Vi Nakti

To

J. J. Priya

Vill G.E.L. Church Chaibasa

P.O Chaibasa

Dist Singhbhum

कुछ संक्षेप रिपोर्ट देता हूँ

मि. 1-3-60 को नक्सली आया। जब पहुंचा तो दो तीन हेड़ा वहां रहकर वहां साक्षर दाक्षा प्रचारकों का मतलब किया कि उन में स्थिर मन पक्की स्थिर विश्वास नहीं है। उनके गिर्जा जाने जाने में कारणों से ज्ञात हुआ कि नौकरी से छुटकारा मिली नहीं जाते हैं। तब में ख्रिस्तानों का बेवोलेन्स लगा सोचा। उनसबका घर देखने की कोशिस किया प्रायः सब ताहर जाते के हैं। और उन लोगों का घर देख कर मैं आश्चर्य में पड़ गया। अधिकांश लिये वे बेसिक बेचारे बड़ी तकलीफ में रहते हैं थोड़ी डागट जमीन भी नहीं है उसी चलाते से भी वे गिर्जा जाने जाने में भी असमर्थ होते हैं। ख्रिस्तानों का घर संख्या है। जाति संख्या 34 है। हड़ हाल संख्या 15 है। जब मैं दो तीन महिना रहा तब मैं आपना को पूरा काम सुरु किया। गांव गांव को घुमने लगा और उनका काम फैलाने लगा सुनने वाला लोगों। उपाय सोचा सुनते हैं। फिर दूसरा उपाय को किया अर्थात मैंने प्राईवेट बरयान पाड़ी चुटी का जोब मुझ प्रप्त है। जब आदमी विमार में पड़ जाते हैं तब मुझे को ले जाते हैं मैं वहां जा कर सबसे पहले लोगों को पढ़ने का दावा देता हूँ संसारियों के घर में। और सुसमाचार मञ्जुषा और और अनेक किताबों को भी साथ में लिख रहता हूँ और आदमियों को पढ़के सुनाता हूँ। और समझाता भी देता हूँ उन तरह रक्षा करता हूँ। इसलिए बाहुत आदमी मान तो लगाये हैं और कितने एक बार गिर्जा भी सुनने को जाते हैं पर अभी पक्की यमि खोजाक नहीं हुए हैं। — मैं सोचता हूँ कि थोड़ी दिनों में यहां सफलता हो जायगी। यही थोड़ी रिपोर्ट लिख भेजता हूँ।

Cal: आप का विश्वासी भाई चारी

Calc. Bodya C. 3/6/61
Vil: Nakti

मैं रिपोर्ट देर में भेजता हूं इसी आप से मफी मांगता हूं। कारण कि कर्मचारी मिशनरी कम मिले गये। अकेला हर प्रकार से रहे सबकी भोजन तो ये ओड़ से ही करते रहे। अभी बोर्डिंग की सेवाओं को महत्व देने अगर उसमें लोग सुखमय से तथा अपने लक्ष्य नहीं होगा।

दिनचर्या

माई पुस्तक

१। को घरही में था।
२। को मेरा माई का शादी था इसलिए चकलाधारपुर से दोनो पट्टी आप नकटी और नकटी टा में शादी हुआ था शादी देखने के लिए संसारीक लोग गिरा ५% में २०० के लगभग आप और पट्टी को उपदेश गौर से सुनने लगे।
३। को घरही में था।
४। को बिमारियों को देखने के लिये मदको बेड़ागया विनती और पर्थना कर घर लौट आया।
५। को कबड्डी खेला बजार किया।
६। को कोचा से पट्टी का बाप आया और शिकार खेलने के लिये सुअर को जंगल ले गया
७। को शिकार किया।
८। को इन्द्रुरा जारहा था रास्ता में मोटाय टा ने भेट होगी फिर घर उसी के साथ लौट आया। घर आके उसको विनती पर्थना मेले पुछा पुछने पर मालुम हुआ कि प्रभु की पर्थना और कृपा वचन विश्वास कर्म स्थुव ठीक से स्वस्थ किया। मेरा शलट है कि उस को बपतिस्मा देंगे
९। को नकटी बजार किया।
१०। को चकलाधारपुर पोटका गया
११। को स्वार्गारोहन पर्व के लिये घरही में रहा।
१२। को कबड्डी खेला बजार किया।
१३ को Rev जॉन्सन के साथ मदको बेड़ागया जोहन लोईया का घर खो कि पहिले तुम्बेरन में था आप स्वः पोटी में टा। उससे पुछा जवाब मिला कि लाकुता दिनकुमा में फिर नहीं लौटुंगा। वहाँ से चल दिए मदको बेड़ा। तुम्बेरन गईयों के घर कहीं कुछ काम था। काम काम समाप्त के नकटी लौट आय।
१४। को विदाई किया। विदाई बाद पट्टी से छुट्टी लेकर गाँव गया। छुट्टी १५ से २७ तक लिया।
१५। को १२ बजे नकटी पहुंचा।
१६। को कोंको बा होते हुए कुपुंगटानु गया बातचीत करने के ऐसा कोई आदमी नहीं मिला

ता. दिनांक

१८/ को सासु बरगाबासु का घर [illegible] गया और उस को धर्म विश्वास मैत्री स्वभाव होता किया वहाँ से आया प्यारा का घरमें बिल्ली समाला कर घर आया —

१९/ को पहिली बेला उठकर गया बोड़ो हो धर्म शिक्षा देकर घर आया सवा पीछे कड़ई बेला बहार किया २-३ घंटे उड़ गदमा एक चोकी का घर गया उसको धर्म शिक्षा देकर घर चलां आया

२०/ को दावु खोजो के लिये संगत्य किया।

२१/ को पेन्टी कोस्ट पर्वि मनाया काम काम को मदको बड़ा समाला के लिये गया।

२२/ को कारखाना गया वहाँ दागादों को एक दो गीतासिखाते हुए धर्म शिक्षा किया वहाँ से उठ के संगत्य चौकीदार के पास गया उसको भी बाइबलकी कहानियों को सुनाकिया १ घंटी बजाई किया —

२३/ को दवा खोने के लिये संगत्य गया दूसरी बेला कनाखोया गया वहाँ एक आदमी के घरमें बैठ गया उससे बात चीत कर घर लौट आया

२५/ को पेन्टिस मेरिका के लिये पता खोजा —

२६/ को पहिली बेला फिर पेन्टिस मेटिंग के लिये पता रखा।

२७/ को १२ घंटे को कड़ई बेला बजाई किया —

को प्रचंडधार पूर से Rev j Soy आने वाला था उसलिये मंडली में देहा

२८ को गिर्जा किया। अंग्रेजी Rev j Soy की आगुवाई में हुई

२९ को सांची से j. j P. Tiga आने वाला था उसलिये सब पोइन्ट पर बिहार बोड के प्रचारकगरा को Rev j Soy भी j. j P. Tiga को बाट जोहने लगे। पर j. j P. Tiga नहीं आया

३० को हताश होकर प्रचारक भी घड़ी गया सबमिल के पोंछा पिड़ी धर्म प्रचार के लिये गया। और बाहुत लोगों को प्रचार कर लौट आया

३० को पहिली बेला Rev j Soy की आगुवाई में कुछदेर मिटिंग किया और दुसरी बेला। सेमप्र जकिया और सबं आपना आपना जगह चलेगये। Rev j Soy और ५ जन प्रचारक रहगये। शाम Rev j Soy के साथ मदको बड़ा साथिहो गया

३१/ को बाकी प्रचारों को विदा किया। और शाम को मदको बड़ा समाला के लिये गया

तारीख S.Bondra नवम्बर 11 - दि 1 से S Bondra

1/ को वोटर लाने के लिये चक्रधारपुर गया।
2/ को घर में रहा
3/ को कड़ईकेला बाजार किया।
4/ को बिमार में रहा
5/ को " " "
6/ को " " "
7/ को नक्टी बाजार किया।
8/ को को दिवाली पर्व के लिये किधर भी नहीं गया क्योंकी आदमी सब
इधर रासी से मस्त होकर रहेंगे।
9/ को भी दिवाली पर्व था।
10 को बन्देगाव गया विरेन्द्र सिंह का घर तो भी गड्ढे उसका
बड़ा रास्ता वहां एक दिन रहा और उसको चर्म विषय बोले
उच्चार किया। इसपर बोला कि आप लोगों का विषय स्कूल
टोकड़ही में में पढ़ा रहे लिये आप लोगों का धर्म ठीक से जानता हूं
धर्म एक्केम है कि बोला- पर आगे कुछ नहीं बोला।
11 को बन्देगाव से नक्टी आया।
12 को डिंगरा किया।
13/ को दावा खोड़ाने के लिये जंगल गया।
14 को नक्टी बाजार किया।
15/ को चक्रधारपुर दावा चेक के लिये गया।
16/ को तेन्दुआ चलुआ का घर गया उसको चाय पाने के लिये समझौता
किया। बाद में बोला कि मैं अवश्य देर से डिंगरा आना जाना
(सुख करेंगे।
16/ को कड़ईकेला बाजार देखा।
17/ को घर में रहा।
18/ को डिंगरा किया।
20/ को जोरमोरा बाजार देखा।
21/ को नक्टी बाजार देखा।
22/ को चक्रधारपुर बाजार किया।
23/ को सौरीसई गया पर बात-चीत करने को लेकर कोई आदमी नहीं
पाया क्योंकि सब आज काल जोर शोर से धान काट रहे हैं।

२४/ को नजदीकी फौदारम का घर गया। उसने गीत-गीत का करवाना गया।
२५/ को मोरा मनवा का घर गया उसको धर्मी श्रद्धा दिया बाद में बोला कि
में कोई भी सुरत से आप लोगों की धर्म में जायेंगे।
२६/ को ठेंगड़ा किया।
२७/ को गाँव वालों से भेंट करने के लिए ~~छोड़ा~~ जोर शोर।
बजार देखा।
२८/ को ~~चिट्ठी~~ नाकर बहार किया।
२९/ को ~~प्रचार~~ प्रचारिन फौदा का घर बहुत गई। इसीलिए
पुरुष को घर में रहना पड़ा।
३०/ को पैंगोला गया वहाँ ४ जानों को एक जगह बैठे पाप इसी विषय
पाप करते करते धर्म की शिक्षा दिया। पर उनका बुद्धि नहीं
पाया।

इसी तरह धर्म शिक्षा तो देते हैं और सुनने वाले भी
ध्यान से तो सुनते हैं और प्रणाम भी करते हैं पर थोड़ी
देर में भूल जाते हैं।
तारीख २-११-१२ को मैं मछोम्बा की वेतन ले आने के लिए
पकल बारपुर जा रहा था कि रास्ता में मोंदीसई का एक
आदमी से भेंट हो गई। उसने मुझ को चिढ़ाते हुए बोला
देख आप लोगों का धर्म सड़ा हुए कुड़ा करकट के समान है पैसे
कहाँ कहाँ से वहाँ के आया। देख हम लोगों का पुराना धर्म आप
लोग छोड़ दिया। रतनाटी बोले एकदम में थैली से एक
मैला चिथड़ा रुमाल निकाल लिया और उससे पूछने लगा
कि ये रुमाल किस चीज के लिए दरकार है उसको रहिया
कि स्नान और पानी को करकाते हैं। इस पर मैं ने उसको
समझा दिया कि पुराना धर्म पैसे कुल कि हैं पर यही
बात है एक उसपर जोर नहीं। रुमाल को काला की
समान उनसब की मनोवृत्ति एक देख हैं। इसलिए
परिदृश्य हमें से वह साकुल और पानी। कहाँ पायेंगे?
रथस्थानी कलहा में परीक्षा मस्तिष्क में जो कितने लोगों
को गन्दा मैला वहे दूर कर सकता है।

न कोई मेड़ की तोड़ू से गई या मुझी के-
तोड़ू से गई पर केवल चार मसी के तोड़ बिना
उनकी भी सुध्यता कभी नहीं होगी ऐसा —
समझौता देकर वह बेचारा समझ गया पर बाद में कुछ
गई बोला । और ऐसा ही जहाँ जहाँ आदमी साथ हम
बड़ी चुटे के लिये बुलाते हैं तो यही यही मन वचन
मोहरियों को बोल देता हूँ और कुछ बरनाव भी
बुला देता हूँ ॥
यही उसमिटने का थोड़ा रिपोर्ट लिखने जाता
हूँ ।

आ: आप का सेवक संगी क्र —
पुलिस चारी —

Cate S. Bodya
Vi Nati

तारिख (9) अक्टोम्बर की रिपोर्ट - १०-६१-६

१/ को प्रभु नोला गिजी हुआ।
२/ को दूसरी वेला मदेकोवेड़ा तरफ Rev J Joy के साथ घुम ने गये दूसरी वेला नकटी का दिनबन्धु नाएक का घर गया और उसे को प्रचार करने लगे ठीक उसी समय ८-६ जन आदमी आया और उस उतपत्ती जेसे बतलाया दिये।
३/ को नकटी बजार किया।
४/ को एक विड़ी कम्पनी के लिये दावा-वोनों के लिये चन्द्रपुर नकटी का फौदारम के साथ गये ठीक उसी समय मने दो ठो मुर्गा देखा उसी समय मैंने उसको प्रचार किया कि विनास्वासु को का मारा हुआ भगवान को साथ क्यों मानते हैं मैं तो सब मनोवा जाती का सिरतान हर को छोड़ के साथ किसी प्रकार से भी दूसरा भगवान की सेवा मत कर।
५/ को एक कुरोवाली के लिये दावा सेवा लेजाया गया।
६/ को कोड़ई वेला बजार किया।
७/ को वोचनु स्टाउ किया।
८/ को बजार किया।
९/ को नकटी विशाला पर्टल बेढ़ी करवाना गया वहाँसे मचुवा डेरा का घर गया और वात चीत कर घर आया।
१०/ को नकटी बजार देखा।
११/ को घर तरफ से गांव वाले आने का तारिख था उसलिये मैं घर ही रहा ठीक उसी तारिख को वे सब आये साथ में एक पैदा को प्रचारिन को विमार देखने को लाया। वह तारिख ११ से १४ तक मेरा घर में रहा प्रचारिन के लिये दवा मरामत किया मैं भी तारिख १४ तक घर ही में रहना पड़ा।
१२/ को बजार किया।
१३/ को बरुडे वरन्डेया वेरेया डेरा का घर गया और उसको चमड़ी का ढोल बनाया।

१६/ को नक्कटी कछार देखा।
१८/ को घर में रहा।
१८/ को नक्कटी फौदा राम के घर गया वहाँ से बिदरी कलवाना गया वहाँ एक ने गीत गाके सब को सुना दिया और उस गीत का अर्थ भी बता दिया हंसा। गीत का भाव नागर बगेरे के पाते सिर मा दिशुम तंग बेगो ताना।२-
२०/ को खुड़ी तोर गया एक दुःखाली के लिये दवा बनाने लगा।
२१/ को घर में रहा।
२२/ को गिरफ्तार किया।
२३/ को गाँव वालों ने वोट करने के लिये दौरा पर बजार गया।
२४/ को एक विशेष काम के लिये फौदाराम के साथ चक्रधरपुर गया।
२५/ को कनसरा लोवर प्रः मः स्कूल का हेड परिश्रत स्वकारी का घर गया। साथ में मन्दरुप गी लेंथ ले लिया। और उसी के आधार पर उनको उपदेश भी दिया और किताब भी दिया पढ़ा देखा सुना तो बोला कि धर्म ठीक है।
२७/ को २ बजे हेड परिश्रत के घर से नक्कटी आया।
२८/ को खरुष मनसुख का घर धारमः कोल गया उसका लड़का बड़ा बीमार में है। इसीलिए मुझको वहाँ जाना पड़ा दावा बता के इनको लौट गया उसी का जेराक्रः कोल से २ बजे घर आया। और गिर्जा किया गिर्जा के बाद में सुना कि मदको बेड़ा का मरिया सोय धारि से विमार में "वह हम लोगों के लुचेरा मिसन की है। और नक्कटी ही में गिर्जा करती है" मैं उसको देखने गया।
३०/ को मदको बेड़ा में एक ढो बात की थी कि संसारिक माहियों की ओर से हमलोगों के मिसन महियों को सताते हैं उस बात को मिटाने के लिये बात विचार किया और में संसारिक माहियों को समझौता देते हुए उस बात को रोक दी और भविष्य में ऐसा नहीं करना और के सब प्रतिज्ञा किया कि और नहीं करेंगे।
३१/ को नक्कटी बजार देखा।

इसी तरह में पेन्टिकोस्ट मिशन बोर्ड की काम ईश्वर की शक्ति के साथ काम करता हूँ। मैं इधर उधर रोगी विमारियों के घरों जाता हूँ और साथ में मंच पर भी सुसमाचार बोलने में लिये रहता हूँ उसी समय लोगों को सुसमाचार वचन सुनने की बात मिलती है और फलतु समयों में भी — सुनने वाले पुरुष से सुनते हैं और बोलते भी हैं कि धर्म मत्ता है पर जब हम उस में जायेंगे तो हम लोगों के गहरा हम लोगों को स्वीकार ये मालगा को देंगे यही मसीह हैं। इस प्रकार भी मैं उन सब बातों समझौता देते हैं। इसप्रकार धुती धर्म खोलने को तो बहुत ही हो जाते हैं। पर पर यहीं उड़ जाते हैं। इस संदर्भ का यही छोटी रिपोर्ट लिख भेजता हूँ।

आपका विश्वास भाजन भाई
संजय कार्यकारी Cate. S. Hodra
Vi Nakti
P.O: Karaikela
Dist Singhbhum
(Bihar)

सेप्टेम्बर - टे - ट्वी ड का रिपोर्ट

१/ को चक्रधारपुर गया आते वक्त कई केला बजार देखा ।
२/ को घर में रहा ।
३/ को Rev. Jacob चक्रधारपुर से आया और उसी का मंगलवार में गिरजा हुई ।
४/ को Rev. Jacob के साथ में कोचा गया एक विशेष काम के लिये ।
५/ को कोचा से लौट आया ।
६/ को पानी के कारण घर ही में रहा ।
७/ को पानी के कारण घर में रहा दूसरी केला तुपुंगर्डीह होते हुए वरनुवा जाने का रास्ता में तुपुंकराम शर्मा का घर मुलाकात से भेंट हो गई उसके साथ बैठ लो बैठ के बातचीत करने लगे वहीं खुश्क हुवा गई मैं भी घर आया ।
८/ को कई केला बजार किया ।
९/ को बचन स्थगित किया ।
१०/ को गिरजा किया ।
११/ को धान काटा ।
१२/ को निकट बजार देखा ।
१३/ को राजा परोम जाने का इच्छा था खाना पीना खत्म हो गया था तो उसी टाईम में नकटी के दो आदमी आया दवा को बिलिप दवा बनाने लगे ।
१४/ को तुंग टोला: सोने शाम को एक धोबा आ कर गया । और सब परीवारों को खुब ही शिक्षा दिया । १२ बजे वहाँ से घर आया । आराम कर रहा था उसी समय Nikra Kharpur से Rev. Jacob आया उसी के साथ मुझको बड़ा तरफ घुमने गये । शाम को सुरी डुबते डुबते चक्रधारपुर लौट गये ।
१५/ को टिडुंगाय गाय वहाँ समुरुल मांझिया की घरनी बड़ी जोर से चिल्ला पुंटे उस के लिये दवा बनाने गये ।
१६/ को टिडुंग से घर लौट आया ।
१७/ को गिरजा किया ।
१८/ को घर में आराम किया शाम शाम को प्यार घोड़ा आ घर में बिती शामल किया ।
१९/ को नकटी बजार किया ।
२०/ को बरलिया गया । वहाँ एक आदमी शेमन मिशन में है वह बोलता है कि मैं दूसरा मिसन में जाऊंगा उसको बुधेश्वर मिशन की शिक्षा दिया । घर जाने नहीं दिया । शाम शाम को मेरी मोड़ा में सोमाडा किया ।

तीमुथियुस

Siddhu ने दिया - से - प्रचारक

21 को विद्युत देखा गया कई शब्द मुसीबतों हर्षराम मुझसे बात चीत करते पर चर्च विश्वास देने की बात नहीं मिली।

22 को इन्द्रेश का मोटर घोड़ा तम लोगों के विश्वास में जाने चाहते तो ठीक था बोलता है कि मिशन के तरफ से मुझको कोई सहायता मिली इस पर चक्र चार पुस्तक Rev. Joy को - मास्टर नाम के लिए शशीवट ग्राम पंचायत को इसका उसकी कारिय लिखवाया इसलिए में उसको तारिख 22 - में शशीवट लोकल बोर्ड स्कूल में मजदूर करने के लिए शशीवट ग्राम पंचायत मुखिया के यहां भेजवा दिया।

23 को कुछ लोगों का दावा बनाने लगा।

26 को गिरफ्तार किया।

27 को शाकेटी दिन बन्धु मसीह को घर गया और उसको चर्च विषय जैसे बताया दिया चर्च विषय उतपाती बातें - को सिद्धवट बोला कि आप का कोई भी किताब हो तीन दिन के लिए दिजीए उसके मैंने आपका दिखने के बाद उसको दिया।

28 को शाकेटी वापिस देखा

29 को घर चर्च शाकेटी को पोचारम के साथ गया चर्च घर पुरे में उसको एक मुसलमान के साथ खुशी उसका प्रचार किया। मुशलमान नाकरा चर्च के विषय - और में आयेगा मिशन चर्च के विषय - बाद में Rev. Joy को घर गया और आप वापस लौटा कर घर लौट आया।

30 को गांव से गाड़ी आया था इसलिए में घर में रहा। उसके साथ कोई काम नहीं रहा।

31 को कुछ जमीन में प्रजाती ले रहा हूं इसलिए गाँव से नहीं जाने पाया। घर में सुविधा नहीं था इसलिए वहां लोग पड़ा उसलिए 30 को सुविधा खोजा। छुट्टी नहीं मिली को सेको उसपर माफी मांगता हूं।

सेंट्रोस्फर महिनों की यही छोटी रिपोर्ट लिखता हूँ।
यहाँ मैं देखा कि आमदे, हुलुंगा से सुनते हैं पर थोड़े
दिन गुप्त धन खोजक हो जाते हैं। पर अखीर भूल जाते हैं
उस पर मैं क्या सोचा कि यहाँ और ही मार्ग २-३ घर पक्का
रुस्ता रहजायें तो उसके देखा देखी डारे आदमी
आ जायेंगे उसी ख्यालसे मैं प्रजाहीं ले रहा हूँ और
२-३ घर सेवा पक्का रुस्तों को गाँव तरफ से
लाने की देखता हूँ। और अभी जमीन वगैरा
हो चुका रु ७०० रुपया मैं — गाव हुमदे के
यहाँ रुस्तों की संख्या बड़ जायगी
यही खोड. छोटी रिपोर्ट लिखने जाता हूँ
मुलाते पर माफ

Yours आप का सेवक सांगी प्रेमचन्द

Cate. S Bostra.

Vi Nakki

तारीख

जॉइन्ट मिशन बोर्ड G.E.L. Church Nakri का संक्षेप रिपोर्ट

१/ को नया शाल गिर्जा मनाया।

२/ को नकरी बहार किया।

३- को चक्रधारपुर गया

४/ को ६ बजे दुःखी उपदेश की उपदेश का घर को चा गया वहाँ Rev. j. Soy के साथ मुलाकात हो गई। २/ का Rev. j. Soy की वाहन की तैयारी उतारना था।

५/ को Rev. j. Soy के साथ चक्रधारपुर आया। लोहरा में गाड़ी की तकलीफ थे रांची से डेपुटेशन सहाब आप का रहे थे उसी की गाड़ी से आये

६- को Rev. j. Soy के साथ लोगों को गये बीच बीच में आदमियों प्रचार करते थे उसी समय सोमन प्रचार भी गया तुम लोगों को खूब गड़बड़ किया। वहाँ से हम लोग चक्रधरपुर वहाँ बड़ी जोर से धर्म प्रचार हो गई हम दोनों पड़ी के साथ गोड़े दो को रात के ९ बजे तक प्रचार किया

७- को फजरी २ में उठ का विनती हो गई और नकरी आया। नकरी पढ़ने तक लोगों से सुरा मुन्डा आया उसको खूब जोर जोर से उपदेश दिया १२ बजे को प्रभु भोज गिर्जा हुआ।

८- को दखा चारीदों के लिये चक्रधारपुर गया।

९- को नकरी बताना देखा।

१०- को Rev. j. Soy के छोटे आदमी नकरी से मदको बड़ा तक रास्ता बनाने लगा क्योंकि डेपुटेशन सहाब आने वाला था।

११- को डेपुटेशन सहाब के लिये फाटक बनाने लगा नकरी में।

१२- को नकरी में Rev j jf Digs डेपुटेशन सहाब आया का बड़ी तरह स्वागत हुआ। १२ बजे भोजन करने के लिये मदको बड़ा गया। २ बजे तेन दमा से लोगों मचुवा मुंजा का घर गया वहाँ उसको प्रचार कर नकरी आया।

१३- को फिर तेन दमा गया आज दो जनों का डेपुटेशन सहाब के द्वारा बपतिस्मा दिया १२ बजे को सहाब विश्राम गये।

१४- को गिर्जा किया।

१५- को मोटरगाड़ी बजार किया।

१६- को नकरी बजार किया।

१७- को चक्रधारपुर विशेष काम के लिये गया।

१८- को चक्रधारपुर से Rev j Soy आया उसके साथ मचुवा को फौदा का घर गया उनहोंने को प्रचार कर लौट गये।

तारीख

19 - को Rev j Joy को गड़ी कोला तक पहुंचा दिया।
20 - को घर में रहा।
21 - को विश्राम किया।
22 - को घर में रहा।
23 - को फौजा का घर गया उस को उसपाती को मीशुमासी का लिखा। चरीच में से उपदेश दिया। जो सिमिश्राम में जाने वाला है
24 - को Chakaria Dharpur से Rev j Joy आया और फिर फौजा को रात के 12 बजे तक ले आ दिया। उसी समय कई लोग भी जुड़ गये।
25 - को शाम को परिवार में रहा।
26 - को " " "
27 - को वचन स्टाडी किया।
28 - को फिर फौजा का घर गया वचन कुछ नहीं दे सका। पर एक कमेटी का फिर से चुनाव किया व उसको दिया।
30 - को - गवरी बजार किया।
31 - को

इसी तरह प्रभु की काम में तो लगे हैं और कम आदमी की वचन सुनके ग्रहण करते हैं पर थोड़ी समय में भूल जाते हैं। आनन्द की बात है कि ईश्वर की अनुग्रह होगी तो त्रिपुरा में तो में दो दिन की बपतिस्मा होगी। आदमियों का कहना है कि अगर चर्च गवरी में पूरी रहेगा तो हम लोग भी जायेंगे मिशन में। क्योंकि रोमन कैथलिक तो इधर उधर घुमता फिरता है ऐसा ही अगर हम लोग भी आप लोगों को पूरी सहाय सब को देखेंगे तो बहुत आनन्द होगी। इसप्रकार संसारिक लोग बोलते हैं। यही जानकारी 1-2-18 की दी रिपोर्ट है।

Yours.

आपका आज्ञाकारी संगी कर्मचारी

Simon Bofra. Nakli

१ को नक्कटी बाजार देखता २ बस्ते चक्कलधार पुर से Rev. j Joy आया साथ में वेतन भी पहुंचा दिया / शाम शाम को मदको बड़ा तारफ
२/ को घूमने गया
३/ को Rev j Joy के साथ चड़ियासा गये नक्कटी गिरजा घर के विषय कचहरी गये पर Rev j. j. D Tigga साहब के साथ मुलाकात न होने के कारण कुछ काम नहीं हुआ बाबू j Joy को चड़ियासा में छोड़ कर मैं सीधे नक्कटी आया /
४/ को चिटुंगदलः गया वहाँ दोस्तों को पाया धर्म विषय में चर्चा हुआ दोनों को देकर घर आया /
५/ को घर ही में रहा /
६/ को मेरा बिमार के बारे चावा मरामत कारवाने के लिये मदको को जयपाल बूढ़ा के यहाँ गया /
७/ को छुट्टी किया /
८/ को कुल कोलसोर। टेडपरिड़त का घर गया और उस को उतपत्ती मेरे उपदेश दिया / बाद में बोला कि और एक रोज आइये / शाम शाम को नक्कटी आया /
९/ को बिमार में रहा /
१०/ को बिमार बिमार चक्कधार पुर गया Rev j Joy से मुलाकात हुई और साथ में शिक्षालास के विषय छुट्टी दरखास्त दे कर घर आया /
११/ को बिमार में रहा /
१२/ को आराम किया / किसी को नहीं पाया नक्कटी आया सुखदेव का घर में बैठ गया बात चीत करते करते धर्म के विषय बात करने लगे / वहाँ से घर आया /
१३/ को छुट्टी किया /
१४/ को पोंगोला गया किसी को नहीं पाया शाम शाम को तेनदलः सतुका से भेंट हो गई उस को धर्म विषय में प्रचार किया / आखिर में बोला कि मैं आने वाला शनिवार आप के मिशन धर्म में जाऊंगे

तारीख -

9/3 को नकटी बाजार देखा।
9/4 को एक पुरवाली के लिये जंगल झाड़ खोजने गया।
9/5 को नकटी दुई चोरी का घर गया बातचीत कर कुर्था नाटक का घर गया बातचीत करते करते उसको मन्द्रू दिया आँख पढ़ा बोला भी कि हम लोगों कि मन की दशा इस प्रकार है। इसपर मैं उसको बोल दिया कि इसी लिये यीशु मसीह को पकड़ना चाहिये / वही बचाने वाला है।
9/7 को कड़ईकोला का बाजार किया।
9/8 को सरवड़शाल मचुवा का घर गया उसको धर्मविरुद्ध मेसे बता दिया कि = शि। पाने के लिये हमलोगों को क्या उपाय करना चाहिये / विशेष चार्ट के विषय बता दिया
9/9 को छुट्टी किया
9/10 को बरन्डुप जोहन माईया का घर गया तो कि पहले हम लोगों को इलेक्शन मिशन में था / जिस समय नकटी मर्द मराठी टूट गई थी उस समय S.P.G. में चला गया। उसको समझाने के लिये गया पर वह बोला कि फिर मैं नहीं लौटूंगा।
9/11 को नकटी बाजार किया /
9/12 को एक जान मास्टर को शीशी वह लोवाले बोड स्कूल में पहुंचाना था बात बनाय के एक नकटी में भेंट देके शीशी = वह लायेंगे / उसके ताक में रहा पर नहीं पाया /
9/15 को जलावन लाने के लिये जंगल गया /
9/16 को कड़ई केला बाजार किया शाम शाम को कनसरा सरकारी टेड पण्डित को घर गया / गोटा रात उसी के घर में रट के बाइबल से कहानियों को सुनाया किया /
9/17 को दावा खेत रखाने के लिये जंगल गया /
9/18 को छुट्टी किया /
9/19 को रुपिया लाने के लिये गांव गया क्योंकि प्रचारक को प्रचारण के बिमार में बहुत रुपिया चला गया / इस पर महिना पूरा करना था बस किला था / पुलाई महिना का पैसा सब खतम हो गया था / पर गांव वाले मुझे को मदत किया /

2 दे को मकांटी लौटा
30, को मदिकौ बड़ा बालबच्चों समेत मकांइ खाने गाय /
31 को अगस्ता महिना का रिपोर्ट तैयार करने लगे —

इस महिना का यही थोड़ी रिपोर्ट लिख भेजता हूं
प्रचारक को प्रचारिन दो जों की बिमारियों की कारण
मैं आपना पूरा काम नहीं कर सका इसलिय आपना
रिपोर्ट भी बहुत संक्षेप मे समप्त करता हूं। इस पर मैं
मफी मंगता हूं। उनमार आका तक चलारहा है अर्थात
प्रचारिन को कभी कभी पेट दर्द करती है एक एक
दिन उसकी बिमार सेवा होती है पेट दर्द से
एकदम को चैन होजाती है इस लिये मैं बहुत ही डर मे
रहता हूं। गांव वालों को बोल दिया — हैजा जैसी
तरह दवा जानने वालों को लड़िय क्योंकि मैं दवा कुछ
भी काश्र नहीं करता हूं पर अभी तक नहीं लगे
शिक्षा क्लास अभी तक मैं याद करता हूं क्या करें
उस समय प्रचारकहु मरुउत्तीयों मे प्रचारक का काम
करता था उस समय — ३ बार शिक्षा क्लास में बैठा —
इसलिय शिक्षा क्लास में बैठना मैं मुझको बहुत अच्छा
लगता हूं है। इस समय तो मेरा दशा ही खराब
होगई / अभी थोड़ी रिपोर्ट लिख कर समप्त करता हूं

स्नेह: आपका सेवक संगी कर्मचारी

Cate S. Bosa
at Nakti

To

Rev. J. J. P. Tiga
Vil. G.E.L. Church Chaibasa
P.O Chaibasa
Dist Singhbhum

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव N.K.L. पोस्ट आफिस Raxaul Bela

जिला Singhbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम Late Simon Oraon

सन १९६२. के ..... महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१/ को गिर्जा किया। गिर्जा Rev. j Joy के अगुवाई में हुआ।
२/ को गोंडा जांडा प्रचारक को वेतन पंडुवा ने के लिये ओरसोए बजार गया।
३/ को नकरी बजार किया।
४/ को बाबा रवर/कने के लिये चक्रधरपुर गया।
५/ को लुपुंगडीह टुन्डु टो को घर गया। और उस को खुब प्रचार किया
६/ को कड़ई मेला बजार किया।
७ को वचन स्टाडी किया।
८ को गिर्जा किया। जन संख्या २० थे
९ को घर चांल लाने के लिये पोटका कैम्प गया।
१० को नकरी बजार किया।
११ को लकड़ी लाने के लिये जंगल गया। शाम २ को चिड़ा डिवह को खुब प्रचार किया
१२ को नक्वटी का घसीया टो को खुब प्रचार किया।
१३ को बंदी गया और घसीया टो को खुब प्रचार किया।
१४ को बंदी से नक्वटी आया। रास्ता में चक्धर टो को प्रचार किया।
१५ को गिल्ली किया।
१६ को रोटेपुली मोपका का घर गया उसको धर्म शिक्षा दिया।
१७ को नक्वटी बजार देखा।
१८ को चक्रधरपुर गया।
१९ को जतिउवा पर्व के लिये खाशी खोजा।
२० को मेला सुरुवार गिर्जा मानाया।
२१ को घर में रहा।
२२ को जी उठना पर्व मनाया।
२३ को घर में रहा।
२४ को मैंने एक ठो घर बनाया उसका संसकार हुआ Rev j Joy के अगुवाई
२५ को Rev j Joy को शिरी बात बातों को विवरण हुई।
२६ को ले लुलीराम के लाने को खुब प्रचार किया।
२७ को कड़ई मेला बजार किया।
२८ को वचन स्टाडी किया।
२९ को गिर्जा किया।
३०
३१

(२) महिने की विशेष बात :—

आपेत्त महिना की विशेस बात काम जोर सोर से हो रहा है और किताबों को बपतिसमा के लिये सिखा रहा हूं। और एक धनजना गिरजी बिनती सभा जाया करता है। उसको भी बपतिसमा के लिये उसरवाना पड़ता। है। उसमें है कि यहाँ थोड़े ही दिन में बड़ा मण्डली बनेगी ईश्वर हम लोगों की कोम में आशिष देता है। मैं यहाँ बहुत से गती लाभ किसम की तरीके से बनाया हूँ। दावा दल के उपसंघ से और प्रचार के उपसंघ से।

(३) गिर्जे की हाजिरी :	खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार	१८	
२रा "	२०	
३रा "	२८	२
४था "	२१	
५वां "	२५	
१ला [illegible]	१२	

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ...

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— ४१

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— १५

(७) महीने की मण्डली आमदनी— घड़ा सिरणी २।) उत्पत्या सिरणी १।।।) पैसा

" का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने २-५-५८ आपेत्त महिना ता० को ... रु० ... न० पै० पाया

... आपेत्त ... महिने का तलब और ... रु० ... न० पै०

टी ए० और ... रु० ... न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

नकदी में भाग लाभ की शाखा होनी तो सेन्टर बनायेंगे
रहेंगे। स्कूल की जरूरत होती है और घर मरम्मत
करना पड़ता है क्योंकि रखपरा साथ रखि रहा और भीत
में पच्चा ईंटा रखिया हुआ है और बहुत चूता है मेरा ख्याल
है इस शाखा मराम नहीं करवांगे तो सोचनीय अवस्था पड़ी है
कि भीत गीरने डारा होगा

ता: ..... सही ... Simeon B. Das

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव N.K.Li..... पोस्ट आफिस Karaikela.....

जिला Singhbhum... प्रान्त Bihar.....

सेवक का नाम Simon Bara.....

सन १९६२ के फरवरी महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ को घर में रहा
२ को मदनो पेड़ा में शादी बिवाह था वहां गया।
३ को शिवी नाथ Rev. Jay के साथ गया
४ को वाडिलबांडि में तीन दिनों को बपतिस्मा हुआ वहां गया
५ पादरी का सामान पहुंचाने के लिए चक्रधारपुर गया।
६ को नकाटी बजार किया।
७ को एक विशेष काम के लिए बन्दगांव गया।
८ को बन्दगांव से घर आया।
९ को कड़ई केला बजार किया। अति समय रमरईडीह को खूब प्रचार किया
१० को वचन स्टाडी किया।
११ को गिर्जा किया।
१२ को नकाटी चुरूको घर गया वहां तीन दिनों को प्रचार किया।
१३ को रुक्कड़ोंड़ा को शादी नकाटी में हुआ था शादी देखने लगा।
१४ को जलावन लाने के लिए जंगल गया।
१५ को बूंटिया गया पर आदमी नहीं मिला।
१६ को कड़ई केला बजार किया।
१७ को वचन स्टाड़ी किया।
१८ को गिर्जा किया।
१९ को हथीबारी गया धर्म शिक्षा दिया गया।
२० को नकाटी बजार किया।
२१ को चक्रधारपुर दवा खरीदने के लिए गया।
२२ को शिंगा डीह को प्रचार किया।
२३ को कड़ई केला बजार किया।
२४ को वचन स्टाडी किया
२५ को गिर्जा किया।
२६ को घर में रहा।
२७ को तेनदुमा गया खस्सा मसीदास का घर में समाज किया।
२८ को चक्रधारपुर गया। लौटने Rev Jay के साथ फकीरराम को खूब
२९ प्रचार किया।
३०
३१

9/3/62

(२) महिने की विशेष बात :—

इस महीना आपना काम से कुछ बतला सक्ता हूं कि यहां बहुत से गुप्त धर्म खोजक हैं। और वाचा भी चमार से मुते हैं पर मण्डली गुप्त में है। पर नक्शे का फैसला ता: 6-3-62 को कर दिया जावेगा।

(३) गिर्जे की हाजिरी : खृस्तान अखृस्तान

१ला एतवार... इस महीने का गिर्जा खारी नहीं बनाया गया

२रा „ ... तसदीक नहीं ... गांव में सन्नाटा

३रा „ ... ...

४था „ ... ...

५वां „ ... ...

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ...

१ पुराने— —x

२ नये जो बीते महिना हुए— x

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— 34

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— 94

(७) महीने की मण्डली आमदनी— —०

„ का मण्डली पैसा— —०

(८) मैं ने x ... 3 ... 62 ता: को ... 60 ... रु: ... ० ... न: पै:

... इस ... महिने का तलब और ... 60 ... रु: ... ० ... न: पै: पाया।

टी ए० और ... ० ... रु: ... ० ... न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु० ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

नवटी में गिर्जा घर औ पट्टी इथा बनाने की आवश्यकता है। पुराना घर मरम्मत करवाने की विसेस जरूरी है। अभी तक रुपया पैसा घर को - निराश नहीं मिलता है"

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण -

X

ता: ..... सही ..... Sincere Brother

Nakti Mundli. off. Village
Madhobera.
Dt: 12/1/62

महाशय !!

Rev. J. J. P. Tiga ઉર્ફે કરસ્ટ સહિત આપ સૌ
પ્રભુ સહાય / આગે હમ લોગ નક્ટી મરાડતી કે ગરીબ રહસ્ત
માઈ સબ હૈં. ઇસ્વલ્પ હમ લોગ ઠંગડી વિન્તી મી ગરીબ
દાશા કે કારણ તાલિમ હોને મે આસમર્થ હો જાતે હૈં
હમ લોગોં કો ઉગાદ પાસીન મી નહી હૈં ઇસ્વલ્પ હમલોગ
કિસીદુસરે કા કામ કરકે ખાતે હૈં અધર દો દુર મી
ઇસ્વ ગરીબી કે ચલતે નહી બના સકતે હૈં ઘર દુરી સે
મી હમ લોગોં કો કાસ્ટ હી કાસ્ટ હોતી હૈં ઇસ્વલ્પ હમ
હમ લોગોં કી માજી વિનીત સેવા હૈં મેરા આપ કો
પાઇન્ટ રમશન બોડિંગ મે કામ કી હૈં ઇસ્વલ્પ આપ કો
પિતા કે જૈસા દેખ કર મૌર આપ કે મદદ દેકર મી
આપ સે દીન આદમી જૈસા હૈં કિ ઘર બનાને કે લિય
કુછ કુછ આપ કે તરફ સે મદત લેને પરતે હૈં વ્યાજ કા દર કે
વારે બહુત હી કાસ્ટ હોતી હૈં સાથે પૈસે કા દાવી નહી કરતે હૈં. કમ સે
કમ ઘર બાંધને બનાને કે લિય રુપ્પે ૬૦ છઃ પુતી કા દેને મે લિય
દેહાતો કે રહેના જિંદગી પહી હમ લોગોં કી માફિક આપ
સે હૈં ! આપ કે આગે ગલતી હૈં તો માફ કિજીએ !

ભવદીય

આપ કે સેવા દીન નક્ટી મરાડલી કે માઈ સો

જયપાલનો સાર લોદર મદ્દબોવેડ્ર

મુદ્રા મુસ મુંડુ લોદર

Allower Thumb of Right Hand

12.1.62

c/o

Rev J J N Tigga

G: E L Church Chaibasa

P: O Chaibasa

Dist - Singh bhum

(Bihar)

दिसम्बर १२-६१ ई.

की छोटी रिपोर्ट

१- को नोवेम्बर महिना का वेतन लाने के लिए चक्रधारपुर गया।
२- को घर में रहा।
३- को गिरजा ठीक्या।
४- को डुंका देखा एक दुकान में घर गया दावा ले के और
५- खुसम चा भी ले के गया और उस को धर्म शिक्षा भी दिया
६- को पकेटी बजार देखा।
७- को चक्रधार पुर दरबार स्कूल के लिए गया
को कुई तथा चतुरभुज का घर गया और उस को धर्म शिक्षा
भी दिया।
८ को बरनेया बेरगा टोका घर गया। उस को धर्म शिक्षा देकर घर आया
९ को वचन स्टडी ठीक्या।
१० को ठिगर्डा ठीक्या।
११ को कोयंचोरा मचुरा मुन्डा का घर गया और उस को धर्म विषय में से
बाता ठिया।
१२ को पकटी बजार ठीक्या।
१३ को चक्रधार पुर बजार ठीक्या।
१४ को ठाकुरी लुकेराम सई लाल मुमडी का घर गया उस को धर्म
शिक्षा दिया। और बोला कि मुझ को एक बंगला चाहिए दाम
देंगे बोला। बटा से उठ कर मैं कुछ दूर गया आदमी मरा
को सिमला वहां से पोंछा भी गया वहां गानुटोला को पाया
उस को प्रचार कर दफीदारी दानुटोला का घर आया और उस से
बात चीत कर घर आया।
१५ को कड़े केला बजार किया।
१६ को इचुरा गया आदमी मरा पया वहाँ से तेनदा मा. सलगा का
घर गया। और उस को प्रचार कर के आया।
१७ को ठिगर्डा ठीक्या।
१८ को पर्व को लिए रवाही खोजा।
१९ को Rev. j Soy चक्रधार पुर से आया उसके साथ मचबोवेड़ा गया
२० को पावन पिसवा के बेपतिस्मा और पर्व के लिए समान खरीदने
के लिए प्रचारिन के साथ चक्रधारपुर गया।
२१ को पर्व का फूल बनाने लगा।
२२ को फूल बनाने लगा।

को पवित्र स्वाक्षी मारा गया उसको बताने लगा।
को पुनरावृत्ति गिनती किया। वचन सुनने के लिये कई संस्थाओं के
आदमी आये। बड़ी खुशी से विदा किया।
को जन्म पर्व मनाया।
को एक बार पुरे से R.C.J. Sr. Joby आया और
उस के साथ शिक्षा विद्यालय और वहाँ का पुरा पता कर
लौटा। सुबह को प्रचारक जोसेफ मेल गन्नु के साथ
रोटापुली को लौट गया और उसको ईश्वर का वचन
सुना दिया और साथ में दो तीन गीत भी गाके सुना दिया।
को मैं शिक्षा वर्ग से घर लौट आया।
को घर में रहा।
को कड़ई बेचा बाजार देखा।
को एकदो जगह में पत्राचार लिखा। डायरी में
उसको लिखा पड़ा 30-12-62 को किया।
को विदाई किया।

इस प्रकार आज्ञाओं विश्वास उपवास से ईश्वर की राज्य को
फैला रहे हैं प्रचार कर रहे हैं। कोई दावा दाए के विषय से भी
विनती करता हूँ। उन के मन में ईश्वर का आत्मा डेरा करे।
आप सभी भाई बहिन उन सब के लिए आप
के तरफ से भी ईश्वर के विनती करे। इस
महिने को रोर्ट रिपोर्ट लिख भेजता हूँ।।

सादर आप का विश्वासी सेवी कर्मचारी

Date 5.12.62

Nabin

D: 5/1/62

#8/8

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव N.A.R.Li..... पोस्ट आफिस Karaikela

जिला Singhbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम Simon Bara

सन १९..६.२ के जुलाई महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विसेष काम

१ को Rev. j Soy के द्वारा गिर्जा हुई।
२ को रोग विसेस लोगों के कारण कमजोरी मालूम पड़ा।
३ को नकटी बाजार किया।
४ को घर बनाने लगा।
५ को सन्डे गया वहां धर्म शिक्षा दिया गया।
६ को कुड़मादिमा: गया वहां एक आदमी को प्रचार किया।
७ को घर में रहा।
८ को गिर्जा किया।
९ को तुपुंगडीह गया वहां दुनू दो को शिक्षा दिया।
१० को नकटी बाजार किया।
११ को तीनदिमा: स्वदेश दिगर को घर में विवाही समाज किया।
१२ को नकटी करवानो गया वहां धर्म शिक्षा दिया।
१३ को नकटी घोरा होरो का गाय बिमार में था उसके लिये दवा खोजा।
१४ को चक्का गया।
१५ को गिर्जा किया।
१६ को मरन्डीया नरन टो को स्वर्गीय हो का घर गया। और शिक्षा दिया
१७ को नकटी बाजार किया।
१८ को कुड़मादिमा: एक दुःखाली को देखने गया।
१९ को कुड़मादिमा: में रहा।
२० को वहां से नकटी आया।
२१ को घर में रहा।
२२ को गिर्जा किया।
२३ को प्रचारिन सब गांव जाने वाले थे इसलिये उन सब को कुछ दूर ले गया।
२४ को नकटी बाजार किया रात १२ बजे मेरा दहिना आंख में सांप काटा
२५ को वहां सांप विस के कारण बिमार में रहा
२६ को " " " " करीब ८ बजे Rev. j Soy नकटी गया।
२७ को " " " "
२८ को कुछ शान्ति हुआ।
२९ को Rev. j Soy के अगवाई में गिर्जा हुआ।
३० को नाया रास्ता पौलुस के घर में बिमार का दिनों रात वहां रहना पड़ा।
३१ को नकटी बाजार किया।

(२) महिने की विशेष बात :—

(३) गिर्जे की हाजिरी :

		ख़ृस्तान	अख़ृस्तान
१ला एतवार	... ...	—	८
२रा ,,	... ...	—	६
३रा ,,	... ...	—	८
४था ,,	... ...	—	५
५वां ,,	... ...	—	१२

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ७

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— — २४

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— — ११

(७) महीने की मण्डली आमदनी— ३=)

,, का मण्डली पैसा— ×

(८) मैं ने ...२६... ६२ ता: को ...८०)... रु: ...०... न: पै:

...उत्साह... महिने का तलब और ...४)... रु: ...०... न: पै: पाया

टी ए० और ...०... रु: ...०... न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु. ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया ।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

आज कल अंध बाहु गरीबी दशा के कारण आप स्त्रियों को के लिए काम करने के लिए यह संख्या अति कम है। इस लिए गिर्जा की ओर से आमदनी भी कम है।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

ता: १-७-६२ को एस: पी जी: मिशन का दो जन लड़का और लड़की हम लोगों की कलीसिया में घुस गया और उस्की रोटा कृढ़ाइ भी लिया फिर सदर्न तेलंगाना की लड़की जनाना आवास्था में — वापस ले गया उस्की राक्षा लिया। इस प्रकार हम लोगों की मण्डली दिनों दिन बढ़ती जा रही है। उस लड़की का पुराना नाम पालो श्रेस्ता नाम पौलिन रखा गया। आप पोलिस की सहित दो घर मद्दकोवेड़ा के २ आक्षा को विरुध पाप किया पकड़ा गया और छुट्टी रुपया जमा किया गया तराजा के मारे गाड़ी छोड़ दिया

ता: ७-७-६२ सही Simon Reddy

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव ...Na.K.Ti..... पोस्ट आफिस ...Kahairkela

जिला ...Singhbhum..... प्रान्त .....Bihar.....

सेवक का नाम ...Simon Bodra.....

सन १९.६२ के ...Jan.....महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ को नक्टी चिड़ी कहरवा गया और गीता गाते हुए खिचा दिया गया
२ को मधुवा को बरगया उस को प्रचार किया।
३ को रविवारी किया।
४ को - जंगल दावा खोजने गया।
५ को नक्टी बजार दौवा।
६ को गाड़ी लेके जंगल जोतोवन लोगों के लिये गया।
७ को चुटिया दका गया सोमा को घर बहुत तीजों को पाया और खूब प्रचार किया
८ को मई मीटिंग का रिपोर्ट बैठाने के लिये कट्टे को ला गया।
९ को घर में रहा।
१० को - रविवारी किया।
११ को - चुन्ना दका: कका दुःखवाली को बरगया।
१२ को नक्टी बाजार दौवा किया।
१३ को घर में रहा।
१४ को चक्रधार पुर गया। उसी रोज Rev Joy नक्टी आगया और उनके साथ
१५ को डुरेन्डर सहाव आया उसी के साथ पउलूस का घर गया।
१६ को कुली रेला खोजने के लिये मदको बैठा गया।
१७ को गिर्जा किया।
१८ को घर बनाने सुरु किया।
१९ को घर बनाने लगा।
२० को " " "
२१ को " " "
२२ को " " "
२३ को " " "
२४ को गिर्जा किया "
२५ को घर बना ने लगा
२६ को " " " "
२७ को " " " "
२८ को " " " "
२९ को " " " "
३० को "
३१

(२) महिने की विशेष बात :—

(३) गिर्जे की हाजिरी :

		ख्रृस्तान	अख्रृस्तान
१ला एतवार	... ...	१२	
२रा ,,	... ...	८	
३रा ,,	... ...	१०	
४था ,,	... ...	८	
५वां ,,	... ...	१०	

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ...

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— ३६

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— १५

(७) महीने की मण्डली आमदनी— डलिया १) आ: चढ़ा २) रु:

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने १० जुलाई ता: को ४० रु: ० न: पै:

जून महिने का तलब और ० रु: ० न: पै:

टी एं० और ७ रु: ० न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु० ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया ।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

यहाँ नगर में सेंट्रल बाग से उत्तर की ओर है एक गली है यहाँ की संख्या बड़ी आपकी क्यों कि बहुत संसारिक भाई को मुझ से मैं सुनता हूँ कि अगर सोप बाबू यहाँ आपका तो अच्छा होगा क्यों कि वह एक अच्छे आदमी हैं और हम लोगों को आकर अच्छी तरह से मिलवायेंगा आये भी हम लोगों को बतलाते तो हैं पर एक और बड़ा आदमी अगर रहेगा तो हम लोगों की जरा नहीं रहेगा । इसकी बात हम को बोलते हैं । मैं उन सब को बोल दिया कि बड़े आदमी जब हम लोगों को आये छोड़ेगा तो सब आया जाया करेंगे ।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

आजकल की बात है कि स S. P. G. मिशन के दो जन हम लोगों की कलीशा में आ गया । मैं ने उन दोनों को दृढ़ीकृत के लिये तैयार किया और Rev. J. Day ने उन दोनों को दृढ़ीकृत किया उसी रोज तेरह आदमी की एक संसारिक लड़की बपतिस्मा लिया १६ वर्ष की उम्र में जिसकी पुरानी नाम पाओलो की रखते नाम पाउलिन रखा गया और दो हफ्ता के बाद एक जवान लड़की की बपतिस्मा होगी ऐसा ही कलीशा बढ़ती तो बढ़ी पर बढ़ती जा रही है । इसलिये मेरा काम पर परमेश्वर आशीर्वाद मुझे को काम अंत की सहायता

ता: .....

सही Cate. S. Badra

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Vi...Naktí..... पोस्ट आफिस ...Karaikela.

जिला ...Singhbhum.. प्रान्त .....Bihar.....

सेवक का नाम Late...Simon Bedia.....

सन १९६२ के .....माई.....महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ को नकटी बजार किया।
२ को आप्रेल महिना की वेतन लेने चक्रधारपुर गया।
३ को देवगांव गया वहां एक आदमी को धर्मशिक्षा दिया गया।
४ को अप्रेल महिना की रिपोर्ट भेजने के लिये कड़ई केला गया।
५ को वचन स्टाडी किया।
६ को गिरजा किया।
७ को घर में रहा।
८ को नकटी बजार देखकर शाम को फटलूस के घर में शामिल किया
९ को Rev. Joy से छुट्टी लेकर घर गया।
१० को फिर वहाँ से नकटी आया।
११ को कड़ई केला बजार किया सांझ में कोंकोवा मास्टर को प्रचार किया
१२ को वचन स्टाडी किया।
१३ को गिरजा किया।
१४ को तेनदला: गया आदमी नहीं पाया
१५ को नकटी बजार किया।
१६ को चक्रधारपुर गया।
१७ को फोका पटलूस का घर गया।
१८ को राजा परम आदमी को था घर कड़ई केला से लौट आया।
१९ को Rev. Joy Chakradharpur से नकटी आया उसके साथ मयुवा को प्रचार किया
२० को प्रार्थना मिटी हुआ।
२१ को पढ़ी की विदाई।
२२ को नकटी बजार किया।
२३ को चक्रधारपुर का मास्टर को दावा पहुंचाने के लिये गया।
२४ को लुकराम जाई गया वहाँ वचन दिया गया।
२५ को कड़ई केला बजार में चावल खरीदने के लिये गया।
२६ को नकटी कारखाना गया वहाँ दो तीन दो गीत गा के शिक्षा दीया
२७ को गिरजा किया।
२८ को घरजेपा गया दो जन को उतपती मेसो बिरवा दिया।
२९ को नकटी बजार किया।
३० को को चक्रधार पुर गया इसमें जो का नेतागी उसी रोज लाया।
३१ को घर में रहा। / कोई छोड़ न पड़ी मनाया।

(२) महिने की विशेष बात :—

काम तो इश्वर की आशीष कृपा से होता है। पर आम कोई भी कदम नहीं बढ़ाया है पर बहुत लोगों की मुंह से मैं सुनता हूँ कि क्या आने वाला साल अर्थात १८७३ ई० मिशन में घुसने के लिए दो तीन घर खोल रहे हैं। इन सब के साथ परमेश्वर की दया दिन या दिन हो ता है। और बेसब खुशी पुर्वक आनन्द से मिशन में घुसने चाहे

		खृस्तान	अखृस्तान
(३) गिर्जे की हाजिरी :			
१ला एतवार	... ...		
२रा „	... ...		१३
३रा „	... ...		१२
४था „	... ...		७.
५वां „	... ...		निल
(४) धर्म्म खोजकों की संख्या	... ..		
१ पुराने—			
२ नये जो बीते महिना हुए—			
(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या—			३८
(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या—			१८

(७) महीने की मण्डली आमदनी—

„ का मण्डली पैसा— १८५१ का मराठली पैसा ३०-५-८२ को २१) आ
Rev. ई० को दिया

(८) मैं ने ३०-५-८२ को ८) रु: नः पैः

माई महिने का तलब और रु: नः पैः

टी ए० और ० रु: ० न० पै० अन्य बाबत पाया।

१६८१ का हिस्सा कुल टोटल १५।) पैसा इसमें अन्य स्वयं
५।=) आया पारिवत ६॥=॥ पैसा ।

(९) मैं ने ..... रु ..... न० पै० Benjamin ay .....

के पास उ० पु० दि० ता: को भेज दिया ।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

मराठी की विशेष बात सेवा है। एक
क्षेत्र के स्वयं वाली जोर सोगर की काशा में है। इसलिए
क्षेत्र जंगल को जाही कहीं काम करने के लिए
गया है। इस कारण आज कल गिर्ता में काम गाव
भी खड़ी होती है। सिर्फ यहाँ कमर स्वयं है। वे
स्वयं गाव्ली काल घर ही में पढ़ी है।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

ता: ..... सही Cpl. Simon Badra

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव ...नक्कटी... पोस्ट आफिस ...कड़ई कैला...

जिला ...संगरुमु... प्रान्त ...बस्तर...

सेवक का नाम ...शामोनबोदरा...

सन १९.६.८. के ...मार्च... महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ को मेरे लिए रुकने का घर बनाने लगा।
२ को कड़ई कैला बजार देखा।
३ को घर में रहा।
४ को गिजो किया।
५ को चन्द्रधार पुर बोरा पर्ची लाने गया।
६ को नक्कटी बजार किया।
७ को Rev. Jay नक्कटी गये हुए थे उनके साथ दूर किया।
८ को गुजारा कैम्प देखने चन्द्रधार पुर गया।
९ को " कैम्प देखने चन्द्रधार पुर गया।
१० को " " " " " "
११ को गिजो किया।
१२ को गुजारा कैम्प पोटका गया।
१३ को नक्कटी पौलराम गगराई कुनपरिवार Rev. Jay के द्वारा बपतिस्मा लिया
१४ को दाना रुपये देने के लिये चन्द्रधार पुर गया।
१५ को करन्जिया गया वहां दु जातों को खूब प्रचार किया।
१६ को कड़ई कैला बजार देखा।
१७ को वचन स्टोर्ड किया।
१८ को मिल गिजो किया।
१९ को गाँव वालों ने पोट करने के लिए फोर जोरा बजार किया।
२० को नक्कटी बजार किया।
२१ को नापा रेवसा फाउदा पौलुस के घर में समाज किया।
२२ को तेनदा: गया आदमी नहीं मिला।
२३ को मुदको गेहा में समाला किया।
२४ घर में रहा।
२५ को गिजो किया
२६ को फिर गुजारत के लिये पोटका गया।
२७ को नक्कटी बजार किया।
२८ को लुपुड़ी उनके को का घर गया और उसको चर्च शिक्षा दिया
२९ को नक्कटी गोकुल को मोयु को खूब प्रचार किया।
३० को रुकविसेस काम के लिये चन्द्रधार पुर गया।
३१ को जमीर में रहा।

(२) महिने की विशेष बात :—

(३) गिर्जे की हाजिरी :

		ख्रीस्तान	अख्रीस्तान
१ला एतवार	...	०। १६ पुराने हाजिर थे।	
२रा ,,	...	,, १२ ,, ... हाजिर थे।	
३रा ,,	...	,, २० ,, ... ,, ,,	
४था ,,	...	,, १० ,, ... ,, ,,	
५वां ,,	...	१० ,, ... ,, ,,	

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ०

१ पुराने— —

२ नये जो बीते महिना हुए— —

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— — मरदुम सुमारी कोपी दिया था अब दिया फिर से मरदुम सुमारी लेना पड़ता है इसलिये अपने तीसरा को दूसरा नहीं दे सकता हूँ।

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— —

(७) महीने की मण्डली आमदनी— ० टोटल नहीं भरे सका।

,, का मण्डली पैसा— —०

(८) मैं ने ..... ताः को ..... रुः ..... नः पैः

मैंने ..... महिने का तलब और ..... रुः ..... नः पैः

टी ए० और ..... रुः ..... न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

I घर मरम्मत की सुविधा मेरे नाम नहीं दिलाई क्योंकि यही समय में नहीं तो वर्षा ऋतु में उपयोग

II खुसा पड़ियों की आवश्यकता है कि कोई भी सुरक्षा से यहाँ मिसन स्कूल खोलेंगे। इसपर मैंने उन सब को बोल दिया कि ऐसा तो पर डरकर सहायता से सलाह लेना पड़ेगा। और संसारिक बड़ी गाय भी बोलते हैं

गया वर्तमान रिपोर्ट हुओं की नाम नीचे लिखता हूँ

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण -

पुराना नाम	नया नाम	उम्र	गांव	दशा
1, Pauda-	— Pauda gagrai	-30	Nalki	शादी
2, Mungri	— Munika	25	"	"
3, Sura -	Suleman -	"	"	"
4/ Madri -	Magdali —	4		
5- Janki -	Ch. Jaiwanti	" 1	"	
6/ Gola -	Gabreal -	" 13	"	
8/				

x. लड़का
x पौलुस का
½ मनी का ½
लड़का
लड़की

ता: 6/4/62 सही Simon Baxla

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिश्न बोर्ड

गांव Nalsi ..... पोस्ट आफिस Rairakela .....

जिला Singhbhum ..... प्रान्त Bihar .....

सेवक का नाम Simon Bage .....

सन १९६२ के अक्टोम्बर महिने का रिपोर्ट

तारिख (१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ को समाज के लिये मदको बेड़ा गया ।
२ को बरदुआ करवाना गया । वहां धर्म सुना दिया ।
३ को जलावन लाने के लिये जंगल गया ।
४ को घर में रहा ।
५ को सेतेम्बर महिने की रिपोर्ट भेजने के लिये कड़ई केला गया ।
६ को बचान स्टाडी रकिया ।
७ को रविवार रकिया ।
८ को एलिका टोका गया और उसको धर्म शिक्षा दिया ।
९ को नकटी बजार किया ।
१० को एक दुसाली को देखने के लिये Rev. J. Roy के साथ टाटा गया ।
११ को टाटा से लौट आया चक्रधरपुर में रात बिताई ।
१२ को नकटी पड़ुआ ।
१३ को घर में रहा ।
१४ को रविवार रकिया ।
१५ को बरदुआ गया आदमी नहीं पाया । लुकीराम सही गया वहां भी आदमी नहीं पाया ।
१६ को नकटी बजार रकिया ।
१७ को चक्रधरपुर चावल रखीदने के लिये गया ।
१८ को रयागी गया वहां पुजानों को खूब प्रचार रकिया ।
१९ को कड़ई केला बजार केवा ।
२० को बचन स्टाडी [redacted] रकिया ।
२१ को रविवार रकिया ।
२२ को मीरी सई गया कोई आदमी नहीं पाया ।
२३ को नकटी बजार रकिया ।
२४ को चक्रधरपुर केला लाने के लिये गया ।
२५ को नवादह में समाज रकिया पछलाय को प्यारे के घर में
२६ को मदको बड़ में समाज रकिया ।
२७ को तीन दिनों में समाज रकिया ।
२८ को रविवार रकिया ।
२९ को जोरलोरा बजार गया ।
३० को नकटी बजार करब
३१ को एक जन विमार में था उसके लिये मदको बेड़ा मुगको वह विमारी को देखने के लिये लेगया ।

(२) महिने की विशेष बात :—

(१) अक्टोबर महिना से नवेम्बर तक हजरी संख्या कम होती क्यों गरीबों के पास पहुत आदमी ठिकादारों की काम करते हैं।—

(२) नोवेम्बर महिना से एक घरानामिस्त्री होने के लिये चेस्टा किये हैं और गिर्जा बनती भी कभी कभी जाते हैं। आशा है कि वे बपतिस्मा लेंगे।

(३) गिर्जे की हाजिरी :			खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार	...	...	८	
२रा ,,	...	...	५	
३रा ,,	...	...	१०	
४था ,,	...	...	६ — १	
५वां ,,	...	...	६ — १	
(४) धर्म्म खोजकों की संख्या	...	...	५ — १	

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— ८४

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— १८

(७) महीने की मण्डली आमदनी—

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने ~~२४~~ १० ~~६२~~ ता: को ~~८७~~ रु: ..... न: पै:

नोवेम्बर महिने का तलब और ..... रु: ..... न: पै:

टी ए० और ..... रु: ..... न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया ।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

एकदी मण्डली की विशेष आवश्यकता तो यह है कि
गंगोत्री धाम । क्योंकि के ईश्वर की कलीशा बढ़ती जा रही है
और एक है। विशेष कारण हिंगा मुक्त में बहुत छुवाछुत
मानते हैं । इसलिए आदमी सब बोलते हैं एक उसी
धर्म में मात पकाते हैं और उसी धर्म में गंगोत्री भी
होता है । यह बात मुझको बेर बेर सुनता हूँ
शिक्षा क्लास के समय रिपोर्ट देना।
मुलेशपा । इसपर मैं आप से
माफी मंगाता हूँ ।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

ता: 16/11/62 सही Simon Das

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिश्न बोर्ड

गांव Nakti पोस्ट आफिस Kahaikela

जिला Singhbhum प्रान्त (Bihar)

सेवक का नाम Simon Badra

सन १९६२. के सेप्तेम्बर महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

तारिख

१ को घर में रहा ।
२ को छुट्टी थे किया ।
३ को तेनदेमाः गया पर मुलाकात नहीं पाया ।
४ को मन्डली बजार किया ।
५ को दवा खरीदने के लिये चक्रधरपुर गया ।
६ को पोंगड़ा गया उ जानों को पाया और धर्म शिक्षा दिया ।
७ को कुरकुली का मुन्डा को धर्म बिसय में खुब प्रचार थे किया ।
८ को बचन स्टाडी थे किया ।
९ को छुट्टी थे किया ।
१० को घोर घोर बजार किया ।
११ को नकटी बजार देखा ।
१२ को नकटी थे डिलक्का टो को खुब प्रचार थे किया ।
१३ को नकटी भिड़ी करवना गया ।
१४ को प्रार्थना सभा लेने के लिये जंगल गया ।
१५ को फिर नकटी का डिलका टो को घर गया और इसा को खुब प्रचार किया ।
१६ को छुट्टी किया ।
१७ को प्रार्थना के साथ तेनदेमाः गया ।
१८ को नकटी बजार किया ।
१९ को एक बिसेस काम के लिये चक्रधरपुर गया ।
२० को पोंगोवा गया कोई आदमी नहीं पाया ।
२१ को फिर नकटी का डिलका टो को खुब प्रचार किया ।
२२ को बचने स्टाडी किया ।
२३ को Rev Roy के द्वारा पवित्र भोजन नकटी में बंटा गया ।
२४ को मदको बड़ा में मिलनी समाज थे किया ।
२५ को नकटी बजार देखा ।
२६ को सिंगा टो नकटी को खुब प्रचार किया ।
२७ को तेनदेमाः समाज के लिये गया ।
२८ को भड़ई कैला बजार किया ।
२९ को डिलका टो का घर गया और सबपरिवारों को धर्म शिक्षा थे दिया ।
३० को छुट्टी किया
३१

(२) महिने की विशेष बात :—

इस महिने की विशेष बात यह है कि मैं धर्म प्रचार के लिए उधर उधर गया था पर आनन्द की बात एक जगह अर्थात एकटी से पाषा। एक लकटी का इंजिलका हो। एक दो महिनों के बाद में बपतिस्मा लेंगे बोलता है। मैं उसके घर। परिवारों को अच्छी रीति से धर्म विषय की समझौता किया है मैं आशा। करता हूँ कि इंजिलका हो फिर बपतिस्मा लेगा यही एक विशेष लिखने की बात है।

(३) गिर्जे की हाजिरी :

			खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार	...	...	८	
२रा ,,	...	...	१२	
३रा ,,	...	...	१५-	
४था ,,	...	...	१६	
५वां ,,	...	...	५-	

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या गुप्त धर्म खोजक दो जन।

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— २४ =

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— ११

(७) महीने की मण्डली आमदनी—

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने ..... ता: को ..... रु: ..... न: पै:

..... महिने का तलब और ..... रु: ..... न: पै:

टी ए० और ..... रु: ..... न० पै० अन्य बाबत पाया।

१८६२ मी.

(९) मैं ने ~~मनवारी~~ मचिताहरू ..... को ..... नं० पै० ..... ~~मानो~~ Revi. Roy Chakraborty Pur

के पास 30/9/62 ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

ता: 5/10/62

सही Cato Simon Roy

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Kakti पोस्ट आफिस Kalmikela

जिला Singhbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम Simon Bodra

सन १९.६.२ के भाद्रा ता महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ को चक्रधारपुर गया
२ को इन्दुरा गया पर कोइभी आदमी नही पाया
३ को कइकेला वापस किया।
४ को बचन स्टाड़ी किया।
५ को रोगी देखा। हो को घर गया और उसको खुनप्रचार किया
६ को बरन्डीया जोगाड़ी हो को घर गया और उसको खुनप्रचार किया
७ को नकटी बजार किया।
८ को दवा बगैरा के लीये चक्रधारपुर गया
९ को नाकटी बिड़ी करवाना गया और भी धर्म शिक्षा दिया गया
१० को कइकेला बजार किया।
११ को घर मे रहा
१२ को Rev. Jay के द्वारा भेजी हुई
१३ को बरन्डीया खरीदने हो को घर गया उसको खुनप्रचार किया।
१४ को नकटी बजार किया।
१५ को पुरुलिया गया वापस तीन दीनों को खुनप्रचार किया।
१६ को घर मे रहा
१७ को कइकेला बजार किया
१८ को मदको बड़ा में समेत किया
१९ को रोगी देखा
२० को मड़वा रोपा
२१ को नकटी बनाना किया। नारियल वाले Jay P सिंह नकटी लाया
२२ को दवा बगैरा के लीये चक्रधारपुर गया
२३ को कइकेला बजार किया।
२४ को रोगी देखा
२५ को घर मे रहा
२६ नकटी बजार किया।
२७ को चक्रधारपुर गया
२८ को खुनप्रचार किया। आदमी नही मिला।
२९ को बरन्डीया गया कोई आदमी नही मिला।
३० को बोगा लोगो को बगैरा चक्रधारपुर गया।
३१

(२) महिने की विशेष बात :—

(३) गिर्जे की हाजिरी :

			ख़ृस्तान	अख़ृस्तान
१ला एतवार	...	...	१७	X
२रा ,,	...	...	१७	X
३रा ,,	...	...	९	X
४था ,,	...	...	२	X
५वां ,,	...	...	११	X

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ...

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— २४

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— ११ —

(७) महीने की मण्डली आमदनी— X

,, का मण्डली पैसा— ७

(८) मैं ने 31/८/६८ ता० को ख़ृस्तान ५७ रु: ... न: पै:

ख़ृस्तान महिने का तलब और ४४ रु: ... न: पै:

टी ए० और ८ रु: ८ न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... को ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

मध्यप्रदेश Jabalpur जि. पोर्ट ब्लेयर मिशन
बोर्ड में इस प्रकार काम तो करता हूँ परन्तु लेख
भाव से अनुचित है कि मुझ अधम दुराचार पर ईश्वर
दया करें एवं मैं भविष्य काम अच्छे करूँ जिससे
ता: को एकदम का एक लड़की वर्ष उम्र
में अपने तरफ रक्षा पुराना नाम सुन्दरी नया नाम
रख दिया। और एक आई एस: जी: एम: मिशन से
हम लोगों कि कलीसा में लौट आया। और एक
दूसरा रोमन मिशन से हम इन लोगों की कलीसा
में लौट आया। और यह सब मेरा काम नहीं पर
परमप्रभु ईश्वर की बन्दगी हो। और मुझको
भी ये सब गल्तियों को समझाने की शक्ति दिया।

ता: ..... सही .....

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Nakti ..... पोस्ट आफिस Karaikela .....

जिला Singhbhum ..... प्रान्त Bihar .....

सेवक का नाम Simon Bodra .....

सन १९६२. के दिसम्बर ..... महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विसेष काम

१ को मदनबेड़ा समाज के लिए गया
२ को रविवारी किया।
३ को लुपुंगडीह गया वहां धर्म शिक्षा दिया गया
४ को नकटी बजार किया।
५ को चक्रधरपुर गया।
६ को तेन दिनः गया खुसी मसीह का घर में समाज किया।)
७ को कड़ई केला बजार किया।
८ को घर में रहा।
९ को कटगी पर्व मनाया —
१० को दाम डीह गया वहां धर्म शिक्षा दिया गया।
११ को नकटी बजार किया।
१२ को पर्व के लिए जलावन लेने के लिए जंगल गया।
१३ " " " " " " "
१४ को कड़ई केला बजार किया।
१५ को परमेश्वर परमेश्वरी टोला का घर जाके धर्म शिक्षा दिया
१६ को रविवारी किया।
१७ को परमेश्वर सिंचा पुटी को खूब प्रचार किया।
१८ को नकटी बजार किया।
१९ को ४ बालक बपतिस्मा के लिए चक्रधरपुर गया।
२० को पर्व के लिए फूल बनाने लगा।
२१ को " " " "
२२ को घर में रहा।
२३ को रविवारी किया।
२४ को पुन्नीराम रविवारी किया। गिरजा में १२ या २ संसारिक लोग सम्मिलित थे
२५ को जन्म पर्व मनाया।
२६ को घर में रहा।
२७ को नकटी इंजिलका का घर गया। और उसको धर्म शिक्षा दिया
२८ को कोकोवा अधिकारी मास्टर को प्रचार किया।
२९ को घर में रहा।
३० को रविवारी किया।
३१ नकटी पंडुलूस के घर में समाज किया और भोज भी किया

रविवारी — शिक्षीवार बोले तो आपनो।

(२) महिने की विशेष बात :—

इस — ७ वर्ष से यात्रा रखी" कि गिर्जा देखने के लिये आप अनेक संसारिक लोग आप — और धर्म प्रचार में मन इश्वर मुझ को शक्ती दिया इसी कारण अंतेन मिशन टेनि के लिये चेस्टा किये हैं। यही बात बार बार सुनने में आती है कि गिर्जा घर नहीं रहने के सबाब हम गिर्जा सुनने नहीं जाते हैं (क्योंकि — आप लोग उसी में पकाते हैं खाते और खिलाते भी उसी घर में करते हैं।) यह सवाल आती है।

(३) गिर्जे की हाजिरी :		खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार	... ...	— १२ —	१
२रा „	... ...	— २ —	
३रा „	... ...	— १० —	
४था „	... ...	— १५ —	
५वां „	... ...	— ६ —	२

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ... ——— ३

१ पुराने— ——— ———

२ नये जो बीते महिना हुए— ———

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— ४५

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— १२

(७) महीने की मण्डली आमदनी— ———

„ का मण्डली पैसा— ———

(८) मैं ने गांवे ग्वरमिला ता: को ... रु: ... न: पै:

उदशाखर ... महिने का तलब और ... रु: ... न: पै:

टी ए० और ... रु: ... न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

ता. 5-12-62 की बात मैं समाज के लिये मदको नेदा गया रुस्त जलपल सोप के बार में समान रक्खा बाद में युवा संग की गीत मेरे रसेरवा रहे थे साथ में एक डोल के बजाय इतने में दो जन भाई बड़े २ ठेंगा लेके आए मुझ को मरने के लिये पर नहीं मारे केवल गाली दिया हम लोग उन से सब को गाली दिया ~~हम~~ ये सब लेके कि हमारे गांव में ऐसी गीत मत गाओ या मेरा बोंगा भूत सब को तुम सम्मालो इतायी गाल दिया दोनों भाई ये थे। एक हम लोगों का लुथेरन मिसन का आदमी अबराहाम साथ जो रमाक्का के विरुद्ध बात किया। और छोड़ी सजा दिया। इस पर वह उलट गया। वह आदमी भी एक गांव का रहेरी बुद्धू मुर्ख। हम को तो बोला कि तुम को यहां से भगायेंगे। अपना गांव चले जाओ बोला कि मेरा आदमियों को साथ आने धर्म में ले जाते हो ऐसा वही रहेरी बोला। वह केवल मुझ को मरने ही खोजता रहा। पर मैं इश्वर से प्रार्थना किया और हम सब को कुछ नहीं कर सको हम लोगों के खिलाफ भाईयों को भी खून गाली दिया। क्यों प्रचारक को पदरियों को अधीन रहते हो। हम गांवे का रहेरी हूं। मैं आपका गांव को सम्भालता हूँ पदरी प्रचारक सब हम लोगों को छोड़े — बचावेगा। तौभी कितने हम लोगों के भाई सब स्थान हैं।

ता. 22-1-63 सही .....

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव ...N.g.Ri..... पोस्ट आफिस ...Karni Rala....

जिला ...Singhbhum... प्रान्त ...Bihar.....

सेवक का नाम ...Simon Bodra.....

सन १९..5..२ के ...नोवेम्बर.....महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विसेष काम

१ को तेनदक्का: समाज के लिये गया ।
२ को एक विसेस काम के कारण। टाटा गया ।
३ को शिला लाल के गेवाल माता एवंक चढ़ियाना गया ।
४ को चरियामा में रंगजी एकया [redacted] पादरी प्रभु योज मीटिंग गया ।
५ को शिला लाल बैठकी काम में ।
६ को " " " " "
७ " " " " " शाम २ को मिरी टोला धर्म प्रचार के लिये गया
८ को " " " " " " " " " " " "
९ " " " " " " " " " " " "
१० को उरकुन से छुट्टी लेकर घर आया ।
११ को रंगजी किया ।
१२ को घरमें रहा ।
१३ को नकटी बजार एकया ।
१४ को मदको बड़ा एक दुकान की देखने गया ।
१५ को कोकोसुा सरकारी मास्टर का घर गया और उसको खूब प्रचार किया
१६ को नकटी डिलकाटो का घर गया और उसको खूब प्रचार एकया
१७ को मेरा मां बिमार में थी उसके लिये दावा खोजा ।
१८ को रंगजी एकया
१९ को तेनदक्का: गया । समाज के लिये
२० को नकटी बाजार एकया ।
२१ को मदको बड़ा समाज के लिये गया
२२ को नकटी में समाज एकया ।
२३ को कड़ाई को ला बजार एकया
२४ को घरमें रहा ला बजार एकया
२५ को रंगजी एकया । शिक्षा वा फाजी को नकटी १२ बजे
२६ को गाँव वालों से भेंट करने के लिये कोलोा बजार गया
२७ को नकटी बजार एकया
२८ बन्दा। गया आदमी नहीं पाया कोयसा एगया नहीं ३ आदमियों को
२९ को [redacted] तेनदक्का: एक बिमारी को देखने गया । प्रचार एकया
३० को कड़ाई को ला बजार एकया ।
३१

(२) महिने की विशेष बात :—

(३) गिर्जे की हाजिरी :

		ख्रृस्तान	अख्रृस्तान
१ला एतवार	... ...	X	
२रा ,,	... ...	१३	
३रा ,,	... ...	— ६	
४था ,,	... ...	— २	
५वां ,,	... ...	— १४	

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ... — X

X

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— — १४

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— — १७

(७) महीने की मण्डली आमदनी—

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने ३०-९-६२ ता: को ६७ रु: ..... न: पै:

नोवेम्बर ..... महिने का तलब और ..... रु: ..... न: पै:

टी ए० और ..... X ..... रु: ..... ० ..... न० पै० अन्य बाबत पाया ।

(९) मैं ने ..... रु ..... न० पै० .....

के पास ..... ताः को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकताः

मण्डली की विशेष आवश्यकता तो यह है कि गिर्जा घर
कितने लोग चाहते हैं कि आप लोगों का गिर्जा
देखने चलते हैं पर आप लोग जिसमें प्रार्थना की
जाती है उसमें प्रार्थना करते हैं। इसलिए मैं उन
सब को मेरा छुआ चूल के विषय में समझौता देता हूं
इसलिए गिर्जा घर की आवश्यकता होती है
एक घराना बपतिस्मा के लिये तैयार हो रहे हैं।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

ता: 7/12/62 सही Simon Bedi

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Nakti पोस्ट आफिस Karaikela

जिला Singhbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम Simon Nag Esq.

सन १९.६.३ के ~~.....~~ मार्च ~~.....~~ महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ को चक्रधर पुर गया। किया।
२ को दुरगा दमा रुग्न बिमारी को देखने गया।
३ को कइकेला बजार किया।
४ को घर में रहा।
५ को ~~किया~~ गिर्जा किया।
६ को जोरा जोरा बाजार किया।
७ को नकटी बाजार किया।
८ को पोंका को गया मुलाकात नहीं मिला।
९ को पोंकोन्ना मास्टर को प्रचार किया।
१० नाया खरसान हरदुगन के लिये दावा रखेजा।
११ को " " " " " दावा बनाने लगा।
१२ को गिर्जा किया।
१३ को नकटी हाट मेला के लिये मोटर ~~किया~~ लाने के लिये जोराजोरा गया।
१४ को नकटी बाजार किया।
१५ को नाया खरसान भाई हरदुगन के घर में सब मिल के समाज किया। बजारी
१६ को मदको बड़ा जापदान सोप को बिमार देखने गया।
१७ को " " " के लिये दावा बनाने लगा।
१८ को नाया खरसा भाई के लिये कइकेला अस्पताल गया।
१९ को गिर्जा किया।
२० को किर धर्म मेला के लिये नेवता देने के लिये जोरजोरा गया।
२१ को नकटी बजार किया।
२२ को मदको बड़ा जापदान सोप को बिमार देखने गया।
२३ को स्वाशरीरान पर्व मनाया।
२४ को खरसा हरदुगन की मृतिपु हो गई।
२५ को घर में रहा।
२६ को बिमार हुआ।
२७ को " "
२८ को नकटी बजार किया।
२९ को नकटी में धर्म मेला किया। लगभग २०० ~~३००~~ ३०० के हजार थे
३० को जो धर्म मेला के लिये आय थे उनसब को बिदाई
३१ को घर में रहा।

(२) महिने की विशेष बात :—

मदकोबेड़ा का दो जन भाई मार्पित अवरहाम सोय ओ समुएल सोय २-भाइयों के विरुद्ध पाप किया और मैं इनकुवाटी किया सो वेक दर्ज मिला और उन दोनों के ऊपर छोटी सजा कायम किया गया। गोरा हो गए राजी खुशी छोड़ दिया।

(३) गिर्जे की हाजिरी :

			खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार	...	...	२	
२रा „	...	...	६	
३रा „	...	...	१७	
४था „	...	...	६	
५वां „	...	...	६	

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ..

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए— —

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— ५३

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— २१

(७) महीने की मण्डली आमदनी—

„ का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने ३०-५-६३ ता: को ५० रु: ० न: पै:

अप्रैल महिने का तलब और ... रु: ... न: पै:

टी ए० और ... रु: ... न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु .... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

मण्डली की स्पेसेस आवश्यकता तो यही है कि रुपैया हाथ कैसा रुके मण्डली आसो आसो बढ़ती जा रही है।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

दो जन स्वस्था भाई आपो उपमाणीर हो ओ खुस्सा प्यारा थे पण स्वस्था भाई की मृत्यु में ओ धर्म मेला में भी सामिल नहीं होगया इसके स्वरूप में मैं ने उनदोनों को कुछ बोला। रुखगड़ गया और हम को भी मने यहां पर नहीं मरा। इन दोनों के चलते मण्डली की दशा खराब होते जारही है। क्योंकि दोनों टर टेम रुपा मताल्य में रहते हैं। और रुपैया कमती भी नहीं जाते हैं। और बोलते हैं कि प्रचारक को कोई दोश लागा थे रिपोर्ट कर देंगे। प्रचारक पुखसहाय तोपनों से भी रुसा रुखगड़ा होता था। और उसके सामण में भी ये दोनों रुपैया कमती नहीं डाले थे (नौरंगसंग) उपमाणीर हो बाद रुके पुखसहाय तोपनों के सामण में रुपैया कमती छोड़ रुखा था। रुसा तो पुरा दोनों प्यारा भी पर मैं नकली माया उनदोनों को समझा रुखा था पर थोड़े रुके समझे बाद तो मुझ से भी अलग हो गया।

ता: 12-6-83 सही Simran Reddy

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Nakti ..... पोस्ट आफिस Kakai Kala....

जिला Singhbhum.... प्रान्त Bihar.....

सेवक का नाम Simon Baa.....

सन १९८३ के सितम्बर महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विसेष काम

१ को रिट्रीट हुआ। गया वहां धर्म शिक्षा दिया गया।
२ को नकटी बजार किया।
३ को चक्रधरपुर दवा रुपये देने के लिये गया।
४ को इतवार। गया वहां भी धर्म शिक्षा दिया गया।
५ को कड़ई मेला बजार किया।
६ को घर में रहा।
७ को सिला किया।
८ को बबईया लिंडा टोका घर गया और उसके धर्म विषयमा दिया।
९ को नकटी बजार किया।
१० को चक्रधरपुर बजार किया।
११ को पर्व के लिये खाशी खोजा।
१२ को गल्ला सुकवार जंगली किया।
१३ को पर्व के लिये खाशी काटा।
१४ को जी उठना पर्व मनाया।
१५ नकटी हुआ तो को खूब प्रचार किया।
१६ को नकटी बगुरु टो को प्रचार किया।
१७ को फिर नकटी हुआ तो को धर्म शिक्षा दिया गया।
१८ को कनसारा गया सरकार मास्टर के साथ बात चीत कर लौट आया।
१९ को बोंगाबांगा धर्म मेला के लिये गया।
२० को घर में रहा।
२१ को नया हातु गया। आदमी नहीं मिला। बजार किया।
२२ को नया हातु गया। पर आदमी नहीं मिला।
२३ को नकटी बजार किया।
२४ को चक्रधरपुर दवा रुपये देने के लिये गया।
२५ को बूरतिया हेन्ड टुन्डु टो को धर्म शिक्षा दिया।
२६ को रविवार। में टुन्डु रहा।
२७ को सिमार में रहा।
२८ को Rev J Ebby गया दो जन को डुढ़ाई, को पुनु मोता हुआ हुआ और पुलन
२९ को डेरेक्टर सहब गया। जोड़ा को शादी करदी। धर्म सेवकों को वयतिगत
३० को
३१

(२) महिने की विशेष बात :—

नकदी मरडलने की विशेष बात : यह कि बिलकुल ओर शोर से उच्चार हो जाता है। और इधर उधर से कई आदमी बोलते भी हैं कि हम लोग भी मिशन में जायेंगे। और साथ ही कहने बात है कि नकद से पूर्वज गए तिमा लिया ता: २८-६-६३ को उनके पुराने और गाम इसप्रकार पीछे दिया जाता है।

पुराना — नाम गोत्र उम्र / पुराना — नाम गोत्र उम्र
दुगा — रुस्स टरदुगन गागरई ७०. / आसई — रुस्स आसमान ८
टिल्ली — " रुस्तम " ३५ / कुंवर — " कुंवर — ३
मेरा — " मरकास — " १२.

(३) गिर्ज की हाजिरी :

		खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार	... ...	८ —	
२रा ,,	... ...	— ६ —	१
३रा ,,	... ...	— १० —	०
४था ,,	... ...	— ८ —	२
५वां ,,	... ...	— १० —	

(४) बर्म्म खोजकों की संख्या ... ... — ६

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए— —

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— ५१

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— — २१

(७) महीने की मण्डली आमदनी—

,, का मण्डली पैसा—

तलाब 3-५-६३

(८) मैं ने अप्रेल महिने ता: को ६ रु: ..... न: पै:

..... महिने का तलब और ..... रु: ..... न: पै:

टी ए० और ..... रु: ..... न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु ..... न० पै० .....

के पास ..... ताः को भेज दिया ।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकताः

नहीं

मण्डली की विशेष आवश्यकता यह है कि
गिरजा घर

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

ताः २०-५-६२

सही Simon Reddy Naik

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिश्न बोर्ड

गांव Nakti पोस्ट आफिस Karaikela

जिला Singhbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम ~~Samson~~ Bodra

सन १९८३ के मार्च महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विसेष काम

१ को वेतन लाने के लिए चक्रधारपुर गया। नहीं मिला
२ को घर में रहा।
३ को गिर्जा किया।
४ को वेतन लाने के लिए चक्रधारपुर गया। नहीं मिला
५ को नकटी बजार किया।
६ को वेतन के लिए " " "
७ को " " " "
८ को बरसुंया लिटा टो को घर गया और उस को धर्म शिक्षा दिया
९ को बूतिंया चतरा नगर को घर गया और उसको धर्म शिक्षा दिया।
१० को रविवार किया।
११ को डोंको तेनदलाः डुन्दुरा गया और सब जगह यीशु मसीह का लिखा हुआ चरित्र बता दिया
१२ को को चंग बजार किया।
१३ को जलावन लने के लिए जंगल।
१४ को नकटी सिंगा टोको उतपत के विसय बता दिया।
१५ को " " दुगा टो को आदम और हवा के विसय बरनन बता दिया।
१६ को विमार में रहा।
१७ को गिर्जा किया।
१८ को शिसिवहाना रहा था रास्ता में Rev j Soy के साथ मुलाकात हो गई को नकटी लौटे
१९ को फिर शरदी कुसवार हुआ।
२० को नकटी बमिया मनको को उतपत के विसय बता दिया।
२१ को डुड़ गदलाः गया।
२२ को कड़ुई केला बजार किया।
२३ को पोंगोवा उपिन दर को प्रचार किया।
२४ को Rev j Soy के घुटने में गलती हुआ। और पवर चक्रधरपुर भेजा गया।
२५ को Rev j Soy के साथ घरमः केल गये।
२६ को वहां से लौट आया।
२७ को चक्रधार पुर बजार किया
२८ को जंगल दावा खोजने के लिए जंगल गया।
२९ को कड़ुई केला नजा चावल खरीदने के लिए गया
३० को एक दुःखारनी के लिए दावा बनाने लगा।
३१ को गिर्जा किया।

(२) महिने की विशेष बात :—

(३) गिर्जे की हाजिरी :

		ख्रृस्तान	अख्रृस्तान
१ला एतवार	... ...	—	२
२रा ,,	... ...	—	६
३रा ,,	... ...	—	२ — १
४था ,,	... ...	—	६
५वां ,,	... ...	—	२

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ... —

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— —— ५०

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— —— १२

(७) महीने की मण्डली आमदनी—

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने ..X.. ताः को ..X.. रुः ..X.. नः पैः

..X.. महिने का तलब और ..X.. रुः ..X.. नः पैः

टी ए० और ..X.. रुः ..X.. न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु० ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

मेरी मण्डली की यह विशेष आवश्यकता है कि गिर्जा घर गिर्जा घर न रहने के समान बाधित ही कठनाइ होती है।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण -

इस साल दुर्भिक्ष अकाल हो जाने के कारण हम लोगों के खर्चा मा इं ओ बहुत किते उधार उधार काम के लिये मंगे है। कोई के लकता गया है कोइ उधार उधार ऐसी हालत के मारे गिर्जा में भी कम हुती होती है।

ता: 4-6-23 सही Cat... S... Bodra

जनवरी नकटी पोइन्ट मिशन बोर्ड
१६६३-६४ रमिदेश।

१ कड़ई केला बजार गया।
२ को घर में रहा।
३ को गिर्दा किया
४ को एक विसेस काम के लिया जोरजोत गया।
५ को नकटी बजार किया।
६ को नकटी डिलका टे का घर गया और धर्म शिक्षा दिया
७ को मतातो देवगांव चतरु नायक का घर गया और धर्म शिक्षा दिया।
८ को इचापी गया वहां
९ को तेनदक्षु गया और वहां समाज किया।
१० को गिर्जा किया।
११ को पदकोबेड़ा समाज के लिए गया
१२ को नकटी बजार किया।
१३ को नकटी रत्नु को दिनबन्धु नायक को खूब सचार किया।
१४ को नवाडीह गया वहां भी धर्म शिक्षा दिया गया
१५ को कड़ई केला बजार किया।
१६ को तेनदक्षा गया तेनदक्षा से कोंकोवा आया धर्म शिक्षा देते आया
१६ को गिर्जा किया।
१८ को घर में रहा।
१९ को एक विसेस काम के लिए कोचा Rev. Joy का घर गया।
२० को कोचा में रहा।
२१ को कोचा से नकटी आया
२२ को वरजेया सिंहदेव का घर गया और उसको भी धर्म शिक्षा दिया
२३ को फुलमूल के साथ चक्रधारपुर गया।
२४ को गिर्जा किया।
२५ को वरजेया लिंडा टे का घर गया और उसको खूब सचार किया
२६ को नकटी बजार किया
२७ को भला बुधवार को गिर्जा हुई।
२८ को इन्दुरा से तेनदा जोंको गया और धर्म शिक्षा देते गया।

२६

गिर्जा खबरी

इनशाल दुर्घटना आकांत होने के कारण आदमी इक इधर उधर काम के लिये गया। इस लिये गिर्जा में कम हाजरी होती है।

हसि की बात

इन्दुरा से एक जन जवान गिर्जा देखने के लिये आया जाया करता है। आशा है एक बयतिमा जकर लेगा।

फरम न रटने के कारण सादा काग्रज में लिखाता है। फरम के बारे में आप को लिखे उदा पर आप नहीं भेजा। फरम बिना काम नथ बनेगा अथोंर के बहुत से खाना छुट जाती है।

आप के बेवस्वास

Cate S. Borra

of Nakti

Dt 8/3/63

तारीख

जनवरी

जैरी (रिपोर्ट) रहस्यमई नकटी

कारण स्वतन्त्र होने के कारण सादा आगरा में लिखा जाता है।

१ - को नापा शाल मनाया।
२ - को घर में रहा।
३ - को टुड़ंगढ़मः गया वहां स्वेत धोबी को धर्म शिक्षा दिया।
४ - को कड़ई केला बजार किया।
५ - को जरमानी सहाब कैंसाने का खबर पाकर उसी के इन्तजार में रहा।
६ - को गिर्जा किया।
७ - को डैरेक्टर सहाब को Rev. J Sony के साथ जरमनी सुहाब नकटी पहुंचा।
८ - को नकटी बजार किया।
९ - को चक्रधारपुर गया।
१० - को घर में रहा क्योंकि पुचारिन को नापा जलम दुःख में रहा।
११ - को वही दुःख के कारण घर में रहा।
१२ - को " " " " रहा।
१३ - को गिर्जा किया।
१४ - को दुःख का खबर मोबाइल के लिए जोरशोर बजार गया।
१५ - को नकटी बजार किया।
१६ - को डोंगडु गया वहां धर्म विषय सुजाया गया।
१७ - को नकटी बड़ी करखाना गया वहां धर्म शिक्षा दिया गया।
१८ - को कड़ई केला बजार किया।
१९ - को करन्डेया गया वहां बसंतदेव को नरक को सम्बन्ध को खूब प्रचार किया।
२० - को गिर्जा किया। गिर्जा Rev J Sony के मकान में हुई।
२१ - को जोरशोर बजार किया।
२२ - को नकटी बजार किया।
२३ - को कुरलिया गया वहां चतुरभुज नापक को खूब प्रचार किया
२४ - को मदको बड़ा समाज के लिए गया।
२५ - को नकटी में समाज किया।
२६ - को घर में रहा।
२७ - को गिर्जा किया।
२८ - को स्व दुःखानी का दावा बनाने लगा।
२९ - को तनदेकः समाज के लिए गया।
३० - को इचमापिड़ी नापा खुस्तानों के वहां समाज के लिए गया।
३१ - को घर में रहा

इस रिपोर्ट की अंग्रेजी कापी दूसरे पेज में दिया जाता है।
अर्थात नापा धर्म खोजों की कापी।

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Nakti पोस्ट आफिस Karaikela

जिला Singhbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम Johan Surin

सन १९ ६४ के April महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विशेष काम

१ नकटी में घुमा और टड़ वाल के वारे शांति का वचन सुनाया और समझाया।
२ पाठ अध्ययन किया क्योंकि कहीं छुटना बहुत ही भय थी।
३ पाठ तैयार किया। कराईकेला बाजार किया।
४ ~~मिरजा किया।~~ पाठ तैयार किया।
५ गिरजा किया।
६ वचन अध्यान किया।
७ " " " "।
८ बन्दगांव बाजार ~~किं~~ गया और वहां से टोकद गया।
९ टोकद में दो रोगियो का दवा बनाया और नकटी लौट आया।
१० कराईकेला बाजार किया। बाजार में पल्टन आये उन को देख बाजार के लोग भागे।
११ पाठ तैयार किया।
१२ गिरजा किया।
१३ वचन अध्ययन किया।
१४ बेटी- सिरोमणि की लोटा पानी- हुई।
१५ कराईकेला पोष्टोफिस गया।
१६ वचन अध्ययन किया।
१७ कराईकेला बाजार किया।
१८ पादरी रेव सोय को चीठी- वहा पंहुचाया।
१९ गिरजा किया।
२० बोंगा जंगा और बाईड़ी गया वहां के भाईयो को शांति का वचन दिया।
२१ बोंगा जंगा, बाईड़ी से लौट आया।
२२ कराईकेला गया और रिपोर्ट तैयार किया।
२३ वचन स्टाड़ी किया।
२४ कराईकेला बाजार किया।
२५ पाठ तैयार किया।
२६ गिरजा किया।
२७ एक मेहमान आया उसके साथ नकटी- में घुमा।
२८ नकटी- बाजार किया।
२९ बेटी सिरोमणि की- बड़ला छुटमति के लिये टोकद गया।
३० टोकद में बैठकी- हुई और वहां एक रोगी की सेवा किया पर वह रोगी शाम को मरगई।
३१

(२) महीने की विशेष बात :—

(क) गांव २ घुमना बहुत ही इश्वनो हो गई।

(ख) सिर्फ मैं विन्ती और वन्धन प्रथ्थापन किया प्रार्थना में हमें इस घटना से वचावें, और दूसरो को भी वचावें तथा इस घटना को जल्दी ही हवावें।

(ग) एक रोगी · रिवस्तान होने चाहता है क्यों (मैं उस को ले लिया हूं। उसकी खांसी विमारी है। पुरा इच्छा नहीं होगा तो प्रार्थगांव भेजने की कृपा करें।

(३) गिर्जे की हाजिरी :—

	खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार ...	५ + ४	१५
२रा ,,	५ + ५	६
३रा ,,	५ + ३	४
४था ,,	३ + ३	६
५वां ,,	...	...

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ... धर्म्म खोजकों का बीते महीना बपतिस्मा

१ पुराने— १.

२ नये जो बीते महीना हुए— २.

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— 62

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— ११

(७) महीने की मण्डली आमदनी — १११)

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैंने ..... १९.५.६४ ता: को ..... ६२ ..... रु: ..... ४ ..... न: पै:

..... महीने का तलब और ..... — ..... रु: ..... — ..... न पै:

टी० ए० और ..... ✕ ..... रु ..... ✕ ..... न: पै: ~~अन्य बाबत~~ पाया।

(९) मैंने ..... रु. ..... नः पैः .....

के पास ..... ता. को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष घटनाओं का वर्णन।

ता: 4-5-64

सही Calt Jhunjhunu

Ripoart- for the month of march 1964.
Cat-chest J. Surin Nakle.

1-3-1964. गिरजा चलाया।
2-3-1964. मदकों बेड़ा गया वहां किसी को नहीं पाया।
3-3-19-64. घर२ घुमा और प्रभु की क्रांतिदायक वचन सुनाया
4-3-1964. चक्रधरपुर पैसा लाने गया।
5-3-1964. जंगल गया।
6-3-1964. करई केला बाजार किया।
7-3-1964. प्रचारिन के साथ जोंको और तेंदा: गया वहां प्रभु के दुख और मरण के बारे बचा वेंगा धर्म्म और रिवस्तान धर्म्म के उद्धार के बारे बताया।
8-3-1964. गिरजा किया।
9-3-1964. मदकों बेड़ा गया।
10-3-1964. थी श्री वध विशेष काम के लिये गया।
11-3-1964. नकटी के रिवस्तानो के घर घुमा और हरएक घर में प्रार्थना किया।
12-3-1964. पौलुस के घर प्रार्थना किया।
13-3-1964. करई केला बाजार किया।
14-3-1964. पाठ तैयार किया।
15-3-1964. गिरजा किया।
16-3-1964. मदकों बेड़ा गया जयपाल को रस्ते में पाया वह बच्चों को डुंग का दा: रोथन प्रचारक के पास पढ़वाने ले जाता था और किसी को नहीं पाया, नकटी में सिर्फ एक बहिन को पाया उसको धर्म्म के बारे समझाया और प्रार्थना किया।
17-3-1964. वचन स्टाडि किया।
18-3-1964. " " "।
19-3-1964. " " "।
20-3-1964. मुसलमानो को काटो, मारो का आवाज हुआ। क्रूस में विनती करने लगा कि हे ईश्वर आप इस आवाज को बिछुड़वावें और हमें सपरिवार बचावें। करईकेला के मुसलमानो का दूकान घर जलाया गया।
21-3-1964. पाठ तैयार किया।
22-3-1964. गिरजा किया।
23-3-1964. चलो, आओ मुसलमानो को समना करो और काटो, मारो का आवाज गाड़ी से आवाज बहुत जोर से होने लगा आदमी सड़क में जामा हो गये। नहीं जाने वालो को बलसमेत जलावेंगे प्रचारिन के साथ 11 बजे जंगल से पहुंचे, सोच और डर से भयभीत के गिरजा कोठरी में अकेला दरवाजा बांद कर विनती करने लगा - कि ईश्वर इस गड़बड़ को जल्दी दबावें और बहुतो की आत्मा की रक्षा करें। साथ में हम सभी की भी रक्षा करें क्योंकि मुरब्बे हो लोग और कईया लोग हमलोगो को भी कहते हैं कि रिवस्तान लोग भी मुसलमानो का धर्म्म को मानते हैं। और यह बात अभी तक चलता है कि हम लोग मुसलमानो को खतम कीये, फिर दूसरी बार तो रिवस्तानो को मारेंगे - भगावेंगे।

	भाई	बहिन	
I	3	+ 9	= 12
II	3	+ 5	= 8
III	3	+ 6	= 9
IV	4	+ 7	= 11
V	3	+ 2	= 7
VI	10	+ 12	= 22.

वेपतिस्मा संख्या — 66
दूदाधन " — "
प्रामदनी- ₹1/ एक रुपैया पच्चीस नया पैसा।

नोट — (क) हम प्रचारको को भी मूर्ख हो लोगो से डर है क्योंकि हम लोग बैल गोस्त खाते हैं। इससे हम लोग को भी- मुसलमान ही कहते हैं।
(ख) कितनो को विश्वास है कि ये लोग मुसलमानो से मिल के हिन्दुओ से लड़ेंगे।

24-4-1964. दमुड़ी मीका डांगल के घर उसके बेटे की इलाज के लिये गया वह मृत्यु की दशा में पहुंच गया था।

25-4-1964. तेंदा के रिश्तेदार को देखने गया कि वे भी लड़ाई में गये हैं कि नहीं वे चलाकी से नकटी से भाग गये और चक्रधरपुर चले गये - वहां हम लोग ईश्वर को धन्यवाद कीये।

26-4-1964. पाठ तैयार किया।

27-4-1964. भला शुक्रवार गिरजा किया।

28-4-1964. पाठ तैयार किया।

29-4-1964. Easter Sunday. मुर्गा बोला को तेंदा: कबरास्थान में गिरजा किया, उसके बाद नकटी ग्राम और तीन कबरास्थान में गिरजा किया।

30-4-1964. वचन रटाड़ी किया।

Catechist. J. Surin

Nakti Mandli

22-4-1964.

Report for the month of february 1964
Catechist Jhuri Nakte Mandle.

1-2-1964. पाठ तैयार किया।
2-2-1964 गिरजा चलाया।
3-2-1964. डुमाईरता प्रचारक जोहन्नेस मेलगान्ड़ी के सादी में गीतो के द्वारा क्रिस्तान धर्म्म का संसारिको के बीच ऊंचा किया।
4-2-1964. थीड़ी बहा सादी भोज में खा प्रभु वहा की सोभा बढ़ाया।
5-2-1964. टकरमा बेटा विलकन सुरिन को पुस्तक बन्दोबस्त के लिये गया।
6-2-1964. टकरमा से क्लिरिबरमा चवाल (वोड़िंग) फीस को बन्दोबस्त के लिये गया।
7-2-1964. क्लिरिबरमा में खा।
8-2-1964. १ ½ सेर चावल प्रभु १ ½ सेर दाल ले के टकरमा प्राया।
9-2-1964. सेरेंग छपर पैसे की खोज में प्राया।
10-2-1964. सेरेंग छपर में खा मालिक के न रहने के कारण रहर गया।
11-2-1964. कुलबुरु प्राया प्रभु वहां वालो से स्कूल की खर्चा के बारे बातचित किया।
12-2-1964. कुलबुरु से चाकटी प्राया।
13-2-1964. चक्रधरपुर विशेष काम के लिये गया।
14-2-1964. पौलुस गगराई के घर गया प्रभु दवा बनाया।
15-2-1964. पाठ तैयार किया।
16-2-1964. गिरजा चलाया।
17-2-1964. जंगल दवा कोड़ने गया।
18-2-1964. बकौरी बाजार किया।
19-2-1964. तेंदा: प्रचारिन के साथ गया। प्रार्थना प्रचारिन के द्वारा हुई। सब भाई, बहिन जमा हुए थे।
20-2-1964. घर में खा बचन स्टाड़ी किया।
21-2-1964. पौलुस के घर में तथा मृत हड़ुगन के घर प्रार्थना किया।
22-2-1964. पाठ तैयार किया।
23-2-1964. गिरजा चलाया।
24-2-1964. जंगल दवा कोड़ने गया।
25-2-1964. बाजार किया।
26-2-1964. जंगल दवा कोड़ने गया।
27-2-1964. घर को बेड़ा मोजिट गया।
28-2-1964. करईकेला बाजार गया।
29-2-1964. पाठ तैयार किया।

(क) तीन परिवार जो S. Bodra के समय में उलट गये हैं वे अब तक नहीं लौटे हैं वे मुंह से बोलते हैं कि हम लोग गिरजा जाएंगे पर वे नहीं प्राते हैं।
(ख) पहले की प्रपेक्षा गिरजा की संख्या प्रच्छी है तेंदा. प्रौर जोंको वाले बहुत गिरजा प्राते हैं।
(ग) मुझे प्राशा है कि यहां की मंड़ली धीरे-2 सुधार जायगी। मैं प्रचारिन को भी हत्थियार बना के बहिनो को समझाने की कोशिस में दोनो घर 2 घुमते हैं।

Date 6.3.64

Nakte
P.O Karaikela
Dt Singhbhum Bihar

Karne की हाजरी।

I एतवार - 4 + 6 = 10

II " - 3 + 5 = 8

III " - 4 + 7 = 11

IV " 4 + 6 = 10

बपतिस्मा संख्या 73

दृढ़ापन " 20

गत महिना दो नये धर्म खोजकों को बपतिस्मा हुई।

ग्रामदानी ३१७ एक रु. पच्चीस नया पैसा।

मैं 8-3-68 को 627 बरसाद रु. तलब पाया।

Cate Jhansi
6-3-68.

Johan Surin
Nakki.
P.O. Karaikela
Dt. Singhbum
Bihar.

1. नया साल पर्व गिरजा किया। प्रार्थना के साथ मनाया।
2. पौलुस गगराई के रखनी रखने के विषय मीटिंग किया।
3. बाजार करई केला पौलस गगराई के साथ गया।
4. पाठ तैयार किया।
5. गिरजा चलाया।
6. घर का काम किया। केरी साहेब की प्रार्थना की तैयारी में [redacted]
7. बाजार किया. [redacted]
8. जंगल दवा कोड़ने गया।
9. कर्मीसिंह मुनि के साथ वादविवाद, प्रार्थना किया।
10. ईचा पी गया माकस सुई को प्रार्थना का रखा।
11. पाठ तैयार किया।
12. गिरजा किया।
13. अड़को के काम जरूरी पर्व मया वहां लाखो मुर्गी की मौत हुई।
14. मदको बेड़ा के भाइयो को गिरजा प्रार्थना जाने के बारे समझाया।
15. जोंको गया वहां के रिश्तेदार भाई को शांति का वचन दिया।
16. दोंदा प्रार्थना जोंको गया बहिनो के साथ समाज किया।
17. बाजार करई केला गया।
18. चक्रधरपुर विशेष काम के लिये Rev J. Soy के पास गया।
19. गिरजा किया।
20. गांव में घुमा तथा भाई, बहिनो को साहेब की प्रार्थना का बचन दिया
21. बाजार किया।
22. बालक की सेवा किया।
23. नक्की में घुमा और रिश्तेदारो के घर में प्रार्थना किया।
24. मदको बेड़ा के भाई, बहिनो को समझाया वे हां जाएंगे बोले।
25. पाठ तैयार किया।
26. गिरजा किया।
27. कर्मचारियो की प्रार्थना तथा साहेब की प्रार्थना की तैयारी में था।
28. Dr. इर्विन्कर की स्वागत प्रार्थना विदाई तथा उसकी उपदेश सुने
29. बचन स्टाडी किया।
30. जगन्नाथपुर गया विशेष काम के लिये।
31. जगन्नाथपुर से लौट आया।

(क) आनन्द की बात है कि इस महिने में
दो नाये धर्म खोज को की नवागन्तुक हुई।

गिरजे की हाजरी

भाई	बहिन	मौजूद
9	6	15
2	6	8
2	6	8
2	7	9
6	11	19

उपस्थिति — १।=)

दूध पत्र	नवागन्तुक
20	74

नोट: दो लड़के गवाई 6वीं आज्ञा के विरुद्ध पाप में फंस गये थे पर आनन्द की बात है कि रबनी को छोड़ के पाप मोहारा पा गये। और गिरजा आता है।

Cat. - J. Shirin
14-2-64.

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Nakle पोस्ट आफिस Karaikela

जिला Singbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम Johan Surin

सन १९ ६४ के Agust महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विशेष काम

१ हाचीवारी ग्रौर नकटी घर मीजिट किया।
२ गिरजा चलाया।
३ तेंदा: दवा पहुंचाने गया।
४ मद को बेड़ा में छुआ।
५ रिपोट तैयार किया।
६ वचन ग्रध्यायन किया।
७ " " " "
८ तेंदा: ग्रौर जोंको के रिस्तानो को देखने गया।
९ गिरजा चलाया। गिरजा बास तेंदा: गया।
१० नकटी में घर मीजिट किया।
११ चक्रधरपुर बीबीबहा के खतियान के लिये गया बहुत मुस्किल से ४ बजे मिला।
१२ वचन ग्रध्यायन किया।
१३ तेंदा: मीजिट किया।
१४ नकटी पारा के घर गया ग्रौर बाजार गया।
१५ पाठ तैयार किया।
१६ गिरजा किया।
१७ नकटी में घुमा ग्राम २ को बस्तिया मानकी बताया कि फौदा तुमको मार डालने चाहता है।
१८ रांची हाईकोर्ट को इस बात को बताने गया।
१९ रांची से लौट ग्राया।
२० जोंको ग्रौर तेंदा: गया सब कोई को ग्रच्छी हालत में पाया।
२१ पारा ग्रौर मनकी से फौदा के बारे में जांच किया।
२२ पाठ तैयार किया।
२३ गिरजा किया।
२४ तेंदा: गया रोगी की सेवा के लिये।
२५ बाजार किया। शाम को फौदा ग्रौर मनकी ग्रांया वे बोले कि फुलमनी को जल्दी
२६ तेंदा: के खोज के लाग्रो।
२७ मद को बेड़ा गया।
२८ करईकेला हट किया।
२९ पाठ तैयार किया। रात को फौदा ग्रौर मनकी ग्राये ग्रौर वे बोले कि फुलमनी को जल्दी लाग्रो
३० गिरजा किया।
३१ फौदा को Rev. J. Soy ग्रौर Rach. P. Barla के साथ खूब समझाया पर ग्रपनी जिद्द में रह

(२) महीने की विशेष बात :—

(क) चार नये धर्म्म खोजक २६-८-६४ को ६-२-६४ को १ धर्म्म खोजक बपतिस्मा हुए।

(ख) फ़ौदा (पौलुस) अपनी हाट में रह कर बराबर मुझे धमकी देता है कि फुलमानी को तुम बेच दिया है। जल्दी खोज के लायो नहीं तो तुम को ठीक नहीं करेंगे, नकटी से तुम को भगा देंगे धर्म्म भी यहां रहने नहीं पायगा बल्कि पूरा सिंहभूम में धर्म्म को रहने नहीं देंगे।

(३) गिर्जे की हाजिरी :—

			खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार ...	3	8	11	
२रा ,,	3	7	10	
३रा ,,	2	5	7	
४था ,,	3	2	5	
५वां ,,	8	8	16	

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या 6 ... धर्म्म खोजकों का बीते महीना बपतिस्मा 5

१ पुराने— 1 १. 1

२ नये जो बीते महीना हुए— २. 4

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— 51

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— 10

(७) महीने की मण्डली आमदनी — 2/

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैंने 26-2-64 ता: को 62 रु: X न: पै:

..... महीने का तलब और X रु: X न पै:

~~टी० ए०~~ और X रु X नः पैः ~~अन्य बाबत~~ पाया।

(९) मैंने ..... रु. ..... नः पैः .....

के पास ..... ताः को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष घटनाओं का वर्णन।

फुलमानी हत्सा पुत्ती तरोव वरा को फौदा (पौलुस) के हाथ से अलग करने से मारी उपद्राव प्रचारक में ऊपर में हुआ है। यहां तक की प्रचारक की जान को खतरा सुनाई दे रहा है। प्रचारक की बलिक नहीं पर इंजीलिस्ट की इंजीलिस्टर तिगा की बचा धर्म के विरुद्ध अपवाद सुनाई दे रहा है।

ता: 9-9-64.

सही Prach. J. Sinha

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Nakti पोस्ट आफिस Karaikela

जिला Singbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम John Surin

सन १९६४ के July महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विशेष काम

१ घर मरामत (छरा) किया।
२ रिपोर्ट तैयार किया। श्रीश्रीबहा तलव पहुचाने गया और हाबीवारी गया वहां वचनसुनाया।
३ श्रीश्रीबहा तलव पहुचाने गया और हाबीवारी गया वहां वचनसुनाया।
४ तेंदाः में गिरजा किया।
५ गिरजा चलाया।
६ चक्रधरपुर नकटी की जमीन का खतियान लाने गया।
७ जंगल दवा कोड़ने गया।
८ चक्रधरपुर श्रीश्रीबहा का खतियान मिलाने गया।
९ घर छरा।
१० फ्रोटो नोमी पर्व्व का गिरजा किया।
११ घर छरा।
१२ श्रिश्रीबहा और नकटी में गिरजा चलाया।
१३ चक्रधरपुर श्रीश्रीबहा का खतियान चेक के लिये गया।
१४ जंगल दवा कोड़ने गया।
१५ दवा बनाया।
१६ चर्म्म शास्त्र पढा।
१७ कराई केला बाजार किया।
१८ पाठ तैयार किया।
१९ गिरजा किया।
२० चक्रधरपुर आटा के लिये गया नहीं मिला।
२१ बाजार किया।
२२ तारोबरा पौलुस के केस के बारे गया।
२३ तारोबरा में पौलुस और फुलमानी को अलग २ रहने का फैसला किया।
२४ छेरा बनाया।
२५ पाठ तैयार किया।
२६ गिरजा किया।
२७ चक्रधरपुर आटा के लिये गया नहीं मिला।
२८ बोखार हुआ।
२९ " "
३० तेंदाः और जोंको गया। तेंदाः की रोगियो के लिये दवा बनाया।
३१ घर वचन अध्ययन किया और दवा बनाया।

(२) महीने की विशेष बात :—

(३) गिर्जे की हाजिरी :—

		खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार ...	6 7	13	
२रा ,,	3 6	9	
३रा ,,	5 3	8	
४था ,,	6 7	13	
५वां ,,	6 7	13	

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ..2 ... धर्म्म खोजकों का बीते महीना बपतिस्मा

१ पुराने— १.

२ नये जो बीते महीना हुए— ७ २.

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— 64

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— 13

(७) महीने की मण्डली आमदनी — 1.20 N. Paisa

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैंने ... 25-2-64 ता: को ..... 82 ..... रु: ..... 50 ... न: पै:

..... महीने का तलब और घर भरा मत ... रु: ..... न पै:

टी० ए० और ..... रु ..... न: पै: अन्य बाबत पाया।

(९) मैंने ~~25-7-1964~~ रु. 10-25 नः पैः Rs. Ten N. Paisa Twenty five

Rev. J. Sing के पास 25-7-1964 ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष घटनाओं का वर्णन।

हम प्रचारक, पादरी पौलुस गगराई और फुलमानी हस्सा फुलौ को मंडली कानूनानुसार पूछो फैसला दिया। पर इस में पौलुस और प्यारा होरो हम लोगो के विरुद्ध में हैं और गिरजा नहीं जाते हैं। ~~पा~~ पादरी प्रचारक के कायदे कानून मानते हैं बोलते हैं। जितना कागज मुझ के पास इस के बारे हैं रखें चूंकि हो सकेगा पौलुस मेरे ऊपर केस करेगा।

दूसरी बात है कि पौलुस कहता है कि लड़की की शरीर में दो महिना की गर्भ है। आप इसको फुलमानी से जांच करें।

ता: 7-8-1964

सही cute D. Sriv

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Nakle पोस्ट आफिस Karaikela

जिला Singbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम Johan Surin

सन १९ ६४ के Jun महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विशेष काम

१ चक्रधरपुर सेटेलमेन्ट केस जमीन के बारे देखने गो चर्चा मिलाने गया।
२ बाजार किया।
३ जोंको ग्यौर तेंदा: प्रचारिन के साथ गया ग्यौर वहां प्रार्थना समाज किया।
४ थोथी वहा तलव पैसा पहुंचानेगया वहां के भाईयो से मसीह ही प्रेम के वो वंचित
५ किया। रिपोर्ट तैयार किया।
६ ~~गिरजा किया~~ पाठ तैयार किया।
७ गिरजा किया।
८ वचन स्टाडी किया ग्यौर दवा बनाया।
९ १२ गो मसीही यो को रिश्तान धर्म ग्यौर संसार धर्म के बारे बताया।
१० दवा बनाया।
११ मदको बेड़ा गया सिर्फ जयपाल को पाया।
१२ एक धर्म खोजक को बपतिस्मा के लिये बुलाया। वो ग्यौर उसकी बपतिस्मा हुई।
१३ बोंगा जंगा धर्म मेला के लिये गया वहां पाप के दराड़ के विषय उपदेश दिया।
१४ भाईडी में संसारियो को समझाया ग्यौर गिरजा के बाद गुराहांगा में लोहू में उद्धार के बारे
१५ उपदेश दिया।
१६ तेंदा: में संसारियो को रिश्तान धर्म के बारे समझाया।
१७ तेंदा: में देवरी (पहन) को परिवार समेत रिश्तान धर्म में मिला लिया।
१८ चक्रधरपुर ग्यौर हाथी बारी गया उन को खूब प्रचार किया ग्यौर वे बपतिस्मा के लिये
१९ राजी हो गये।
२० पौलुस ग्यौर फूल दरदूगन के घ गया ग्यौर उन को खूब प्रचार किया।
२१ हाथी बारी ग्यौर कराई केला वापस गया।
२२ पाठ तैयार किया।
२३ गिरजा किया।
२४ इन्दुरा बास लाने गया।
२५ कराई केला खाना के लिये गया नहीं पकाया था।
२६ कराई केला से खबरा लाया।
२७ मदको बेड़ा ग्यौर तेंदा: गया, तेंदा: में समूएल के घ गिरजा किया यीशु मसीह के बारे में
२८ बताया।
२९ बाजार किया।
३० घर मरामत किया।
३१ गिरजा किया। एक धर्म खोजक की बपतिस्मा हुई।
दिन को पानी किया। वचन ध्यान किया।
बाजार किया।

(२) महीने की विशेष बात :—

(क) आनन्द की बात है कि १६-६-६४ को सेंदा: का पहन परिवार समेत बपतिस्मा पाया। जिन की पारिवारिक संख्या ६ ½ है

(ख) हाजी वारी टोला शाम नकटी का एक लड़का १२-६-६४ को बपतिस्मा पाया गयो। उसकी माता २८-६-६४ को बपतिस्मा लिई।

(ग) गिरजा घर का पुजारिक का घर बहुत चूती है। मरामत करना चाकी है।

(३) गिर्जे की हाजिरी :—

		खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार ...	..६ + ..५	११	
२रा ,,	..३ + ..१	४	२
३रा ,,	..३ + ..७	१०	
४था ,,	..८ + ..७	१५	
५वां ,,	... ...		

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... १ ... धर्म्म खोजकों का बीते महीना बपतिस्मा

१ पुराने— १.

२ नये जो बीते महीना हुए— २. १०

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— ६७

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— ११

(७) महीने की मण्डली आमदनी — १११=/

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैंने ..२-६-६४.. ता: को ..६२.. रु: ..७५.. न: पै:

..... महीने का तलब और ..T.A./.. रु: ..२५.. न पै:

टी० ए० और ..धर्म मे ला/१.. रु ..७५.. न: पै: अन्य बाबत पाया।

(९) मैंने ..... रु. ..... नः पैः .....

के पास ..... ता. को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष घटनाओं का वर्णन।

ता: 4.-.7.-.64.:

सही Cate Surin

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Nakle पोस्ट आफिस Karaikela

जिला Singbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम Johan Surin

सन १९ ६८ के May महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विशेष काम

१ टोकद से लौट आया और लाई केला बाजार किया।
२ पाठ तैयार किया और पौलुस घघराई को काम में मदद किया।
३ गिरजा किया।
४ रिपोर्ट तैयार किया।
५ दवा बनाया और बाजार किया।
६ अकुआपुर आटा खरीदने गया।
७ स्वर्ग रोहन पर्व्व गिरजा किया।
८ लाईकेला बाजार किया।
९ पाठ तैयार किया।
१० गिरजा किया।
११ वचन अध्ययन किया।
१२ जंगल दवा कोड़ने गया।
१३ अकुआपुर गया।
१४ वचन अध्ययन किया।
१५ बाजार लाईकेला गया।
१६ पाठ तैयार किया।
१७ गिरजा किया।
१८ वचन अध्ययन किया।
१९ बाजार किया।
२० लाईकेला दवा खरीदने गया।
२१ तेंदा: मीटिंग गया वहां उनको वचन सुनाया।
२२ मदको छेड़ा गया।
२३ पाठ तैयार किया।
२४ गिरजा किया।
२५ तेंदा: पुजारिन के साथ गया घर २ प्रार्थना किया।
२६ बाजार किया।
२७ नांदगांव बाजार गया नाश्ती विदीन खरीदने।
२८ टोकद में २ रोगी को सेवा किया।
२९ टोकद से लौट आया।
३० पाठ तैयार किया।
३१ गिरजा किया

(२) महीने की विशेष बात :—

(क) एक नया धर्म्म खोजक है उस को बपतिस्मा करना जरूरी है।
(ख) उन को मालूम करना अति जरूरी है नहीं मालूम होने से
वे भूल में नहीं रह सकते हैं।

(३) गिर्जे की हाजिरी :—

		खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार ...	...	12	
२रा ,,	...	8	
३रा ,,	...	8	
४था ,,	...	12	
५वां ,,	...	8	
		7	

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... धर्म्म खोजकों का बीते महीना बपतिस्मा

१ पुराने— १.

२ नये जो बीते महीना हुए— २.

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— 26

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— ६

(७) महीने की मण्डली आमदनी — 3)

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैंने ...8.6.68... ता: को ...६२... रु: ... न: पै:

... महीने का तलब और ...२... रु: ...१०... न पै:

~~सी० ए० और~~ ... रु ... न: पै: अन्य बाबत पाया।

(९) मैंने ..... रु. ..... नः पैः .....

के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष घटनाओं का बर्णन।

महाशय, रेव. जे. जे. टी विक्का डाईरक्टर जे.एम.वी. रांची
कोलर के नौकर निवेदन।

आप से मेरी यह दीन प्रार्थना है कि मेरे यहां एक नया
खिस्तान है जिसको टेबी बिमारी है। वह आप गांव जाने
चाहता है इसीलिए जाने का खर्च जोगाड़ नहिंथा है। इसलिये
मेरी यह अर्जी है कि आप उस को आपके गांव भेजने की
किरपा करें या जाने की सिफारिस चाजल देने
की कृपा करें। क्योंकि ऐसी हो के द्वारा भेजने
की कृपा करें यही मेरी उम्मेद है।

5-6-64

आपका आज्ञा कारी सेवक
प्रचारक - जे. सुरिन

ता. 5-6-64 सही J. Surin

Ripoart for the Month of December 1961
Cate Jhuri Head quater Sisibata

1.12.1961. करईकेला बाजार किया।

2.12.1961. एक बहिन को प्रसाव पीड़ा में हम दोनो प्रचारिन के साथ सेवा किया, और ईश्वर की सहायता से सब तकलीफें दूर हो गई। हो लोग इस विमारी में कोई नहीं जाते न सेवा करते हैं। सिर्फ स्त्री पुरुष दो हीजन रहते हैं। कोई जाते हैं तो उन को नहीं छुते हैं जब तक की वह पवित्र न हो। इससे सेवा के नाम से भी भारी प्रचार हो रहा है।

3.12.1961 गिरजा चलाया १ हो. और एक बहिन हो।

4.12.1961. एक रोगी का दवा बनाया।

5.12.1961. १ बुमटरा को प्रचार किया करईकेला में।
नाकटी बाजार धान खरीदने गया वहां भी बहुतो को धर्म के बारे समझाया

6.12.1961. नाईड़ी गया नहां १० जनो को प्रचार किया।

7.12.1961. कुंवार सिंह को तीन व्यक्ति स्वप्न में बोले की एक मुर्गी खलिहान में पूज देखो। तब वह बोला कि मैं मुर्गी को नहीं पूजुंगा। पुजी करता हूं कि मेरे खलिहान में प्रार्थना का देखो जिस्से शैतान मुझे न पकड़े या दुख न देवें।

8.12.1961. करईकेला बाजार किया।

9.12.1961 चक्रधरपुर विशेष काम के लिये गया।

10.12.1961. गिरजा चलाया २ हो गिरजा में आये।

11.12.1961. कोरकोरा बाजार गया लौटते समय रोटो पोली में एक भाई धर्म के विषय पूछा, वह बोला हम लोग आप के धर्म में जाने चाहते हैं। हम को एक पुस्तक दीजिये। तब मैं उससे मेरे जेब से एक पहाड़ी उपदेश था उस को दिया। पर वहीं एक रोमन आई था जो कि हम लोगो के धर्म को तुच्छ किया। उसका जवाब उससे हम लिया पर जवाब ही नहीं दे सका अपिवर में मुझ से माफी लिया।

12.12.1961. को गांव के लिये बोड़ोनहा से निकला और 13.12.61 को घर पहुंचा वहां से 15.12.61 को टकरमा होते हुए कुलबुरु आया और वहां रविवार 16.12.61 तक रहा और कुसुमटोली में पूरा गिरजा को भार मिला और गिरजा चलाया।

18.12.1961 को कुलबुरु से बनाविरा आया चूंकि कुलबुरु से गाड़ी पकड़ना कठिन है।

19.12.1961 को बनाविरा से बोड़ोनहा आया।

20.12.1961. X.mass की तैयारी के लिये चक्रधरपुर गया।

21.12.1961. डाऊद ग्युं। मीका के घ्र में दवा बनाया ग्यौर डाऊद के घ्र में खान पान हुआ। गीत गा। का प्रार्थना किया।
दुरंग ग.ट।

22-12-1961. क्रिसमस केला बाजा गया।

23-12-1961. X-mas की तैयारी।

24-12-1961. गिरजा चलाया 10 हो हाजिर थे।

25-12-1961. X-mas गिरजा 10 हो हाजिर थे।
मीका के घ्र में रात का भजन किया।

26-12-1961. रीटोपोली में 10 जनों को प्रचार किया।

27-12-1961. को बईड़ी गया तथा वहां 5 जनों को प्रचार किया।

28-12-1961. बईड़ी में 15 जनों को प्रचार किया।

29-12-1961. ~~काठ तैयार किया~~। क्रिसमस केला बाजा।
एक भाई दवा के लिये आया ग्युं वह भी धर्म में आने का वचन दिया है।

30-12-1961. काठ तैयार किया।

31-12-1961. गिरजा किया।

नोट :- (क) आशा के साथ आनन्द करते हैं कि 1962 में एक, दो, परिवार निश्चय धर्म में आवेंगे।

(ख) मेरे सेवकाई के फल ही से बईड़ी में दो परिवार 1962 में जरूर धर्म में आवेंगे।

(ग) ग्यौर दो परिवार के धर्म में आने से जल्दी ही गिरजा घ्र बनाना होगा।

(घ) ऊपर के ग्रेफिसर सब हम लोगों की दशा को देखने नहीं आते हैं ग्युं बिना जाने आप लोग हम लोगों की स्कैल को बढ़ाना नहीं चाहते हैं ग्यौर Rev. H. Kloss की इच्छा को आप लोग रद्द कर देते हैं।

Cate. Jhuri
2-1-62.

Sir,

To the Rev. J.J.P. Tiga Joint Mission Board Director
G.E.L. Church Chaibasa
प्रभु को धन्यवाद।

वजरिया
Rev. J. Soy J.E.L. Church Chakradharpore
प्रभु को धन्यवाद।

महाशय,

सविनय निवेदन है कि हम लोग ८ परिवार के हैं। चार लड़के और दो लड़की हैं। प्रभु ता: दो लड़के कक्षा ८ वां और ७ वां वर्ग में १९६२ से पढ़ने वाले हैं, और मुझे उन को पढ़ाना जरूरी है, और सिंहभुम में सब चीजो का दाम ज्यादा ही है जैसा शहर में है वैसा ही विहात में भी है। जिससे हमें बहुत तकलीफें हैं। और मुझे वेतन ४५) मिलता है जो की दो ही व्यक्ति का खुराक है। फिर मुझे स्कूल की सहायता प्रति मास ५) के हिसाब से छः महिना में ३०) मिलता है। वह सहायता मुझे तब तक दिया जाय जब तक की पढ़ने वाले बच्चे समाप्त न हों। इसलिये मेरी दीन निवेदन है कि प्रभु १९६२ ई. के जनवरी महिना हो वह रुपैया दिया जाय। इस के प्रति प्रभु को हृदिक धन्यवाद सदा दिया करेंगे।

२-१-१९६२.

प्रभु के विश्वास्त सेवक।
प्रचारक - जे. सुरिन।
(ग्राम) चीचीबहा।
पो. ग्रो - कराईकेला।
जिला - सिंहभुम।

स्कूल की सहायता की विल्।
प्रति मास — ५)
६ " - ५ × ६
= ३०)

Rs. 30 only
Rs. Thirty only

Cate. J. Surin
2-1-62.

To
=

Rev. J.J.P. Tiga
Joint Mission Board
Director
Chaibassa

Ripoart for the Month of November 1961.

Catechist. Jhuri Headquater Sushibata.

1-11-1961. विशेष काम के निमित चक्रधरपुर गया।
2-11-1961. दवा कोड़ने के लिये जंगल गया।
3-11-1961. करईकेला बाजार गया।
4-11-1961. पाठ तैयार किया।
5-11-1961. गिरजा चलाया। खूब पानी किया कोई भाई गिरजा नहीं आये।
6-11-1961. झोरझोरा बाजार गया। रस्ते में १२ भाईयो को प्रचार किया।
7-11-1961. जंगल गया।
8-11-1961. जंगल गया।
9-11-1961. 10 व्यक्ति को दमुड़ी में प्रचार किया।
10-11-1961. करईकेला बाजार किया।
11-11-1961. पाठ तैयार किया।
12-11-1961. गिरजा चलाया। १ भाई हो आये।
13-11-1961. 12 हो को प्रचार किया।
14-11-1961. जरईकेला ट्रेन द्वारा गया।
15-11-1961. जरईकेला से बाटमा गये वहां एक बहिन और भाई जो सादी हो के 12 वर्ष निसंतान थे उन को दवा दिये थे। ईश्वर की दया से उन को १ पुत्र हो गया। उसका खान पान में बुलाये गये थे। उसके लिये गया।
16-11-1961. बालक का नाम धराई तथा खान पान हुआ। वे खिस्त नमन जोहन नाम रखने चाहे पर मैं जोहन को अनुग्रह शब्द में बदल दिया और सभो से खिस्त नमन अनुग्रह नाम रखा गया।
17-11-1961. बाटमा से मनोहरपुर आया और रात को मनोहरपुर में ठहर गया।
18-11-1961. मनोहरपुर से बीबी वहा आया। और पाठो को तैयार किया।
19-11-1961. गिरजा चलाया। 2 हो भाई और १ हो बहिन गिरजा में आये।
20-11-1961. झोरझोरा बाजार गया।
21-11-1961. घर का काम किया।
22-11-1961. " " " "।
22-11-1961. " " " "।
24-11-1961. Rev. J. Surin Lowrom पादरी मुईन की बिमारी के लिये आये उन को
25-11-1961. बजार करईकेला तक पंहुचाये तथा उन के साथ 1० हो को प्रचार किया।
- पाठ तैयार किया।
26-11-1961 गिरजा चलाया 1 हो भाई गिरजा में आये।

27-11-1961. वंकीरा में 4 हो को प्रचार किया।

28-11-1961. 15 हो को रिवस्तान धर्म्म ग्रौर संसार धर्म में उद्धार की पूर्णता ग्रौर ग्रपूर्णता को बताया।

29-11-1961. कुरुंवा दा: में 10 जनों को प्रचार किया।

30-11-1961. वंकीरा से श्रीशीवाहा ग्राया।

(क) यहां के हो लोग कितने ग्राने चाहते हैं पर जातीय संस्था उन को रोकती है।

(ख) कितने हो हैं जो ग्राने वालों को रोक देते हैं।

(ग) उम्मेद है, ग्रौर एक दो वर्ष के भीतर ग्रौर सफलता हो जायगी।

(घ) मैं तो सब कर्म्मचारियों से ज्यादा तकलीफ में हूं चूंकि मैं ग्रकेला ही रिवस्तान हूं दो घर ग्रपनी हैं। उनसे भी खाना पीनी ग्रभी तक नहीं चलता है चूंकि हो लोग हम लोगों को नहीं छूते हैं। वे हम लोगों को दिकू कहते हैं।

ग्राप के विश्वास्त सेवक।

Cuti. J. Surin
1-12-1961.

महामन्यवर,

रेव. जे. जे. पी. तिगा. जोईन्ट सिक्रेटरी वोई डाईरेक्टर
जी. ई. एल. चर्च चाईबासा।

ग्राप को यीशु सहाय।

महाशय,

निवेदन है कि मैं 12-12-61 को जन्य पर्व्व मानने के लिये छोटा लड़का जो छः वर्ष उम्र का है। उस को लाने जा रहा हूं। ग्रतएव ग्राप से ग्रर्जी है कि ग्राप मेरी ग्रर्जी को गृहण कर मेरी गैर हाजरी को माफ करें। मैं ग्राप के पास गत महिना भी एक दरखास्त पेश किया हूं जिसका कोई जवाब ग्राप मुझे ग्रब तक नहीं दिये हैं। मैं उसी दरखास्त की जवाब की ग्राशे में रह कर नहीं ग्या हूं। पर ग्रब इस दरखास्त के बाद जाने के लिये तैयार हूं सो मेरे ऊपर में कोई ग्रनाज्ञाकारी का शिकायत न करें। ग्रौर गैर हाजरी का भी ध्यान न कर के मेरी ग्रर्जी को कृपया गृहण करें।

9-12-61

ग्राप के विश्वास्त सेवक।
प्रचारक - जे. सुरिन।

To

Rev. J.J.P. Tiga
Joint Mission Board
Director chaibasa

—X—

Riport for the Month of Sepht Lember 1961.
Cate. Jhurie Head quater sisibaha.
Date 17th oclomber 1961.

1-9-1961. करईकेला बाजार किया, पुरा कईएक गैरमसीहयो से धर्म के बारे बात चित किया।

2-9-1961. चक्रधरपुर विशेष काम के निमित गया।

3-9-1961. रविवार को बाईड़ी के एक रिवस्तान बालक को मिट्टी दिया। मुझे लाचार बश बीचीवहा गिरजा को छोड़ के बोंगा-जंगा मंड़ली को सहायता करना पड़ा।

4-9-1961. १० हो लोगो को बाईड़ी में प्रचार किया।

5-9-1961. मद को बेड़ा गया और लौटते समय दमुड़ी में हिन्दु धर्म और रिवस्तान के बारे राम सिंह हो तथा १० हो लोगो को समझाया।

6-9-1961. दाऊद सिंह के घर में १० हो लोगो को प्रचार किया।

7-9-1961. बिहान से पानी किया। इससे बचन स्टाड़ी किया।

8-9-1961. करईकेला बाजार गया।

9-9-1961. पाठ तैयार किया।

10-9-1961. गिरजा चलाया।

11-9-1961. बाईड़ी गया वहां १० हो लोगो को प्रचार किया।

12-9-1961. घर का काम किया और गांव में घुमा।

13-9-1961. चक्रधरपुर दवा खरीदने गया।

14-9-1961. एक संसार लड़की जहर खायी थी और मृत्यु के नीकट पहुंच गयी थी। उसको पर्चीना कर के दवा दिया और थोड़ी देर होते ही खराव लोहू उल्टी के द्वारा और झाड़ा के द्वारा निकलने लगा। सब कोई डर गये और मुझे पूछने लगे क्यों ऐसा हो रहा है। मैं उन्हें जवाव दिया कि यह खराव लोहू है यह खराव लोहू पेट से नहीं निकलेगा तो मर जायगी और जब यह खराव लोहू पेट से निकल जायगा तो निश्चय जीये गी। मत घवड़ाओ डरने की बात नहीं। फुरिवर वह हो लड़की अच्छी हो गई। ऐसा ही अनेक काम सेवाकाई के द्वारा काम कर के दिखाते हैं पर हो लोगो का कठोर दिल पिघलता ही नहीं, और अपने तक मन नहीं फिराते हैं।

15-9-1961. दाऊद सिंह के कारखाना में १८ जनो को प्रचार किया। और करईकेला बाजार गया।

16-9-1961. पाठ तैयार किया।
17-9-1961. गिरजा चलाया।
18-9-1961. बंकीरा डी- हो लोगों के घर गया।
19-9-1961. कुरुंबा दा: गया वहां 20 जनों को प्रचार किया।
20-9-1961. कुरुंबा दा: में आ वहां गुनेकों को मिथ्या विश्वास के बारे समझाया।
21-9-1961. ओछी वहां लौट आया।
22-9-1961. कराई केला बाजार गया।
23-9-1961. पाठ तैयार किया।
24-9-1961. गिरजा चलाया।
25-9-1961. कोरकोरा बाजार गया। जाते समय 10 गैर मसीहियों को यीशु में जीवन है। उसके बारे समझाया।
26-9-1961. जंगल गया दवा कोड़ने गया।
27-9-1961. चक्रधरपुर विशेष काम के लिये गया।
28-9-1961. दमुड़ी मोका इंगिल के घर गया उसकी बेटी बीमार थी उसके लिये दवा बनाया और प्रार्थना किया।
29-9-1961. विहान से जागी किया।
30-9-1961. पाठ तैयार किया।

नोट :- (क) यहां मैं गैर मसीहियों के बीच में हूं तथा उनसे प्रतिदिन तुच्छ किया जाता हूं।
(ख) हो लोगों को जन्म से मरण तक का एक २ के विषय समझाना पड़ेगा। चूंकि नया जन्म के समय उन को हीं छुते तथा उन के घर में नहीं खाते हैं। ऐसा ही मरण तक का समझाना पड़ेगा तब वे क्रिस्तान धर्म में आवेंगे।
(ग) प्रभु भोज में एक कटोरा से पीते हैं उससे और अधिक होकर खाते हैं।
(घ) बैल गोरस से में भी होकर खाते हैं।
(ङ) लिफाफा के न पाने के कारण रिपोर्ट जल्दी नहीं भेजा सो कृपया माफ करें।

आप का आज्ञा कारी सेवक।
पुरुषोत्तम – जे. सुरिन।

Ripoart for the mouth of Agust 1961.

Catechist. Johan Surin Sikdar.

1-8-61. I वेला जलावन लकड़ी लाने के लिये जंगल गया चूंकि रोगी की सेवा के कारण लकड़ी खतम हो गया था। फिर दूसरी वेला ग्राम गांव में भाइयो के पास गया और उन को दुख ईश्वर की महिमा के लिये है उसको बताया।

2-8-61. घर का काम किया और दूसरी वेला दाऊदसिंह के कारखाना गया वहां उन को प्रचार किया।

3-8-61. घर का काम किया और कुवंर सिंह के कारखाना गया वहां उन को रांची अस्पताल के बारे बताया चूंकि बुवाजुन खूब मानते हैं और सब से ज्यादा हम खिस्तानी को तुच्छ करते हैं और रांची अस्पताल में डाक्टर और नर्स सब खिस्तान हैं और सब जाति उन के हाथ से दूध और साबूदाना तथा दवा खाते हैं।

1-8-1961. कराई केला बाजार गया वहीं मुझे चिट्ठी पत्री मिलती है और दाकारी चीजें वहीं मुझे मिलती है और लेते हैं।

6-8-1961. बी बी वहा में गिरजा चलाया और गिरजा वास बेटी के पास चक्रधर पुर गया।

7-8-1961. चक्रधर पुर से लौट आया और कोरकोरा बाजार गया। जहां अनेक और मसीहियो को धर्म्म के बारे समझाया।

5-8-1961. चक्रधर पुर बेटी को देखने गया।

8-8-1961. एक रोगी के पास गया तथा उसको प्रचार किया और बाद में चक्रधर पुर बेटी को देखने चला गया।

9-8-1961. चक्रधर पुर में बेटी की सेवा किया और दूसरी वेला घर लौटा।

10-8-1961. बी बी वहा में था।

11-8-1961. चक्रधर पुर बेटी को देखने आया और तुरन्त लौट गया।

12-8-1961. चक्रधर पुर आया और बेटी के लिये जरूरी चीजो को खरीद दिया

13-8-1961. चक्रधर पुर से बी बी वहा आया और गिरजा चलाया।

14-8-1961. कोरकोरा बाजार गया और रस्ते में १० हो लोगो को प्रचार किया।

15-8-1961. गांव में घुमा।

16-8-1961. चक्रधर पुर बेटी को देखने गया।

17-8-1961. चार व्यक्तियो को प्रचार किया।

18-8-1961 कराई केला बाजार गया।

19-8-1961 चक्रधर पुर बेटी को देखने गया।

20-8-1961. झीकीवहा में गिरजा चलाया।

21-8-1961. एक दो परिवार को धर्म्म के बारे समझाया।

22-8-1961. पांच हो को प्रचार किया कि यीशु मसीह के बिना ज़रा नहीं।

23-8-1961. चक्रधरपुर बेटी के पास गया।

24-8-1961. दाऊद सिंह के कारखाना गया वहां कारखाना में धर्म्म के विषय समझाया।

25-8-1961. बरीस हुई और करई के ला बाजार गया।

26-8-1961. चक्रधरपुर बेटी के पास गया।

27-8-1961. चक्रधरपुर से बेटी को झीकीवहा लाया और गिरजा चलाया।

28-8-1961. कोरकोरा बाजार गया।

29-8-1961. घर का काम किया।

30-8-1961. " " " "।

31-8-1961. " " " "।

नोट: (क) बेटी कृपा सुरिन को मैं तीन रोज छोड़ दिया। और चौथा रोजजब हम पहुंचा तैसा ही मेरे सामने रोनी लगी। उसकी मन की निराश को दूर करने के लिये बराबर उसको देखने जाते थे। कभी पैदल कभी गाड़ी से जिससे मुझे चैन तथा आराम नहीं था। कभी चक्रधरपुर में कभी झीकीवहा में चूंकि घर में रहने वाले भी मेरे ऊपर ही उन की जीने (शरीर) की सहारे थीं।

(ख) जुलाई महिना भारी तकलीफ में हम दोनों पुरुष स्त्री थीं चूंकि दिन रात रोगी की सेवा में थी जब तक की बेटी को चक्रधरपुर नहीं लाये।

(ग) यह दुख गैर मसीहियों के लिये ठोकर बन गयी और। धर्म्म में आने में एक ठोस पर्दा बन गया। यहां धर्म्म की उन्नति हो रही थी कि एक रिश्तान बालक मर गया और तैसे ही मेरी बेटी की दुख बढ़ गयी।

(घ) हो लोगों को धर्म्म लाने के लिये जन्म से मारण तक की तथा अंधविश्वास और आत्मिक दोनों को समझना होगा। नया जन्म में स्त्री, पुरुष के हाथ से न लेना और न खाना इत्यादि।

(ङ) हो लोग प्रभु भोज में एक कटोरा से पीना, इससे ठोकर खाते हैं। इस के विषय में समझाने के लिये बाहरी (आदिवासी) धर्म्म के कई सिद्धान्तों को ले के समझाना होगा।

(च) प्रमुख प्राईन्द को प्राण नाकटी भेजने की कृपा करें।

(छ) मैं तो अन जाने के समान हूं और भारी तकलीफ में हूं।

(ज) दो परिवार को मैं बोंगा जंगा बाईड़ी में वचन प्रश्चर्या से बताया हूं और उन का विश्वास रिश्तान धर्म्म में गड़ गया है। अब बोंगाजंगा प्रचारक का काम है। खाद देना, निकाना और पटाना जब ये दो परिवार धर्म्म में आ जायेंगे तो बोंगाजंगा मंडली तुरन्त बढ़ेगी।

Calc. Journey
1-9-61.

महामन्यवर,

डाईरेक्टर रेव.जे.जे.पी. तीरुपति जोईंट मिशन बोर्ड चाईबासा।

प्रभु को यीशु सहाय।

महाशय,

सविनय निवेदन है कि मैं बेटी कृपा की इलाज में 200) दो सौ रुपया खर्च किया हूं। उसकी दवा तथा डाक्टर, नर्स और नर्सों को देने तथा बेटी को मुर्गाई चीजो मुर्गी फलो को खिलाने में। जिसका बिल साथ का देता हूं मगर कितनो का पक्का निसान नहीं देता हूं। पर जो है मैं ईश्वर को सामने रख कर यह अर्जी पेश करता हूं कि प्रभु मुझे इस संकट में मेरे अर्जी पत्र को ग्रहण कर बिल को पास करने की कृपा करें और प्रभु मेरी सहायता करें। चूंकि इस बिमारी के कारण मुझे बहुत तकलीफ है फिर मेरे बड़े भाई और भाभी मेरी बेटी को देखने आये थे उसी बीच में घर की सम्पति चोरों द्वारा रात को चोरी हो गई घर वाले बिल कुल नंगा हो गये सब चीजें। थाली, लोटे और कपड़ा तथा घर की सम्पति सब चोरों ने ले लिया। इससे मेरी दीन अर्जी है कि प्रभु मेरी अर्जी को ग्रहण कर देने की कृपा करें। प्रभु की इस दया के काम के लिये मैं जीवन भर हृदिक धन्य वाद दिया करूंगा।

दि - ट - १८६१.

प्रभु के निस्वार्थ सेवक।
प्रचारक - जे. सुरिन।

बेटी कृपा सुरिन की इलाज में खर्चा की बिल्ल।

20-7-61. Siovria Amps (Jook) 10cd. amp
Box of 20 — 14-75
Juja calci-ostelin c B12 — 6-25
13-7-61 — — Dollorina 15cd cardiac C.T. 80
26-8-61 — 99 caps Plastules — 2-25
20-32
F/A
C.T. -80
डाक्टर और नर्सों को देने में — 46-0-
गाड़िवान को देने में — 4-0
95-15
पंचानवे रु. सतरह नया पैसा

To

Director

Rev. J. J. P. Jiga

Chaibassa

—x—

Riport for the month of June 1961.

Catechist - Johan Surin Sushila.

1-6-1961. – ५ व्यक्तियों को यीशु सच्चा वैद्य है तथा उद्धार कर्त्ता है। उसके बारे प्रचार किया।

2-6-1961 – एक रोगी की सेवा किया।

3-6-1961 – पाठ तैयार किया तथा रोगी की सेवा किया और १० जनों को प्रचार किया।

4-6-1961 – गिरजा किया तथा ५ धर्म खोज को को बपतिस्मा हुई। और गिरजा बाद एक रोगी के पास गया।

5-6-1961 – बाईड़ी गया वहां एक रोगी को दवा दिया तथा ४ जनों को प्रचार किया।

6-6-1961 – एक खिस्तान वाले का प्रधान का ही मर गया जिस को मिट्टी दिया। हो लोगों को कबर के विषय को समझाना होगा चूंकि ये उत्तर दक्षिण से गाड़ते हैं। हम पूरब, पश्चिम से गाड़ा बहुत मुश्किल से झूली दिये तथा में उन को रोने नहीं दिया वह को कुड़कुड़ाते हैं। और कहते हैं कि रोना को अच्छा नहीं लगा कि प्रचार के गाड़ दिया। वे कहते हैं कि इसको दूसरा तरफ सिर किया खो गया घर को नहीं आयगा और घर वालों से नहीं मुलाकात होगा। ये सब बातें मेरे सामने नहीं हुआ। मरीज के घर वालों को दूसरे लोग कहे।

7-6-1961 – 30-6-1961 तक की रिपोर्ट :— 7-6-1961 से मेरी बेटी सिरोमणि शांति कुमारी सुरिन खूब जोर से बिमार। उस को बुखार हुई। शरीर दर्द, पंजर दर्द, डंडा दर्द, घेंचा दर्द और कान दर्द। दिन और रात कहरना और रोना शुरू किये। मैं ऐसा जगह में हूं कि आज काल कोई डाक्टर भी नहीं आ सकता है और गांव के लोग भी देखने आते हैं। चूंकि गांव वाले तो हम लोगों को नीच जाति हिसाब करते हैं और भूत प्रेत का भय उन में है। अगर कोई बिमारी के पास जायगा तो, बिमारी में जो दुष्टात्मा है वह दे दुष्टात्मा देखने वालों में लंघ जायगा और उसको भी दुख पकड़ेगा। अपने नीज घर के रोगी को भी थोड़ा दूर ही में रखते हैं। ऐसी हालत में हम दोनों प्रचारक और प्रचारिन, दिन और रात पारी २ करके बेटी की सेवा में थी। यदि किसी को कहीं भेजना है तो उस को उस रोज का भाता और हाजीरा भी देना होगा। सब चीजों का दर भी रांची बहेर के जैसा है और ४५ से डाक्टर या दवा

ही खरीद सकते हैं या किसी को कहीं भेज सकते हैं। हमलोग बहुत ही बुरी दशा में हैं। प्रचारिन तो मुझे बहुत गाली देती है। कि हम लोगो को मरने के लिये ऐसी बुरी जगह में लाये है। न जाति भाई है न पड़ोसी ही हैं। प्रभु कोई से बुद्धी लीजिये हमलोग नौज सिनोड़ ही में लौट के आम करेंगे। इधर खाना पीना का भी तकलीफ, सब चीजो का दाम ज्यादा है। सिनोड़ का 30 या 35 ही प्रच्छा है। वे कहती हैं 45) तो सिंहभुम जिला में कुछ नही है उसी में तेल, नमक तथा चावल, दाल है। दूसरा कोई चीज विना दाम में नहीं मिलता है। हम लोग 7 परिवार हैं, दो बच्चे नौज घर में हैं चार बच्चे मेरे साथ में है। इन्ही में बड़ी बेटी रांची में पढ़ती है और वही बिमार है। दुख थोड़ा सा कम मालूम होता है पर बेटी की शरीर में दर्द मारा हुआ है और उठने बैठने भी नहीं सकती है प्रति दिन और रात प्रार्थना और देखी दवा दिया जाता है। साम को गीत गा कर प्रार्थना शुरु करते हैं। हम दोनो नींद से ज्यादा तकलीफ, होते हैं। कोईरात तो हम दोनो को सोना ही नही बनता है चूंकि बेटी की कहरना और रोना ज्यादा है। और कोई हम लोगो की सहायता करने वाले नहीं हैं। दुख प्रभु तक जस का तस है। प्रभु के हाथ बेटी को सौंप सेवा में लगे हैं। प्रार्थना से प्रार्थी है कि आप अपनी प्रार्थना में हमारी सहायता करें।

नोट :- दुख के कारण घुमने नहीं सका।

आप के विश्वास्त सेवक।
प्र. जे. सुरिन।
(ग्राम) धोधीवहा।
पी. ओ. कराईकेला।
जिला - सिंहभुम।

3-7-1961.

To

Rev. J. J. P. Tigga.
G.E.L. Church Compound
Ranchi

Ripoart for the month of may 1961.

Cate. Jhurin Head quater sikkim.

1-5-61. नाकटी के एक खिस्तान परिवार को मिथ्याविश्वास से बचाया और उस के घर के रोगी को इलाज किया और स्वच्छा हो गया जो कि विन रख वाले के समान थे। वहां से झोरझारा बाजार गया वहां १० जनो को प्रचार किया यीशु सच्चा वैद्य है

2-5-61. नाकटी सादी देखने गया वहां Rev. Joy को काम में सहायता दिया। सादी देखने के लिये बहुत लोग आये।

3-5-61. नाकटी से श्री गीवा आया २ जनो को प्रचार किया।

4-5-61. हवा और पानी खब जोर से आया जिससे घर की खपरा बहुत गिर गया और फट गया। घर को मरामत करने की जरुरत है।

5-5-61. करई केला बाजार गया २ गाउ जाति को यीशु मसीह के बारे सुनाया।

6-5-61. विहान को चक्रधर पुर गया और पाठ तैयार किया।

7-5-61. गिरजा चलाया।

8-5-61. ३ व्यक्ति राजा पारोम के भाई और बहिन को धर्म के बारे समझाया।

9-5-61. मदकोवेड़ा की बहिन को मती ११, २ और १ योहन १, ७ से समझाया। और दमुड़ी में ३ जनो को नोंगा धर्म और खिस्तान धर्म के बारे बताया।

10-5-61. रंग रिंग के एक प्रधान जाति को प्रचार किया।

11-5-61. ~~बईडी में १० जनो को प्रचार किया और वहां से दमुड़ी~~ स्कूल रोहन पर्दो गिरजा किया मोरा हो के घर गया वहा एक बालक अच्छा नहीं था उस को प्रार्थना करके दवा दिया और वह अच्छा हो गया।

12-5-61 करई केला बाजार धान खरीद ने गया पर हम धान ही नहीं खरीद ने सके क्यों कि ३ सेर रुपये के हिसाब से खरीदने वाले खरीद लिये। उदास हो के घर लौट आये।

13-5-61. दाउद सिंह के घर गया वहां कारखाना में शिक्षा के बारे समझाया चूंकि यहां के लोग शिक्षा के बारे नहीं समझे हैं। वहां से दमुड़ी गया वहां मोरा के विश्वास को कईएक वचनों से पुष्टि किया।

14-5-61. गिरजा चलाया १ परिवार खिस्तान गिरजा में सामिल हुआ था।

15-5-61 बईडी में खिस्तान धर्म और संसार धर्म के बारे बताया और वहां के लोगो को संसार धर्म से श्रेष्ठ खिस्तान धर्म को बताया और यह भी उन को बताया और कहा कि आप लोग तसवीर में एक मनुष्य सकेत फाटक को

P. T. O.

ग्रोर देखता ग्रौर जाने चाहता है पर उसका पैर चौड़ा मार्ग की ग्रोर बढ़ाता है। जिसका ग्रन्त सनातन दंड है ग्रधिक लोग उसी दंड में जाने वाले हैं। मुह से तो सकरा फाटक में जाने चाहते हैं पर चौड़ा मार्ग में ही जाते हो इस का माने है कि ग्रधिक लोग त्राण ही नहीं चाहते हैं।

16-5-61. नाकटी गया ग्रौर लौटते समय मोरा हो के ग्या वहां उन को खिस्तान धर्म के विषय समझाया।

17-5-61. हो लोगो का हेल हेले पर्व सुरू हुग्रा, जहां हड़िया, दारू का मार मार लगा। दिन को क्या बुढ़ा, क्या जवान हड़िया दारू पीते ग्रौर सब कोई रात को जवान होवते ग्रौर नाचते।

18-5-61 ता: 12-2-61 को कोई एक दो लड़को को पकड़ के ले ग्राये। ग्रधिक समझ जाइये कि करिन्द नगर जैसा था वैसा ही समुचा सिंहभुम जिला है। यहां के लोग सुखविलास में हैं। इन को कोई तकलीफ नहीं है। इसीलिये इस पर्व को मैं हेल हेले पर्व दिय नाम दिया हूं। इस पर्व के मैं खिस्तान धर्म से तुच्छ पर्व बताया, सदुम, सुमरा ग्रौर नूह के समय के जल प्रलय से बताया। 35 जनों को।

19-5-61. करईकेला बाजार गया।

20-5-61 10 जनो को बईड़ी में प्रचार किया। वहां से लौट के चकुड़ी गया वहां 5 जनो को प्रचार किया।

21-5-61. गिरजा चलाया।

22-5-61. दउदसिंह के कारखाना में सोहविना नारण नहीं है के बारे समझाया।

23-5-61. 5 भाइयो को मुंड़ा धर्म से बता के यीशु के लोहू में पहुचाया।

24-5-61. Ranchi बेटी को लाने गया बहुत मुस्किल से ग्राना जाना। नया चेरकि गाड़ी में, सीट नहीं मिला।

25-5-61. घर का काम किया।

26-5-61. करईकेला बाजार में दो हिन्दु भाइयो को प्रेम के विषय बताया ग्रौर उन को बताया कि वही प्रेम यीशु मसीह है इसीसे हमलोग धर्मिक समाज में हिन्दु, या मुसलमान, या सब जाति को भाई समझते हैं।

27-5-61 — पाठ तैयार किया ग्रौर गांव में घुमा।

28-5-61. गिरजा चलाया। ग्रौर नाकटी ग्राया।

29-5-61. नाकटी में ग्रौर वहां से साक्षी के लिये पोंका भी ग्राया। वहां गीतो ग्रौर वचनो से साक्षी दिया।

30-5-61. नाकटी से भी बीच वहा ग्रामा।

31-5-61. दउदसिंह के कारखाना में प्रचार किया।

Cate Jurin
1-7-6-61.

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Sisibaha पोस्ट आफिस Karaikella

जिला Singbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम Johan Surin

सन १९..6.2 के February महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ कराई केला बाजार किया तथा लोवो हो (नया धर्मी खोनकां) के घर रात को भजन किया
२ लोवो हो के घर रात को भजन किया।
३ पाठ तैयार किया।
४ गिरजा चलाया।
५ ओर ओरा हट गया ५ हो को प्रचार किया।
६ खेसरोली गया १० को प्रचार किया।
७ खेसरोली में को प्रचार किया।
८ बाईडी में ६ को प्रचार किया।
९ नया रिक्रूटमान बहिन जय नेल के लिये चक्रधरपुर दवा लाने गया।
१० चमुडी में धर्म के बारे समझाया।
११ गिरजा चलाया।
१२ ओरओरा बाजार गया।
१३ नाकटी सादी देखने जय सिंह के साथ गया वहां गीतों के द्वारा सोभा बढाये।
१४ घर का काम किया। २ रोगी की सेवा किया
१५ जंगल दवा कोड़ने गया।
१६ एक संसार बहिन मृत्यु के जोखिम में पहुंच गई थी उसकी सेवा किया और वह अच्छी हो गई।
१७ चक्रधरपुर बेटा के रहने के लिये जगह खोजने गया।
१८ गिरजा चलाया।
१९ ५ जनों को प्रचार किया।
२० बेटा Prem Sing के बिमारी के लिये दवा लाने चक्रधरपुर गया।
२१ मीका सिंह के बेटा Bilkan Sing को सेवा किया।
२२ दाऊद सिंह के घर में वचन सुनाया।
२३ कराई केला हट किया।
२४ पाठ तैयार किया।
२५ गिरजा चलाया।
२६ जय नेल चमुडी का दवा बनाया।
२७ कुईता में १० को प्रचार किया।
२८ कुईता में ५ को प्रचार किया।
२९
३०
३१

(२) महिने की विशेष बात :—

(३) गिर्जे की हाजिरी :

				ख्रिस्तान	अख्रिस्तान
१ला एतवार...	३.भाई +	३.बहिन	=	६	०
२रा ,,	४.भाई +	४.बहिन	=	८	०
३रा ,,	४ +	५	=	९	०
४था ,,	५ +	६	=	११	०
५वां ,,	...	...			

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ...३. ...

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए— ५

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— २८.

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— ४

(७) महीने की मण्डली आमदनी— १११)

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने 1-3-62 ता: को 91 रु: 88 न: पै:

February महिने का तलब और schoolhelp 30 रु: X न: पै:

~~डी०~~ ए० और 16 रु: 88 न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

(क) तिरपाल घर की जरूरी है
(ख) दो रेनूल ग्लैर दो चौकी की जरूरी।
(ग) दो चटाई।
(घ) बेदी कपड़ा।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

(क) सब चीजों की दम बढ़ी हुई है।
(ख) खाने पीने तथा ओढ़ने पहिनने की।
(ग) दिहात में घुमने में कच्चा पानी पाना भी कठिन है।
(घ) ४५) में घर और स्कूल चलाना कठिन है।

ता: 5-3-62. सही J. Surin

Ripoart for the month of January 1962 year.

Catechist J. Jurin Sisi Gaya.

1-1-1962. नया साल पर्व गिरजा किया।
2-1-1962. प्रेमसुक के T.C. के लिये कराई केला स्कूल गया T.C. कारण वश न मिला
3-1-1962. प्रेमसुक के T.C. के लिये किं गया बहुत मुश्किल से T.C. मिला।
4-1-1962 - को मारवाड़ी उच्च विद्यालय में लड़का को बहाली करा दिया।
5-1-1962. फिर मुके मारवाड़ी उच्च विद्यालय से ग़ादिवासी है या नहीं उसका प्रमान पत्र हुकूम दिया गया उसको लाने के लिये कराई केला स्कूल गया।
6-1-1962. पाठ तैयार किया।
7-1-1962. गिरजा चलाया।
8-1-1962. ओरओरा बाजार गया। रस्ते में कईएक हो लोगो को प्रचार किया।
9-1-1962. चक्रधरपुर विशेष काम के निमित गया।
10-1-1962. दमुड़ी गया दयात्मा यीशु यीशु की शक्ति के बारे समझाया।
11-1-1962. चक्रधरपुर विशेष काम के निमित गया। पुनः रात को दमुड़ी गया। यीशु प्रचार किया
12-1-1962. चक्रधरपुर गया। पुनः रात को दमुड़ी गया। पुनः रात भर जयसिंह के घर में भजन कि
13-1-1962. ड्राईवर की बार नोहे।
14-1-1962. गिरजा चलाया।
15-1-1962. ओरओरा बाजार गया अनेक हो लोगो को प्रचार किया।
16-1-1962 - से बेटा ग्रुप नर्स को कुलबुरु पहुंचाने के लिये चल निकला।
17-1-1962. बनाविरा से कुलबुरु पहुंचा।
18-1-1962. कुलबुरु में रहा।
19-1-1962. कुलबुरु से बीबी वहा के लिये निकल पड़ा। पुनः बनाविरा पहुंचा।
20-1-1962. बनाविरा से बीबी वहा आप को पहुंचा।
21-1-1962. चक्रधरपुर बेटा प्रेमसुक को कितवे पहुंचाने गया। (गिरजा चलाया)
22-1-1962.
23-1-1962. दमुड़ी जयसिंह के घर गया पुनः रात को भजन किया।
24-1-1962. दमुड़ी लोवो हो के घर में रात को रोगी की सेवा किया तथा गीतो को गा, गा कर सारे घर वालो को समझाया।
26-1-1962. दमुड़ी लोवो हो के घर रोगी की सेवा किया।
26-1-1962. लोवो हो के घर रोगी की सेवा किया।
27-1-1962. लोवो हो के घर में रोगी की सेवा किया।
28-1-1962. गिरजा किया - एक नया धर्म खोजक गिरजा में शामिल हुआ।
29-1-1962. प्रचारिन को रात को अचानक हाथ में दर्द उठा उसी की सेवा में रहा।
30-1-1962. प्रचारिन की कमजोरी के कारण घर का काम किया।
31-1-1962. चक्रधरपुर Rev. J. Soy से बातचित करने गया।

P. T. O.

नोट :—

(क) आनन्द की बात आज कि 3 नये धर्म खोजक हैं।

(ख) मुझे अनुभव है कि हो लोगों के लिये धर्म में आने का द्वार केवल दुख है। जितने जो तेनदा:, क्रीशी वहा और वड़ी ही में बपतिस्मा लिये हैं सब दुख के कारण हुए हैं।

(ग) दृढ़ापन न होने का कारण है एक कटोरा। जिसे छोकर होते हैं या वे लोग धीरे से पुराना धर्म के शिक्षा को भी ले के तथा क्रिस्तान धर्म के शिक्षा को ले के अब उन में जो डर की। वह दूर होते जा रही है।

(घ) आशा हो रही है कि यह मंडली शिघ्र एक बड़ी मंडली बन जायगी।

(ङ) आज भी एक रोगी को सेवा कर रहें हैं जो पांच वर्ष से भारी दुख में है। सब टोन्हें फेल खा गये हैं। अगर ईश्वर की दया हो तो वह चंगा हो जायगी।

(च) आप से अर्जी है कि आप मुझे प्रार्थना से सहायता करें।

catechist J Jhansi 2-2-62.

(छ) चार मुन्ड़ा दुरंग पेन्सी। दो मुन्ड़ा धर्म पुस्तकं।
छः मुन्ड़ा बिन्ती पेन्सी अति जरूरी है।

(ज) यहां के भाई सब एक हरमोनियम बाजा आप से चाहते हैं।

(झ) हम प्रचारकों को दिन और रात सेवा करना पड़ता है।

J Jhansi 1-2-62.

(ञ) तीन धर्म खोजकों की बपतिस्मा के निमित Rev. J. Sou को 3-2-62 को बुलाया हूं। उन की बपतिस्मा 4-2-62 को होगी।

(ट) फिर उसके बाद परिवार निश्चय है धर्म में आवेंगे उन के बपतिस्मा के लिये आप को आना होगा।

(ठ) आशा है दमुड़ी गांव आधा से अधिक धर्म में आ जावेंगे।

(ड) गिरजा घर का सबसे पहिले खपरा बनावेंगे चूंकि पीछे धूप तेज होगी और ज्यादा खपरा बरबाद होगी।

J Jhansi
2-2-62.

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Sisiba पोस्ट आफिस Karaikela

जिला Singbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम Johan Surin

सन १९.६२ के Jun महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ कुलदुर. तरफ से बी बी वहा आया।
२ पाठ तैयार किया।
३ गिरजा किया।
४ रांची चस्मा खरीदने के लिये गया।
५ रांची से लौट आया।
६ भालूपानी में एक गैर मसीही को सेवा किया बिन्ती औषधि दवा से।
७ चक्रधर पुर विशेष काम के लिये गया (जोहन्नेस मेलगड़ी के लिये कपड़े देने)
८ कराई केला हाट किया।
९ पाठ तैयार किया। और भाइयो के घर में घुमा।
१० गिरजा चलाया।
११ भोरभोरा गया। २० जनो को प्रचार किया।
१२ ईदा पर्व गिरना हुआ। बहुत आनन्द के साथ ऐक भोज में भी मेरे घर में हुआ।
१३ भालूपानी डुंगुरी दमुड़ी में घुमा नये भाइयो को समझाया।
१४ भालूपानी के रोगी को दवा दिया पुर्जीना का के जो कि अच्छा होना हो है
१५ कराईकेला बस्ती में दो हिन्दु भाइयो के साथ वाद विवाद हुआ। पर मुलि में उन को
१६ सब तरफ से उन को समझाया और बताया कि हम लोगों का धर्म प्रेम का धर्म है लड़ाई
१७ का धर्म नहीं। इस लिये पाठ तैयार किया।
१८ गिरजा चलाया।
१९ भोरभोरा तीन भाइयो के साथ गया वहां से नईडीह कुवार सिंह के घर वालो को सेवा के लिये
गया। नईडीह के रोगियो को सेवा किया।
२० नईडीह से घर लौट आया शांति का वचन उन्हे दे रखा।
२१ चक्रधर पुर गया।
२२ कराईकेला बजार किया।
२३ घर घर और गांव को दाऊद सिंह के घर गया।
२४ गिरजा चलाया।
२५ भोरभोरा बाजार किया।
२६ जंगल दवा कोड़ने गया।
२७ चक्रधर पुर वापस गया। इसी बीच हड्डा और पानी खाना सब को अच्छा दिया
२८ घर दुबारा घर घोरा।
२९ कराईकेला बजार किया।
३० पाठ तैयार किया।
३१

(२) महिने की विशेष बात :—

(क) 12-६-६२ को दृढ़ीकरन तथा प्रेम भोज हुआ।

(ख) - 26 · ६ - ६२ को या की रक्षा सब को दवा लिए दिया।

(ग) - धर्म्म में आने की बात तो बहुत कोई बोलते हैं। लेकिन हस्सादा: औरों जबतिं हस्सादा: धर्म्म में मजबूत हो के औ मसीहियों के बीच किसी प्रकार सेवकाई से और वचन से प्रभु को प्रकट करते हैं। लेकिन सब क्रिस्तानों से ज्यादा सफेदा और बोलने वाला आदमी है पर अकेला होने के कारण या को छोड़ना नहीं बनता है केवल उसका बुढ़िया मां है। इसीसे इस के लिये कलम की बिचु जरूरी है खोज रहें हैं या नहीं पाते हैं। अगर आप कहीं देखे हैं तो हो लोगों में खबर देवें।

(३) गिर्जे की हाजिरी :	भाई — बहिन	खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार...	५ — ५		
२रा ,,	४ — ५		
३रा ,,	६ — ६		
४था ,,	३ — ५		
५वां ,,	... — ...		

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ...

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— २७

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— १३

(७) महीने की मण्डली आमदनी— १।।)

दृढ़ीकरन 2

प्रभुभोज - २।।।=)

,, का मण्डली पैसा— ६ ।=)

(८) मैं ने 14-6-62 ता: को ४५ रु: x न: पै:

जून महिने का तलब और 3 रु: ६६ न: पै:

टी ए० और ... रु: ... न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

(क) गिरजा घर।
(ख) दो टेबूल और दो चौकी।
(ग) दो चटाई।
(घ) खेदी कपड़ा।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण -

(क) और मसीही लोग कहते हैं कि तुम लोग लम्बी पुत्र को मानते हो।

(ख) इस तरिया में हिन्दु लोग कहते हैं कि तुम लोग प्रोपागण्डा करते हो और सब हिन्दू या संस्कारियो को अपने तरफ खींचते हैं। ऐसा करने से हम लोगो की संख्या कम हो जायगी और हम लोगो को दबावेंगे। मैं उन को जवाब दिया की हम लोगो का धर्म किसी धर्म या जाति को दबाने के लिये नहीं है। हम लोगो का धर्म प्रेम का धर्म है और हम लोग सब जाति को भाई समझते हैं चाहे हिन्दू चाहे मुसलमान चूंकि हम लोगो का धर्म गुरु भी प्रेम से अपना लोहू बहाया सब जाति के उद्धार के लिये। अप्राप लोग ऐसा सोचते हैं इसी से अप्राप लोग हम ईसाईयो को बुरी नजर से देखते हैं यह सोच और विचार अप्राप लोगो का गलत है। अप्राप लोग सन्डे के दिन हम लोगो को गिरजा में जाइये और सुनिये को हम लोग किसी जाति को दबाने के लिये प्रोपागण्डा करते हैं और कि भले मार्ग पर ले जाने के लिये या भले मनुष्य बनने के लिये ईसाई धर्म प्रचार करते हैं। आज कल धर्म बिगाड़ गया उसी से चोरी डाका और मनुष्य हत्या होता है। जिस रोज हम हिन्दुस्तानी धर्म को नहीं सुधारेंगे तब तक हिन्दुस्तान उन्नति नहीं कर सकेगा। जितनी बुराई है उसको अप्राप लोगो को भी उचित है सुधारना। और इन सब को सुधारने के लिये सच्चो धर्म को पकड़ना है और सच्चा धर्म कौन है उसको जांचना चाहिये। इसलिये अप्राप लोग को उचित है। हम लोगो के धर्म पुस्तक को पढ़ना। अपने में से चुप हुए और धर्म पुस्तक हिन्दी या अंग्रेजी मांगे हैं। अटवात आई केला की है।

ता: ३०-८-६२. सही J. Lucas

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Sisiba पोस्ट आफिस Karaikella

जिला Singbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम Johan Surin

सन १९ 62 के May महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ गांव में बार२ घुमा गयो। प्र. मनुष हस्सादा से लूजा सिंह के लिये कय को
२ चक्रधरपुर तलन लाने गया। विषय बोल चित गया।
३ गांव में घुमा गयो धर्म विषय भाइको को समझाया।
४ घर में अनुन स्राद्धि किया।
५ इसी सवा खिमा में भी उसको सेवा किया।
६ भोजन किया। भोजन में मुन्नरवा भाई बहिन हाजिर थे।
७ चक्रधरपुर नेरा Ram Singh को चावल पहुंचाने गया।
८ सिरदर्द गयो। बोरवा के बारिश घर में था [पुच्छा नहीं था]
९ सिरदर्द गयो। बोरवार में था।
१० " " " " " "
११ " " " " " "
१२ सिरदर्द गयो बोरवार से 'गुराम' हुआ।
१३ कुन्दरा हाट में भोजन गयो। सुदेव वचन मिला हमलोग भाई नहीं भेभाई बहिन
१४ से परिचय होने गयो लूजा सिंह के लिये कय देखने गये।
१५ कुन्दरा हाट से लौट गयो।
१६ मंगल दवा कोड़ा ने गया।
१७ चक्रधरपुर Rev. J. Roy के साथ विशेष काम था उस के पास गया।
१८ घुमड़ी गया गयो भाई, बहिनो को धर्म विषय समझाया।
१९ बोरवार से कुल कुन के लिये निकल पड़ा।
२०
२१
२२
२३
२४
२५
२६
२७
२८
२९
३०
३१

1.5.62 से 31.5.62. तक

(२) महिने की विशेष बात :—

(३) गिर्जे की हाजिरी :

	भाई	बहिन	खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार	५	...		
२रा ,,	...	६		
३रा ,,	...	५		
४था ,,	...	...		
५वां ,,	...	...		

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ...

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— २८.

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— ४.

(७) महीने की मण्डली आमदनी— ३ ११ =/

1961 ,, का मण्डली पैसा— १ ११)

(८) मैं ने 3-६-६२ ता: को ४५/ रु: ... न: पै:

... महिने का तलब और ... रु: ... न: पै:

टी ए० और ... रु: ... न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु० ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया ।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

(क) जिल्ला घर ।
(ख) दो टेबुल फैन (दो चौकी ।
(ग) दो चटाई ।
(घ) मेढी कपड़ा ।
(ङ) यातायात की बात है। ब्लॉकपुरी तक वहां बेदी भी नहीं है ।
(च) प्रचारक के साथ सहाई की जरूरत है जो घुमने में मदद कर सकें ।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

(क) कर्मचारियों को अतिरिक्त कठिनाई है ।
(ख) मंडली से कोई सहायता नहीं मिल सकता है ।
(ग) भाइयों को भी अतिरिक्त कठिनाई है ।
(घ) सिनोड़ में जैसा बाजार दर से कम दर में चावल ४ धान कर्मचारियों को दिया जाता है। धान ५ बोरा, दर से, या बाहर मन धान प्रत्येक प्रचारक को दिया जाता है
(ङ) K.S.S. की फैसला बहुत दूर में है प्रायः उस फैसला को थोड़े में जल्द जारी करने को अनुरोध करें ।

ता: ६-६-६२ सही .....

July 1964. Nakli.

I Bill Chakardharpure T. A.
E.-5.-64,
E.-6.-64,
92.-6.-64 } तालिका।
Total — 4.25 N. Paisa

II Bill Tarabbara T. A.
22-23.-6.-64. Total — 1.20 N. Paisa

Total - 5.45 N. Paisa
Total Rs. five and N. Paisa forty five only

cal. J. Singh

July 1964 Nakli

T. A. Bill

चक्रधरपुर नकटी और बी बीवहा की जमीन के बारे में ~~गया~~ निम्न तारिको में गया।

६-७-६४ को नकटी का खतियान लाने गया।
वस किराया जाने + आने में - १२०.
चाय — १)

८-७-६४ को बीबीवहा का खतियान चेक के लिये गया भीड़ के कारण नहीं मिला
वस किराया जाने + आने में — १)
चाय — ।)

१३-७-६४ को सवेरे गया आधा १२ बजे देखा सब ठीक है।
वस किराया जाने + आने में १)
१२ बजे का खाना ।।।)

मीजान - ४।)

II Bill तारीख वार T. A.
२२-२३-७-६४ - जाने + आने में ₹.२० नया पैसा

मीजान - ५.४५ नया पैसा

Total Rs five and N. Paisa forty five only

Calcutta
7-8-64

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Sisibaha पोस्ट आफिस Karaikella

जिला Singbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम Johan Lumin

सन १९.६.२. के Afriel महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ गिरजा किया।
२ चाईड़ी में १५ को वचन सुनाया।
३ नाकटी में ३ को वचन सुनाया।
४ विशेष काम के नीमित चक्रधर पुर गया।
५ दमुड़ी में House visit किया। एक संसार बहिन की बेटी को सेवा किया
६ सुरसींगड़ी गया ग्रुप्रो वहां वचन सुनाया।
७ पाठ तैयार किया।
८ गिरजा किया।
९ आईड़ी ग्रुप्रोर ओरओरा में २० व्यक्ति को प्रचार किया।
१० प्रचारिन को प्रधान के दर्द उठा उसकी सेवा किया।
११ लूचर हस्सादा के लिये चक्रधरपुर कन्या देखने गया।
१२ दमुड़ी ग्रुप्रोर बी बी बहा में घर घर घुमा।
१३ केरा चर्च देखने गया।
१४ दमुड़ी गया ग्रुप्रोर पाठ तैयार किया।
१५ गिरजा किया।
१६ Rev. D. Hansdah के घर दवा बनाया ग्रुप्रोर लूचा हस्सादा के कन्या विवय बातचित किया।
१७ मंडली में घुमा।
१८ दमुड़ी में जमसिंह की बेटी को सेवा किया।
१९ दमुड़ी में घर घर घुमा।
२० गिरजा किया। भला सुकुवा को ग्रुपनन्द के साथ मनाया।
२१ कब्रस्थान को सिंगार किया, फूल, माला सजाया।
२२ गिरजा किया। दो कब्रोरस्थान में विहनको ग्रुपनन्द के साथ गिरजा किया।
२३ ओरओरा में १० व्यक्ति को प्रचार किया।
२४ नाकटी Paulus Sing के घर गया वचन ग्रुप्रोर गीत से उसको मजबूत किया
२५ घर का काम किया।
२६ जंगल दवा कोड़ने गया।
२७ कराई मेला हट गया।
२८ चाईं वासा गया Director से मिलने ग्रुप्रो रिअर खरीदने।
२९ गिरजा किया।
३० ओरओरा हाट गया याकुव हस्सादा से कन्या विवय बातचित किया।
३१

(२) महिने की विशेष बात :—

(३) गिर्जे की हाजिरी :

	भाई + बहिन	खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार...	४ + २...	६	
२रा ,,	..४ + ४.	८	
३रा ,,	..४ + ४	८	
४था ,,	४ + ६	१०	
५वां ,,	...४ + ...६	१०	- १
	...३ + ...२	८	

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ...

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— २८

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— ३४

(७) महीने की मण्डली आमदनी— २१) — खर्चा १) = ३१)

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने 2-4-62 ताः को ४.५) रुः ..... नः पैः—

..... महिने का तलब और ..... रुः ..... नः पैः

टी० ए० और ..... रुः ..... न० पै० अम्ब बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु ..... न० पै० .....

के पास ..... ताः को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकताः

(क) लिखने घर

(ख) दो टेबूल, दो चौकी।

(ग) दो चटाई।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

(क) मेरी श्रीमति की कमजोरी है।

(ख) मुखिया चेचक बुरी है।

(ग) घर की मरामत जरूरी है।

(घ) वेतन के बारे आचार्य जी, पुराना रीति है। कर्मचारियो को छुट्टी देना ही अच्छा है। चूंकि सिनोड़ के जैसा वेतन पूरा नहीं है। U.P. को ४०), अनपढ़ को ४०), मिड़ल पास को ४०) नया को ४०), पुराना को ४०) है। सिनोड़ में qualification और सर्विस के अनुसार वेतन दिया जाता है। अगर हो सके तो मुझे काम से छुट्टी दे दिया जाय। मैं घर वापस लौट जाऊं। एक मिड़ल ट्रेन्ड प्रचारक को ६५) दिया जाता है।

ता: 1-8-62 सही J. Minz

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिश्न बोर्ड

गांव Sisibaha पोस्ट आफिस Karaikella

जिला Singbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम Johan Surin

सन १९..62 के March महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ बाईसी सुवना सिंह के घर में १० व्यक्तिको वचन सुनाया ।
२ जराईकेला हाट गया ।
३ चक्रधरपुर दवा खरीदने गया ।
४ सिरजा किया और रात को दकुरी लूका सिंह के घ भजन किया ।
५ ओरओरा बजार गया ।
६ जंगल दवा कोड़ने गया ।
७ वचन लिखाई किया ।
८ दवा बनाया ।
९ जराईकेला बजार किया ।
१० चक्रधरपुर गया । रात को दकुरी में वचन सुनाया ।
११ सिरजा किया ।
१२ ओरओरा बाजार गया १० जनो को प्रचार किया ।
१३ दकुरी में वचन समझाया ।
१४ चक्रधरपुर दवा खरीदने गया ।
१५ दवा बनाया ।
१६ जयसेल हस्सादा: को शांति का वचन सुनाया ।
१७ पाठ तैयार किया । जयसेल हस्सादा: को प्रभु में सनातन के लिये सौंप दिया ।
१८ जयसेल हस्सादा: को बहुत नजदीक के साथ मिट्टी दिया (मिट्टी खोदने में सिर्फ क्रिस्तान लोगने
१९ बिसरा के लिये गाड़ी पकड़ा ।
२० जराईकेला में घर
२१ बिसरा घरुआ में रहा ।
२२ बिसरा से मीटीं बात सुनाया ।
२३ जराईकेला बाजार किया ।
२४ पाठ तैयार किया ।
२५ सिरजा चलाया ।
२६ ओरओरा बजार किया ।
२७ जनसिंह को प्रचार किया ।
२८ चक्रधरपुर गया ।
२९ लूचर हस्सादा: का घर का खपरा ठवारा ।
३० लूचर हस्सादा: का खपरा ठवारा ।
३१ पाठ तैयार किया ।

(२) महिने की विशेष बात :—

17-3-62 को जयनेल हस्सादा: बातचित करते प्रभु में सो गई। यह बहिन कीव ७ वर्ष की विधवा थी। इसकी रात दिन की रोना दूर हो गई थी। प्रभु की इच्छा हुई को इससे कीव २५ वर्ष की उम्र में ज्योति से प्रभु अपने पास बुला लिया।

18-3-62. को मृतलु देह को गाड़ने के लिये सिर्फ हमें दुख उठाना पड़ा। खुस्तान भाई मिल के मिट्टी खोदी गई। पौने ११॥ बजे लगभग बहुत आनन्द के साथ गाड़ी हम लोगो की गीतो को सुन के देखने वाले चकित हो गये। कोई नहीं रोये। चुप चाप से गाड़ दिया। साक्षी देने लगे कि मरण के जैसा भी नहीं लगा।

संसा लोग मिट्टी की नहीं दिये। जयनेल हस्सादा: को दफन करने में मेरे घर से २.५० नया पैसा Rs. two and fifty N. Paisa खर्च किया।

(३) गिर्जे की हाजिरी :

	खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार...	४ भाई	४ बहिन
२रा ,,	४ ,,	४ ,,
३रा ,,	...	...
४था ,,	४ ,,	२ ,,
५वां ,,	...	...

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ...

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए— ३.

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— २८

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— ४

(७) महीने की मण्डली आमदनी— १२)

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने 2-4-62 ता: को ४५ रु: ... नः पैः

... महिने का तलब और ... रु: ... नः पैः

~~टी ए०~~ और ... रु: ... न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु० ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

(क) गिरजा घर।

(ख) दो चौकी, दो टेबुल।

(ग) दो चटाई।

(घ) वेदी कपड़ा।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण-

इस कठिनाई को सुनाना दुख है।

ता: 5-6-62

सही J. Lucas

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Sisibaha..... पोस्ट आफिस Karaikella.....

जिला Singbhum..... प्रान्त.....Bihar.....

सेवक का नाम.....John Surin.....

सन १९..62. के.....October.....महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ बिमारी को दवा में था।
२ " " " " " ।
३ " " " " " ।
४ " " " " " ।
५ " " " " " ।
६ पाठ तैयार किया " ।
७ गिरजा चलाया।
८ दुरब की कमजोरी था।
९ " " " "
१० चक्रधर पुर दवा खरीदने गया।
११ दऊद सिंह के कारखाना में १२ जनो को प्रचार किया।
१२ कुवांर सिंह के कारखाना में ७ जनो को प्रचार किया।
१३ पाठ तैयार किया।
१४ गिरजा चलाया।
१५ दऊद सिंह के कारखाना में ४ पुराना धर्म्म और क्रिस्तान धर्म्म के बारे समझाया
१६ १२ जनो को दमुड़ी में प्रचार किया।
१७ १० जनो को बीरबोवहा में प्रचार किया।
१८ १२ जनो को दमुड़ी में प्रचार किया।
१९ करई केला बाजार किया।
२० पाठ तैयार किया।
२१ गिरजा चलाया।
२२ ओरओरा बाजार गया रस्ते में ५ जनो को प्रचार किया।
२३ दऊद सिंह के घर और दमुड़ी के भाइयो के पास गया, लूका सिंह को सिखा किया
२४ चक्रधर पुर गया।
२५ जंगल दवा कोड़ने गया
२६ लूका को दवा बनाया।
२७ पाठ तैयार किया।
२८ गिरजा चलाया।
२९ बईड़ी गया वहां के क्रिस्तान भाइयो को शांति का वचन दिया।
३० चक्रधर पुर दवा खरीदने गया।
३१ दवा बनाया।

(२) महिने की विशेष बात :—

(क) मूरख लोग दुख मंडली में थी।

(ख) धर्म्म में ध्यान देने वाले बहुत होते हैं पर जातिदेसमान उन को दना देती है।

(३) गिर्जे की हाजिरी :	मर्द	बहिन	खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार	६.	...	११	
२रा ,,	६-	...	११	
३रा ,,	६-	६	११	
४था ,,	३.	६	१०	
५वां ,,	...	...		

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या Nil ...

१ पुराने— Nil

२ नये जो बीते महिना हुए— Nil

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— 26

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— १३

(७) महीने की मण्डली आमदनी— १=)

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने 25-10-62 ता० को 4.5 रु: ✕ न: पै:

..... महिने का तलब और ✕ रु: ✕ न: पै:

टी ए० और ✕ रु: ✕ न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया ।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

(क) सिलना घर ।
(ख) दो टेबुल और दो चौकी ।
(ग) बेंची कपड़ा ।
(घ)

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

ता: 5-11-1962 सही J. Lewis

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिश्न बोर्ड

गांव Shisibaha पोस्ट आफिस Karaikela

जिला Singbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम John Surin

सन १९.6.2. के Sept. Timber महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ पाठ तैयार किया।
२ गिरजा चलाया।
३ जंगल दवा कोड़ने गया।
४ वचन स्टाड़ी किया।
५ चक्रधरपुर गया।
६ दफुड़ी गया। दफुड़ी में प्रभु के अति नया उद्धार के बारे बताया।
७ करईकेला हट गया।
८ दुरांग दा: केरसे साई में लोड़ बिना उद्धार नहीं के बारे पुराना + नया नियम से बताया
९ राह को छुरांहांगा में मनुष्य के प्रभु होने के बारे बतोया।
१० गिरजा किया।
११ करईडी गया वहां १० जनो को प्रचार किया।
१२ चक्रधरपुर गया।
१३ कुवांर सिंह के कारखाना में प्रचार किया।
१४ करईकेला हट गया।
१५ पाठ तैयार किया।
१६ गिरजा चलाया।
१७ भोरभोरा बजार गया।
१८ कुईताड़ीह में ५ हो को प्रचार किया।
१९ कुईताड़ीह में दवा बनाया।
२० कुईताड़ीह से बीगीवहा गया रस्ता में दो हो लोगो को प्रचार किया।
२१ करईकेला हट गया।
२२ पाठ तैयार किया।
२३ गिरजा चलाया।
२४ एकाएक आड़ा पकड़ा और आड़ा से बिलकुल कमजोर हो गया।
२५ नीचे जेन्सिस में बदल गया। रोज खाना और पानी छोड़ दिया था। उसी कमजोरी
२६ से ३०-९-६२ तक घर से कहीं नहीं निकल सका।
२७
२८
२९
३०
३१

(२) महिने की विशेष बात :—

(क) सब रिश्तानो के घर में विपत्ती आ।

(ख) मेरे (प्रचारक के) घर में सब कोई विघ्न में पड़े थे।

(ग) दो धर्म खोजको को ~~जातियो~~ जातीये समाज ने दबा कर रिश्तान होने से रोक लिया।

(घ) यहां के मुड़ा चुपके से रिश्तान धर्म में गये वालो को दबाता है।

(३) गिर्जे की हाजिरी :	भाई	-	बहिन	खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार...	..५	-	..६	- ११	२
२रा ,,	..४		..६	- १०	२
३रा ,,	..४	-	..६	- १०	२
४था ,,	..४	-	..६	- १० -	०
५वां ,,	..५	-	..६	- ११ -	०

(४) धर्म खोजकों की संख्या ... ...

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— २६

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— १३

(७) महीने की मण्डली आमदनी— १।।।)

P. Bhoj · ४।।।=)

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने ..५-१०-६२.. ता: को ..६५.. रु: ..... न: पै:

..... महिने का तलब और ..X.. रु: ..X.. न: पै:

टी ए० और ..X.. रु: ..X.. न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

(क) एक गिरजा घर।
(ख) दो टेबूल और दो चौकी।
(ग) वेदी कपड़ा।
(घ) दो चटाई।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

ता: 9-10-62

सही J. Lucius

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Shisibaha पोस्ट आफिस Karai Kella

जिला Singbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम Johan Surin

सन १९ 62. के August महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विसेष काम

१ चक्रधरपुर नेटा P.S. Surin के लिये चावल पहुचाने गया।
२ दाऊद सिंह के घर में १० जनो को प्रचार किया।
३ धान रोपा और कराईकेला हाट गया।
४ पाठ तैयार किया।
५ गिरजा चलाया।
६ झोरझोरा बाजार गया रस्ते में ६ प्राणी को प्रचार किया।
७ घर का काम किया।
८ दघुड़ी गया वहां नहुतो को धर्म्म की बातें समझाया।
९ दाऊद सिंह के घर गया।
१० कराईकेला हाट गया।
११ पाठ तैयार किया।
१२ गिरजा चलाया।
१३ झोरझोरा बाजार गया १० जनो को प्रचार किया।
१४ जगन्नाथ पुर गया- A. and प्रचारक के बुलाने से।
१५ जगन्नाथ पुर में Chh. K. Kora को प्रचार किया।
१६ जयसिंह का धान गछियाया वहां ३ जनो को प्रचार किया।
१७ कराईकेला बाजार किया।
१८ मीका डागिल का धान गछियाया।
१९ गिरजा चलाया।
२० ४ प्राणी को धर्म्म की बातें समझाया।
२१ ७ प्राणी को धर्म्म की बातें समझाया।
२२ चक्रधरपुर गया।
२३ दाऊद सिंह के कारखाना में ६ प्राणी को प्रचार किया।
२४ कराईकेला बाजार किया।
२५ पाठ तैयार किया और दाऊद सिंह को काम में सहायता किया।
२६ गिरजा चलाया
२७ झोरझोरा बाजार गया ४ जनो को प्रचार किया।
२८ घर में था।
२९ मदको बेड़ा की गड़बड़ को देखने गया वहां इजहार लेने का आर मिला।
३० रोगियो की सेवा किया।
३१ कराईकेला हाट गया।

(२) महिने की विशेष बात :—
मंडली की बात है कि गिरजा घर जितना जल्दी हो उतना ही जल्दी बनाया जाय। आज कल लकड़ी इन्तजाम किया जा सकता है।

(३) गिर्जे की हाजिरी :

	भाई	+ बहिन	खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार...	४	५	८	
२रा ,,	४	६	११	
३रा ,,	४	६	१२	३
४था ,,	५	६	१२	२
५वां ,,	...	...		

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या 2. ...

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— 26

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— 13

(७) महीने की मण्डली आमदनी— १५)

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने 29.8.62 ता: को Total रु: 5.3.94 न: पै:

4.5 महिने का तलब और × रु: × न: पै:

टी ए० और Prem Bloj रु: 8.9.6 न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु ..... न० पै० .....

के पास ..... ताः को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकताः

(क) गिरजा घर
(ख) टेबूल, चौकी ४.
(ग) चटाई २.

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

(क) गैर मसीही लोग ने बहुत ही सताने की उपाय ढूंढते हैं पर उन की उपाय सफल नहीं होते पा रहा है।
(ख) वोंगा के लिये चांदा मांगते थे पर उस को भी नहीं देते हैं।
(ग) संसार भाइयो के मन के भीतर में डर भी है जिससे मनमना नहीं सता सकते हैं।

ता॰ 4-9-62 सही J Jurai

#8/8

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Sisibaha पोस्ट आफिस Karikella.

जिला Singbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम Johan Surin

सन १९.62. के July महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ गिरजा चलाया।
२ ओरओरा बाजार गया। १० जनो को प्रचार किया।
३ जराई केला गया वहां दो रोगियो की सेवा किया।
४ बिरा गया वहां दो रोगियो को दवा बनाया।
५ बिरा में चार उराओं को प्रचार किया जो की गैर मसीही हैं।
६ बिरा से वापिस वहा लौट आया।
७ पाठ तैयार किया।
८ गिरजा चलाया।
९ प्रचारिन भारी दुख में थी। उसकी सेवा तथा घर की काम किया।
१० " " " " " " " " " " " " " "।
११ " " " " " " " " " " " " " "।
१२ " "
१३ " " " " " " " " " " " " " "।
१४ " " " " " " " " " " " " " "।
१५ गिरजा चलाया। " " " " " " " " " " "।
१६ प्रचारिन को कमजोरी के कारण खाना पीना बनाता था।
१७ " " " " " " " " " "।
१८ " "
१९ " " " " " " " " " "।
२० " " " " " " " " " "।
२१ " " " " " " " " " "।
२२ गिरजा चलाया — " " " " " " " "।
२३ विशेष काम था जरूरी तथा नीम्बू खरीदने ओरओरा बाजार गया।
२४ घर का काम किया।
२५ चक्रधरपुर नेटा के लिये खटिया पहुंचाने गया।
२६ घर का काम किया तथा एक परिवार को समझाया जो गिरजा आने केलिये तैयार
२७ हुआ पर उसकी साइस कुड़िया के कारण धर्म में आने का अनिश्चन हुआ।
२८ गिरजा चलाया — R. Lakra प्रचारक जगन्नाथपुर बहुत जलूम से मुझे जगन्नाथपुर
२९ माईर ब्रोंकाइटिस को सेवा के लिये ले गया। गिरजा बाद जगन्नाथपुर गया।
३० जगन्नाथपुर से लौट आया रात भर उन की सेवा किया चूंकि प्रचारिन को कमजोरी
३१ घर पहुंचा घर की दवा प्रयाः ठीक ही पाया।
घर में रहा चूंकि मुझे सर्दी जुकाम के कारण अच्छा नहीं लगा बोखार के
जैसा हुआ।

(२) महिने की विशेष बात :—

(क) ४-७-६२ को मेरे गैर हाजरी में प्रचारिन को अचानक दर्द रात को पकड़ा और मृत्यु के जोखिम में पहुंच गई थी। कि सब बच्चे बीमार से पीड़ित थे पर ईश्वर की दया से बच्चे सब अच्छे हो गये पर प्रचारिन की कमजोरी अबतक है। इसलिये घर चिट्ठी भेजा और घर से बड़ी बेटी और एक छोटा लड़का को ला दिये हैं। अब जल नहीं खाना पीना बनाती है।

(ख) इस महिने में केवल हम मसीही गुणों से धर्म्म का सच्ची दिया।

(ग) एक नई धर्म्म में अपने चढ़ा पर साईस बुढ़िया के कारण रोका गया।

(३) गिर्जे की हाजिरी :

	भाई	बहिन	खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार...	५	६	"	
२रा "	४	६	"	
३रा "	५	५	"	
४था "	३	६	"	
५वां "	४	७	"	
	४	७	"	

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ...

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— 26

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— 93

(७) महीने की मण्डली आमदनी— 2)

" का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने 25-7-62 ता को 77 रु: 50 न: पै:

45 Rs महिने का तलब और School Help 30 रु: X न: पै:

टी ए० और 2 रु: 50 न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया ।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

(क) गिरजा घर ।
(ख) दो टेबूल और दो चौकी ।
(ग) दो चटाई ।
(घ) वेदी कपड़ा ।
(ङ) घर बहुत चुता है सर्दी कहीं २ गिर जाएगा। इतना चूता है कि सोना कठिन है ।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

(क) यहां के गैर मसीही हम लोगो का धर्म को मुसलमान धर्म कहते हैं।
(ख) मुझे तो मौका २ बहुत खिसाते हैं पर कुछ कहने नहीं सकते हैं।
(ग) हम लोगो को दूसरा जाति ही समझते हैं। जिससे नहीं छूते हैं।

ता: 3-8-1962 सही J. Murmu

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Sisibaha पोस्ट आफिस Karaikela

जिला Singbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम John Surin

सन १९.६.३ के February महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विसेष काम

१ टकरमा द्वीतीय पुत्र बिलकन सुरिन को देखने गया।
२ ~~टकरमा से बनाबिरा मुनिया~~ टकरमा से बनाबिरा होते हुए ओ ओ वहा आया।
३ ~~बनाबिरा से ओ ओ वहा आया~~ गिरजा चलाया।
४ भोरभोरा डाका ६ व्यक्तियों को पुचार लिया।
५ मनूचर पुर गया। मुखिया कुवंर सिंह रिवुस्तानी को समाज से बहार कर दिया।
६ झाड़ी (जुवां) ले जाने लाना मना कर दिया। बैल, बकरी चराना गाला को मना कर दिया—
७ गड़बड़ के विषय भाईयो को शांति का वचन सुनाया।
८ बाईडी गया वहां एक रोगी की सेवा किया।
९ करईकेला बाजार किया।
१० Rev. J. Sox और Rev. T. Bodra के साथ दमुड़ी के मुन्डा को पूछा वह न बन दिया हां पलाश को दिये हैं क्योंकि वे बोंगा का चांदा नहीं देते हैं।
११ गिरजा चलाया।
१२ बाईडी इलियाजर हस्सदा के घर गया। वे मेरे हालत को सुन के उदास में मे उन को ढाढ़स दिये।
१३ चक्रधरपुर बाजार खरीदने गया।
१४ वचन स्थापित किया और भाइयो को दाऊद सिंह के घर शांति का वचन दिया।
१५ सब रिवुस्तान बच्चो का नाम स्कूल में बहाली किया।
१६ करईकेला बाजार किया।
१७ नाकटी पौलुस के घर गया वहां प्रार्थना किया, और पुचारक S. Bodra के पास गया उन को मेरे बैठकी में बुलाये क्योंकि गांव के मुन्डा से बोरिस किया कि रिवुस्तानी के साथ मीटिंग होगा
१८ गिरजा किया और बैठकी के लिये सब रिवुस्तान तैयार थे।
१९ राका Ranjar के पास मनसिंह के साथ विशेष काम के लिये गया।
२० पोष्टोफिस करईकेला चिट्ठी रजिस्ट्री करने गया, और दाऊद के घर भाइयो को शांति का वचन दिया।
२१ वचन स्थापित किया।
२२ मीका के घर गया वहां प्रार्थना किया। मीका के घर नया जन्म हुआ।
२३ खाना तैयार किया। मुन्डा मुझे दिन भर खोजा बैठकी में ले जाने के लिये मैं छिप गया।
२४ गिरजा चलाया।
२५ प्रचारिन की प्रभाव दौड़ा शुरु हुआ सुरजास्त को बच्चा पैदा हुआ।
२६ प्रचारिन की सेवा बच्चा घर का काम किया।
२७ " " " " " " " "
२८ " " " " " " " " "
२९
३०
३१

(२) महिने की बिशेष बात :—

(क) मीका मसीह मुक्ता इंग्लैण्ड को 22-2-63 को एक बेटा दान ईश्वर दिया।

(ख) पुखराज J. Surin, और पुखराज सुरिन को 24-2-63 को एक बेटा दान ईश्वर दिया।

(ग) कुवंर सिंह के धमकी के कारण धर्म में आने वाले रोके गये।

(३) गिर्जे की हाजिरी :			खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार...	पु. -	स्त्री. +१० -	२४	
२रा ,,	११	२१	३२	
३रा ,,	१०	२०	३०	
४था ,,	१०	१४	२४	
५वां ,,	...	...		

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ...

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए— १०

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— ५१

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— १३

(७) महीने की मण्डली आमदनी— १३७

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने.....ताः को.....रुः.....नः पैः

.....महिने का तलब और.....रुः.....नः पैः

टी ए० और.....रुः.....न० पै० अन्य बाबत पाया। नहीं

(९) मैं ने ..... रु ..... न० पै० .....

के पास ..... ताः को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकताः

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

(क) अकेला घूमना कुछ डर है क्योंकि रास्ता में भी घेरी जाते हैं।

(ख) आज कल गांव वाले बहुत कोई जागरित नहीं जाते हैं।

(ग) पहले जातिमा वाले दुकान में से एक मेरे तरफ में है और मेरे भैयों को समझाता और उसको भी देता है।

ताः 9-3-13 सही Cate. J. Surin

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Sishikata पोस्ट आफिस Karaikella

जिला Singbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम John Surin

सन १९६३. के January महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ विशेष काम के लिये छुट्टी ले के घर गया और कुसुम टोली में दूसरी गिरजा चलाया।
२ द्वितीय पुत्र विलकन का टी.सी निकाला और वापसी वहां के लिये घर से निकल पड़ा
३ बनारबिरा से बाइसिकल द्वारा वापसी वहां गया।
४ Road का जांच किया कितना खाव या गड्ढा है।
५ Road विहान से शाम तक बनाया।
६ गिरजा किया और गिरजा बाद Road बनाया।
७ Rev. C. Beard को बाट जोहें और उस को स्वागत किया। ६ धर्म खोजकों को बपतिस्मा हुई।
८ चक्रधरपुर बेटी सिरोमणि को पहुंचाया।
९ & Topno प्रचारक के कोई पता न होने से Rev. J. Soy chakradharpur गोविन्दपुर
१० के अनुमति से बेटी S.M. Surin को Rev. J. Soy से कपड़ा और पैसा ले के पहुंचाया
गोविन्दपुर से रांची होते हुए वापसी वहां गया।
११ करईकेला बाजार किया।
१२ चक्रधरपुर गया और लौट के पाठ तैयार किया।
१३ गिरजा चलाया।
१४ मोरमोरा गया लौटते समय १० व्यक्ति को प्रचार किया।
१५ ३ धर्म खोजकों को बपतिस्मा हुई और रोगी की सेवा किया।
१६ रिपोर्ट तैयार किया।
१७ रोगी की सेवा किया और इच्छा की खिस्तान भाई के घर गया और प्रार्थना के द्वारा शांति दिया
रोगी को सेवा किया।
१८ दाउद सिंह के घर में १० जनों को प्रचार किया।
१९ पाठ तैयार किया।
२० गिरजा चलाया – रात को Rev. J. Soy इचा: पी हो के आया।
२१ Rev. J. Soy को मोरमोरा तक पहुंचाया, वापसी वहां की गड़बड़ खिस्तानों के बारे सुनी हुई थी
२२ Rev. J. Soy के कई एक बातों को बताने और उन गड़बड़ बातों के विषय सलाह लेने गया।
२३ एक रोगी जो मृत्यु के नीकट पहुंच गई की सेवा किया।
२४ चक्रधरपुर के खिस्तान भाइयों को गड़बड़ में शांति देने के लिये घुमा।
२५ करईकेला बाजार गया करईकेला बाजार में घुमते हुए मुझे अच्छा नहीं लगा चूंकि लिखे
२६ मैं उसकेला खिस्तान और सब विरोधी जैसा लगा।
२७ पाठ तैयार किया।
२८ गिरजा चलाया।
२९ मोरमोरा बाजार गया लौटते समय रास्ता में ४ व्यक्ति को प्रचार किया।
३० Rev. J. Soy के पास चक्रधरपुर तलब लाने गया।
३१ कपड़ा बनाया।
विशेष काम तथा बेटा Bilkan Surin के फुटबल खरीद को जांच के लिये टकाया गया।

(२) महिने की विशेष बात :—

(क) इस महिने में खिस्तानों के विरुद्ध मुखिया कुवां सिंह नहीं उठता तो हमारा खिस्तान धर्म्म में आ जाते।

(ख) १० नये धर्म्म खोजकों की नियुक्ति हुई

(ग) खिस्तान भाई औरों बहिन तथा बच्चे सब गिरजा आते हैं।

(घ) जहां हम लोग गिरजा करते हैं वहां नहीं समाते हैं।

(ङ) नये नियुक्ति वालों में एक मृत्यु में जाने के जैसा था पर हमारे सेवाओं इलाज पर ईश्वर आशीष दिई औरों अब अच्छा हो गई।

(च) खिस्तान भाई एक भारी दुख से पीड़ित था वह भी अब मेरी दया औरों सेवा से ईश्वर की दया से अच्छा हो गया 3-2-62 को गिरजा आया था।

(३) गिर्जे की हाजिरी :

			खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार...	3	4	7	
२रा ,,	5	7	12	
३रा ,,	5	7	12	
४था ,,	3	4	7	
५वां ,,	5	6	11	

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या 6 ..

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— 36

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— 13

(७) महीने की मण्डली आमदनी— 2॥-)

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने 29-1-1962 ता: को ~~Rs-50NP-60~~ रु: 50 : 60 न: पै:

..... महिने का तलब और T.A.Nove-62. रु: 5-60 न: पै:

टी ए० और ..... रु: ..... न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु० ..... नं० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

(क) किराया पर
(ख) बेटी (दो टेबुल + १ चौकी)
(ग) जेवर कपड़ा।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

(क) इसके लिए घुमना बहुत कठिनाई है।
(ख) आग हो जाने से मृत्यु का संका है।
(ग) आज कल खिस्तानो से बातचित भी गैर मसीहीयो को मना किया गया है।
(घ) लोहा, उपौ, ग्वाला सब को भी खिस्तानो का काम मना है।
(ङ) खिस्तानो का कोई काम में सहायता नहीं करना चाहिये।
(च) खिस्तानो को मार डालने का हुकूम भी फुखिया कुंवर सिंह थीची का (पन्चायत मालूपानी) का ५-२-६३ समय ४ बजे दकुड़ी में फरमाया है।

ता: 4-2-63 सही .....

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Sibaka पोस्ट आफिस Karaikella

जिला Singbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम Johan Surin

सन १९.6.2 के December महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ पाठ तैयार किया।
२ गिरजा चलाया।
३ जंगल दवा कोड़ने गया।
४ दवा बनाया।
५ चक्रधरपुर गया।
६ बिशेष बात उपे. काम के लिये चाईबासा गया (Director से बातचितथा)
७ रात को चक्रधरपुर रहा औ बिहान को औरी वहा आया।
८ पाठ तैयार कर के भाईयो के घर घुमा।
९ गिरजा चलाया।
१० बाईंडी गया वहां के भाइयो को क्रांति का वचन सुनाया।
११ दमुड़ी गया और भाईयो का वचन समझाया।
१२ वचन स्टाड़ी किया।
१३ वचन स्टाड़ी किया।
१४ कराईकेला हाट गया।
१५ बूचर सिंह का दवा बनाया।
१६ गिरजा चलाया करनी पर्व मनाया।
१७ चिटपिल गया वहां के दो रोगियो की सेवा किया।
१८ चक्रधरपुर गया।
१९ बाईंडी कुमार सिंह का दवा बनाया और घर ही पहुंचा दिया तथा वचन से उसको स्थिर किया।
२० चिटपिल गया और वहां दो रोगियो की सेवा किया और वहां के मुंडा को धर्म के बारे समझाया
२१ बिशेष काम के लिये Vijaya का भाई ले गया, और काम को भेजाड़ीह में प्रार्थना तथा वचन से स्थिर
२२ किया बिहरा से ट्रेन पकड़ा और औरी वहा आया।
२३ गिरजा किया Rev. J. Soy. पाठ से सक्रामेन्ट के लिये।
२४ पुराय रात को तैयारी तथा जन्म पर्व के लिये सि तैयार - फूल वगैरह से घर को सजाया।
२५ जन्म पर्व का गिरजा किया।
२६ घर में का पर्व का बाकी सब मनाया।
२७ कराईकेला पोष्टोफिस गया।
२८ घर सिरिरमा के लिये औरी वहा से निकल गया।
२९ सिरिरमा पहुंचा वहां की दसा सब को देखा हलत बुरी ही है वर्षा के कारण।
३० दोरहा टोली मंडली में गिरजा किया।
३१ रुकरमा होते हुए कुल बुरु पहुंचा वहां की दशा भी बुरी है वर्षा के कारण।

(२) महिने की विशेष बात :—
इस महिने में सात नये धर्मखोजक हो गये हैं। मंडली की दशा अच्छी है केवल एक भाई बिमार में हैं।
जन्म पर्व बहुत ही आनन्द से मनाये रात को दो बजे गिरजा किया और रात भर ज्ञान भजन हुआ।

(३) गिर्जे की हाजिरी :	भाई	+ बहिन	खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार...	3	6	१०	
२रा ,,	3	7	११	
३रा ,,	4	7	१२	
४था ,,	4	7	१२	
५वां ,,	4	7	१२	
	3	६	८	८
(४) धर्म्मखोजकों की संख्या	6	..		

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— २८

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— १३

(७) महीने की मण्डली आमदनी— ५-)

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने दो महिना का 27.11.62 ता० को 90 रु: ५ न: पै:

२ महिने का तलब और रु: न: पै:

टी ए० और रु: न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

(क) निरंजन दास

(ख) २ टेबूल २ चौकी

(ग) बेदी कपड़ा वगैरह।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

(क) यहां मुझे यहां की मुखिया कुवंर सिंह के द्वारा यहां से भगाये जाने का अपने ऊपर अड्डयन रची जा रही है।

(ख) हो सकेगा पैसा दे के इनकुओ द्वारा मेरा प्राण लिया जायगा।

(ग) झूट मूट केस का केस चलाया जा रहा है।

(घ) घर या जमीन से हटाने की कोशिस भीतर भीतर किया जा रहा है।

(ङ) घर या जमीन का जो सर्त है उस को बदल दे रहा है।

(च) यहां से धर्म ही को हटाने की चेष्टा है।

(छ) ~~हम लोगो को~~ गुह खाईया खिस्तान सब को सिर से पैर ताक कोसेंगे बोलता है।

(ज) मैं परिवार समेत प्रुफ में सौंप दिया हूं चूंकि अप्रचानक मृत्यु का सङ्का है।

ता: 16-1-1963. सही Cate J. Furui

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Shusibaha पोस्ट आफिस Karmikela

जिला Singbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम John Surin

सन १९..62. के November महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ जंगल दवा कोड़ने गया और लूचा सिंह का दवा बनाया।
२ लकड़ी केला बाजार किया।
३ खाना तैयार किया।
४ गिरजा चलाया।
५ घर में काम किया तथा बचन पढ़ा।
६ चाईबासा बिद्या क्लास गया।
७ बचन सीखा और मेरी टोली साझी के लिये गया।
८ " " " " " " " " " "
९ " " " " " " " " " "
१० " " " गिरजा चलाने के लिये बीबी वहां गया।
११ गिरजा चलाया और चाईबासा गया।
१२ बचन सीखा।
१३ " " सेवा के
१४ चम्पुआ रोगी के लिये गया वहां जा के रोगी को देखा और दवा बनाया।
१५ चम्पुआ से आया और उलिया मर्चा साझी के लिये गया।
१६ बचन सीखा और गितिलपिड़ी साझी गया।
१७ क्लास कर के गिरजा चलाने के लिये बीबी वहां आया।
१८ गिरजा चलाया।
१९ क्लास के बाद गितिलपिड़ी साझी गया। (नरसाड़ा)।
२० क्लास किया और उलिया मर्चा साझी गया Mrs Tigga और Mr Tigga के लेड़का को हो से उलचा किया
२१ " " और कुन्दरहातू साझी गया वहां Pr. R. Kh. के और Mr. Tigga के लेड़का को " " " "
२२ " " " तिरिलपुरा " " " पुनित पुर्ति का हो से किया।
२३ " " " कुन्दरहातू " " " Pr. R. Kh. के और Mr. Tigga के लेड़का को हो से उलचा किया
२४ फिर चली गया वहां Mrs. Tigga को लेड़का को हो से उलचा किया।
२५ फिर कारखाने से चाईबासा आया।
२६ टोन्टो साझी गया वहां हो से लेड़का किया।
२७ बिद्या क्लास को किया।
२८ चाईबासा मजिस्ट्रेट के पक्ष में भजन किया
२९ चाईबासा से बीबी वहां आया।
३० लकड़ी केला हट गया और इद्देरेन्द से मूला किया।
३१

(२) महिने की विशेष बात :—

(३) गिर्जे की हाजिरी : भई + बहिनें

			खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार...	३..	७	१०	
२रा ,,	३..	६	८	
३रा ,,	३..	७	१०	
४था ,,	२	...	२	
५वां ,,	...	...		

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ..

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— २८

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— १३

(७) महीने की मण्डली आमदनी— १)

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने 27-11-62 ता० को ६२७ रु० न० पै०

..... महिने का तलब और ..... रु० ..... न० पै०

टी ए० और ..... रु० ..... न० पै० अन्य बाबत पाया।

श्रीश्रीवट मंडली - १६५२ई.

गिरजा के लिये समान :—

(१) १ काट का चौकी देखिये पीढ़ा सटा हुआ रसिद - जिस का दाम ७) सात रु. ।

Calc - J. Surie
8/12/62 -

एक सेकेन्ड हेन्ड चौकी
का दाम ७रु०. सात रुपैया पाई

Mrs. Ph. Soy
5-12-62.

(९) मैं ने ..... रु० ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया ।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

(क) सिरजन का

(ख) बेदी टेकूल दो चौकी ।

(ग) बेदी कपड़ा

(घ) पुराने का का घ मरामत कराना जरूरी

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

ता: 11-12-62 –

सही .....

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Sisibaha पोस्ट आफिस Karaikella

जिला Singbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम Johan Surin

सन १९..63. के ..May.. महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विशेष काम

१ चक्रधरपुर तलव लाने गया और वापस आया।
२ दमुड़ी गया और वहां १० भाइयों को प्रचार किया।
३ कराईकेला बाजार किया।
४ पाठ तैयार किया और दमुड़ी में गीत पढ़ाया।
५ गिरजा किया।
६ भाई इलियाजर हस्सादा: के घर प्रचारिन के साथ मेहमान गया वहां उन को प्रभु के वचन सुनाया
७ भाई नेड़ा धर्म्म मेला के लिये श्रीबी वा से चक्रधरपुर आया।
८ भाई नेड़ा धर्म्म मेला आया। जगत की सृष्टि और मनुष्य के पापी हो जाने के बारे सेक्षा दिया
९ होरो: धर्म्म मेला आया। दुख का कारण क्या है उसके बारे प्रचार किया।
१० डुमाईरता धर्म्म मेला आया। क्रेहा के बारे सेक्षा दिया।
११ डुमाईरता में जोहनेस मेलगड़ी की लोटा यात्री हुआ और चक्रधरपुर आया।
१२ श्रीबी वा पहुंचा और गिरजा किया। रोमन पादरी पौलुस और हरदुगन नाकटी को अपने वाकलेने के लिये से नाकटी आया।
१३ कोरकोरा बाजार गया और रस्ते में १० जनों को प्रचार किया।
१४ चक्रधरपुर Rev. J. Soy के पास विशेष काम के लिये गया।
१५ खुशू हरदुगन घघराई जो नया खिस्तान था नाकटी मंडली का विनती और वचन और दवा से सेवा किया
१६ नाकटी के नाये खिस्तान खुशू हरदुगन घघराई को प्रभु में वचन के द्वारा पुष्टि किया।
१७ कराईकेला होते हुए नाकटी की रोगी की सेवा वचन और दवा से किया।
१८ चक्रधरपुर एक रोगी की सेवा के लिये बुलाया गया।
१९ गिरजा किया।
२० नाकटी की रोगी की सेवा किया।
२१ नाकटी की रोगी की सेवा किया।
२२ नाकटी की रोगी की सेवा किया।
२३ स्वर्गारोहन पर्व्व गिरजा किया।
२४ खुशू हरदुगन घघराई को बिही दिया पुरा आराधना में ही लिया था।
२५ चक्रधरपुर आदी जुनास सोय के पास विशेष काम के लिये गया नहीं पाया।
२६ गिरजा किया और पादरी जुनास सोय के द्वारा २ धर्म्म खोज को का बपतिस्मा हुआ।
२७ कोरकोरा बाजार गया और रात को जोहनेस मेलगड़ी के घर भजन और नाच के द्वारा प्रचार किया।
२८ जोहनेस का बड़ा कुटुम्बी का खानदान और नाच गाना से संसारियों को प्रचार किया।
२९ नाकटी धर्म्म मेला गया वहां अपनी पार्व्वना हो भाषा से किया।
३० नाकटी की विधवा को इलाज किया। वहां पौलुस घघराई प्रचार के प्रयुसहत्व के साथ बताया कि हम लोग
३१ यहां खुशी से प्रचार के नहीं जाता तो रोमन मिशन में चले जाते।
इन्हा जो की एक रोगी की इलाज किया।

(२) महिने की विशेष बात :—

(क) प्रानन्द को जात की दो धर्म खोज की बपतिस्मा इस महिना में हुआ।

(ख) जोहन्नेस मेलगाउी प्रचारक का बड़ा कुशली बहुतप्रानन्द के साथ हुआ।

(ग) देखने के लिये बहुतआये पर उन में सी. ई. टी. ची. ने क्या करेंगे या किसने कोई उन के साथ खाएंगे।

(३) गिर्जे की हाजिरी :			खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार...	10	24	34	
२रा ,,	12	20	32	
३रा ,,	12	22	34	
४था ,,	10	14	24	
५वां ,,	12	24	31	

(४) धर्म खोजकों की संख्या 2 :

१ पुराने— 2

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— 29

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— 18

(७) महीने की मण्डली आमदनी— 4.25 N. Paisa

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने 30-5-63 ता: को 95 रु: 82 न: पै:

..... महिने का तलब और School Help रु: 20: X न: पै:

टी ए० और 3: 82 N. Paisa रु: 10 न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु० ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डलो की विशेष आवश्यकता:

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

ता: 1.6.63 सही J. Soni

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Sisiaha पोस्ट आफिस Kanaikela

जिला Singbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम Johan Surin

सन १९.63 के April महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विसेष काम

१ रिपोर्ट तैयार किया और काम को गिरजा किया।
२ चक्रधरपुर गया और रात को वचन पढ़ाया।
३ बुंडाडीह गया वहां प्रभु का वचन प्रचार किया और रात को वचन पढ़ाया।
४ जंगल गया दवा कोड़ने के लिये। रात को वचन पढ़ाया।
५ कराईकेला बाजार गया और रात को वचन पढ़ाया।
६ पाठ तैयार किया और " " " " "।
७ गिरजा किया।
८ बईडीह गया इलीया जर हस्सादा का दवा बनाया।
९ वचन स्टाडी किया और रात को वचन पढ़ाया।
१० " " " " " " " "।
११ चक्रधरपुर गया " " " " "।
१२ भला बुधवार का गिरजा किया " " " "।
१३ पाठ तैयार किया " " " " "।
१४ गिरजा किया दो कवरस्थान में।
१५ एक रोगी की सेवा किया।
१६ " " " " "।
१७ एक संसार लड़की की सेवा किया।
१८ " " " " " और दवा दी गया।
१९ बोंगा जंगा धर्म मेला में हो से उपदेश को उहया किया।
२० बईडीह में एक भाई के घर से उपद्रोम किया हुआ को निकाल और यीशु के नाम में
२१ जहां दिया कि शैतान जैसे इस चीज को भरम करता है वैसा ही दौलत का राज नाश
हो और प्रभु को ज्योति घर को चमके और सब लोग तारण पावे।
२२ गिरजा चलाया।
२३ मोरहोरा बाजार गया।
२४ वचन स्टाडी किया।
२५ चक्रधरपुर गया।
२६ कराईकेला बाजार किया।
२७ पाठ तैयार किया।
२८ गिरजा किया।
२९ मोरहोरा बाजार गया।
३० वचन स्टाडी किया।
~~३१~~

(२) महिने की बिशेष बात :—

(क) निरजन खाना जाना भाई महिनो की उपरछो है।

(ख) मंडली के भाई बहन भले चंगे हैं।

(ग) प्राकाल से पीड़ित हैं।

(३) गिर्जे की हाजिरी :

			खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार...	10	22	32	
२रा ,,	10	14	24	
३रा ,,	11	14	24	
४था ,,	11	14	24	8
५वां ,,	10	12	32	3

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ..4 ...

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— 48

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— 13

(७) महीने की मण्डली आमदनी— 2)

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने 15 63 ता: को 82) रु: X नः पैः

महिने का तलब और X रु: X नः पैः

टी ए० और X रु: X न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु० ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

ता: 3-5-63 सही Cate. J Surin

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Sisiba पोस्ट आफिस Karaikela

जिला Singbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम Johan Surin

सन १९..६३ के March महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ करई केला बजार किया ।
२ पाठ तैयार किया ।
३ गिरजा चलाया ।
४ मोरमोरा बाजार गया बजार में और सहीदो से मुलाकत हुआ और धर्म के बो सुनाया
५ ढोकर न हो कर के नया बालक के गाय में रसन पान किया ।
६ चक्रधरपुर तलब लाने गया पैसा नहीं पाया ।
७ रिपोर्ट तैयार किया ।
८ करई केला बजार किया ।
९ पाठ तैयार किया ।
१० गिरजा चलाया ।
११ बईड़ी गया वहां दो रोगियो को सेवा किया ।
१२ चक्रधरपुर तलब लाने गया ४० रु. तलब पाया ।
१३ गांव में घुमा ।
१४ नाकटी से लुस बबराई के नया घर का छपरा चढ़ाने गया । दिनभर काम किया ।
१५ करई केला बाजार किया ।
१६ चक्रधरपुर गया Rev. J. Soy को बालक के बपतिस्मा के लिये बुलाने गया ।
१७ गिरजा किया ।
१८ बड़ा चमुडी में १० व्यक्तियो को प्रचार किया ।
१९ इचा: पी के भाइयो को देखने गया वहां प्रार्थना किया ।
२० हात को भाइयो को वचन पढ़ाया ।
२१ दो रोगी का दवा बनाया ।
२२ करई केला बाजार किया । कुकड़ डीह में प्रभु का वचन नोया काम से गेंदी वचन से ।
२३ पाठ तैयार किया ।
२४ गिरजा चलाया ।
२५ चक्रधरपुर गया ।
२६ नाकटी गया ।
२७ बचन स्टाडी किया ।
२८ बचन स्टाडी किया ।
२९ करई केला बाजार किया ।
३० पाठ तैयार किया ।
३१ गिरजा किया ।

(२) महिने की विशेष बात :—

(क) Prachatak J. Surin + Bertha Surin (Parents Name)
Daud + Susama Melgandi (God Parents)
Santosh Rakkwal Surin (child Name)
25- 2- 1963- (Birth day)

(ख) Mica + Mukla Dangil Bara Jamudi (Parents Name)
Jay Sing + Jay Wanti Hassada " (God Parents)
Saikun Dangil Bara Jamudi (child Name)
22- 2- 1963. (Birth day)

Baptisma Date 17-3-63- by Rev. Joy Chakardeo

(ग) नई बहिनों की गिरजा पुराना जाना ठीक है।
(घ) रात को थोड़ी गिरजा के साथ वचन बढ़ते हैं।

(३) गिर्जे की हाजिरी :

			खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार...	10	14	24	-
२रा ,,	13	20	33	
३रा ,,	14	22	36	
४था ,,	14	20	34	
५वां ,,	10	14	24	

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ...

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— 43

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— 13

(७) महीने की मण्डली आमदनी— 7. 5. 7.

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने.....ताः को.....रुः.....नः पैः

.....महिने का तलब और.....रुः.....नः पैः

टी ए० और.....रुः.....न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने .....रु..... .....न० पै०.....

के पास .....ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

(क) मुझे पता हो रहा है कि और एक नया
जोड़ में पुनुराज हो जायगा।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

~~के~~ 20-3-62 को मेरे ऊपर न हो के
एक मेरे तरफ वोली- वचन में है उसके
घर में सेंधमारी हुआ था पा उसके पा
की चोरी पुरा नहीं सके यह ईश्वर को
दया है।

ता: 1-4-63

सही Cate. J. Furin

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिश्न वोर्ड

गांव श्रीश्रीबहा भंडली पोस्ट आफिस कराईकेला

जिला सिंहभूम प्रान्त बिहार

सेवक का नाम लुकास हासदा

सन १९८४ के फरवरी महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ पाठ तैयारा किया,
२ गिरजा किया,
३ डुमिरता गया और वहाँ भजन के दूरा संसार भाईयो प्रचार किया,
४ श्रीश्रीबहा में शादी भी कुरा और संसार भाईयो को भी प्रचार किया,
५ श्रीश्री बहा में भजन के दारा संसार भाईयों को भी प्रचार किया,
६ दामुडिह गया,
७ चक्रधरपुर गया,
८ पाठ तैयारा किया,
९ गिरजा किया,
१० होयोहातु गया,
११ बाईडिह गया और वहाँ संसार भाईयोको प्रचार किया,
१२ गिरजा किया,
१३ दामुडिह गया और वहाँ प्रार्थना किया,
१४ कराईकेला बाजार गया,
१५ पाठ तैयार किया,
१६ गिरजा किया,
१७ केरा गया और रास्ते में संसार भाईयो को प्रचार किया,
१८ दामुडिह गया और वहाँ प्रार्थना किया,
१९ बलिपाई गया एक संसार भाईको प्रचार किया,
२० दामुडिह गया और वहाँ प्रार्थना किया,
२१ कराईकेला बाजार गया,
२२ पाठ तैयारा किया,
२३ गिरजा किया,
२४ कमिगढा गया और वहाँ संसार भाईयोको प्रचार किया,
२५ होयोहातु गया,
२६ होयोहातु में संसार भाईयों को प्रचार किया
२७ पाठ तैयारा किया
२८ गिरजा किया,
२९ पाठ तैयारा किया,
३०
३१

(२) महिने की विशेष बात :—

इस महिने में आनन्द की बात है।
(का योहनेस मेलगाडी की शादी में बहुत संसार भाईयों को भी बुलाया

(३) गिर्जे की हाजिरी :

			खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार	२४	...		
२रा ,,	२८	...		
३रा ,,	२६	...		
४था ,,	२६	...		
५वां ,,	...	...		

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ×

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— २६

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— १५

(७) महीने की मण्डली आमदनी—

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने .....ताः को.....रुः.....नः पैः

.....महिने का तलब और.....रुः.....नः पैः

टी ए० और.....रुः.....न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु० ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया ।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

हमारा मंडली में विशेष आवश्यकता है फ्रोम नही है
(क) फ्रोम भेज दिये ।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

ता: ५-६-१९८९ सही लुकास हांसदा

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव ....झीरीबहा मंराडली.... पोस्ट आफिस ...कराईकेला.....

जिला ...सिंहभूम..... प्रान्त .....बिहार.....

सेवक का नाम ...लुकास हांसदा.....

सन १९..६८ के .....जनवरी.....महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विसेष काम

१ गिरजा किया,
२ सौदा बाजार गया,
३ बाईबेड़ा गया और वहाँ प्रार्थना किया,
४ कुरूजुली गया और वहाँ भजन के द्वारा ~~नमने~~ संसार भाईयों को प्रचार किया,
५ गिरजा किया,
६ जोरजोरा बाजार गया,
७ दोयोहातु गया,
८ दामुडिंह गया और वहाँ प्रार्थना किया,
९ दोयोहातु गया,
१० दामुडिंह गया और वहाँ प्रार्थना किया,
११ पाठ तैयार किया,
१२ गिरजा किया,
१३ दामुडिंह गया और वहाँ प्रार्थना किया,
१४ दोयोहातु गया और वहाँ संसार भाईयों को प्रचार किया,
१५ दामुडिंह गया और वहाँ प्रार्थना किया,
१६ डिपासाई गया और ~~वहाँ~~ वहाँ संसार भाईयों को प्रचार किया
१७ कराईकेला बाजार गया,
१८ पाठ तैयार किया,
१९ गिरजा किया,
२० जोरजोरा बाजार गया, और रास्ते में संसार भाईयो को प्रचार किया,
२१ चक्रधरपुर गया,
२२ दामुडिंह गया और वहाँ प्रार्थना किया,
२३ डिपासाई गया और संसार भाईयों को प्रचार किया,
२४ कराईकेला बाजार गया
२५ पाठ तैयार किया,
२६ गिरजा किया,
२७ नकटी गया. वहाँ संसार भाईयों को प्रचार किया,
२८ नकटी में गजा बजा के साथ संसार भाईयों को प्रचार किया,
२९ दामुडिंह गया और वहाँ प्रार्थना किया,
३० दोयोहातु गया और संसार भाईयों को प्रचार किया
३१ दोयोहातु में संसार भाईयों को प्रचार किया,

(२) महिने की विशेष बात :—

(३) गिर्जे की हाजिरी :

		ख्रृस्तान	अख्रृस्तान
१ला एतवार...	२६	...	
२रा ,,	२८	...	
३रा ,,	२४	...	
४था ,,	२६	...	
५वां ,,	...	...	

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ..

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— ३२

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या—१८

(७) महीने की मण्डली आमदनी—

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने.....ताः को.....रुः.....नः पैः

.....महिने का तलब और.....रुः.....नः पैः

टी ए० और.....रुः.....न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने .....रु० ....न० पै० .....

के पास .....ताः को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकताः

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

ताः १४-२-६८ सही लुकास दासदा:

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिश्न बोर्ड

गांव ...श्री श्री लदूा..... पोस्ट आफिस ...करा केला.....

जिला ...सिंहभूम..... प्रान्त .....बिहार.....

सेवक का नाम ...लुकास हासदा.....

सन १९.६.३ के .....मई.....महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ चक्रधरपुर पादरी के पास गया और काम करने केलिये हुकुम पाया, शाम श्रीश्रीलदा आया।
२ दोयोदाबू गया और वहाँ अपना सामन लाया रास्ते में दो भाईयो को प्रचार किया।
३ करा केला बाजार किया और वहाँ एक भाई को प्रचार किया।
४ पाठ तैयार किया और दमुडिंह में गीत पढाया।
५ गिरजा किया
६ डिपासाई गया और वहाँ संसार भाईयों और बहनो को प्रचार किया।
७ दमुडिंह गया वहाँ से लौट रहा था तालाब के किनार एक भाई को प्रचार किया
८ पाठ तैयार किया और श्रीश्रीलदा में दो भाईयो को प्रचार किया।
९ सोनामरा गया वहाँ बिल्ली प्रार्थना किया।
१० दमुडिंह गया वहाँ एक भाई को प्रचार किया।
११ डिपासाई गया और वहाँ संसार दो भाईयो को प्रचार किया।
१२ श्रीश्रीलदा गिरजा किया
१३ दमुडिंह गया और वहाँ ५ जनो को प्रचार किया
१४ चित्तपील गया और वहाँ रोगी का दवाई बनाया, और संसार भाईयो और बहनो को प्रचार किया।
१५ सोनामरा गया, वहाँ प्रार्थना किया, रास्ता में एक भाई को प्रचार किया।
१६ नकटी गया नामे क्रिस्तान खूष्ट धरदुगन गंगाराई को प्रभु में वचन के द्वारा पुष्टि किया।
१७ करा केला होते हुए नकटी की रोगी सेवा वचन और दवा से किया।
१८ नकटी गया और वहाँ दवाई बनाया प्रभु का वचन के साथ प्रार्थना किया।
१९ गिरजा किया।
२० नकटी की रोगी की सेवा किया।
२१ नकटी की रोगी की सेवा किया।
२२ नकटी की रोगी की सेवा किया।
२३ स्का रोहन पर्व गिरजा किया।
२४ खूष्ट धरदुगन गंगाराई को मिट्ठी दिया पुरा आराधना के साथ दिया था।
२५ आसुरीबाई गया रास्ते में एक भाई को प्रचार किया।
२६ गिरजा किया और पादरी प्रुनास सोय के द्वारा २ बहनो धर्म खोज का बपतिस्मा हुआ।
२७ करा केला गया, चावल लाने रात को जोइनेस मेलगी के घर भजन और नाच प्रचार किया।
२८ जोइनेस का लडका कुमुकी का खान पान और नाच गाना से संसारियों को प्रचार किया।
२९ नकटी धर्म्म मेला गया वहाँ नाच गाना संसारियों को प्रचार किया।
३० नकटी से बारोंडेपा गया एक भाई को प्रचार किया।
३१ पोंखापी गया और वहाँ एक भाई को ~~किया~~ प्रचार किया।

(२) महिने की विशेष बात :—

(क) आनन्द की बात की दो धर्म खोजं की बपतिस्मा इस महीन में हुआ।

(ख) नोइनेस मेलगाडी प्रचारक का बडवा कुटुम्ब बहुत आनन्द के साथ हुआ।

(३) गिर्जे की हाजिरी :

	खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार ...	...	...
२रा ,,	...	...
३रा ,,	...	...
४था ,,	...	...
५वां ,,	...	...

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... 2 ...

१ पुराने— 2

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— १५

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— १४

(७) महीने की मण्डली आमदनी—

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने ३ अ. ५ दि. ३ ता: को ४५ रु: ..... न: पै:

..... महिने का तलब और ..... रु: ..... न: पै:

टी ए० और ..... रु: ..... न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने .....रु..... .....न० पै०..... .....

के पास .....ताः को भेज दिया ।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकताः

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

ताः 7-दि-६३ सही लुका सा हस्ताक्षर

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिश्न बोर्ड

गांव ...श्री श्रीनहा..... पोस्ट आफिस ...कराई केला.....

जिला ...सिंहभूम..... प्रान्त .....बिहार.....

सेवक का नाम ...लुकास हासदा.....

सन १९६४ के. .....अप्रेल... महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विशेष काम

१ हीयोहातु गया
२ आराडुंगा गया,
३ कराई केला बाजार गया.
४ पाठ तैयारा किया,
५ गिरजा किया,
६ हीयोहातु गया,
७ दोरगासाई गया और वहाँ संसार भाईयों को प्रचार किया,
८ चक्रधरपुर गया,
९ डिपासाई गया वहाँ संसार भाईयो को प्रचार किया,
१० कराई केला बाजार गया और रास्ते में संसार भाईयो को प्रचार किया,
११ पाठ तैयारा किया,
१२ गिरना किया
१३ जोरजोरा बाजार गया और रास्ते में संसार भाईयों को प्रचार किया,
१४ बिड़ी कारखना में संसार भाईयों को प्रचार किया,
१५ चक्रधरपुर गया,
१६ डिपासाई गया,
१७ हीयोहातु गया,
१८ किरकोंकि गया वहाँ संसार भाईयों को प्रचार किया,
१९ हीयोहातु में संसार भाईयों को प्रचार किया,
२० करखना में संसार भाईयों को प्रचार किया,
२१ बैबल अध्यान किया,
२२ बिड़ी करखना में संसार भाईयो को प्रचार किया,
२३ बैबल अध्यान किया
२४ कराई केला बाजार गया,
२५ पाठ तैयारा किया,
२६ गिरजा किया,
२७ दोरगासाई गया
२८ बैबल अध्यान किया,
२९ टोकाद गया,
३० टोकाद में संसार भाईयों को प्रचार किया,

(२) महीने की विशेष बात :—

(३) गिर्जे की हाजिरी :—

		खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार ...	२८	...	
२रा ,,	२६	...	
३रा ,,	२६	...	
४था ,,	३०	...	
५वां ,,	...	...	

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ... धर्म्म खोजकों का बीते महीना बपतिस्मा

१ पुराने— १.

२ नये जो बीते महीना हुए— २.

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— ३२

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— ९८

(७) महीने की मण्डली आमदनी —

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैंने ..... ता: को ..... रु: ..... न: पै:

..... महीने का तलब और ..... रु: ..... न पै:

टी० ए० और ..... रु ..... न: पै: अन्य बाबत पाया।

(९) मैंने ..... रु. ..... नः पैः .....

के पास ..... ताः को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष घटनाओं का वर्णन।

ता: ८-५-१९९४

सही लुकास हासदा

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव ...बोरोबहा ...मराडली पोस्ट आफिस ...कराईकेला.....

जिला ...सिंहभूम..... प्रान्त ...बिहार.....

सेवक का नाम ...लुकास हांसदा.....

सन १९..४.. के .....मार्च.....महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ गिरजा किया,
२ जोरजोरा बाजार गया और रास्ते में संसार भाईयों को प्रचार किया,
३ दामुडिंह गया वहाँ प्रार्थना किया,
४ चक्रधरपुर गया,
५ केरा गया,
६ टोकलो गया,
७ उम्बुलबहा गया वहाँ प्रार्थना किया,
८ गिरजा किया,
९ दोयोहातु गया,
१० ~~झीरी बहा में~~ संसार ~~के~~ भाईयों को प्रचारकिया,
११ बोंगाजंगा गया
१२ तेनदाआ गया वहाँ संसार भाईयों को प्रचार किया,
१३ गिरजा किया,
१४ पाठ तैयारा किया,
१५ गिरजा किया,
१६ जोरजोरा बाजार गया,
१७ तेनदाआ गया और वहाँ संसार भाइयों को प्रचार किया,
१८ दोयोहातु गया,
१९ दामुडिंह गया और वहाँ प्रार्थना किया,
२० गिरजा किया
२१ पाठ तैयार किया,
२२ गिरजा किया,
२३ दामुडिंह गया और वहाँ प्रार्थना किया,
२४ दामुडिंह गया और वहाँ प्रार्थना किया,
२५ चक्रधरपुर गया,
२६ दोरगासाई गया वहाँ संसार भाईयों को प्रचारकिया,
२७ दोरगासाई में संसार भाईयों को प्रचार किया,
२८ दोयोहातु गया,
२९ गिरजा किया,
३० रोटफली गया रास्ते में संसार भाईयों को प्रचार किया,
३१ दामुडिंह गया और वहा प्रार्थना किया,

(२) महिने की विशेष बात :—

(३) गिर्जे की हाजिरी :

		खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार	...	२०६	
२रा ,,	...	२०५	
३रा ,,	...	३०	
४था ,,	...	३२	
५वां ,,	...	२०८	

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ...

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— 27

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— 96

(७) महीने की मण्डली आमदनी—

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने ..... ताः को ..... रुः ..... नः पैः

..... महिने का तलब और ..... रुः ..... नः पैः

टी ए० और ..... रुः ..... न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु० ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया ।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

ता: ..... सही .....

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Kumurikalha पोस्ट आफिस Kendadih

जिला Singhbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम Rev. Prachardas e Anthony Soy

सन १९६५ के March महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विसेष काम

१ रतवार गिर्जा चलाया, बाद मुसाबनी गया जकरीयाह के घर में रहा।
२ मुसाबनी से घर लौटा।
३ सरकारी छुट्टी का पर्व था, मोरार चौंनिया को स्कूल को छुट्टी का समझौता दिये।
४ नोगेन मास्टर के गैरहाजीर पर स्कूल चलाया।
५ बिमार में था।
६ बिमार के कारण नहीं टूर किये। शुक्रवार गिर्जा किये।
७ केन्दाडीह गया।
८ रतवार गिर्जा चलाया, घर में रहा।
९ घर का काम किया।
१० तलब छुड़ाने के लिये केन्दाडीह गया।
११ दुबलता के कारण नहीं टूर किये।
१२ बिमार में था।
१३ शुक्रवार गिर्जा चलाया, बाद घर का काम किया।
१४ शरीर कमजोर होने के कारण घर में था।
१५ रतवार गिर्जा चलाया, बाद मुबन्डार बजार गये।
१६ घर का काम किया।
१७ हिन्दु मुसलमानों के हड़ताल के कारण टूर नहीं सके।
१८ घर का काम किया।
१९ जंगल लकड़ी लाने गया।
२० घर का काम किया।
२१ शरीर कमजोर होने के कारण घर में रहा।
२२ रतवार गिर्जा चलाया बाद हड़ताल के कारण बजार भी बन्द हुआ।
२३ हिन्दु और मुसलमानों के हड़ताल के कारण घर में रहा।
२४ घर का काम किया।
२५ हड़ताल के कारण गांव टूर करना बन्द किया।
२६ घर का काम किया।
२७ भला शुक्रवार गिर्जा चलाया।
२८ हड़ताल के डर से घर में रहा।
२९ विहान को जोउहना पर्व गिर्जा कबर में हुआ, दस बजे निर्जा घर में हुआ।
३० घर का काम किया।
३१ योहन के घर में परिवार समाज चलाया।

(२) महिने की विशेष बात :— गिर्जा विन्ती ठीक ही चलता है। इधर के संन्तालो भाई खृस्तान धर्म को बहुत हीन करते हैं। कहते हैं कि खृस्तान धर्म का क्या लाभ है।

(३) गिर्जे की हाजिरी :

			खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार	...	...	६	
२रा ,,	...	...	१०	
३रा ,,	...	...	६	
४था ,,	...	...	६	
५वां ,,	...	...	६	

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ..

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या—

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या—

(७) महीने की मण्डली आमदनी— ~~२४)~~ २३)

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने 10-3-64 ता: को 40) रु: ..... न: पै:

फरवरी महिने का तलब और ..... रु: ..... न: पै:

टी ए० और ..... रु: ..... न० पै० ~~अन्य बाबत पाया।~~

(९) मैं ने ..... रु ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता: यहां मिशन के नाम से जगह का आवश्यकता है, डंगरी डीह में बन्दोबस्थ कर देते थे, पर संन्थाली आदमियों से यह सुनते हैं, कि जो मिशन को जगह देगा तो उसको नालीश करेंगे। ऐसी बातों से जगह देने वाले का मन भी बिगड़ गया है।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण - हिन्दु को मुसलमानों के लड़ाई के हड़ताल के डर से शहर के आदमी, काम को छोड़ कर अपने बाल-बच्चों को ले कर जंगल भाग जाते हैं। इस-के कारण आज कल बहुत दुःख और डर लगता है।।

ता: 6.4.64 सही Anthony Soy

जून १६-६१

१- ता को गाव झुकुरडिहा पहुचा नकटीसे
२- ता: को घर से था।
३- ता को खुशी खोया दौडा।
४ ता: को खुशी खोया से था।
५ तससे सिगदी मे छड़ापन सिखता था।
६ ता:
७ ता
८ ता
९ ता
१० ता
११ ता
सिगदी मे छड़ापन दो सप्ताह सिखता था क्योंकि १२ ता को छड़ापन का दिन ठहराया था मैं चिट्ठी दिया था पर कोई पढ़ने नही आये दूसरे एक गाव से आया क्योंकि वे नकटी से यादे कोई नही जाने से मैं ही लेवल छड़ापन के लिए जाऊगा। इस तरह उनका छड़ापन नही होने सका है।
१२ ता को से विशेष क्लास के लिए बरा
१३ गया था।
१४ ता रात से छोटा लड़का का बिमारी बढ़ने से प्रधानीन के साथ रोज ४ कोस तक अस्पताल आना जाना करता रहा

और मैं यह्दी सहाब को भी ईसके विशय
जानती दिया हूं।
इस तरह पुरा ३० तरीक तक रोगीके
पिछे लगा रहा।

मैं आप का विश्वास्त
मनोहर बाड़ा
११-७-६१

मई - १९६१

१ ता खुडरी लोचा में था।
२ ता खुडरी लोचा में था।
३ ता
४ ता
५ ता
६ ता
७ ता } तक खुडरी लोचा ही में था, पैर में एक बड़ा घाव था, इसलिए टोला से खूस्तान भाईयों के पास ही जाता था, तथा घर ही बैठकर पर ध्यान करता था, घूमने से दर्द ज्यादा होता था।
८ ता सहुआइन में में था.
९ ता: को चैबासा कचहरी का काम से गया था
१० ता: को डुकुरडिहा गया।
११ ता:- डुकुरडिहा से गिरजा किया। प्रचार का बुखार
१२ ता: को सिंगदी जाने का था, पर सब टाटा शादी जाने से मेरा भी P. Bara से टाटा से मिलना था गया।
१३ ता को डुकुरडिहा लौटा।
१४ ता
१५ ता घर में था
१६ ता से सिंगदी में हड़ुवान सिखाना बुरू किया
१७ ता
१८ ता तक सिंगदी में था।
१९ ता को चैबासा में रहा
२० ता: नकटी में
२१ ता नकटी
३१ ता घर लौटा - चैबासा पढ़ाई से विशेष बात के कारण रहना पड़ा - सिंगदी का हड़ुवान और शादी का विशेष बात था।

मैं आप लोगों का विश्वस्त

मनोहर बाड़ा
खुडरी लोचा
१७-६-६१

जनवरी १९६२

१ ता: से १४ तक बुखार में था

१५ ता को घर में था
१६ ता
१७ ता
१८ ता
१९ ता तक कुछ कमजोरी के कारण घर ही में था
२० ता: को चप्पी होते हुए खुड़री कोचा पहुंचा
२१ ता खुड़री कोचा में था
२२ ता " " " "
२३ ता " " " "
२४ ता " " " "
२५ ता " " " "
२६ ता रात को बर्फ होने से
२७ ता फिर सर्दी खांसी और बुखार होने से मैं चप्पी चला गया - और तारीख

२८ ता को बुखार ही बुखार घर लौटा
२९ ता
३० ता
३१ ता तक बुखार सर्दी खांसी से सारा शरीर दर्द और छाती भी दर्द होने लगा।

मैं खुड़री कोचा जब था, और बहुत ही दिक्कत में वहां था, वहां के भाई चारों को मैं कभी जीवन में कभी ऐसी नहीं देखता था, न जाने मेरे बुखार होने से उनका दिल और चल क्या हो रहा है यही कह सकता हूं।

मैं आपका विश्वस्त

मनोहर बाड़ा
१६-२-६२

दिसम्बर १६६१

१ तर खुड़री कोचा -
२ तर= " "
३ तर गिर्जा घर मुसाबनी के तरफ गया था
४ तर)
५ तर चक्रड़ा भाईयों के साथ था।
६ तर चक्रड़ा से था -
७ तर - तब भाराडर गया था, पैसा के लिए
८ तर = को मैं मांग डुकुरि इहा गया क्योंकि धान से काटी के लिए मजदूर नहीं मिलते थे, तथा चोरी से बचाने के लिए
९ तर तब घर में सुख को जानती देकर था -
१० तर को खुड़री कोचा
ले
११ तर: तब २३ तर साम को गिर्जा किया, फिर वहां से भाई सब का निमंत्रण मुसाबनी में था, इसलिए मैं, चक्रड़ा के एक जवान कोलेकर
१५ तर गांव - पुरा
१६ तर } पर्व विच बच्चों के साथ रहने से रात
१७ तर } जगने के करण ठराडा से पेट दर्द होने
१८ तर लगा
१९ तर मो काम से काम २१० सो भाई बहनों को बिच खुला तौर से सादी दिखाने का आनन्द किस करण से होता है
२० तर } चाचा का नन्ना से उधार का बातें सुनाय
२१ तर } को मेरी पेट के बिमारी और बुहना घाव के करण नहीं सहा जाता है जितना ठराडा बढ़ता है दर्द भी बढ़ता है -

—

मैं सुखराम लोहरा
विश्वस्त - मनोहर खाड़ा
६-१-६२

नवम्बर १९८१

ता १. खुड़री कोचा रात को सिवान पक्षी के नाम से
गिनती किया।
२ ता } बहुआराउर सिवान पक्षी मनाने के लिए गया
३ ता }
४ ता को सिगदी गया।
५ ता खुड़री कोचा गिनती किया।
६ ता चपड़ी गया था।
७ ता - विद्रोम काम के लिए बेदाडिह गया था
८ ता - आदी Ranj-Soy के साथ था।
९ ता -
१० ता } को पैसा पहुचाने के लिए घर गया था।
११ ता }
१२ ता }
१३ ता चपड़ी - सोनरी कोचा होते हुए खुड़री कोचा
गया।
१४ ता - खुड़री कोचा टोला सोमाथडिह गया था
१५ ता मुसाकानी मराइली बहार वालों के पास गया
१६ ता: -
१७ ता चरैडिह गया था
१८. खुड़री कोचा
१९ " "
२० ता } तक खुड़री कोचा से था।
से }

गाव से रहते समाथ टोला के बुढ़ो से
मिलता हूं और माही के घर जाता
हूं बिन्ती, पुचेना करता हूं। घर बैस
खराड़ के लड़कों से मिलना कुछ कठिन हो
हो दिन भर काम से रहते हैं सभ
को घर जाते हैं। बैस तरह हमसे बिलोक
मेर से नहीं मिल जाते हैं।

हीरा प्रसाद का विकासत
मनोहर बाड़ा
६-१-८२

महा नमस्कार

उदैरीकासहाब ज्ञाप को हमसबरिवार के तरफ से धीबु सहाय हम सब ज्ञादी है. ग्रौर ज्ञाप लोगो पर भी यही ज्ञाशा है

मैं लिखने का विशेष समाचार - १ ला- मै सेप्टेम्बर को चैबासा से लौट कर मेरे बच्चे को विशाच जो बिमार था. करीब एक महिना. उस में से जो मैं गॉव में रह कर प्राईभेट डाक्टर से चिकित्सा करने में खर्ची हुई थी. उस खर्ची का बिल भेजा था, सेप्टेम्बर ता तेलकी नहीं दिया गया, पीछे ज्ञाप को मेहरबानी लगता है। जो कुछ करे मेरा बिल पास किया जाय ग्रौर उस समय

२रा- नवाटोली से लवा चैबासा से तलाब को विशाच को धोती दिलाता हूं हम तो प्रचारक का काम करते हैं वहिन ने विशाच हो. बैसे को ग्रुलाब रखती है. ग्रौर बैसा घर छोड़ बहार में ग्रापहीमान समते है

३-रा मैं ग्राप सभो से ग्रादी करता हूं कि मेरा महिना कहूं हम सभो को दिया जाना चाहिये मेरे लिए तो बहुत ही ग्रावश्यकता है/ सहकार रहने पर यदि हाथ से पैसा न भी हो तो भी १०-१२ कोस ही रोज मे दो जगह बचन सिखा सकता हूं ऐसे स्थान मेरा है

४था- यहां का घर बारी के लिए ग्रागामी बुधवा ले वाले को पैसा देना होता है. सो बिना मे ग्रुलाबो में कैसी समाचार जैसा देने की कृपा करेंगे

मै ग्राप सभो का बिश्वास्त

मनोहर बाड़ा
खुंटी कोचा
१६-११-६६

Dukuriliha
19-10-61

सन्मावर

महाशय Director साहब आप सपरिवार मो
यीशु सहाय. हम सब प्रभुदेव से प्रार्थना करते हैं कि आप लोगों
पर भी ऐसा ही आशीष हो।
लिखने का समाचार की मैं आपने जगह
कुकुरी धोचा से ता-१७-१०-६१ को मैं घर
आ गया हूं। अरुण मेरा पैसा नहीं
मिलने से मैं घर आया - पैसा का आशा
१८ ता मे जाके मे देखा. मेरा पैसा M.O. लिख
पेरा नाम से भेजा जाता है। क्योंकि मेरा
मिलेता है, इसलिए मेरा मामा O. लिख
सेप्टेम्बर १६ - से ३० तक एक जन को
पास खुराकी खाया क्यों कि हमारे पास पैसा
नहीं था - पैंचासा मे पैसा अगास्त का लिख
था, सो कुछ पैसा खर्चे. पैसे घर का हालत
भी खराब था दिया। इस तरह मे पैसा
आ बहुत हो चोटी मे आ कुछ। अक्टोबर मे
मजदूरी नो. इस तरह से १ से १८ तरीक तकरीबन
ऐसा कठिनता किते ही - ६ - धेरे से १८-१०-६१.
तक कटा बाद मैं घर आकर डिब्बा
सो यदि किसी कारण से पैसा नहीं भेजा
गया हो। तो कुकरडिहा ही भेज दें।

मैं प्रार्थना करता हूं कि आप सब
मंडली को पत्र लिखें।

मेरा पता -
Elanjhun Bara
Vill. Dukuriliha
P.O. Haludpukhuri
Dist - Singhbhum

अक्टोबर १९६१

१- ता: खुडरी कोचा मे था- बिजली किया।
२- ता महुआडार पैसा देखने गया
३ ता महुआडार मे था-
४ ता तक था- खबरी दे घाटी के करवा
५ ता साम को खुडरी कोचा बिजली के लिए गया।
६ ता वो खुड़री कोचा ही मे था
७ ता को ग्लडिह सेसाम में था: एक जन के
साथ चक्की का कुछ बात किया. पहाड़ सलखा-
१० ता था. पर उधर तक कुछ जबाब नहीं आया
११ ता फिर महुआडार में था
१२ ता चपड़ी में था रोज साम को चक्की के विषय
१३ ता कोई संबंधी गुप्ते से उनसे बात चित होता था
१४ ता और बाद मे प्रार्थना किया जाता था
१५ ता खुड़री कोचा गया बिजली के लिए-
१६ ता को डुमरिडिहा रनचे के लगभे पैदल घर आया
१७ ता को पहुचा-

१८ ता: तक घर से था, पैदल चलने से थकान हो थकान
और कमजोर होगया था, तथा पानी बक्सी के करण भी
घर में कुछ २ खेती का काम नहीं था, चिट्ठी महुआ-
डार से आने पर गया
१९ ता को चपड़ी पहुचा और
२० ता: को खुड़री कोचा
२१ ता: खुड़री कोचा एकबार को प्रसुभीत होने से साम
को बिजली हुआ.
२२ ता; को सुसावानी गया था
२३ ता: को खुड़री कोचा मे था
२४ ता- खुड़री कोचा मे था- पानी के करण विशेष
कोई घुमना सुभीता नहीं होता था।
२५ तक खुड़री कोचा मे दोहा घुमाघाता
और भाईयों से साथ प्रार्थना करता था
मै आप का विश्वस्त
मनोहर लाड़ा
खुड़री कोचा - १६-११-६१

सेप्टेम्बर १९६१

ता-१से
ता१० तक चैबासा मे था।
ता११ से
ता१८ तक घर में था
ता१९ से
ता ३० तक } सुदरी कोचा मे था, और वहां के भाइयो को भला चंगा हो पाया और घर२ जाकर प्रार्थना किया करता था, पर बच्चे छोटे होने के कारण नही मै नही घूम सकता था, चहो तकवो टोला घूमना तक कठिन होगया घर ही मे रह कर क्लास मे पढे हुए पाठो को ध्यान करता रहा।

मै ईश्वर का विश्वास

मनोहर बाड़ा

अगस्त १९६१

१ ता } को ४ चपड़ो में था, क्यो दूसरे मिश्रानके होने
२ ता } पर भी, उन से सहायता पाते है, वे बिमार थे
उनको मै मदात करता रहा।
३ ता- को फिर सलुमाराउर गया, पानी जोर बरसने से
वरन मुख्य महुमाराउर ही मे रह गया।
४ ता- खुडरी कोचा गया, रस्ता मे रमलोहार बसिया को
रवूस्टागी चम्मी ग्रौर मनने का वरन बताया
५-ता- गिरजो का तैयार बुधड़ा ग्रादि साफ करने मे था
६ ता: गिरजो घर सिगड़ी होते हुए कुमुरडिहा
से ग्राया क्योकि घर मे खर्ची का घाटी होने से
७ कन्दोबास करना था, तथा कासो को कतलाना था
१२ तथा चेवासा ग्राने की तैयारी किया
वे गाव मे था

१३ ता }
से } चेवासा सिंदा व्यास मे था।
३१ }

मै ग्राप लोगो का विश्वस्त

मनोहर बाड़ा
खुडरी कोचा
६-९-६१

जुलाई १९९१

१- ता - महुआडार गया. श्यामो के घर में अन्धा का बिमारी बढ़ने से बड़ी को लाने के लिए गया
२- उसी रोज रात को लौटा और २ ता को चेवासा गुरुआतोल लया क्योंकि हमारे डुकुरडिहा के पास का डाक्टर नहीं सकेंगे और वहीं चेवासा से लेजाने का सलाह दिये. बिमारी पेट के भीतर लम्बा फोड़ा हुआ था. जो शरीर के उपरी भाग में भी तर दिखाई देता था। कुछ अच्छा होने पर — १२ ता तक चेवासा और गांव गुरुआ रुका होता था।
१३ ता: को सिगड़ी होते हुए खुडरी कोचा को गया।
१४ ता खुडरी कोचा टोली के क्या रहस्यान संसार सब से मिलने के लिए गया. उस रोज एक टोला में प्रार्थना समाज ठहराया. सब होने से केवल एक ही घर से किये।
१५ ता - दूसरे टोला को गया. जब तक कि काम से नहीं पाये, प्रार्थना कर लौटा।
१६ ता: रिजो का तैयारी किया।
१७ ता रिजो
१८ ता: को फिर सिगड़ी गुरुआ क्योंकि वहां एक बिमारी था, और बहुत पुराना जान था, बुलाये थे, गया।
१९ ता- फिर डुकुरडिहा गया
२० ता खुडरी कोचा
२१ ता: पानी के कारण कहीं नहीं जा सका
२२ ता:
२३ ता सुसावानी बजार गया था।
२४ ता कुडाडिह गया, मुन्ना माझी के यहां, सभा के विषय सुनाया।
२५- बोमेरो कोचा गया, रहस्यानं धर्म का उद्देश्य बताया।
२६ सोमा चोडिह
२७ - चिट्ठी देखने के लिए महुआडार गया।
२८ ता. को लौटा
२९ ता रिजो का तैयारी
३० ता: रिजो कर महुआडार होते हुए चक्रधरपुर गया
३१ ता: चक्रधरपुर में था।

मैं गुरुप लोगों का विश्वास
मनोहर बाड़ा
खुडरी कोचा
७-९-९१

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव चपड़ो ..... पोस्ट आफिस बेदा डिह .....

जिला सिंहभूम ..... प्रान्त बिहार .....

सेवक का नाम मनोहर बाड़ा .....

सन १९.६.१ के जून महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ ३ जून को मनोहर बाड़ा
२ बेदा डिह से चपड़ो आया
३ चपड़ो में एक सप्ताह
४ रहकर सुसमाचार
५ प्रचार किया
६ ४ जून को चपड़ो में
७ रहकर सुसमाचार
८ प्रचार किया
९ ५ जून को चपड़ो से
१० सिमलकोचे जाकर
११ वहां एक सप्ताह
१२ रहकर सुसमाचार
१३ प्रचार किया
१४ १२ जून को सिमलकोचे से
१५ चपड़ो आकर
१६ चपड़ो छुड़ाने के लिए छुट्टी परिवार गया
१७ मंझली बच्चों को साथ पोड़ाडिहा में माईयों को सभकोता किया
१८ पोड़ाडिहा के दूसरे टोला में भाई माईयों को सुनाया।
१९ टोला के कोई जनों के साथ मरोड़ली बिहाय बात विचार किया।
२० चपड़ा से चा. — माईयों से मिले कर धन्यवाद साथ प्रार्थना में रहे
२१ दोतिन घर — पानी के मरसा कहो नहो गया
२२ चाय के मरसा कहो नहो गया।
२३ दो माईयों को लूथेरन बिश्वास और चर्च के बिबाय बताया।
२४ मनहु मारांडर खुरी के माईयों से मिलने और खुसी सुख
२५ कुमने गया चा — लिजो घर एक दिन गया।
२६ दुवोले को खोज ली लोगों से देखा मिलना खुशी हुई
२७ दो जनों को लूथेरन बिश्वास और चर्च के बिशय
२८ बताया मनहु मारांडर गया चा
२९ सुसाबोनी पोदकसिंह के पास बिशेष बात चा
३० सुसालानी से खुशी मने लिए स्वागत हुआ चा घर घेट दये
३१ पोर मंडा के मरसे बहुत मिटिंगही से चपड़ा पहुचा

(२) महिने की बिशेष बात :—

(३) गिर्जे की हाजिरी :

		ख़ृस्तान	अख़ृस्तान
१ला एतवार	... ...		
२रा ,,	... ...		
३रा ,,	... ...		
४था ,,	... ...		
५वां ,,	... ...		

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ...

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या—

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या—

(७) महीने की मण्डली आमदनी—

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने ..... ताः को ..... रुः ..... नः पैः

..... महिने का तलब और ..... रुः ..... नः पैः

टी ए० और ..... रुः ..... न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता: — युवा प्रचारक दलमुम में और — एक जान देने से अच्छा होता क्योंकि इंचार्ज एक हो जन प्रचारक है

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण — मेरे निजी घर के विषय मेरे ऊपरी मे जनवरी महिना से देते आया है, तथा यहां पुलिस आदि का बहुत चादी है, महिना २ जनता आया है, यहां गरिब ज्यादा बिना खेती है, और खेती करने हारे काम है = इसलरह से मुवक्ल नहीं मिल सकता आदि तरह देख कर गये है — मेरे घर धराई नहीं हो सकता है, आमदनी किसी भी तरह पैसा से होगा, इस के लिए मुझ को और पैसा सोचना है, और — जनवरी १६ दिन मे तैयार कर सकते हैं

ता: 6-6-62 सही मनोहर बाड़ा

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव ...सुकुरी [illegible] डुकुरीडिह... पोस्ट आफिस ...हल्दीपोखर...

जिला ...सिंहभूम... प्रान्त ...बिहार...

सेवक का नाम ...मनोहर बाड़ा...

सन १९६७ के ...मार्च... महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विशेष काम

१ चक्रधरपुर से चला
२ खुदरी कोचा गया. तथा पटमिला कुछ खास से कुछ काम नहीं हुआ
३ चक्रधरपुर, मनोहरपुर गया चिट्ठी, पार्सल देखने के लिए
४ विशेष काम के लिए दादर गया था
५
६ दादर से चला
७ डुकुरडिहा-
८ वहां नहीं गया
९ दो चार साईकिल का सुनसान मुदासाई से-
१० पोड़ाडिहा- Rev. Tuti के समय विशेषकर बात का पक्का करने गया था
११ दूसरा रोज भी अन्दर था. क्योंकि समय नहीं रहने से बात नहीं हुआ
१२ दक्षिणसाई. एक घर से सुनसान
१३ हल्दीपोखर से - सोनाचिड़िह गया था
१४ को दादर होकर लौटा क्योंकि १५-१६ घर को Rev. Tuti, आने जाने को
१५ ~~चक्र से~~ चला गया था
१६ बलीं को लेने हल्दीपोखर से Rev. Tuti के साथ रेलगाड़ी से, आने-
१७ ईचागढ़ उधार कन्धार विशेषकर बात से आने जाने से, और इसके कारण
१८ सिर दर्द होते रहा बुखार सुरु हुआ पादरी सहायक के रहते हो
१९ पाँव सहाय और दो साईकिल को तरफ जाने के कारण मुझे
२० को घर से रहना पड़ा. क्योंकि विशेष बात से इसी लिए असावधानी
२१ नहीं रहना चाहिए
२२
२३ को पादरी सहाय लौटे क्योंकि उनका सम्मान यहां था तब तक मेरा
२४ सेवा बिमारी दूर हो गया पर थक हेज, और उसीके
२५ कारण फिर दुबारा बिमार हो गया
२६
२७
२८ बिमारी हालत से था
२९
३०
३१

(२) महिने की विशेष बात :—

(३) गिर्जे की हाजिरी : खृस्तान अखृस्तान

१ला एतवार ... ...

२रा ,, ...

३रा ,, ...

४था ,, ...

५वां ,, ...

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ...

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या—

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या—

(७) महीने की मण्डली आमदनी—

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने .....ताः को.....रुः.....नः पैः

.....महिने का तलब और.....रुः.....नः पैः

टी ए० और.....रुः.....न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु० .... न० पै० ....

के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता: — यदि यहां के लिए और एक प्रचारक होता जो मुण्डा गानर अच्छी तरह जानता और मुण्डा से समझा सकता ~~के~~ इसलिए और एक प्रचारक चलमुम होता तो बहुत ही अच्छा होता —

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण — यहां जंगल जगह होने के वशात परिवार के साथ नहीं रह सकते हैं। कैसा मरशा थोड़ा जैसा बाट जाने से खुराकी का घाटे होता है। इसके अलावा यहां ~~का~~ पानी की नहाने धोने का नहीं है।

ता: ..... सही ..... मनोहर बारला

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव सुईरा कोचा-डेरा चण्डी पोस्ट आफिस मेदाडिह

जिला पलामू प्रान्त बिहार

सेवक का नाम मनोहर बाड़ा

सन १९.६.. के १५ अप्रैल महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विसेष काम

१ इतवार कुमुरीहट्टा मे था।
२ बईडिह गया था- सुनाया
३ मारी नही गया था
४ देचूली गया था- माई हरिजनो को सुनाया
५ सभी गया था- माई जनो को वचन सुनाया
६
७ दूसरा जगह (परचा पत्र के काम मे तिन दिन था
८ क्योकि मेला दिगर घर मे नही थे
९ चण्डी मे था
१० माई जनो को चण्डी मे वचन सुनाया।
११ [illegible] के व्यक्ति सोमारडिह मे राम जन को सुनाया
१२ [illegible] मरा सिर दर्द था- घर मे डेरा मे था
१३ डेरा मे था
१४ सुईरा कोचा माईयो के पास गया +
१५ मेजली मिया १० जन हो कर थे
१६ बैठक चण्डी मे था। [illegible] उतना उपस्थित नही था। साम मे
१७ सुनाया मरता [illegible] रोज प्रार्थना होता है और ससार सभी को वचन
१८ घर मे [illegible] कुमुरीहट्टा मे बिमारी था देखने गया।
१९ लौट कर सुईरा कोचा मे था- घर नही पहुचा सका
२० [illegible] सिजो घर [illegible] गया बजार के लिए
२१ [illegible] घर [illegible] होता है क्योकि मेरा माता को [illegible]
२२ [illegible] २३ ता. को [illegible] सोमवार को सुईरा कोचा
२३ [illegible] सोमवार [illegible] घर मे रहने [illegible] सारा दिन घर मे
२४ [illegible] मे [illegible] मे [illegible] से २८ तारीख तक
२५ [illegible] मे [illegible] मे [illegible] मे [illegible] मे [illegible] मे
२६ [illegible] मे [illegible] मे [illegible] मे [illegible] मे [illegible] मे
२७ [illegible] मे [illegible] मे [illegible] मे [illegible] मे [illegible] मे
२८ [illegible] मे [illegible] मे [illegible] मे [illegible] मे [illegible] मे
२९ [illegible] मे [illegible] मे [illegible] मे [illegible] मे [illegible] मे
३० [illegible] मे [illegible] मे [illegible] मे [illegible] मे [illegible] मे
३१ [illegible] मे [illegible] मे [illegible] मे [illegible] मे [illegible] मे

(२) महिने की विशेष बात :—

(३) गिर्जे की हाजिरी :

		ख्रृस्तान	अख्रृस्तान
१ला एतवार	... ...		
२रा ,,	... ...		
३रा ,,	... २० ...	१०	— ४
४था ,,	... ११ ...	१२	— ४
५वां ,,	... ...		

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ...

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या—

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या—

(७) महीने की मण्डली आमदनी—

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने .....ताः को.....रुः.....नः पैः

.....महिने का तलब और.....रुः.....नः पैः

टी ए० और.....रुः.....न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... को ..... न० पै० .....

के पास ..... वाः को भेज दिया ।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकताः

मैं यहां के भाईयों को भाषा अच्छी तरह नहीं जानने के कारण शायद सन्तुष्ट नहीं कर पाता हूं और वे समझते हैं कि मैं प्रचार में ढिलाई कर रहा हूं। इसलिए अच्छा होगा कि मुझे प्रचार में लगाया जाय क्योंकि हिन्दी भाषी जनता है। इस क्षेत्र में रहने से अच्छा होगा

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

यहां का किसी घर तथा प्रचारक का घर दो महीने रहने के योग्य नहीं मिले दो तीन महिना से इसके लिए खिल लगातार भेजा जा रहा है।

वाः १५.१२.८२ सही मनोहर बोड़ा

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव डुमुरीहटा से खुडरी बोचा पोस्ट आफिस बेदाडिह

जिला सिंगभूम प्रान्त बिहार

सेवक का नाम मनोहर बोड़ा

सन १९..२.. के ..३.. महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ पादरी Rev. H. Tuli को लाने के लिए हल्दीपोखर गया था।
२ पादरी साहब के साथ हटीला खूना और हल्दीपोखर पहुचा दिया
३ घर मे था।
४ डुमुरडिहा मे गिर्जा किया प्रचारक बिमार था।
५ बेदाडिहा गया था।
६ सहापबस के गिर्जा का तैयारी में था।
७ गिर्जा किया
८ खुडरी बोचा गया।
९ खुडरी बोचा मे था
१० खुडरा बोचा मे था
११ खुडरी बोचा से था- जितना दिन था दोला मे भाइयो को बा. सिखाता
१२ छुट्टी का दिन नही होने से फिर डुमुर डिहा गेटा रहा।
१३ जमीन जगाह का काम मे हल्दीपोखर जाना था।
१४ " " " "
१५ " " " "
१६ " " " "
१७ तरीम को विशेष चिट्ठी लिखा और हल्दी पोखर गया।
१८ गिर्जा किया।
१९ बेदाडीह मे बाई भाईयो के साथ मनुष्य जिवन और जिंदगी का
२० बोहा नही गया था। पुखुराया गया था।
२१ बोहा नही गया था। तो बिचार्ता खेट दर्दी से मरसा बिगड़ा था
२२ खुडरा बोचा गया
२३ खुडरी मे था
२४ खुडरी बोचा मे गिर्जा किया
२५ घर मे था। डुमुरडिहा बैठका
२६ जमीन जगाह करसा हल्दीपोखर जाना आना करता था।
२७ चमड़ी गया था, भाईयो के पास
२८ बोवालो गया था
२९ -
३० -
३१ -

(२) महिने की विशेष बात :—

(३) गिर्जे की हाजिरी :

			ख्रृस्तान	अख्रृस्तान
१ला एतवार	...	...		
२रा ,,	...	...		
३रा ,,	...	...		
४था ,,	...	...		
५वां ,,	...	...		

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ...

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— १३

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— ८

(७) महीने की मण्डली आमदनी—

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने ८-८-६३ ता: को ४० रु: X न: पै:

मार्च महिने का तलब और X रु: X न: पै:

टी ए० और X रु: X न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु० ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता: — खुड़री मोचा क्षेत्र मण्डली के लिए विशेष बात कि यहां न जाने कुणने निज और खुद भाषा बोलने वाले प्रचारक होते तो बहुत ही मदद होता जैसा लगता है।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण — यहां किसी बच्चे से घर का बहुत ही कठिन है, किसी तरह से घरने का कोशिश ने किया था, पर पुराने के घाटी के घरों मरामत नहीं हो सकने से दीवाल भी गिर गया है इसलिए मार्च हाल में मैं चपड़ी गांव से रहता हूं जो जंगल से बहार खुड़री मोचा से दो किलोमीटर दूर है। घाटा मुसाबानों टोड में किनारे है। इस घाटी को पूरी करने कि कुछ कोशिश पूरी करने कि कोशिश करेंगे।

ता: 24-4-82 सही ..... मनोहर बाड़ी
खुड़री मोचा

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिश्न बोर्ड

गांव ..... पोस्ट आफिस .....

जिला ..... प्रान्त .....

सेवक का नाम .....

सन १९.... के ..... महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१
२
३
४
५
६
७
८
९
१०
११
१२
१३
१४
१५
१६
१७
१८
१९
२०
२१
२२
२३
२४
२५
२६
२७
२८
२९
३०
३१

(२) महिने की विशेष बात :— इसी महिना से मैं अपने रहस जगह नहीं जा सका व्योंकि बिमारी ज्यादा है पा. नहीं फिर जंगल मा हवा जाती बड़ भी समता है, इसलिए नहीं जा सका।

(३) गिर्जे की हाजिरी :

	ख्रीस्तान	अख्रीस्तान
१ला एतवार ...	...	...
२रा ,,	...	...
३रा ,,	...	...
४था ,,	...	...
५वां ,,	...	...

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ...

१ पुराने— १२

२ नये जो बीते महिना हुए— ×

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— १३

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— ×

(७) महीने की मण्डली आमदनी— इस महिना नहीं आने से नहीं है

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने .....ता: को.....रु: .....न: पै:

.....फरवरी..... महिने का तलब और .....रु: .....न: पै:

टी ए० और .....रु: .....न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने .....रु..... .....न० पै०..... .....

के पास .....ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता: — यहा का क्षेत्र मारवाड़ी मध्ये किसानो का है तो ज़्यादातर देश मे तरफ रिश्तात हुए है. इसलिए बहुत जगह बीरोधो से गिरते है इसलिए इन को कि धर्म ज्ञान का शिक्षा का ज़्यादातर होते है। घर विन घर काम से धर्म के बारा नहीं बैठ सकते है तथा लोग मंडली का भी घाटा और हर बात मे लेचारी ही है

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण —

मेरे लिए यहां का जानी ही विशेष आश्चर्य है और इस साले तो घर को बिगड़ जाने से हम दो साल रह कर ही लौटना पड़ता है

ता: ..... सही ..... मनोहर कोड़ा

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव खुडरी कोचा पोस्ट आफिस केदाडिह

जिला सिमडेगा प्रान्त बिहार

सेवक का नाम मनोहर बाड़ा

सन १९.६.२ के दिसम्बर महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ को घैबासा से लौट कर कहीं नहीं गया था – थकावट →
२ को छोटी बेहड़ी का बजोहसा हुआ
३ → को खुडरी कोचा गया और सब भाईयों से मुलाकात किया तथा
४ उनका समाचार जेना होने को नहीं बनतर था इस लिए बिन्ती कर
५ ही वापस
६ **आ** – डुकुरडिहा लौटा क्योंकि बेटी का लौटा पानी और बचनदत
७ था – बचनदेखने का जोगाड़ खोजी करना था
८ →
९ को लौटा पानी और और बचनदत था।
१० को डुकुरडिहा से महिलाओं के साथ था
११ खुडरी कोचा में भाई के पास और पास पास के टोला में
१२ खुडरी कोचा में घूमा करता था और टोला के बुढे लोगों से
१३ खुडरी कोचा में धर्मी बिबाद तथा दुनिया का दवा को लेकर
१४ खुडरी कोचा में बहस करता था
१५ को टाटा पाड़ी सहाब के पास **गया** था – बिशेष काम के लिए –
१६ को टाटा से था –
१७ को खुडरी कोव से –
१८ को खुडरी कोचा से
१९ को गांव डुकुरडिहा और क्योंकि मेरा रहने तथा चली से वे इसको
२० जगह जानें का बोल दिये –
२१ बचपड़ी में साइकों के पास था –
२२ को गांव डुकुरडिहा चली जानें के लिए और
२३ घर से था
२४ घर से था
२५ घर से था – टोला टोला भाईयों बहनों के साथ संसारी टोला संगित
२६ मनोरंजन कर शादी देखा
२७ →
२८ को खुड़री कोचा और और पास पास के टोला से घूमा करता था
२९ खुड़री कोचा और और बोमरो कोचा, डुगरीडिह, सोमाटोडिह, केवरडि
३० खुड़री कोचा और सब जगह कुछ न कुछ धर्म के बातों को सुना
३१ खुड़री कोचा था करता था

(२) महिने की विशेष बात :— पक्की तथा सादी सम्बादी बातों के करार विरोधका नहीं करने सका

(३) गिर्जे की हाजिरी :

			खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार	...	...		
२रा ,,	...	...		
३रा ,,	...	...		
४था ,,	...	...		
५वां ,,	...	...		

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ...

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या—

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या—

(७) महीने की मण्डली आमदनी—

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने ..... ता० को ..... रु० ..... न० पै०

..... महिने का तलब और ..... रु० ..... न० पै०

टी ए० और ..... रु० ..... न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... को ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया ।

(१०) अपने मरुडली की विशेष आवश्यकता: — आर्थिक हालत से घर का खर्चा है, जिस कर घर का खर्चा दिया जाय ।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण — घर न होने के कारण मैं सिरहना से इस जगह पर नहीं रहता हूं

ता: 6-1-82 सही मनोहर बाड़ा

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिश्न बोर्ड

गांव खुडरी खोचा पोस्ट आफिस चेदाडीह

जिला सिंहभूम प्रान्त बिहार

सेवक का नाम मनोहर बाड़ा

सन १९६२ के अक्टोबर महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ चपड़ी मे था
२ चपड़ी मे था
३ चपड़ी मे था
४ पोना बसो का - सादी सुसार के मरारा घर जाना पड़ा.
५ और बाड़ी बेटी का सादी सम्बन्धी बात भी था
६
७ - को राऊले खेला गये थे,
८
९ मै बिमार से मरारा घर मे था. प्रचारी गयी थी
१०
११ छोटे बच्चो को भी देखता था। ईन सब करनो से
१२ मै घर मे था।
१३
१४ -
१५ - चपड़ी मे था
१६ चपड़ी मे था
१७ चपड़ी मे था
१८ खुडरी खोचा मे
१९ खुडरी खोचा मे
२० चपड़ी मे था -
२१ चपड़ी मे था।
२२ चपड़ी मे था -
२३ खुडरी खोचा मे था
२४ खुडरी खोचा मे था
२५ सहुभाराड़ बिबेक स्याम के लेतर गया था
२६ ~~खुडरी खोचा मे था~~ सहुभाराड़ मे था।
२७ खुडरी खोचा मे था
२८ चपड़ी मे था -
२९ हेमब्रोम सहुभाराड़ खुडरी खोचा से -
३० गांव हुकुरडिहा मे था
३१ गांव हुकुरडिहा मे था

टोला के माईयो को उनकी बोलीमे सुनाता हूं और साम को प्रार्थना एक दो सलार माईयो को बचन सुनाना —

टोला मे माईयो तथा संसारी से मिलता और बात चित्त हासे बिबाद बातो को भी करते हैं।

(२) महिने की विशेष बात :—

(३) गिर्जे की हाजिरी :

			ख्रृस्तान	अख्रृस्तान
१ला एतवार	...	...		
२रा ,,	...	...		
३रा ,,	...	...		
४था ,,	...	...		
५वां ,,	...	...		

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ...

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या—

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या—

(७) महीने की मण्डली आमदनी—

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने २६-१०-६३ ता० को ८०१ रु० X न० पै०

उपदेशक महिने का तलब और X रु० X न० पै०

टी ए० और X रु० X न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु० ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता: — मिजो घर के टूटने से मिजो का टेम नहीं हो रहा है जो पैसा है उससे घर तैयार होना असम्भव है।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण — मिजो घर टूट जाने से मेरा रहना भी बहुत कठिन हो गया है कैसी बरसात है चारों तरफ से रह कर बास करता हूं - इतवार मिजो होना भी कठिन होता है और रात को भी एक टोला से दूसरा जाना आना जमा होना कठिन होता है - इस लिए टोला प्रोग्रेसिव समाज ही हो रहा है।

ता: 11-12-52 सही मनोहर लाल

13-10-62

सेप्टेम्बर

गोसनर एवं जेलिकल लूथेरान चर्च
जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव - खुडरीकोचा पोस्ट ग्राफिस - केदाडिह
जिला - सिंगभूम प्रान्त - बिहार
सेवक का नाम - मनोहर बाड़ा
सन - १९६२ के सेप्टेम्बर महिने का रिपोर्ट

१- खुडरी कोचा में था।
२- खुडरी कोचा में था।
३- खुडरी कोचा में था।
४- चक्रिडी में था --
५- चक्रिडी में था।
६- चक्रिडी में था
७- खुडरी कोचा गिर्जे के लिए गया। सास के सगाय-
८- गिर्जे किया। कोचा. शनिवार को पहुच कर घर २ घूमा।
९- गिर्जे किया।
१०- मंडु माराड़ गया था। रात को माझियों के घर में था।
११- सास के सगाय चक्रडी लौटा
१२- चक्रडी में था
१३- चक्रडी " "
१४- " "
१५- खुडरी कोचा गिर्जे के लिए गया
१६- " " में था।
१७ खुडरी कोचा में
१८ खुडरी कोचा से
१९ को घर से बिमारी का चिट्ठी पाकर घर गया
से
२६ ता तक घर में था,
२७ ता. को खुडरी कोचा
२८ ता. को " "
२९ ता. को " "
३० ता. को " "

मे खुडरी कोचा मे जब तक रहता हूं, संसार माझियों के घर
पैना होता है। चक्रडी मे भी इसी तरह संसारी धो को
नाचा करता हूं- इतना जिस घर मे रहता हूं, वहां हर सोम
प्रार्थना होती है। उसमे संसारी सगाय घर

हजीर रहते हैं: मैं 30 तारीक इतवार को पानी
से भिगने से सर्दी बुखार से बरसा 3-10-62
को घर आया. हूं आदी सात २ को बुखार और सिरदर्द
नहीं छुटा है. रोज रात २ को बुखार होते है। आज 10-62
को पैसा भेजा-

मैं आपका विश्वस्त

मनोहर काडा.

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव खुडरी लोचा पोस्ट आफिस केदाडिह

जिला सिंगभूम प्रान्त बिहार

सेवक का नाम मनोहर बाड़ा

सन १९८२ के अगस्त महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ चक्रधरपुर में हर रोज सुबह को प्रवचन पर सभाओं का प्रार्थना करना रहता है।
२ यीशु रहते हैं। खुडरी लोचा में एक परिवार के साथ प्रार्थना
३ चक्रधरपुर में कहीं जाने को सुबह वचन सुनाया
४ जोने गोड़ा मुराडा भाईयों के पास गया था
५ तबीयत कुछ खराब था, चक्रधरपुर में था।
६ केदाडिह गया था
७ घाटशिला गया था
८ खुडरी लोचा
९ खुडरी लोचा में था
१० गांव डुकुरडिहा गया था
११ मैं तो क्या काम किया।
१२ गांव में था। रोज ही -
१३ चक्रधरपुर मोटा बहन से केदाडिह गया था।
१४ चक्रधरपुर में था
१५ बुधवारी मीटिंग को पढ़ने था, चक्रधरपुर में था
१६ को गाड़ी सहाय को लाने के लिए पुरनापानी गया था।
१७ को गाड़ी सहाय से लाया था
१८ चक्रधरपुर में
१९ चक्रधरपुर में था।
२० को जोन जोर जोने का दाड़ाबाड़ी रहता है। खुडरी लोचा के भाईयों का सत्कार
२१ चक्रधरपुर में था।
२२ खुडरी लोचा में था
२३ खुडरी लोचा में था
२४ तेरे खुडरी लोचा में था भाईयों के साथ रहता था।
२५
२६
२७ को गांव डुमुरडिहा गया था।
२८ स्वास्थ्य घट जाने से लेने के लिए घर गया था।
२९
३० -
३१ - को पैसा चुड़ाया -

(२) महिने की विशेष बात :—

(३) गिर्जे की हाजिरी :

			ख्रृस्तान	अख्रृस्तान
१ला एतवार	...	...	५ —	× —
२रा ,,	...	...	अधिकरण नहीं अस्पिका	
३रा ,,	...	...	१३ —	×
४था ,,	...	...	२ —	× —
५वां ,,	...	...		

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ...

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए— ×

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— १२

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— ११

(७) महीने की मण्डली आमदनी— १ १/२ सेर चावल

,, का मण्डली पैसा— १

(८) मैं ने २१ ता: को ४.० रु: × न: पै:

१५ महिने का तलब और × रु: × न: पै:

टी ए० और × रु: × न० पै० अन्य बाबत पाया ।

(९) मैं ने ..... रु ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया ।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

ता: ४-६-६२ सही मनोहर लाड़ा

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिश्न बोर्ड

गांव खुडरी कोचा - के मे चपड़ी · पोस्ट आफिस कदाडिह

जिला सिंग भूम प्रान्त बिहार

सेवक का नाम मनोहर नाड़ा

सन १९६२ के जुलाई महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ को उरा मे था क्योंकि मुझे बिमारी पकड़ा था. डेढ़ार इस बिमारी का हल चल
२ मचा हुआ है. ग्रामो तक दो रोज तक उठ नही सका - साम को गिजी
३ प्रार्थना होता है. उसमे दो चार संसारी भी रहते है चपड़ी मे.
४ खुडरी कोचा में भाईयो को देख भाल और प्रार्थना किया -
५ खुडरी कोचा दूसरे टोला के भाईयों के पास
६ खुडरी कोचा संसारी भाइयो के घर में
७ गाल डुकुरीडेहा गया था
८ डुकुरीडेहा मे गिजी किया।
९ चपड़ी के एक बहिन का दवा खरीद ने दादा गया।
१० चपड़ी मे था।
११
१२ को सुनाया। खुडरी कोचा के भाईयो के पास गया। खुडरी कोचा जाते रास्ता मे भाई जनो
१३ उरा चपड़ी मे था। सबेरे दो संसारी भाइयो को गाना बचन सुनाया।
१४ प्रार्थना सभा
१५ कुमुरडिहा मे था. -
१६ पास के गांव मे घूमता था - मुंडासाई भाई जनो को सुनाया।
१७ पाड़ाडिहा
१८ बड़ाम फुट मे भाइयो के पास गया
१९ ढुवा के लिए डाक्टर के पास गया
२० प्रचारीन पाच्चो के लिए डाक्टर के पास गया
२१ ढुवा
२२ घर मे था। साम को पाड़ाडिहा गया था।
२३ पाड़ाडिहा दूसरे टोला मे भाई जनो को सच्चा धर्म के विषय बताया।
२४ हल्दीपोखर गया था
२५ ग्रामदा गया था, जगत नियोग प्रार्थना होना. मेरा के लिए बताया
२६ छुट्टी के लिए जोजाडे मे हल्दीपोखर गया था
२७ छुट्टी का दिन
२८ चपड़ी मोन की जगह में गया
२९ चपड़ी था।
३० खुडरी कोचा भाईयो के पास गया
३१ खुडरी कोचा मे भाईयो के पास -

(२) महिने की विशेष बात :—

(३) गिर्जे की हाजिरी :

		ख्रृस्तान	अख्रृस्तान
१ला एतवार	... ...	पहले दिन ५ दूसरे ६	— ०
२रा ,,	... ...	६	— ०
३रा ,,	... ...	ज्ञान से च	
४था ,,	... ...	नोंद से चा —	
५वां ,,	... ...		

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... .. — X

१ पुराने— —— १२—

२ नये जो बीते महिना हुए— X

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— १२

८

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या—

(७) महीने की मण्डली आमदनी—

,, का मण्डली पैसा— — ११

(८) मैं ने [redacted] ता: को ५०५ रु: X न: पै:

जून २ महिने का तलब और X रु: X न: पै:

टी ए० और X रु: X न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया ।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता: — इतवार को आई लोग बजार जाने के हड़बाड़ी में इतवार को हाँगि जौ में हर्जोर नहीं हो सकते हैं।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण — घुबान नहीं मिलने से घर घराई नहीं हुआ बैसलिए. खुरी कोचा में नहीं रहता हूं- घर चपड़ी में रह कर आईयों के पास जाना आना करता हूं।

ता: ..... सही ..... मनोहर बाड़ा

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Kumruikocha पोस्ट आफिस Kendadih

जिला Singhbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम Rev. Anthony Soy

सन १९६३ के May महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विसेष काम

१ स्कूल चलाया, बाद घर का काम किया।
२ स्कूल चलाया बाद मुनन्डार बजार गया, भाई इबिल के घर गया।
३ स्कूल चलाया, घर का काम किया।
४ स्कूल चलाया दुसरी बेला बोबार हुआ।
५ एतवार गिर्जा चलाया, बाद मुनन्डार बजार गये।
६ स्कूल चलाया, बाद गिर्जा घर को बत्ती लगाये।
७ स्कूल चलाया बाद सोमायडीह टूर किया को कोन्दा सन्तालो को प्रचार किया।
८ स्कूल चलाया, सोमा को पोलमु पुर्ती खाचा नक दुःख से पीड़ित था, सापरिवार मिलके
९ विन्ती हुई, बाद ईश्वर कोपया से चंगा हुआ।
१० स्कूल चलाया, बाद घर का काम किया।
स्कूल चलाया।
११ स्कूल चलाया, बाद गाब्रियल मरमद के साथ केन्दाडीह टूर किये।
१२ एतवार गिर्जा चलाया, बाद मुसावनी तलब लेने गया।
१३ मुसावनी से कुरुड़ी लौटे, सोमायडीह फुवाल खरीदने गया।
१४ स्कूल चलाया, बाद जंगल गया।
१५ स्कूल चलाया बाद Rev. J. Soy को भेजने के लिये पुरना पाती गये।
१६ स्कूल हुआ, बाद प्रभुभोज गिर्जा हुआ, बाद दो जोड़ों का शादी हुआ।
१७ स्कूल चलाया। लकड़ी लाये।
१८ स्कूल चलाया बाद घर का काम किया।
१९ एतवार गिर्जा चलाया, बाद मुसावनी बजार गया।
२० स्कूल चलाया, बाद दुसरी बेला हुंगरीडीह टूर किया।
२१ स्कूल चलाया, बाद गिर्जा घर बनाने का काट लाये।
२२ स्कूल चलाया बाद पोटन टोला टूर किया।
२३ स्वागरोहन गिर्जा चलाया।
२४ स्कूल चलाया, बाद घर का काम किया।
२५ स्कूल चलाया बाद लकड़ी लाये।
२६ एतवार गिर्जा चलाया, बाद मुनडाडार बजार गया।
२७ स्कूल चलाया, बाद फुवाल लाने गये।
२८ स्कूल चलाया, दुसरी बेला बुखार में था।
२९ स्कूल चलाया, बाद घर का काम किया।
३० स्कूल चलाया, बाद लकड़ी लाने गया।
३१ स्कूल चलाया, बाद रीपोर्ट तैयार किया।

(२) महिने की विशेष बात :— इस महीना गिर्जा विन्ती मीकदो चलता है।

(३) गिर्जे की हाजिरी :

			ख्रृस्तान	अख्रृस्तान
१ला एतवार	...	...	६	
२रा ,,	...	...	११	
३रा ,,	...	...	४	
४था ,,	...	...	६	
५वां ,,	...	...		

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ..

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— १८

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— १२

(७) महीने की मण्डली आमदनी— ६।।)

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने १२।५।६२ ता: को ६।।) रु: ..... न: पै:

अप्रेल महिने का तलब और ..... रु: ..... न: पै:

टी ए० और ..... रु: ..... न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ५) रु. २४ न० पै० फरवरी महीने का मनीऑ-

Rev. J. Soy के पास १६-५-६३ ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता: यहां निश्चय कम्पौन्ड भवन का जगह नहीं है इसके बारे में
बन्दोबस्त कर रहे हैं।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण - दुनिया के दशा भाजवा हालत बहुत ही बिगड़ गया-
है, इससे ४०) रु. चालीस रुपैया से छात कटना बड़ी
कठिनाई होती है, इस लिये तो आप ने बीने शिक्षा-
क्लास में हम लोगों के तलब बढ़ाने की बात कहे थे।
सो इसका कारण में हैं, पर अबतक उसका नाम्बर
पूरी नहीं होती है। इसलिये कृपया आप जरूर
तलब बढ़ाने का इन्तजाम करेंगे॥

ता: १६-५-६३ सही Rev. Anthony Soy.

To

= Rev" Director -

J. J. P Tiga

G & L. church: chaibasa

P O. chaibasa

Dist - Singhbhum.

Bihar.

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Kusumsilacha पोस्ट आफिस Kenalachih

जिला Singhbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम Bro. Anthony Soy

सन १९७२. के April महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विसेष काम

१ स्कूल चलाया, बाद गिर्जा को स्कूल घर का कुछ को सेतोवर चढ़ाये।
२ स्कूल चलाया, बाद दुसरी वेला घर का काम किया।
३ विमार में था।
४ विमार में था।
५ स्कूल चलाया बाद शुक्रुवार गिर्जा चलाया।
६ स्कूल चलाया।
७ रतवार गिर्जा चलाया।
८ स्कूल चलाया।
९ स्कूल चलाया, दुर्बलता के कारण दूर नहीं किया।
१० तलाव लेने के लिये सुसनवर्ग गया।
११ स्कूल चलाया, बाद घर का काम किया।
१२ मेला शुक्रुवार गिर्जा चलाया, बाद, घर छप्पने का फुवाल तलास किया।
१३ स्कूल बन्द किया, कमजोर होने से घर में रहा।
१४ रतवार गिर्जा चलाया। सुसनगाडा बजार गया।
१५ स्कूल चलाया।
१६ स्कूल चलाया।
१७ स्कूल चलाया
१८ स्कूल चलाया।
१९ स्कूल चलाया। बाद केन्दाडीह पोस्टआफीस गया। दर्जी को पुचारा किया।
२० स्कूल चलाया।
२१ रतवार गिर्जा चलाया, सुसनडार बजार गया।
२२ स्कूल चलाया, बाद घर छाने के लिये फुवाल लाये।
२३ स्कूल चलाया, बाद घर छाये। दुसरी वेला विकार खेले।
२४ स्कूल चलाया, बाद डुंगरीटोला दूर किया।
२५ स्कूल चलाया, बाद घर का काम किया।
२६ स्कूल चलाया, बाद नमूद गांव दूर किया।
२७ स्कूल चलाया, बाद कुसपो बेड़ा दूर किया।
२८ रतवार गिर्जा चलाया, बाद, बजार गया।
२९ स्कूल चलाया, बाद घोहन टोला दूर किया।
३० स्कूल चलाया, बाद केन्दाडीह पोस्टआफीस गया।
३१

(२) महिने की विशेष बात :— स्कूल को गिर्जे बिल्डी ठीक दे चलता है।

(३) गिर्जे की हाजिरी :

			ख्रृस्तान	अख्रृस्तान
१ला एतवार	...	...	७	
२रा ,,	...	...	७	
३रा ,,	...	...	२	
४था ,,	...	...	१०	
५वां ,,	...	...		

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ...

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या—

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या—

(७) महीने की मण्डली आमदनी— ३११=)

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने १०.४.६३ ता: को रु: ६.०.[illegible] न: पै:

मार्च महिने का तलब और रु: न: पै:

टी ए० और रु: न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु० ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता: किसी जगह या स्कूल पर बताना बहुत जरूरी है।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण - प्रचारक M. Baiva यहां नहीं रहने के कारण जितने लोग धर्म खोजक होते चहते थे, वे सब भी वर्तमान में ठण्डा हो गये हैं, पर खास है, कि वे फिर कहते हैं, कि, पहले प्रचार के समान आप नहीं रहेंगे तो हम लोगों को फिर बेचैनी बरबाद हो समाप्त हो जायेंगी। इन बातों के कारण थोड़ा कठिनाईयाँ होती है।

ता: 1-5-63 सही Dora Anthony Soy

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Kumurikocha पोस्ट आफिस Kendaclih

जिला Singhbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम Prachararak. Anthony. Ley.

सन १९६२. के March महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विसेष काम

१ डुंगरी डीह के ओदा से फुवाल स्व बेचने के बारे बातचीत किया।
२ फुवाल खरीदा और लाये।
३ बिहान को स्कूल मिटिंग हुई, बाद एतवार गिर्जा चलाया। मुमसाडर बजार गया।
४ पहीला बेला स्कूल चलाया, दुसरी बेला प्रचारक का घर छुरे।
५ बिहान स्कूल चलाया, दुसरी बेला बोम्बोरकोचा के तीरेन बोदरा को प्रचार किया।
६ बिहान स्कूल चलाया, बाद डुंगरी डीह दूर किया।
७ स्कूल चलाया, बाद घर का काम किया।
८ स्कूल चलाया बाद ऊपर टोली दूर किया। चार बजे उपवास गिर्जा चलाया।
९ बिहान को लुईस के घर में छुरब के सम्बन्ध में प्रार्थना हुआ। स्कूल चलाया।
१० बिहान को एतवार गिर्जा चलाया, बाद मुसाबानी बजार गया। जोड़िया बाबु के घर में रहे।
११ फगुवा पर्व के कारण स्कूल छुट्टी किया, मुसाबनी से घर लौटे।
१२ स्कूल चलाया बाद राजा टोला दूर किये।
१३ स्कूल चलाया, बाद ऊपर टोली दूर किये।
१४ स्कूल चलाया, बाद घर का काम किया।
१५ स्कूल चलाया, बाद चार बजे महाउपवास गिर्जा चलाया।
१६ स्कूल चलाया, बाद घर का काम किया।
१७ बिहान को एतवार गिर्जा चलाया मुमन्डार बजार गये।
१८ स्कूल चलाया, बाद घर का काम किया।
१९ स्कूल चलाया, बाद
२० बिहान स्कूल कर, तलाब लाने के लिये मुसाबनी जोड़िया बाबु के पास गये।
२१ स्कूल चलाया, घर का काम किया, सांझ को दृढ़ापन क्लास हुआ शुरु हुआ।
२२ स्कूल चलाया, महाउपवास गिर्जा चलाया।
२३ स्कूल चलाया, घर का काम किया।
२४ एतवार गिर्जा चलाया, बाद मुमन्डार बजार गये।
२५ स्कूल चलाया, बाद बोम्बोर कोचा को डुंगरी डीह दूर किये।
२६ स्कूल चलाया, दुसरी बेला बुखार हुआ।
२७ स्कूल चलाया, बुखार हुआ।
२८ स्कूल चलाया, बुखार हुआ।
२९ स्कूल चलाया, बुखार हुआ।
३० स्कूल चलाया, दुसरी बेला बुखार हुआ।
३१ एतवार गिर्जा चलाया, बुखार होने के कारण बजार नहीं गया।

(२) महिने की विशेष बात :— स्कूल और मंडली का काम तो ठीक ही चलता है।

(३) गिर्जे की हाजिरी :			खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार	...	...	८	३
२रा ,,	...	...	१२	७
३रा ,,	...	...	६	-
४था ,,	...	...	९	
५वां ,,	...	...	६	

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ...

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— १२

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— १०

(७) महीने की मण्डली आमदनी— २१)

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने ...२०...३...६३... ताः को ...६०)... रुः ... नः पैः

...फरवरी... महिने का तलब और ... रुः ... नः पैः

टी ए० और ... रुः ... न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु० .... न० पै० ....

के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता: ~~गिर्जा घर~~ अब तक तैयार नहीं है, प्रचारक का घर जैसा कैसा तैयार है। गिर्जा घर बनाना तो शुरु कर रहे हैं हैं, पर फुवाल लेना है, सैनीवर और जांगी तो गांव वाले लोग हैं, पर अब तक पूरा नहीं है। इसलिये फुवाल लेने का ~~कोशिश~~ खर्च १६) रु० सीय बाबु के जरीये भेज दीजियेगा।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण - यहां रहना बहुत तकलीफ मालूम करते हैं, क्योंकि पहाड़ के ऊपर और पत्थरीली जगह में समथल नहीं है, और पानी का भी तकलीफ है।

ता: २.५.६२ सही Isra-e Anthony. Soy.

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Kumurikocha पोस्ट आफिस Kenladih

जिला Singhbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम Thachuvalkal Anthony Joy.

सन १९६३ के February महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विसेष काम

१ कुकड़ी कोचा पहुंचे ग्राम को ४ पुरुषोत्तम गिर्जा हुआ।
२ बिहान को बेकुडीह तक सोय पादी को पहुंचा दिया।
३ इतवार गिर्जा चलाया। शाम को मनसिंह के घर में परिवार समाज हुआ।
४ प्रचारक का घर बनाने के लिये लकड़ी खोजा और लाये। रीपोर्ट तैयार किया।
५ प्रचारक का घर बनाये।
६ प्रचारक का घर बनाये।
७ केन्दाडीह पोस्ट आफीश गया।
८ प्रचारक का घर बनाये।
९ प्रचारक का घर बनाये।
१० इतवार गिर्जा चलाये
११ प्रचारक का घर बनाये।
१२ प्रचारक का घर बनाये।
१३ प्रचारक का घर बनाये।
१४ प्रचारक का घर बनाये।
१५ प्रचारक का घर बनाये।
१६ प्रचारक का घर बनाये।
१७ इतवार गिर्जा चलाये। कुमन्डार बुजार गये।
१८ खाता बनाने के लिये मकटा काटे
१९ घर बनाये।
२० खाता लगाये
२१ बांस खोजे और पुवाल तलास करने के लिये डुंगरी टोला गये। परिवार समाज हुआ।
२२ घर छरने के लिये पुवाल खरीदने गये और लाये।
२३ घर बनाये, वहां के भाई से चर्च और स्कूल के लिये बातचीत हुई।
२४ इतवार गिर्जा चलाये, बाद मुसाबनी बजार गया
२५ हमारे मगीता डगा के घर में बिवाह का भोज का सामील हुआ।
२६ हमारे मगीता डगा के बुलाये अनुसार डुंगरी डीह गया।
२७ मस्म कुछ वार का गिर्जा हुआ।
२८ रीपोर्ट तैयार किया और केन्दाडीह पोस्ट आफीश गया।
२९
३०
३१

(२) महिने की विशेष बात :— यहां का एक प्रचारकघर और विशेष गिर्जाघर बनाना आवश्यक है।

(३) गिर्जे की हाजिरी :

		खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार	... ...	२०	
२रा ,,	... ...	१०	
३रा ,,	... ...	१०	
४था ,,	... ...	१३	
५वां ,,	... ...	५	

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ...

१ पुराने— २

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— १४

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— १०

(७) महीने की मण्डली आमदनी— २रु० चन्दा आने (२ IIE))

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने ३१-१-६३ ता: को रु: ४०।रु० न: पै:

जनवरी महिने का तलब और रु: न: पै:

टी ए० और रु: न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने सोय बाबू को ~~को~~ ~~ने~~ ~~ता:~~ ~~को~~ —

~~के पास ..... ता: को भेज दिया।~~ जुलाई महीने से दिसम्बर १९६८ई का
नामदी १४-) दे ~~दिया~~ + सोय पादरी को दिया

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता: यहां के मंडली में स्कूल चलाना आवश्यक है।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण - दुनियां के खराफ हलत के कारण आर्थिक दशा के-
खराब है। इसीलिये यहां जीवन बीताना कठीन
अुम्माता है।।

ता: 22-3-69 ई० सही Para-C.I. Soy.

To

Rev. Director -

J. J. P. Tiga G. Ev. L. church

Chaibasa

P. O. Chaibasa

Dist - Singhbhum

Bihar

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Kurwirkocha पोस्ट ऑफिस Kendadih.

जिला Singhbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम Antony Soy

सन १९६४ के August महिने का रीपोर्ट

१ प्रतिदिन का विशेष काम

१ लकड़ी लाने गया बाद घर का काम किया।
२ रतवार गिर्जा चलाया बाद मुसाबनी बजार कर शाम को जकरीयाह के घर में रहे, मंज सेदब के घर में क्रिन्तो समाज चलाये।
३ कुकड़ीकोचा लौटे।
४ लकड़ी लाने गया बाद घर का काम किया।
५ सोमाइडीह दूर कर शाम२ को घर लौटे।
६ बेटा सलन को हमारे लिये दवाई लाने के लिये मुबन्डार गये।
७ घर का काम किया बाद रतवार गिर्जा के लिये बचन का ध्यान किये
८ गांव का मदूर्वत काम में गये। शाम२ को योहन के घर में समाज चलाये
९ रतवार गिर्जा चलाये बाद मुबन्डार बजार गये।
१० पानी बरसने के कारण घर में थे, रतवार गिर्जा का बचन तैयारी किये
११ घर का काम कर सोमाइडीह दूर किये।
१२ घर के काम में था।
१३ लकड़ी लाने जंगल गया।
१४ मोवाइ बुढ़ा का मदूर्वत काम किये।
१५ घर का काम कर रतवार गिर्जे के लिये तैयारी किये।
१६ रतवार गिर्जा चलाया उसके बाद मुबन्डार बजार गया।
१७ बोखार में थे।
१८ बोखार में थे।
१९ कसीडीह दूर किये।
२० कसीडीह दुबराज का मदूर्वतकाम किये। खुस्तान धर्म का समझौता दिये।
२१ घर के काम में थे।
२२ सादी बुधवार के कारण घर में थे।
२३ रतवार गिर्जा चलाये बाद मुसाबनी बजार गये।
२४ घर के काम में थे।
२५ सन्दु चौनिया का मदूर्वत काम में गये।
२६ कसीडीह दूर किये।
२७ लकड़ी लाने गया बाद कसीडीह दूर किये।
२८ कसीडीह दूर किये।
२९ घर का काम कर रतवार गिर्जे के लिये तैयारी किये।
३० रतवार गिर्जा चलाये।
३१ सौदा लेने के लिये कोन्डाडीह गये।

(२) महीने की विशेष बात:— इतवार गिर्जा ठीक ही चलता है।

(३) गिर्जे की हाजिरी:

		खूस्तान	नाखूस्तान
१ला	इतवार	६६	
२रा	,, ...	८	
३रा	,, ...	१०	
४था	,, ...	५	
५वाँ	,, ...	८	

(४) धर्म खोजकों की संख्य
१ पुराने—
२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) ज्ञान पाये हुओं की कुल संख्य — १६

(६) दृढ़करण पाये हुओं की कुल संख्य १४

(७) महीने की मसाहली नामदनी — २ रु० २ नये पैसे
,, का मसाहली पैसा —

(८) मैं ने ७८६६ ता: को ४५ रु० ० नये पैसे
जुलाई महिने का तलब गोर रु० नये पै०
टी रु० कोर रु: नये पै० कान्य वावत
पाया।

(९) मैं ने ..... रु० ..... नं० पै .....
के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) आपने सरकारी की विशेष आवश्यकता: यहां मिशन फिल्ड के नाम से जगह का विशेष आवश्यकता है, पर सोसाइटीह के सन्तालो जगह देने नहीं चहने के कारण ~~क्यों~~ कोब तक नहीं बन्दोबस्त किये हैं।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण - मेरा तबीयत ठीक नहीं है इसलिये आज कल बहुत संकट से दिन बिताते हैं।

ता: 3-६-६४ ई.

सही Antony Soy. Kurwikacha.

कुरुड़ी कोचा मिशन फिल्ड ता: ८-७-६४।

मान्यवर रेव-डैरेक्टर जे० जे० पी० तीगा को यीशु सहाय-

आप लोगों का कुशल मंगल ईश्वर पिता की दया से होता रहे। देवा मंडली के भाई बहीन अच्छे हैं, पर मैं ता: १०-६-६४ से आज काल तक बिमार में पड़ा हूं, जिस के कारण धर्म प्रचार का काम भी ठीक से नहीं कर सकता हूं; केवल गिर्जा बहुत मुश्किल से चला रहा हूं। ऐसे दुःख के कारण जून महीने का रीपोर्ट जैसा चहीये वैसा नहीं भेज सकता हूं, सो कृपाया माफ कीजिये। आप की चिट्ठी मिली है- धन्यावाद- पर मैं अम्मुवा बेटा के दुःख के कारण जाने नहीं सका, रीपोर्ट फार्म अब तक नहीं मिला है।

गिर्जा हाजरी- - - -

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Kusumitocha पोस्ट आफिस Kendadih

जिला Singhbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम Pracharak Anthony Soy

सन १९६५: के April महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विसेष काम

१ बिमार के कारण घर में था।
२ बिमार में था।
३ इतवार गिर्जा चलाया।
४ बिमार में था।
५ बिमार में था।
६ बिमार में था।
७ स्वीगरोहन पर्व का गिर्जा चलाया।
८ दुर्बलता के कारण घर में था।
९ बिमार के कारण टूर नहीं किया रीपोर्ट लिखा।
१० इतवार गिर्जा चलाया।
११ रीपोर्ट चलान के लिये केन्दाडीह गया।
१२ घर का काम किया।
१३ घर का काम किया।
१४ केन्दाडीह होते हुए मुमन्डार बजार गया।
१५ बोखार में था।
१६ घर का काम किया।
१७ पेन्तिकोष्ट पर्व गिर्जा चलाया बाद मुमन्डार बजार गया।
१८ डुंगरी टोला टूर का बेटा बिमार के कारण घर का काम किया।
१९ लकड़ी लाने जंगल गया।
२० घर का काम किया।
२१ बर्फी के लिये लकड़ी काटने गया।
२२ लकड़ी काटा।
२३ घर का काम किया।
२४ इतवार गिर्जा चलाया बाद बेटा सन्तोष का दवाई लाने के लिये मुमन्डार गया।
२५ घर का काम किया।
२६ घर का काम किया।
२७ घर का काम किया सान्यवर जे० सोय आये थे, शाम को प्रभुभोज गिर्जा हुआ।
२८ पादरी जे० सोय को फुरता पती ले गाये थे।
२९ घर का काम कर ऊपर टोली टूर किया।
३० लकड़ी लाने जंगल गया।
३१ इतवार गिर्जा चलाया, बाद मुमन्डार बजार गया।

(२) महिने की विशेष बात :— इतवार गिर्जा ठीक हो चलता है। परन्तु संन्तालो को मुन्डा जब तक धर्म्म खोजक नहीं चहते हैं।

(३) गिर्जे की हाजिरी :			खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार	...	...	८	
२रा ,,	...	...	७	
३रा ,,	...	...	७	
४था ,,	...	...	११	
५वां ,,	...	...	७	

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ..

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या—

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या—

(७) महीने की मण्डली आमदनी— ४।।।=)।।

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने २२-२-६८ ता: को ..... रु: ..... न: पै:

..... महिने का तलब और ..... ६) रु: ..... १० न: पै:

टी ए० और ..... रु: ..... न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु० ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता: इस मिश्न फिल्ड के नाम से जगह की जरूरत है, पर अब तक जगह नहीं बन्दोबस्त कर सकते हैं। क्यों कि इधर के किसान जगह देने नहीं चह रहे हैं।।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण - धर्म प्रचार काम में कठिनाईयां होती है क्यों कि फिल्ड को सब अपने २ मंन्त्री काम में जाते हैं। और जिस के कारण आदमी ठीक नहीं मिलते हैं।।

ता: 6.6.62 सही Anthony Soy

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Kuarikocha पोस्ट आफिस Keendadih

जिला Singhbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम Pracharak Anthony Soy

सन १९६४ के March महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ चलकुंगी से चैंवासा लौटा को नकरोयाद छेरो के घर में रहा।
२ चैंवासा से कुडुड़ कोचा पहुंचा।
३ घर का काम किया।
४ रीपोर्ट लिखा को बिमारीयों को सेवा किया।
५ योहन के घर में परिवार समाज चलाया।
६ मुबराछार बजार गया।
७ मोरई चौनिय जो चार महिने से बन्धा हो गया था, घारसिला डकुर के यहं ले गये।
८
९ डुंगरीडीह टूर किया।
१० रतवार गिर्जा चलाया, बाद मुबरछार बजार गया।
११ घर का काम किया।
१२ डुंगरी डीह टूर किया।
१३ घर वाले बिमार में थे, इससे घर का काम किया। भस्मबुद्ध का गिर्जा चलाया।
१४ गांव का मद्दाइत काम किया।
१५ बोखारा में था।
१६ झुमदी बेड़ा को नकटी गांव टूर किया।
१७ रतवार गिर्जा चलाया।
१८ रुपैया छुड़ाने के लिये केन्दाडीह गया।
१९ सोमाराडीह को डुंगरी डीह टूर कर बासर को मनसिद्ध के घर में परिवार बिन्ती चलाया।
२० मुसाबनी गया, तीन परिवार के घर में, परिवार बिन्ती कर, बजार किया।
२१ मुसाबनी से लौट कर घर का काम किया।
२२ नोएल मास्टर के सहायता पर स्कूल चलाया, बाद शुक्रवार गिर्जा हुआ।
२३ झुमदी बेड़ा देवगाम को धर्म को स्कूल का समझौता दिया। स्कूल चलाया।
२४ रतवार गिर्जा कर, मुबरछार बजार गया।
२५ बिहान को राता टोला टूर कर स्कूल चलाये।
२६ सबेरे केन्दाडी टूर कर, स्कूल चलाये।
२७ स्कूल चलाये।
२८ ~~स्कूल चलाये, बाद शुक्रवार गिर्जा चलाया। स्कूल चलाया।~~
२९ स्कूल चलाये, बाद शुक्रवार गिर्जा चलाया।
३० मार्चिंग स्कूल कर, रीपोर्ट तैयार किया।
३१

(२) महिने की विशेष बात :— स्कूल-को गिर्जा शेक दे चल रहा है, इस साल हम छुरड़ी कोचा के माई को डुंगरी टोला के माइयें से सलाह है कि प्रचारक का घर डुंगरी छेद में बनाया जाय, जिससे उसके लिये जगह का बन्दोबस्त कर दे हैं।

(३) गिर्जे की हाजिरी :

			खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार	...	...	×	×
२रा ,,	...	...	७	
३रा ,,	...	...	१३	
४था ,,	...	...	६	
५वां ,,	...	...		

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ...

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या—

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या—

(७) महीने की मण्डली आमदनी— २१७

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने १७-२-६६ ता० को ६० रु० ० न० पै०

जनवरी महिने का तलब और रु० न० पै०

टी ए० और रु० न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु० ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता: हम लोगों को बिचार से मिश्र फिल्ड
युधंला
नीचे टोला डुंगरीडीह में कुछ की आव-
श्यकता: होती है, और वहां लगाने
का भी प्रबन्ध हो रही है।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण - इस मिश्र फिल के प्रचार ते में संन्ताली को
दो जाती अन्धबुझ से खुस्तरा आदि को
जाती समझ कर घृना करते हैं इस लिये
प्रचारने में कठीनाईयां वर्तमान में हो रही है।

ता० 2-2-48 सही Pracharak of Anthonysoy

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव Kuruikocha पोस्ट आफिस Kendadih

जिला Singbhum प्रान्त Bihar

सेवक का नाम Bacharak e Antony Soy.

सन १९७५ के January महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विसेष काम

१ नया साल का गिर्जा चलाया।
२ स्कूल शुरु किया।
३ स्कूल चलाया।
४ स्कूल चलाया।
५ इतवार गिर्जा चलाया।
६ क्रिष्मस पर्व्व के लिये स्कूल छुट्टी किया।
७ रुपैया छुड़ाने के लिये केन्दाडीह गया। बाद स्कूल चलाया।
८ स्कूल चलाया, बाद ऊपर टोली योहन के घर में परिवार समाज चलाया।
९ गांव में मरन था, इसलिये स्कूल छुट्टी था।
१० स्कूल चलाया।
११ स्कूल चलाया।
१२ इतवार गिर्जा चलाया बाद मुमन्डार बजार गया।
१३ स्कूल चलाया।
१४ पुरा पर्व्व के लिये स्कूल छुट्टी था।
१५ पौलुस के साथ सोमयडीह आ डुंगरी टोला टूर किये।
१६ शोफ के बाबत में पौलुस के घर में खान पान हुआ।
१७ स्कूल चलाया।
१८ स्कूल चलाया।
१९ इतवार गिर्जा चलाया बाद मुमन्डार बजार गया।
२० स्कूल चलाया।
२१ पन्चों के फैसला अनुसार स्कूल बन्द किया, विध्यार्थियों को बोर्ड स्कूल में भेज दिये गये।
२२ बेटा क्रिसमस को खोजने के लिये देखा गया। चक्रधरपुर लें० सोप के घर में रहे।
२३ चिरुडु पहुंचा।
२४ चिरुडु में रहा।
२५ ठीक पेत्ता नहीं पाने के कारण सगरा गांव गया।
२६ विहान को चुकरु जाने का प्रोगाम किया।
२७ ड्रेरकार को भेंटने के लिये नकरी जाने का प्रोगाम किया।
२८ नकरी पहुंचे ड्रेरकार सहेब को आदर सहीत भेन्ट किये।
२९ चुकरु में चिट्ठी के द्वारा पता मालुम हो कर चलुंगी गया, बेटा को पाया।
३० चलुंगी में रहा जड़ोया मेला गया।
३१ जड़ोया मेला गया।

(२) महिने की विशेष बात :— इतवार गिर्जा को स्कूल होकर चलता है, पर स्कूल पंचों की सलह से, सोमायडीह होता के रोला डुगडीह मंगोड के ओर से स्कूल मजूती होने को है इसलिये यहां के विद्यार्थीयों को डुगडीह बोड स्कूल मे पढ़ने जाते हैं।

(३) गिर्जे की हाजिरी :		खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार	... ...		
२रा ,,	... ...		
३रा ,,	... ...		
४था ,,	... ...		
५वां ,,	... ...		

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ...

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या—

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या—

(७) महीने की मण्डली आमदनी— ३)॥

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने ~~२-६-१९४६~~ ता: को ~~२-६-४६~~ रु: ..... न: पै:

~~दिसम्बर~~ महिने का तलब और ..... रु: ..... न: पै:

~~टी.ए. और~~ ..... रु: ..... न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु० .... न० पै० ....

के पास ..... ता: कोरेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता: यहां मंडली के नाम से जगह नहीं है, इसलिये मंडली के नाम से जगह बन्दोबस्त करने की विशेष आवश्यकता होती है।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण – इधर के संन्तालो लोग खुस्तान धर्म को घीन करते हैं, जिस कारण अब तक धर्मी खोपक नहीं होते हैं।

ता: 2-2-[illegible]

सही Anthony Soy.

1 बोंगा जंगा Mission Report का रिपोर्ट इस प्रकार है
१ई ६'२ ई० के जनवरी महीना का ।

१-१-६'२- को मया लाल का गिर्जा चलाया बोंगा जंगा में ।

२-१-६'२- को- इली बेला स्कूल चलाया, इरी बेला जोम्बोरी स्कूल के मास्टर से बात चीत करने गया कि इस लरन का शिक्षा मानली के विषय ।

३-१-६'२ को इली बेला चक्रधरपुर गया इरी बेला लौटा कारता सेन्ट्रल इंजेलन बुलाया ।

४-१-६'२ को, इली बेला स्कूल चलाया, इरी बेला मोतीडी टूर गया समाज किया ।

५-१-६'२- को- इली बेला स्कूल चलाया इरीबेला जोम्बरो टूर गया ।

६-१-६'२ को इली बेला स्कूल चलाया इरी बेला पोस्टआफिस गया ।

७-१-६'२ को, बोंगा जंगा में गिर्जा चलाया ।

८-१-६'२- को इली बेला स्कूल चलाया इरीबेला बाजार सौदा किया ।

९-१-६'२ को- इलीबेला कुंवर सिंह को खूस्तान समाज के विषय समझाया । इरी बेला स्कूल चलाया ।

१०-१-६'२- को इली बेला गुंराचुगा दुगया इरी बेला स्कूल चलाया ।

११-१-६'२ को, इली बेला पोस्टिस गया इरी बेला स्कूल चलाया ।

१२-१-६'२ को, इली बेला बैवल स्टाडी, इरी बेला स्कूल चलाया ।

१३-१-६'२ को इली बेला इंडिरेक्ट साल्व के ग्राने का तैयारी किया इरी बेला स्कूल चलाया ।

१४-१-६'२ बोंगा जंगा में गिर्जा ~~चलाया~~ नहीं चलाया डाइरेक्ट साल्व किया ।

१५-१-६'२ को, इली बेला भाईयों को कुसमाचार सुनाया और महिमानों का खान पान का तैयारी किया । इरी बेला गिर्जा में उपदेश दिया ।

31 के साथ था ।

१४-२-४२. को तेरही दरख्वास्त के लिए रोकनो गया, इसी बेला नौरा दोनों लश्मण धर्म का ज्ञान लोगों को बतायो।

१६-२-४२ इसी बेला लकड़ी काटा इसी बेला स्कूल चलाया।

१२-२-४२ इसी बेला बैंबल लड़ी किया। इसी बेला स्कूल चलाया।

१६-२-४२ को, इसी बेला रोकनो तेरही दरख्वास्त का खोद लेने के लिए गया, इसी बेला टिकनी न रहने के कारण वहीं ठहरा।

२०-२-४२ को दोनों बेला रोकनो में रहा क्योंकि टिकनी खोद नहीं मिलाया दोनों बेला पौरुष के जी: उर्वा के विषय भाईयों को बताया।

२१-२-४२. को, खेत जंगा में रिजा चलाया।

२२-२-४२ को, - इसी बेला स्कूल खोला, इसी बेला बाजार सौदा किया।

२३-२-४२ को, इसी बेला प्रचार का कुकाश को समझाया तेरही लिए गया क्योंकि छुट्टी होकर नी नहीं गया।

इसी बेला स्कूल चलाया।

२४-२-४२- को, इसी बेला उपदेश तैयारी किया, इसी बेला स्कूल चलाया।

२५-२-४२ इसी बेला कुकाश दादा मेरे पास आया दोनों जन- से कुंवर सिंह के स्त्री को धर्म के लिए किट दृढ़ किया।

२७-१-१२. को इसी वेला मोलीड़ी बहिन बीमार थी उसके सेवा के लिए गया। इसी वेला स्कूल चलाया।

२७.१.१२. को.- इसी वेला चक्रचटपुर गया, इसी वेला बोरा करसा तलाक वेला जाने गया।

२८-१-१२ को. बोरा जंगा में मिटा चलाया।

२९-१-१२ को. इसी वेला स्कूल चलाया इसी वेला बाजार सौदा किया। एक भाई को स्वस्थान धर्म के विषय समझाया।

३०-१ १२ इसी वेला बरेडी में एक बीमारी बहिन की सेवा की। इसी वेला स्कूल चलाया।

३१-१ १२ को गोविन्द को बहा पर कत्ल ले आया हड़िया के लेवा इसके विषय बताया। इसी वेला स्कूल चलाया।

हिदायतें

१ कि यहां थोड़े ही लोग धर्म खोजक हैं और आप को आशा देखते हैं कि किट कब आवेगा।

२ बरेडी से उत्तर एक गांव है कोटवाड़ा वहां वे नाइट स्कूल चाहते हैं उन्हें एक इंगलिश मास्टर सुचय्य है क्वार्टर ठीक है इसी प्रकार यहां की मंडली की मांग थी सुव मंडली बनी है इस को भी ध्यान करना अत्यन्त सुवश्य है।

३ प्रचार तेज़ करना अभी दो तीन महीने में जरूर तैयार करना है क्योंकि कुंवार सिंह बनाने वाले हैं। गिर्जा घर जरूर और जल्दी बहेड़ी में बने लोगों के स्वस्थता चर्म में आने एक चाहते हैं। स्कूल पर ज्यादा जोर दीजियेगा।

४, कुंवार सिंह को कुंवरा कुंवरी बिन्ती कुंवरी विश्व को तरफ से मिले क्योंकि वह बहुत खुशी है।

५ हम प्रचार को का पैसा फिर उन सिंह मूल वालों के लिए जमा बढ़ाइए क्योंकि मिशन फील्ड में यहां सब चीज महंगी है विशेषकर चावल इसकारण जरूर ज्यादा खर्च करेंगे।

६ मैं यह भी कहती हूं कि फरवरी महीना में मार्च महीना का तलाक मिलेगा क्योंकि उन दिनों में कुछ बड़ा पैसा ले मिलता है कुछ रख सकें।

ता: 2-2-82 - प्रभु का विश्वास्त
बहेगा जंगल प्रचारक
खानखल केरकेटा।

बोंगा जंगा मिशन फिल्ड — सितम्बर महीना का रिपोर्ट इस प्रकार है

१ से ४ तारीख चाईबासा में शिक्षा ग्रामण में रहा।

५-९-६१, को सुबह डेरा बोरेटा दोनों बेला चला कर डेरा पहुंचा।

६-९-६१ को बार बार लड़का बीमार था, दवा लेने चक्रधर पुर गया १ बी बेला गया इसी बेला बोरेटा।

७-९-६१ को १ ली बेला बालक का सेवा में रहा २ री बेला शीशी वटा दवा लाने गया।

८-९-६१ को दोनों बेला बीमारी बालक का सेवा किया।

९-९-६१ — " १ ली बेला बालक के साथ रहा, २ री बेला गुरगुरा और सूरकुंडा डूर गया कारण फिर से गिर्जा करने के लिए।

१०-९-६१ को बोंगा जंगा में गिर्जा चलाया।

११-९-६१ — को १ ली बेला शीशी वटा का प्रचारक के साथ प्रचारिनि का दवा बनाया। २ री बेला बाजार सौदा किया।

१२-९-६१ को १ ली बेला बीमारी बालक का सेवा किया। २ री बेला गन्डीकोचा डूर वहां के स्वस्थान भाई से १ला मुलाकात।

१३-९-६१ को १ ली बेला काड़ी काटा, २ री बेला शीशी वटा दवा लाने गया।

१४-९-६१ को — दोनों बेला रंजा काटा।

१५-९-६१ — को — १ ली बेला बालक का सेवा किया, २ री बेला डेरा रास्ते में १ भाई को स्वस्थानी जीवन के विषय बताया और शिक्षा दी किया।

१६-९-६१ को, — १ ली बेला उपदेश तैयारी, २ री बेला बालक का सेवा किया।

१७-९-६१ — को, — बोंगा जंगा में गिर्जा चलाया।

१८-९-६१ — को — १ ली बेला स्कूल चलाया, २ री बेला बाजार सौदा किया।

१९-९-६१ — को — १ ली " " " २ री बेला शीशी वटा दवा लाने गया।

२०-९-६१ — को १ ली " " ", बीमारी बालक के सेवा में रहा।

२१-९-६१ — को १ ली बेला स्कूल चलाया, २ री बेला उपदेश तैयारी किया।

२२-९-६१ — को १ ली " " " २ री " मोसोड़ी डूर गया और समाज किया।

२३-९-६१ — को १ ली " " " २ री " बांकी बाजार गया चीक कपड़ा खरीदने रास्ते में मृत पूजा छोड़ कर ईश्वर पूजा के विषय बताया।

२४-९-६१ बोंगा जंगा में गिर्जा चलाया।

२५-९-६१ को १ ली बेला स्कूल चलाया, २ री बेला बाजार सौदा किया।

२६-९-६१ को, दोनों बेला बुखार हुआ।

२७-९-६१ को १ ली बेला स्कूल चलाया, २ री बेला गिर्जा घर बनाया।

२८-९-६१ को, १ " " " " २ री " खराशुगा बाजार गया और सब स्वस्थान भाईयों का समाचार मालूम किया एक भाई को मन का शान्ति (वचन) दिया।

२९-९-६१ को, १ ली बेला पानी जोर के कारण कुछ करने नहीं सका। २ री बेला उपदेश तैयारी किया।

३०-९-६१ का दोनों बेला गिर्जा घर बनाया। क्योंकि पानी के कारण खराब हो गया और गिर्जा घर के नीचे से भी पानी निकल रहा है।

हिदायतें

(१) बेड़ा वगैरा का चरखा टूट गया तथा मेरे आने के पहले ही से है आवाज ठीक नहीं है इस कारण कारखाना बंदी बराबर का घपला कर फिर ऊपर से जितनी रुपैया लगेगा देने की कृपा करें क्योंकि सोप को चरखा सौंप दिया है। इस पर यथोचित विचार करें।

(२) मेरा चाईबासा जाने और आने में खर्च इस प्रकार है

जाने में बंडिया कुशुम से चाईबासा ।।।=) रुपैया।
स्टेशन से होता रेलवा खर्च ।)

जाने में खर्च हुआ ६=)

लौटने का खर्च—
होता से स्टेशन रिक्शा भाड़ा ।)
चाईबासा से चक्रधरपुर गाड़ी भाड़ा ।।=)

आने का खर्च ।।।=)
जाने का ।। ६ =)

जमा खर्च आने जाने का २ -) है।

(३) हम लोग दो ही प्राणी हैं परन्तु इन तलाकों से हमों का गुजारा नहीं चलता इस कारण कम से कम ६५) रुपैया और देने की कृपा करें, ताकि हम लोग प्रचार के काम और प्रचार में बाधा न हो क्योंकि सिंहभूम पहले में बढ़ गई है।

(४) इस जगह में प्रचार का डेरा नहीं है आने वाले साल के लिए अभी से चिन्ता करें। ताकि जोइंट मिशन बोर्ड से रिक मांगा नहीं

बीजा जंगा मिशन फिल्ड
अगस्त महीना का रिपोर्ट
इस प्रकार है।

१-८-६१ को १ली बेला स्कूल चलाया,
२री बेला बुधवार हुआ।

२-८-६१ को चक्रधरपुर १ली बेला गया, और दूसरी बेला लौटा
बुधवार और सिरदर्द का दवा लाने के लिए।

३-८-६१ को — दोनों बेला बुधवार हुआ।

४-८-६१ को १ली बेला स्कूल चलाया, २री बेला प्रोग्राम बनाया।

५-८-६१ को १ली बेला काही काटा, २री बेला प्रचारिन की सिरदर्द का दवा
बांटने केरा गया।

६-८-६१ को बीजा जंगा में मिटिंग चलाया।

७-८-६१ को १ली बेला स्कूल चलाया, २री बेला बाजार सौदा किया।

८-८-६१ को "१ली बेला उपदेश तैयारी - ३०-८-६१ के लिए।
२री " बांजी भेजा गया वहां सोमन प्रचारक है
उसके प्रचार का विषय चर्चा किया।

९-८-६१ को १ली बेला स्कूल चलाया २री बेला कुंवार बाबू से उड़िया
भाषा सीखा।

१०-८-६१ को १ली बेला स्कूल चलाया, २री बेला कुछ बुड़। झरांग
दूर गया, १ बालक के विषय मिशन हास्पिटल से लौटाया।

११-८-६१ को- १ली बेला स्कूल चलाया, २री बेला उपदेश तैयारी किया।

१२-८-६१ को १ली बेला स्कूल चलाया, २री बेला काही काटा।

१३-८-६१ को बीजा जंगा में मिटिंग चलाया।

१४-८-६१ को १ली बेला से चाईबासा यात्रा प्रारम्भ किया और
रात की ११ बजे चाईबासा पहुंचा।

हिदायतें

१ बरेड़ी में एक घर धर्म के जेलें थे वे पहलो बिनती इत्यादि से काम होते थे
पर अब वे फिर बाँट गये बचाते फिर खेजा अनुभव।

२ मेरा स्कूल है इस कारण मैं चाहता हूं सो इन बच्चों का दाम
लिखें और स्कूल सम्बन्धी कुछ खोजकर भी चाहिए।

३ ६० रु. से केवल खाना पीना साधारण बिना घर होता है सो दवा
इत्यादि भी खरीद नहीं सकते हैं इस कारण कुछ इस पर
बहुत ही ध्यान दीजिये ताकि प्रचार में बाधा न हो सके।
अतिरिक्त १) रुपैया में २ हैं से चावल मिलता है।

४ यहां प्रचारक कोहर नहीं है इसके विषय आप बहुत ध्यान देवें।

आप का शिक्षार्थी आशुरु का केर केरा बीजा जंगा बरेड़ी
मिशन फिल्ड।

महामान्यवर साईकर साहब
बोंगा जंगा फुलाई महीना का रिपोर्ट
इस प्रकार है।

१-७-६६ को - १ ली बेला स्कूल बरेड़ी में चलाया, २री बेला लोबोयास का चौकीदारी रसिद खोजा खोजते २ हैरान हुआ, अन्त में ६६५६ ई० का रसिद लेकर तहसिलदार के यहां गया। और रिपोर्ट को सरिहाया।

२-७-६६ को - बोंगा जंगा में गिर्जा चलाया।

३-७-६६ को - १ ली बेला स्कूल चलाया, २री बेला बाजार में सौदा किया।

४-७-६६ को - १ ली बेला स्कूल चलाया, २री बेला सरकड़ा टूरू गया और एक मैर मसीही को गलतविचार के विषय बताया।

५-७-६६ को - १ ली बेला स्कूल चलाया, २री बेला कुश्वार हुआ।

६-७-६६ को - १ ली बेला स्कूल चलाया, २री बेला कोकिस गया।

७-७-६६ को - १ ली बेला स्कूल " २री " सरकड़ा में पूजा के विषय १ भाई को बताया।

८-७-६६ को - १ ली बेला स्कूल चलाया, २री बेला त्रिं० के पीछे देवां का उपदेश तैयार किया।

९-७-६६ को - बोंगा जंगा में गिर्जा चलाया।

१०-७-६६ को - १ ली बेला जोन्सी गिर्जा गया, २री बेला बाजार किया।

११-७-६६ को - १ ली बेला स्कूल चलाया, ~~स्कूल का~~ २री बेला स्कूल घर को फुलाल से धारा और दो भाईयों को पाप के विषय बताया।

१२-७-६६ को - १ ली बेला स्कूल चलाया, २री बेला चक्रधरपुर सामान लाने गया।

१३-७-६६ को - १ ली बेला चक्रधरपुर से बड़ेड़ी और आये २री बेला चिट्ठी डालने कोकिस गयो और बाजार सौदा किया।

१४-७-६६ को - १ ली बेला स्कूल चलाया, २री बेला त्रिं० के पीछे ७वां उतार का उपदेश तैयारी किया।

१५-७-६६ को - १ ली बेला स्कूल चलाया, २री बेला बागान काम किया।

१६-७ ई० को — बोंगा जंगा में गिर्जा चलाया।
१७-७ ई० को — १ली बेला स्कूल चलाया, २री बेला बाजार सौदा किया।
१८-७ — ई० को १ली बेला स्कूल चलाया, २री बेला शशी वहा गया कुंवरी बहिन को देखने के लिए।
१९-७ — ई० को १ली बेला स्कूल चलाया, २री बेला त्रि० के पीछे ६वां इतवार का उपदेश तैयारी किया।
२०-७ — ई० को १ली बेला स्कूल चलाया, २री बेला काही काटा।
२१-७ — ई० को १ली " " " " " रंज काटा।
२२-७ — ई० को १ली " " " " " " "
२३-७ — ई० को बोंगा जंगा में गिर्जा चलाया।
२४-७ — ई० को १ली बेला स्कूल चलाया, २री बेला बाजार सौदा किया
२५-७ — ई० को १ली " " " २री बेला कुरवार हुआ।
२६-७ — ई० को दोनों बेला कुरवार हुआ।
२७-७ — ई० को " " " "।
२८-७ — ई० को १ली बेला कुरवार हुआ, २री बेला पोस्ट आफिस गया।
२९-७ — ई० को १ली " स्कूल चलाया, २री बेला त्रि० के पीछे ६वां इतवार के लिए उपदेश तैयारी किया।
३०-७ — ई० को बोंगा जंगा में गिर्जा चलाया।
३१-७ — ई० को १ली बेला स्कूल चलाया, २री बेला बाजार सौदा किया। आपका विश्वस्त बोंगा जंगा प्रचारक
३१-७ ई० " सामुएल बा केरकेटा

बोंगा जगां मिशन फिल्ड मई महीना का रिपोर्ट।

६-५-६१ को १ ली बेला, शीशी बहा के प्रचारक के साथ दवा खोजने जंगल गये, और नक्टी में एक लड़का (मसीह) ज्वर व दर्द से पिड़ित था दवा भी दिये प्रार्थना किये।
२री बेला चक्रधरपुर छुट्टी मांगने के लिए गये।

७-५-६१ को, ७-५-६१-६-५-६१ तारीख तक छुट्टी मंजूर। अपना सामान लाने के लिए घर गये। ८-और ९ तारीख का १ली बेला जाने में समय लगा। ७+५ तारीख घर में चावल के लिए ठहरा। ६-५-६१-को यात्रा कर बोंगा जगां पहुंचा।

७-५-६१ को, बोंगा जगां में गिर्जा किया।

८-५-६१ को, प्रचारक डेश छौड़ा की है, उसका मरामत किया।
२री बेला बाजार गया (जोरजोर)

९-५-६१ को, मैल पीड़ि टूर गये, मैल पीड़ि के मास्टर स्कूल के विषय, और सिंहभूम के विषय मुझे विद ज्ञान बताये। अपना स्कूल में पढ़ाने का मौका भी दिया।

१०-५-६१ को १ ली बेला चक्रधरपुर कुछ सामान और चावल लाने गये
२री बेला " से बोंगा जगां लौटा।

११-५-६१ को, स्वर्ग रोहण पर्व का गिर्जा किया।

१२-५-६१ को, १ ली बेला एक मौदी एतवार के लिए उपदेश तैयारी किया। २री बेला सरुकेड़ा टूर जा रहे थे पर पानी के कारण जाने नहीं सका पर कामी गड़ा में धर्म + सांची के विषय बताये।

१३-५-६१ को, मोयोड़ी, सुरकुड़ा और खराबंगा के भाई बहनों को गिर्जा लिए निमंत्रण किया, क्योंकि वोक समय में गिर्जा नहीं जाते थे।

१४-५-६१ को बोंगा जगां में गिर्जा चलाया।

१५-५-६१ को लौटा कुड़म शादी के न्याता में गये।

१६-५-६१ को, उस्कुल बहा के पादी प्रचारक और प्राचीन से मुलाकात और वे भी बीड़ के विषय बहुत समझाए।

१७-५-६१ को सिंह जाड़ी जाते गये वहां बखस्लात हैं, उनको शादी की विधि बताये।

१८-५-६१ को बड़ेड़ी - लोदा और - याकूब चौकिदार के साथ बड़ेड़ी में स्कूल के विषय लोगों को समझाए।

१९-५-६१ को, उपदेश तैयारी पेन्टीकोष्ट पर्व के लिए।

२०-५-६१ को, सकलेड़ा गये वहां भाई को गिर्जा के लिए शिक्षा दिया।

२१-५-६१ को, गिर्जा बोंगा जगां में चलाया।

२२-५-६१ को, चक्रधरपुर से बड़ेड़ी अपने सामानों को लाया।
२री बेला जोरजोर बाजार किया।

२३-५-६१ को १ ली बेला स्कूल प्रारम्भ किया के बच्चे बच्चियां थी।
२री बेला तीन साहब आने का समाचार सुनने के लिए शीशी वहां गये। नक्टी में आने का वोक २ जोना।

२४-५-६१ को, १ली बेला स्कूल चलाया।
२री बेला बड़ेड़ी में स्कूल के विषय भाईयों को समझाया।

२५-५-६१ को, १ ली बेला स्कूल चलाया।
२री बेला डेरा घर का किवाड़ ठी बनाया।

२६-५-६१ १ ली बेला स्कूल बड़ेड़ी में चलाया।
२री बेला त्रिनितातिसा एतवार के लिए उपदेश तैयारी।

२७-५-७६ को, ६ री बेला स्कूल पाठ कई बच्चियों के साथ चलाया।
२री बेला लोबेयरा के घर से ऊपर गांव पूजना डेरा में रहा।

२८-५-७६ को, कोमा जगां में गिर्जा चलाया।

२९-५-७६ को, दोनों बेला मकटी में लीगा साहब के गाड़ी में रहे।
२री बेला धर्म प्रचार बांका पीड़ि में।

३०, ५-७६ को जो. सोय सभापति होकर सिंहभूम के प्रचारकों का रिपोर्ट मांगा।
२री बेला प्रचार की विधियां प्रचारकों से और पादरी से शिक्षा मिली।

३१-५-७६ को, ६ वीं बेला शीशी बहा में एक कुस्वामीक कुखाली का दवा के लिए ठहरा।
२री बेला अड़ेड़ी पहुंचा।

नोट

१ मां ठीक से प्रचारक शब्दों का काम नहीं कर रहा हूं क्योंकि संथी में सिंहभूम अलग भाषा नियम सब अलग है जिसके कारण मैं पकड़ नहीं सक रहा हूं।

२, इधर को मनुष्य स्वातन्त्र है, घर द्वार का ठिकाना न रहने पर भी कोई कारखाना के कारण रोज कमाते खाते हैं। इधर पैसा कौड़ी चावल दाल की अपेक्षा अधिक है।

३) स्कूल बीच में खुले केकारण धर्म साला ठीक नहीं हो सकेगा तो भी कोशिश करूंगा।

४, मेरा घर छोटी है तीन प्राणियों को रहना कठिन है।

५ प्रचार की सहायता स्कूल लड़के लड़कियों के लिए सहयोगियों की आवश्यकता है कि मैं बच्चों को दिखा २ कर धर्म शिक्षा दे सकूं।

आप का विश्वासी
कोंगां जंगा प्रचारक
सामुएल कोरकेटा

ता. ६-७-७६

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव बोगा कुंगा पोस्ट आफिस केरा

जिला सिंहभूम प्रान्त बिहार

सेवक का नाम आनन्द मसीह-तोपनो

सन १९....६-६/२ के सेप्टेम्बर महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ इस्कूल किया = एक माई को सुसमाचार प्रचार किया
२ एतवार गिर्जा किया
३ हाल चालया इस्कूल किया
४ हाल चालया इस्कूल किया एक बहिन के घर जाकर सुसमाचार प्रचार किया
५ इस्कूल किया पोस्ट आफीस से चालागाया केरा
६ हाल चालया इस्कूल किया एक बहिन को चर्मी खोजाकर किया
७ सुबा दो में कोटसाव गया वहां बहुत माई बहनों के घर सुसमाचार प्रचार किया
८ इस्कूल किया और सारा दिन गाया सुसमाचार प्रचार किया
९ एतवार गिर्जा या गिरजा किया और गिर्जा बाद कुछ देर बात विचार किया
१० इस्कूल किया बाद में बाजार किया एक माई को सुसमाचार प्रचार किया
११ इस्कूल किया बाद में चोटपील गया। बिमारी के घर
१२ इस्कूल किया बाद में दो सौ बाहां प्रचार क मुलाकात किया
१३ इस्कूल किया बाद में एक बहिन के घर जाकर सुसमाचर प्रचार किया
१४ इस्कूल किया बाद उपदेश बेमारी किया
१५ इस्कूल किया बाद में दुसरी बेला चिटपील चांला गाया एक घरमे सुसमाचार प्रचार किया
१६ एतवार गिर्जा किया
१७ मेरे घर पर ऊख का खबार सुन के मैं घर गया था ऊख जारी होने से मैं
१८ ४ दिन तक घर में थे
१९ बाद में कोइल नन्दी २ दिन टेक दिया
२० 〃
२१ 〃
२२ 〃
२३ एतवार को गिर्जा किया
२४
२५ इस्कूल किया बाद में बाजार किया।
२६ सीसी बहां जों सुरिन प्रचार बिमार था उसको देखने गया था बिमार आराम है
२७ सीसी बहां के खूटियान बस्ति का बिमार थे उन को सेवा किया बाद में सुसमाचार प्रचार की
२८ इस्कूल किया दुसरी बेला एक बिमरी के घर जाकर सुसमाचार प्रचार किया किया
२९ इस्कूल किया दुसरी बेला बिमरी के घर जाकर सेवा किया
३० इस्कूल किया बाद नांथ धर्म खोज बोगों को सुसमाचार प्रोस्पेरीटी से प्रचार किया
३१ एतवार गिर्जा किया और प्रभु भोज बांटा गाया। पवित्र आत्मा भी हुआ

(२) महिने की विशेष बात :—

आसा इंगा में मैजमेंससर भई बहिनों के पास धर्म प्रचार का धर्म मेला किया था बहुत सा भई बिबहिन जमा थे और सुसमाचार वाचन सिक्षा बतलाया गया उन सब को बहुत आनन्द के साथ सुने उस मेला मे ४ प्रचारक एक पद्री हाजिर थे उस का खर्च ४रु: =) मात्र खर्च किया गया
१ प्रचारक हमेरता २- बैइबेश ३१-सोसोबा
चैथा लोग जेंगा पद्री नें सोय चक्रधर पुर

(३) गिर्जे की हाजिरी :		खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार… कूल	… संख्या …	—	२८
२रा „ कूल	… संख्या …	—	३८
३रा „ कूल	… संख्या …	—	२२
४था „ कूल	… संख्या …	—	२४
५वां „ कूल	… संख्या …		२६
(४) धर्म्म खोजकों की संख्या	… — …		६
१ पुराने—	— —		४
२ नये जो बीते महिना हुए—	—		७
(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या—	—		५४
(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या—	—		२८
(७) महीने की मण्डली आमदनी—	—	५रु: ।।=) मा: ३२ न्यापैसा	
„ का मण्डली पैसा—	×	×	

(८) मैं ने ……×…… ता: को ……×…… रु: ……न: पै:

……×…… महिने का तलब और ……×…… रु: ……न: पै:

टी ए० और ……×…… रु: ……×……न० पै० अन्य बाबत पाया ।

(९) मैं ने ..... रु ..... न० पै० पादरी जुनास सेंथ

के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

गिर्जा घर बाना ना गिर्जा घरका देबुल करनी
बेदी काप ड़ा प्रचारक का रहने का घर
इन इनो चिज जरूरी है

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

ता: ४-१०-९२ को समय ७ छ बजे रात
को हम सिखने गया था दो संसार भाई से
के उधार और प्रचारक को पादरी को
रहने गये उसी समय हमलोग
आते तुम लोग हटाओ भागो यहां
मिशन बिचार किजीयों नहीं
दासो नम नाम को संसार भई के मुह से यह आवाज निकला मैं खाचाया भी काटूंगा
और एक सौ बाईबिल भी
को नया नाम इनोजार के घर पर हड़करया वले को
इतना जोर शोर से हमरे खृस्टीयान भाई बहिन
गल्ती गुप्त देने या कारने लगलागे कि सुनने वले
आपना आपनी घर चले गाये झगड़ा विषशेस
से हम देखने नही चाहते हैं इस को आप
कारमे से कोई दिन मार पिट भी हो सकता है।
कारेगा यार हटने वाले नहीं इतना बात है

ता: ..... सही .....

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव ओगाजिंगा पोस्ट आफिस केरा

जिला सिंहभूम प्रान्त बिहार

सेवक का नाम आनन्द मसीह- तोपनो

सन १९..८..६२-६३ के अगस्त महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ मो रिपोर्ट मैं अपना घर से नोकवार कार मनोहारपुर रेल गड़ी बैठा चाकुधर पुर
२ जे० सोय मड्डी के पास चाकुधारपुर आया और उसी दिन मड्डी बाबु के साथ बोंड़ाडीह आय
३ रा रिपोर्ट जे० सोय मड्डी बाबु के साथ ही सुरबुड़ा से मरां हंगावाक चाले गयेथें
४ बैंडी क्रिड गांव में ३ मसीहों के पास जा कर सुसमाचार प्रचार किया और उपदेश बेमारी कि:
५ रतवार को ओगाजिंगा गिर्जा अलेगये चले गये
६ एक बिमारी के लिये, दोनों जने जोगांव अले गये दुसरी बेला हंप्वा दिन का सप्ताहदा बाजार किया
७ एक बेला इंस्कूल किया बाद में एक मई के पास जाकर सुसमाचार प्रचार किया
८ पहीली बेला सुरबुड में एक बिमारी के पास गया बाद इस्कूल देखा
९ पहिली बेला उपदेश तैयारी किया बाद में बांटार किया
१० पहिली बेला एक बीमारी के पास गया दुसरी बेला इस्कूल किया हूं।
११ पहिली बेला उपदेश तैयारी दुसरी बेला इस्कूल में आया
१२ रतवार को ओंगा जांगा में परमेस्वर इस्वर का बाचन सुनाय गाय
१३ पहिली बेला इस्कूल किया दुसरी बेला बाजार कार कुवे सास गाड़ा गाया
१४ पहिली बेला एक मई पास जाकर सुसमाचार सुनाया दुशरी बेला इस्कूल किया
१५ पहिली बेला इस्कूल किया दुसरी बेला घर में थें
१६ पहिली बेला एक माई एक बहिन के पास सुसमाचार प्रचार किया दुसरी बेला इस्कूल किया
१७ पहिली बेला इस्कूल किया दुसरी बेला एक घर जाकर सुसमाचार सुनाया कुंवर काजिगा में
१८ पहिली बेला इस्कूल किया दुसरी बेला शास गाड़ा बिमार बस्तिक को देखने गाया
१९ रतवार को प्रभु भोज बाटा अगाया नाया धर्म सेवजों के लिये बिन्ती भी हुआ
२० जे० सोय मड्डी बाबु के साथ सास गाड़ा होते कुवे
२१ नांवाटी और दोनों रतसत २ दिन सुसमाचार किया
२२ दु दिन छुट्टी मे घर गाया था
२३ ।
२४ ।
२५ इस्कूल किया उपदेस तैयारी किया
२६ रतवार गिर्जा किया
२७ इस्कूल किया बिमारी को देखने गाया बिदा हुवा
२८ इस्कूल किया बाद में दु बिमारी संसार थे उनके पास सुसमाचार प्रचार किं
२९ नांवाटी जा कार एक बैट की पाउरा को धर्म अनुसार बिचार किया
३० इस्कूल किया एक बिमारी के पास गया मरां हंगा।
३१ इस्कूल किया मोसो डी: गाया एक माई के पास सुसमाचार प्र

(२) महिने की विशेष बात :—

(३) गिर्जे की हाजिरी : खृस्तान अखृस्तान

१ला एतवार... आई-२ ... बहिन-४... बलिक-२ बलाक-२-टोटल ८

२रा „ आई-५ ... बहिन-४... बलिक-२ बलाक-२-टोटल १३

३रा „ आई-७ ... बहिन-६ ... बलिक ७ बलाक ५-टोटल २८

४था „ आई-८ ... बहिन-५... बलिक-३ बलाक-२-टोटल १८

५वां „ ... ...

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ... — — २४

१ पुराने— — — — ३५२

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— × — — ३८

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— — — — २७

(७) महीने की मण्डली आमदनी— — — ४रु०-५ नाये पैसा

„ का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने ता: ५-८-१९ ता: को ४० रु: — × नः पैः

आगस्त महिने का तलब और पाया २ रु: ४० रु: ३७ नः पैः

टी ए० और पाया × रु: × न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... × ..... रु ..... × ..... न० पै० .....

के पास ..... × ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता: मिरजा घर - टेबुल - चौकी
& टेबुल काप ड़ा या बेदी का बहुत जारूरी है
प्रचार रा हने का घर बहुत जारूरी है

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण - — × — ×

ता: .....

सही .....

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव ...बोंगा जंगा (बड़ेडी)... पोस्ट आफिस ...केरा...

जिला ...सिंह भूम... प्रान्त ...बिहार...

सेवक का नाम ...सामुएल केरकेटा...

सन १९..६३ ई० के ...फरवारी... महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ ३ली बेला एक भाई को इतवार के बिषय समझाया २बे नागुरासुंगा टूर गया (समाज भी किया)
२ १ली बेला केरा पोस्ट आफिस गया, २री बेला मार्ग पर्व का तयारी एकदम ठीक नहीं।
३ ३ली बेला में रिपोर्ट जानवारी महिना लिखा, २री बेला उपदेश तैयारी किया।
४ बोंगा जंगा में गिर्जा-चलाया।
५ ३ली बेला स्कूल-चलाया २री बेला बाजार सौदा किया।
६ ३ली बेला काठी काटा और एक भाई को खुसखबार सुनाया, २री बेला स्कूल चलाया।
७ ३ली बेला बीमारी स्त्रीयों का घरती को सेवा की, २री बेला स्कूल-चलाया।
८ ३ली बेला डोंडी पहाड़ पुरुलिया के ताच बीमारी बच्चे और कहिनों सेवा की, २री बेला स्कूल चलाया।
९ ३ली बेला उपदेश तैयारी, २री बेला स्कूल-चलाया।
१० ३ली बेला हाजरी बही और जन्मी बही को सरीस्या २री बेला स्कूल चलाया
११ बोंगा जंगा गिर्जा चलाया।
१२ ३ली बेला स्कूल चलाया २री बेला बाजार सौदा किया।
१३ ३ली बेला घर और कपड़ा धोता साफ किया, २री बेला स्कूल-चलाया।
१४ ३ली बेला चक्रधरपुर गया २री बेला लोटा कारेरा किताब खरीदने के लिए।
१५ ३ली बेला २ लड़का का हाजरी बही मारती बही मेंमलीं पाया वह सर्टीफिकट मांगता था
१६ ३ली बेला २री बेला स्कूल चलाया।
१७ ३ली बेला अम्बुलबले गया वहां लड़के सर्टीफिकट बात के लिए, २री बेला वहां रहा।
१८ बोंगा जंगा मैरेहा २री बेला लोटा।
जो. सोय गिर्जा चलाया। गिर्जा में साजर था।
१९ ३ली बेला स्कूल चलाया, २री बेला बाजार सौदा किया।
२० १ली बेला एक भाई को उच्च शिक्षण स्कूल के बिषय समझाया २री बेला स्कूल-चलाया।
२१ ३ली बेला उपदेश तैयारी, २री बेला स्कूल-चलाया।
२२ ३ली बेला कुवार सिंह का के घर और हड़काटा घरना इत्यादि शिक्षा, २री स्कूल-चलाया
२३ ३ली बेला बीमार था २री बेला स्कूल-चलाया।
२४ ३ली बेला डोंडीहातू में कितने भाइयों को स्कूल भेजने के लिए सलाह दिया, २री बेला स्कूल चलाया।
२५ बोंगा जंगा में गिर्जा-चलाया।
२६ ३ली बेला स्कूल-चलाया २री बेला बाजार सौदा किया।
२७ ३ली बेला ४ भाइयों के साथ कुर्गी बकरा बेल पूजा का बलिदान किया और यीशु का बलिदान
२८ ३ली बेला-चक्रधर पुर गया २री बेला लोटा, कारेरा तालाक लेने के बिषय समझाया।
२९ २री बेला स्कूल चलाया।
३० के लिए पर पादरी नहीं था।
३१

(२) महिने की विशेष बात :—

इस मराडली में जो रहते हैं उनको मुश्तुस्तान लोग जाति कहते हैं। इसी कारण गोविन्द और मुन्ना जल्दी जाना नहीं चाहते कारण उनको अपना जाति का समाज एक दम जकड़ लिया चलना चाहते हैं पर उनका यही डर है। फरवारी महिना ही गिर्जा और उपासक डेरा का नींव डाला जाता तो ठीक होता।

(३) गिर्जे की हाजिरी : खृस्तान अखृस्तान

१ला एतवार... में ३ भाई ५ बहिन ३ बालिका ११

२रा „ में ३ भाई ५ बहिन ३ बालिका ११

३रा „ में ५ भाई ६ बहिन ५ बालिकाएं २ बालक ११

४था „ में २ „ ६ बहिन २ बालिका २ बालक ११

५वां „ ... ...

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ७२ ..

१ पुराने— २

२ नये जो बीते महिना हुए— अनिश्चय है।

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— ४४ उपासक का घराना साथ।

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— २३ „ „ „

(७) महीने की मण्डली आमदनी— सा: २-), घड़ा ३।-), दुःख ।-) = ४) रुपैया है।

„ का मण्डली पैसा— जमा नहीं है (खुला है)

(८) मैं ने.....ताः को.....रुः.....नः पैः

.....महिने का तलब और.....रुः.....नः पैः

टी ए० और.....रुः.....न० पै० अन्य बाबत पाया।

नहीं मिला।

(९) मैं ने ..... रु० ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया। नहीं भेजे हैं।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

श्रीमान से अर्ज है कि मैं इस्तीफा का पूरा फर्म भी भर नहीं सकता क्योंकि मैं ३-५-६१ को मरी बहाली हुई जिसमें न पुकार कही न खबर कही कुछ नहीं मिला इस कारण भर नहीं सकता। और आप इस मंडली वालों से कुछ शर्म कार चाहते हैं लेकिन वे एक दो का रखते हैं नहीं इधर हाजरी रोजगार व्यतीत करने वाले हैं इस कारण ३०० के जगह ४००० की खर्च पड़ सकता है।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण --

गिर्जा घर एकदम अवश्य बनाना चाहिए इसके लिए उपाय नहीं है तो मुझपर दोष न लगाए कि गिर्जा घर क्यों नहीं बना गया प्रचारक डेरा जरूरी बनानी चाहिये - मैं दूसरों के लबेदार में नहीं रहता।

आप इन लोगों का रुकावट बढ़ाइए क्योंकि एक को दो पुरुष किराया ले लेते हैं इधर इन दो मिशन वाले हैं घटिया होना चाहिए जाकर इसका अगले महिना से किया जाए मराडली में रहने वाले सब गरीब हैं मैं पर्व में चन्दा उनके लिए दिया वे नहीं लौटा तो मराडली में ला कहां से देसकते हैं खाते हैं पर वे गरीब हैं।

ता: ६-३-६२ सही पु: श्री: [illegible]

बेंगलोर

~~मरतमाह~~

महा मान्यवर डाइरेक्टर साहब

महाशय -

आजी रेसा है। कि ढोला बाड़ीह में ता: 13-1-62 ई० को मैनेजिंग कामिट बैठी है। विषय हाड़जोड़ा स्कुल घर को हाड़जोड़ा में स्कूल घर है नयो पार होती है जिससे बच्चों को बैठा में पार करना बहुत कुंश देहि है। अब हम लोगों इस सभा में प्रस्ताव करते है। कि बाड़ीह में स्कूल घर लावे जाये। जमीन तामीग्रास हसाढ़ा देने को राजि है। इसका रन मैनेजिंग कामिट देखते कि स्कूल घर बाड़ीह में रहा जाय। ताकि धुप काल ग्रीर बैठा जाड़ा समो ऋतुग्रों में बच्चें ग्राच्छी तरह पढ़ा सके। ग्रौर स्कुल गेरेन्ड नहीं है। बाड़ीह छ ढोला के बीच में है। इसलिये ग्राशा है स्कूल गेरेन्ड होकर ग्राच्छी सार्टिफिकेट मिले हाड़जोड़ा छ ढोला के किनारे पर है। यहि हम लोगों को पचगन देखते है इसलिये घर बनाने में बहुत ही सहायता करें

ग्राप का विश्वासि

सें० दामुराम हसाढ़ा

१ रसौमुना दासदाः बैनीडि

२ दिगार हो

३ प्रधान सिंह दासदा:

४ गोविंद दासदाः

५ साधो हो दासदाहो

६ दासौ दासदा

७ कुवलदिनं दासदा:

८ दुवान दासदः

९ चमुरु दासद

१० दानिया गौवले

११ मंगता सौय

१२ बिनरौय दासदा

१३ दुगनर दासदो:

१४ उभयत्व दासदा

१५ दुरीदायात

१६ मालुका दासदा

१७ उर सिंह लोधा

१८ मंगल सिंह देवीरा

१५

१६

witnesses:

① Jumas Soy 14-1-02

② J. Konkeria 14-1-02

③ दुगनर दासदा

④ जोहनेस मेलगाडु ता. 14-1-02

⑤ रसौमुना दासदा

१७ दुरीदायात

१८ उभयत्व दासदा

१९ दुगनर दासदो:

२० दिगार हो

२१ साधो हो दासदाहो

२२ दासौ दासदा

२३ कुवलदिनं दासदा:

२४ दुवान दासदः

२५ चमुरु दासद

२६ दानिया गौवले

२७ मंगता सौय

२८ बिनरौय दासदा

२९ दुरीदायात

३० मालुका दासदा

३१ उर सिंह लोधा

३२ मंगल सिंह देवीरा

I.T.I. Tobias Hembrom 15-1-02

Sunday 14.1.1962

Harjora (Bongajanga) P.S. 420 Cl. P.

Lita Hansdaa हांसदा हांसदा हांसदा

s/o Ramsaran Hansdaa
a Santali

Road from Hora to Birbanki near Kumbulbahal

Bachelor lives at Baidiha Hoyohatu At Bongajanga there is only a chapel + a piece of land

Baler tree R Sal tree

Permit taken from Ranger who is at Bishnupur - Hora Range Office

Bans arrived at Rs 0.25 per 100

Shed 3.12

For school — Bee bamboos + 11 bullets.

about 70 decimals gift made by Yakub Hassedaa & his brother Esaru of Chaibasa

existing house

Rs 200/- Spent by Govt

Bans

Bleak of earth

W

Bishyanath Sagrai of Darkadiha read upto Cl. IX - first at Kumbulbahal then at CKP. willing to be a teacher

(3)

(1) Talaboidih Majhi Hoyohatu Baidih Bandh

(4) Arabaria Burburia Goriamara Mososai

1 mile 1 mile 1 mile

(2) Bongajanga

Langara Dant - 5 pms

(1) - 6 Munda families
(2) - 1
(3) - 1
(4) - 1
(5) - 1
(6) - X Church building where school is held
(7)

Most villages are situated by the side of hills through which the path goes to Kumbulbahal where this congregation used to be.

Conducted service + holy Communion - 10 men + 6 women took part. 5 adults + about 10 children non-Xtns came + listened to the worship.

Chutos

Chamfua — laying of foundation

Tendaa (Baleli) — new convert (father + son) - Hos

Khirbaka — new convert — Hos

Congregation. —

Bonjiyanga — Congregation + pastors.

Chapel

Congregation + Hos

Congregation —

Hozohaka (Bonjofanga)

New convert. Christ Kumar Singh

family

New converts, + congregation

" + Director

After the service came to Baideh —

Preached to the villagers (Xtns + non-Xtns — about 70 people of whom there were about 40 non-Xtn adults —.

They have submitted in writing a petition for a school at Baideh

Halted at night and had long talks till midnight with Govind and Sagrma and Kumar Singh.

15 1/62 Checked + paid the bills — met people and visited them —

Baptized Christ Kumar Singh + family

Had a feast with all the Xtns of the village

This is a promising village — Brother Johnson has been very effective + instrumental

There is no house for the Brethren. He lives in a small hut made of thatch — belonging to Kumar Singh who needs it immediately as his present home is falling.

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव ..... पोस्ट आफिस .....

जिला ..... प्रान्त .....

सेवक का नाम .....

सन १९..... के ..... महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१
२
३ गिर्जा किया
४ घर मे था
५ बुड़ी मूआ गया ४ भाई - २ बहिन के पास सुसामाचार सुनाया
६ भिट पोल गया और एक भाई को सुसामाचर सुनाया
७ भिट पोल गया एक बेमारी को देखने के लिये
८ बुड़ी मूआ में एक भाई को सुसामाचर सुनाया
९ बोंगा जांगा में एक भाई को बासबोर साल सुसामाचर लिखया और सांमझाया
१० दृ ता: इतवार को बाट नोपरबी मान्या गया बहुत आनन्द के साथ ३२ प्रनी ये गिर्जा में
११ २० बाल्चार कारने को गया (हाजिर थे
१२ घर मे कुछ काम था
१३ आज्क घार पूर बाजार कीया
१४ गिर्जा घर पर्ब सिंगार फूल ३ दिन बान्धा
१५ ,,
१६ ,,
१७ गिर्जा किया दुःखर का अपलिमा हुआ - पूरानो का कुछ टूड़ा पान हुआ - प्रभु सोनि
१८ बाजार किया (बांटा गाया
१९ भिटपोल जाकर ६: बहिन को सुसामार सूनाया
२० चक्क घार पूर बाजर किया
२१ बुड़ि मूआ संसार आपों को खोजि मे गया था
२२ पाट तेयारी किया बुड़ी मूआ जाकर ४ भाई - २ बहिनों को सुसामसार सुनाया
२३ घर का बिशेश काम था गिर्जा किया प्रभु का जन्म दिन का पूकार किया गया।
२४ तयारी जोंलों से साजाकर सांझ ६ बाजिं से गिर्जा सूरू किया गया रांत १० बजे तक आनन्द के साल
२५ बाड़ा दिन प्रभू का जान्म पर्ब्बे बहुत आनन्द के सांत मन्या गया।
२६ बहुत दुर तक दूर मे मैं था
२७ मेरा कुछ दूर था
२८ दूर में मैं था
२९ उपदेश पाट तयार किया
३० गिर्जा किया
३१ [redacted] त्था सांझ गिर्जा किया

(२) महिने की विशेष बात :—

दो भाषों का बंधतिसम्मा रेंजेः सोम पट्टी बाबू से दिया गया
प्रभु भोज बांटा गया
दो बहिन - तीन भाषों का दीक्षान हुआ
ता: २४ संत को बहुत आनन्द के साथ पार्वे किया था
ता: २५ को खुसी दिल हो के ससांर भाई बहिन मिली देखते
आये थे

(३) गिर्जे की हाजिरी :

		खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार	... ...	३०	
२रा ,,	... ...	२२	
३रा ,,	... ...	१८	
४था ,,	... ...	४२	
५वां ,,	... ...	२८	

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ५

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए— २

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— ५८

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— २२

(७) महीने की मण्डली आमदनी—

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने ...×... ता: को ...×... रु: ...×... न: पै:

दिस्त्रक्ट महिने का तलब और ४० थाथा रु: ४० न: पै:

टी ए० और ...×... रु: ...×... न० पै० अन्य बाबत पाया ।

(९) मैं ने ..... रु० ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

किसी घर का क्लिक जानकारी है।
प्रचारक घर की जानकारी है।
टेबल कुरसी की दरकार है।
बेंदो कायड़ा का जानकारी है।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

ता: .....

सही .....

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिश्न वोर्ड

गांव ..बोंगजोंगा..... पोस्ट आफिस .....

जिला ..सिंहभूम..... प्रान्त .....

सेवक का नाम ..आनन्द मसीह तोपनो.....

सन १९..... ४२ के ..नोवेम्बर..... महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ तीन बहिन को सुसमाचार प्रचार किया
२ सोसो बांदा गया
३ सोकड़ा कालेरा चईबासा गया
४ सिकड़ा कलेरा चईबासा किया
५
६
७
८
९
१०
११
१२
१३
१४
१५
१६
१७
१८
१९
२०
२१
२२
२३
२४
२५
२६
२७
२८
२९ ७ दिन का छुट्टी मे घर गया था
३०
३१

(२) महिने की विशेष बात :—

सिकंदरा कलस्ट में आई बातों में थे

(३) गिर्जे की हाजिरी :

			ख्रृस्तान	अख्रृस्तान
१ला एतवार	...	१६	... —	—
२रा „	...	२०	... —	—
३रा „	...	२८	... —	—
४था „	...	१३	... —	—
५वां „	...		...	

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... — ... — —

१ पुराने— — — —

२ नये जो बीते महिना हुए— — ५

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— — ५८

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— — २८

(७) महीने की मण्डली आमदनी— — २रु. ३० ना. पै.

„ का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने ..... ता० को ..... रु० ..... न० पै०

..... महिने का तलब और ..... रु० ..... न० पै०

टी ए० और ..... रु० ..... न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने .....रु० ....न० पै० ....

के पास .....ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

बेगा जांगा मंडली मे गिर्हा घर और प्रचारक घर
बनाने का आर्थिक जरूरी है

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

ता: .....

सही ....

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिश्न वोर्ड

गांव ओंगाअंगा पोस्ट आफिस केरा

जिला सिंहभूम प्रान्त बिहार

सेवक का नाम आनन्दमसीह तोपनो

सन १९.....२०-८२ के अक्टोबर महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ आस हंगा आर पत्ता सई दुन दो गांव का दो जगा सुसमाचार प्रचार किया
२ दुरू किय और दुसरो एक बिमारी गया
३ चकल धरपुर बाजार कारने को गया था
४ सोसो बाइ गया था बिमारी के पास
५ उपदेस तैयारी किया
६ बिमार था इसी दिन पर भी इडिकरण बोले को वाचन सिरवन को नेवाम दुलोयजर घर गये
७ बिमार में भी मैं डां कोइ प्रकार से गिर्जा को भी चलाया
८ बिमार छुट्टी
९ ,,
१० ,,
११ ,,
१२ ,,
१३ ,,
१४ ,,
१५ ,,
१६ ,,
१७ ,,
१८ ,,
१९ ,,
२० सोसो बाइ गाया था
२१ गोरजा किया
२२ एक बिमारी का सेवा किया
२३ दो भई बिमार थे उन के पास देखने गाया था
२४ चकल धर पुर बाजार किया
२५ खाना बागान मे काम किया
२६ लाकड़ी लाने गाया
२७ उपदेस तयारी किया
२८ गोरजा किया
२९ बाजार किया
३० एक भाई के पास जाकर उनके पास सुसमाचार प्रचार किया
३१ कापड़ा साफ किया

(२) महिने की विशेष बात :—

(३) गिर्जे की हाजिरी : ख्रृस्तान अख्रृस्तान

१ला एतवार ... ,, ... ,, ... २३

२रा ,, ... ,, ... ६

३रा ,, ... ,, ... २२

४था ,, ... ,, ... २८

५वां ,, ...

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... = ... ४

१ पुराने— ×

२ नये जो बीते महिना हुए— = ५ ~~४~~ ~~३२~~

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— = ~~३२~~ ५०

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— = २७

(७) महीने की मण्डली आमदनी— ×

,, का मण्डली पैसा— ×

(८) मैं ने ...×... ता० को ...×... रु० ...×... न० पै०

... महिने का तलब और ...पा०... रु० ... न० पै०

टी ए० और ...×... रु० ...×... न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने .....रु. ....न० पै० .....

के पास .....ता: को भेज दिया ।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

गिट्टी घर बांनानाजारुरी है। टेबाक कुरशी बिदी
कापड़ा ₹ इन सब ×बहुत दी जारुरी है।
प्रचार का रहने का घर बानाना भी जारुरी है।
गिट्टी घर नही बांनाइजाय तो घरजारुर गिर ही जायगा
प्रचारक भी दुसरे के घर
घर कितना दिन रहिंगा जाब तक नही बांनाइंगा
ताब तक सुबीधा नही होगा

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

ता: ४-११-९९ सही आनन्द मसीह लोधेना

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव ..... लोंगा जोंगा ..... पोस्ट आफिस ..... केरा .....

जिला ..... सिंहभूम ..... प्रान्त ..... बिहार .....

सेवक का नाम ..... आनन्द मसीह लाकड़ा .....

सन १९..... ६३ के ..... अप्रेल ..... महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ ३ दिन छुट्टिमें घर गया था
२ ,,
३ ,,
४ प्रचारीत और ३ः अधिकों के संग गाड़ी पाकड़ा
५ लोंगा जोंगा गया और धर्म मेला का हाल बहुत भाइयों को प्रचार किया
६ पाट तैयार किया प्रचार कोवाटार माला गांत किया
७ मिजी किया
८ बजिर किया और साम को एक भाई का घर सांस्त्रकार किया पाद्री साहेब के साथ
९ गांव बाजे लोंगा जोंगा प्रचार कोवाटार सांस्त्रकार हुआ
१० एक बिमारी के पास गया और बिमारो का सेवा किया
११ डुर किया एक सांसर भाई को
१२ मिजी किया
१३ लाया रो का दिन था
१४ प्रभु का जो उठना मिजी किया
१५ बजिर किया और सिटपोल का एक भाई को सुसमाचार प्रचार किया
१६ धर्म मेला का खबर भाई बहनों को सांझ आया डुर किया
१७ ,,
१८ चक्रधरपुर आया सामन लेना जरूरी था
१९ धर्म मेला किया
२० प्रभु भोज बांटा गया
२१ मिजी किया
२२ बजिर किया एक भाई से मूला कात हुआ उसको सुसमाचार प्रचार किया
२३ डुरू में निकला सिटपोल और मैडल पिड़ी ३ भाई को सुसमाचार प्रः किया
२४ होचो हाचू का एक ७वा कालास का लड़का आया उसको सुसमाचार सिखाया
२५ डुर किया मोरहाडी सुरबुड़ा लोंगा हांगा २ बहिन एक भाई को प्रचार किया
२६ बुड़िमूता डुर किया ४ भाई को सुसमाचार प्रचार किया
२७ पाट तैयारी किया
२८ मिजी किया
२९ डेरा छुट्टी थी
३० ,,
३१

(२) महिने की विशेष बात :—

ता: ८-४-४३ को एक भाई ईलोयानिर इस्दा: आरेडी: में घर सांस्तरा कार
नेः स्तोत्र पाठो के बाबु से किया गया
ता: ६-४-४३ को ओंगा जांगा मिशन कोलंडु में प्रचार कोया तार सांस्तरा कार
किया गाया

(३) गिर्जे की हाजिरी :			खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार	...	...	— २६	
२रा ,,	...	...	— ३१	
३रा ,,	...	...	— ३७	
४था ,,	...	...	— २८	
५वां ,,	...	...		
(४) धर्म्म खोजकों की संख्या	...	...	— ६ ~~४४~~	
१ पुराने—			~~४~~	
२ नये जो बीते महिना हुए—			~~४~~	
(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या—			— ४४	
(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या—			— २२	
(७) महीने की मण्डली आमदनी—			— ५२२ ।।) आना	
,, का मण्डली पैसा—				

(८) मैं ने ~~[illegible]~~ ता: को ~~४०~~ ६० रु: ..... न: पै:

..... ~~अप्रेल~~ महिने का तलब और ..... ~~५०~~ रु: पाया ..... न: पै:

टी ए० और ..... ५०) रु: ..... न० पै० अन्य बाबत पाया। (हर मरामत)

(९) मैं ने .....रु..... .....न० पै०.....

के पास .....ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

जैः सोय, माउंट आबू से सिंगी घर मालामाल करने के लिये

ता: 2-5-63 को 50 रु: पाया

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

ता: 6-5-63 ई०

सही आनन्द मुनी सोपानी

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव ..... बोंगा जोंगा ..... पोस्ट आफिस ..... केरा .....

जिला ..... सिंह भूम ..... प्रान्त ..... बिहार .....

सेवक का नाम ..... आनन्द मसीह लोपेज .....

सन १९..... 63 ..... के ..... मार्च ..... महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ गिर्जा किया
२ पाठ तैयार किया
३ गिर्जा किया रेंम नि: साथ पाद्री से प्रभु भोज बांटा गया पबित्र अत्मा दिया
४ बाजार किया पुरुरो बेला ४ साथ भाई को सुसामचार प्रचार किया
५ सिटफोल गांव मे दुर किया एक भाई से मुलाकात हुआ सुसामचार प्रचार किया
६ होमो हाडु दुर किया ८ भाथों को सुसामचार प्रचार किया
७ आड़ेडी में एक बिमारी को सेवा किया
८ बुड़ि सुचा दुर किया ४ भाई मिला उन को सुसामचार प्रचार किया गिर्जा किया
९ पाठ तयार किया
१० गिर्जा किया
११ बाजार किया बाजार मे २ भाई से मुलाकात हुआ उन को सुसामचार प्रचार किया
१२ बोंगा जोंगा मे २ भाई एक बहिन उन सभों को सुसामचार प्रचार किया
१३ चक्रधरपुर बाजार किया रास्ते में २ भाई को सुसामचार प्रचार किया
१४ नानजो गाथा था जोलिंग बुरु: का २ भाई को सुसामचार प्रचार किया
१५ गिर्जा किया घर में कुच्छ जारुरी थी
१६ पाठ तयारी तैयार किया और एक भाई बेहेडी का उस को सुसामचार प्रचार किया
१७ गिर्जा किया
१८ बाजार किया रास्ते सामय एक बहिन को सुसामचार प्रचार किया
१९ घर मे कुच्छ काम था
२० दुर घर निकाल गया था एक रोमान भाई से भेंट हुआ उसने मुलाकात में प्रचार किया
२१ एक खृस्टइन नया भई के घर मे बिमार था उन को सेवा किया
२२ दो दिन उन को सेवा किया किया भाल आराम हुवे
२३ पाठ तैयार किया दर्दिकरसा सिरवा रहे हैं।
२४ गिर्जा किया
२५ बजार किया और २ भाई भयों को सुसामचार प्रचार किया
२६ एक बिमारी के पास जा कार बिमारी को सेवा किया
२७ चक्रधरपुर गया था पादी के साथ बहुत बातें थी
२८ "
२९ दुर में गया एक भाई २ बहिन को सुसामचार प्रचार किया
३० पाठ तैयार किया
३१ गिर्जा किया और गिर्जा में धर्म मेला का ता: १९-४-६३ को पुकार किया गाथा उस तारिक को साथ मो आंखें आने कि कृपा किजो यो

(२) महिने की विशेष बात :—

इस महिने मे २ भाई का ईंम जेः सोम पाड़ो बाबू से
ता: ३-३-४३ को बाप्तिस्मा किये गये

		ख्रृस्तान	अख्रृस्तान
(३) गिर्जे की हाजिरी :			
१ला एतवार	— ... — ... —	४०	
२रा ,,	— ... — ...	२५	
३रा ,,	— ... — ...	२२	
४था ,,	— ... — ...	१६	
५वां ,,	— ... — ...	२६	
(४) धर्म्म खोजकों की संख्या	... ..		
१ पुराने—	× ×		
२ नये जो बीते महिना हुए—	— —	४	
(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या—	— —	४४	
(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या—	— —	२२	
(७) महीने की मण्डली आमदनी—	—	२रु: ११) आना	
,, का मण्डली पैसा—	— —	२रु: ११) आना	

(८) मैं ने ~~[illegible]~~ ता: को ४०) रु: नः पैः

[redacted] प्रथमहिने का तलब और भाथा रु: ~~[illegible]~~ नः पैः

टी ए० और रु: न० पै० अन्य बाबत पाया ।

(९) मैं ने ..... रू ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

किसी घर नहीं है। बेदी का टेबल नहीं कुरसी नहीं
बेदी का पर्दा नहीं है। इन सब बहुत जरूरी है।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

ता: ..... सही ..... आनन्दमसीह तीर्थनी:

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव बोंगा जोंगा पोस्ट आफिस केरा

जिला सिंहभूम प्रान्त बिहार

सेवक का नाम आनन्दमसीह तोपनो

सन १९..६३ के फरवारी महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ दोनों प्रचारक, संसार भाई बहिनों को ससमाचार प्रचार करने के लिये बुड़ी मुत्ता गये थे।
२ गिर्जा के लिये पाट तैयारी किया।
३ — गिर्जा किया।
४ बजार किया।
५ दोनों प्रचारक लांजी जा कर वहाँके कुरुवा-गांव के मुन्डा को सुसमाचार प्रचार किया
६ दोनों प्रचारक- मौसोडीह से सुरगुड़ा और अराडांगा टूर - गये थे।
७ इस्कूल भी चालू कार दिया दुसरी बेला दोनों दुर में गया ३ भाइयों को प्रचार
८ इस्कूल किया एक भाई से मूलाकात उसके घर्मे बिशय बहुत बातें किया (किया
९ पाट तेयारी किया दुसरी बेला कपड़ा लाता साफ किया
१० गिर्जा किया सब मण्डलो के बड़े बहिनों के सथ बुड़ि मूत्ता धर्मे प्रचार करने
११ बाजार किया, बजार से लौटते समय एक संसार भाई को सुसमाचार प्रचार किया (का निउक्ता किया
१२ इस्कूल किया
१३ इस्कूल किया एक संसार भाई को सुसमाचार प्रचार किया
१४ इस्कूल किया बुड़ी मुत्ता बहुत बड़ियों के सथ सुसमाचार प्रचार किया
१५ इस्कूल किया चोटोपोल एक बड़े बिमारी के पास जाकार सुसमाचार प्रचार किया
१६ इस्कूल किया चोटोपोल एक ३ भाइयों को सुसमाचार प्रचार किया
१७ गिर्जा किया
१८ इस्कूल किया बाजार किया
१९ इस्कूल किया दुसरी बेला दुरमे गाया ३ भाई मिला उन को सुसमाचार प्रचार किया
२० इस्कूल किया दुसरी बेला सासन गाड़ा दुरमे गया दोनों प्रचारक
२१ इस्कूल किया घर में कुच्छ काम था
२२ इस्कूल किया दुसरी बेला दोनों दुर किया
२३ लुप देस तैयार किया
२४ गिर्जा किया
२५ बजार किया दुसरी बेला दोनो प्रचार बाड़का कुटुम्ब लोटा गया
२६ ,,
२७ ,, घर्मू का दुख सामेसान गिर्जा किया
२८ इस्कूल किया दुसरी बेला दोनों प्रचार दुर किया
२९
३०
३१

आपका विश्वस्त
आनन्दमसीह तोपनो

(२) महिने की विशेष बात :—

ता: १४-३-४३ साल को बुढ़ी मूरा गांव आई डी से २ प्रचारक १ प्रचीन १ पांच्य
व सधारन आई जाकर वहां के भाई आदनों को सुसमाचार प्रचार
किया एक घंटा तक भाजन किया एक घंटा मीटिंग ता: ३४ ६
गाया और मेसो-१०-१-५२ घंटे तक पांडु और उपदेश
दिया गाया पुराना भाजन की २० भी ता: मीटिंग करके प्रभू की
बिल्ली मांगा सार आपना घर जाकर गासे

		खृस्तान	अखृस्तान
(३) गिर्जे की हाजिरी :			
१ला एतवार	—	४६ प्रसी थे।	
२रा ,, ...	—	३१ प्रसी थे।	
३रा ,, ...	—	२४ प्रसी थे।	
४था ,, ...	—	२८ प्रसी थे।	
५वां ,, ...			
(४) धर्म्म खोजकों की संख्या	—	४	
१ पुराने—	×	+	
२ नये जो बीते महिना हुए—	—	५	
(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या—	—	४२	
(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या—	—	२८	
(७) महीने की मण्डली आमदनी—	— — —	४ रु: =)॥	
,, का मण्डली पैसा—	× × ×		

(८) मैं ने ..... ता: को ..... रु: ..... न: पै:

..... महिने का तलब और ..... रु: ..... न: पै:

टी ए० और ..... रु: ..... न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु० ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया ।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

गिर्जा घर और साँइकल हो
एक टेबल एक कुर्सी एक बेंदी कापड़ा
बहुत जरूरी है
प्रचारक घर आना सुरू किया गया
जहां मिशन फील्ड है वहां से आनते है ।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

ता: .....

सही .....

Seen 16/2/63

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव ...बोंगा जोंगा... पोस्ट आफिस ...कैरा...

जिला ...सिंह भूम... प्रान्त ...बिहार...

सेवक का नाम ...आनन्दमसीह तीपनी...

सन १९..६३.. के ...जनवरी... महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विसेष काम

१ – सरना गड़ा गया था वहां पर आते समय एक भाई को सुसमाचार प्रचार किया।
२ – हिसाब बनाया साल भर का।
३ – घर में काम किया।
४
५ – घर में मैं था तबियात खराब था।
६ – बुढ़ि मुता में संसार भाइयों को सुसमाचार प्रचार किया।
७ – गिर्जा किया।
८ – घर में बहुत जरूरी काम में गया था।
९ ,,
१० ,,
११ ,,
१२ ,,
१३ ,,
१४ ,,
१५
१६ ,,
१७ ,,
१८ ,,
१९ कुलों का इन्फ्लुवारी हुआ।
२० – मैं कमजोर में पड़ गया।
२१ ,,
२२ ,,
२३ ,,
२४ घर से निकला।
२५ चक्रधरपुर आया। नया प्रचारक जुनास संगा बोंगा जोंगा पहुँचा।
२६ मैं बोंगा जोंगा पहुँचा, दुसरी बेला बुढ़ी मुता जा कर दो चार भाइयों को सुसमाचार सुनाय
२७ – गिर्जा किया और पांच परानी बपतिस्मा किये गये।
२८ – बाजार किया, दुसरी बेला साम को नया धर्म खोजकों को वचन सिखलाना शुरु किय
२९ को बुढ़ी मुता सुसमाचार प्रचार करने गया था, और एक प्रचारक डेरा में धर्मखोजकों को वचन सिखलाया।
३० चक्रधरपुर दोनों प्रचारक गये थे, लौटते समय एक संसार भाई को बहुत ही वचन प्रचार किया।
३१ डेरा घर बनाने के लिये कुलीयों के साथ जंगल, गया देखने गये थे।

(२) महिने की विशेष बात :—

ता० २५-१-६३ को स्कभया प्रचारक जुनासगंज रैलवे
कीगा जांगा मराडली में बदाली किया गया।

(३) गिर्जे की हाजिरी :

		खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार ६-१-६३ को	...	२२ प्रशी थे।	
२रा " १३-१-६३	...	१८ प्रशी थे।	
३रा " २०-१-६३	...	२१ प्रशी थे	
४था " २७-१-६३	...	३१ प्रशी थे।	
५वां "	...	...	

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ... ३ प्रशी थे।

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए— २ प्रशी थे।

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— ६२ प्रशी हैं

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— २१ प्रशी हैं।

(७) महीने की मण्डली आमदनी— ३-) आना

" का मण्डली पैसा— ×

(८) मैं ने २६-१-६३ ता को ४०) पाया रु: नः पैः

२६-१-६३ महिने का तलब और ४०) पाया रु: नः पैः

टी ए० और × रु: × न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

निर्जा। हार की अति जरूरी है।
दोनों प्रचारक का हार रहने के लिये जरूरी है।
टेलला - कुर्शी नहीं है, बेंदी कपड़ा नहीं है।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण -

ता: .....

सही .....

रेभ जे० जे० पी० तिगा
जोइन्ट मिशन बोर्ड
डैरेक्टर सहाब
मी० एल० पर्च चाईबासा
(बिहार)

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव बौंगा जंगा पोस्ट आफिस केरा

जिला सिंहभूम प्रान्त बिहार

सेवक का नाम स्वास्ता मुर्मू सँगा

सन १९..६३ के मई महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विसेष काम

१ चक्रधरपुर से बौंगा जंगा आया रस्ता में तीन संसार भाइयों को वचन प्रचार किया-स्कूल किया
२ तबीयात खराब था, इस से घर में था — साम को स्कूल किया।
३ बुड़ीमुता गया था, एक घर में पाँच संसार भाईयों को सुसमाचार प्रचार किया-स्कूल किया
४ पाट तैयारी किया-दुसरी बेला बुड़ीमुता में संसार भाईयों वचन प्रचार किया-स्कूल किया
५- गिर्जा किया। गिर्जा में ६ संसार भाई वचन सुनने के लिये गये थे।
६ बाजार किया-बाजार में दो संसार भाईयों को सुसमाचार प्रचार किया, स्कूल किया।
७ चाईबासा गया था स्कूल का भार मास्टरीन को हवाम दिया।
८ चाईबासा से बाईबोड़ा धर्म मेला के लिये गया, साम को धर्म मेला हुआ।
९ बाईबोड़ा से होरी: गया, वहाँ पर साम को सुसमाचार प्रचार हुआ।
१० होरी: से बौंगा जंगा वापस आया। साम को स्कूल किया।
११ बौंगा जंगा से उमुलाहा गया।
१२ उमुलाहा में गिर्जा किया।
१३ उमुलाहा से बौंगा जंगा आया, एक संसार भाई को सुसमाचार प्रचार किया।
१४ बाईबोड़ा गांव के संसार भाईयों को सुसमाचार प्रचार किया।
१५ बाईबोड़ा गांव के भाईयों का घर जा कर बिन्ती किया-स्कूल किया।
१६ होयो हातु दूर में गया था, वहाँ पर गांव के मुन्डा के सत्य धर्म के विषय बात चित किया,
१७- चीट पील गया था वहाँ पर दो भाईयों को सुसमाचार प्रचार किया, स्कूल किया,
१८ पाट तैयारी किया, दो घर जा कर बिन्ती किया, स्कूल किया
१९- गिर्जा किया, साम को दो घर जा कर बिन्ती किया।
२०- बजार गया था, बजार में १ भाई को वचन सुनाया, स्कूल किया।
२१- सोनुंआ गया था, मास्टरीन स्कूल चलायी।
२२ सोनुंआ से बौंगा जंगा लौट आया — स्कूल किया।
२३- पाट तैयारी किया, गिर्जा किया-।
२४ सरनगड़ा में प्रेम भोज ठहराया गया था, वहाँ गया।
२५ बौंगा मेराउली में पाद्री जे० सोय द्वारा एक कन्या और दुल्हा का शादी हुआ, स्कूल किया
२६- पाट तैयारी कर गिर्जा किया,
२७ बाजार गया, बजार में एक संसार भाई को सुसमाचार प्रचार किया-स्कूल किया,
२८- बुड़ीमुता में दूर गया था। एक घर के भाईयों को वचन सुनाया-स्कूल किया।
२९- होयो हातु गया था दो भाई को सुसमाचार प्रचार किया, स्कूल मे किया।
३० चक्रधरपुर गया था।
३१ चक्रधरपुर से वापस लौट आया।

(२) महिने की बिशेष बात :— इस महीने में यानें ता० १२-५-६३ को
६ धर्म खोजक, पादरी जे० सोय के हाँथ बपतिस्मा हुए ।

(३) गिर्जे की हाजिरी :

			ख्रृस्तान	अख्रृस्तान
१ला एतवार	...	...	२३	६
२रा ,,	...	...	३१	
३रा ,,	...	...	२८	
४था ,,	...	...	१८	
५वां ,,	...	...		

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ...

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— — ६० ,,

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— — २१ ,,

(७) महीने की मण्डली आमदनी—

,, का मण्डली पैसा— ×

(८) मैं ने ~~इस महीने~~ ता० को ६० रु: × न: पै:

~~मई~~ महिने का तलब और × रु: × न: पै:

टी ए० और × रु: × न० पै० अन्य बाबत पाया ।

(९) मैं ने ..... रु ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता: – बेदी कपड़ा, टेबल, कुर्शी का विशेष जरुरी है।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण –

ता: ..... सही जुनास सैंगा .....

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव लोंगा जंगा पोस्ट आफिस कोरा

जिला सिंहभूम प्रान्त बिहार

सेवक का नाम खुस्ता-जुनास सँगा

सन १९...६३ के अप्रैल महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१- बजार किया, बजार में पादरी जे. सोय से बहुत बात चीत किया। स्कूल किया।
२ - घर में जरूरी काम था, और बिमारीयों का सेवा किया, स्कूल किया।
३ - चासोडी टूर गया था, स्कूल किया।
४ -
५ सुरगुड़ा: और भराडाँगा टूर किया, एक संसार भाई को सुसमाचार सुनाया।
६ पहली बेला मुड़ी मुड़ा गया, वहाँ पर दो घर में सुसमाचार प्रचार किया, दुसरी बेला चक्रधरपुर गया,
७ - चक्रधरपुर से पादरी जे. सोय के साथ होरी: गया वहाँ पर गिर्जा किया, प्रभु भोज भी दिया गया
८ को सरन्डिया से बाल बच्चों को ले के बोंगा जंगा पहुँचा, पहुँचते ही प्रचारी निभाने पड़ी।
९ - घर में बिमारियों का सेवा किया। स्कूल किया।
१० बिमारीयों का सेवा किया। स्कूल किया।
११ - भराडाँगा और सूरगुड़ा: टूर में गया। स्कूल किया।
१२ गिर्जा किया, स्कूल किया।
१३ - पाट तैयारी किया। स्कूल किया।
१४ - गिर्जा किया।
१५ बजार किया, एक संसार भाई को सुसमाचार बचन सुनाया, स्कूल किया।
१६ टूर किया, बड़ेडीह, होयो हातु, चाटपीत और मैला पीड़ी गया, स्कूल किया
१७ घर में बिमारी था स्कूल किया
१८
१९ - चर्म्म मैला किया। स्कूल किया
२० - गिर्जा किया, चक्रधरपुर पादरी जकरिया बोदरा से प्रभु भोज बाँटा गया।
२१ - गिर्जा किया।
२२ - बजार किया। बिमारीयों के घर जा कर बिनती किया - स्कूल किया।
२३ बड़ेडीह में दो घर बिमारी है उन की सेवा किया - स्कूल किया
२४ - बिमारीयों के लिये दवाई खरीजने गया था - स्कूल किया।
२५
२६ बुढ़ी मुता टूर किया - साम को स्कूल किया
२७ बोंगा जंगा और डढ़काढा टूर में गया था। साम को स्कूल किया
२८ बड़ेडीह गांव में एक संसार भाई को सुसमाचार प्रचार किया, स्कूल किया
२९ - चक्रधरपुर से सोनुआँ गया था।
३० सोनुआ से पोसैता, पोसैता से भानदपुर जरूरी काम में गया था।
३१ भानदपुर से सोनुँआ लौट आया।

(२) महिने की विशेष बात :— ८

(३) गिर्जे की हाजिरी :

		ख्रृस्तान	अख्रृस्तान
१ला एतवार	... ...		
२रा ,,	... ...	२५ प्रसी	
३रा ,,	... ...	१८ प्रसी थे।	
४था ,,	... ...	३० ,, ,,	
५वां ,,	... ...	२८ ,, ,,	

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ...

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए— — — २ प्रसी

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— — ६८ प्रसी

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— २१ प्रसी

(७) महीने की मण्डली आमदनी— — ५५)

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैं ने ... ता० को ... रु० ... न० पै०

अप्रैल महिने का तलब और पाया। रु० ... न० पै०

टी ए० और ... रु० ... न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु ..... न० पै० .....

के पास ..... ताः को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकताः ×

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण – ×

ता: 6-11-68 सही सुनील सैंगा

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव ...बोंगा जंगा... पोस्ट आफिस ...केरा...

जिला ...सिंहभूम... प्रान्त ...बिहार...

सेवक का नाम ...सुनारा सँगा...

सन १९..६३ के ...मार्च... महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का बिसेष काम

१ गिर्जा किया। रात को स्कूल किया।
२ पाठ तैयारी किया। रात को स्कूल किया।
३ - गिर्जा किया, रस्ते में एक भाई को सुसमाचार प्रचार किया। रात को स्कूल किया
४ - बजार किया, रात को स्कूल किया।
५ - चिटपील गांव में टूर किया, एक संसार भाई को सुसमाचार प्रचार किया
६ - सराडीया गया, वहाँ पर बहुत बच्चे सब बिमार में पड़े थे
७ - सोलुँआ बजार किया लौटते समय एक संसार भाई को सुसमाचार सुनाया।
८ - सराडीया में बिमारीयों का सेवा किया।
९ - बोंगा जंगा लौट आया। रात को स्कूल किया।
१० - गिर्जा किया।
११ - बजार किया। रात को स्कूल किया।
१२ - बोंगा जंगा में तीन संसार भाईयों को सुसमाचार सुनाया। रात को स्कूल किया
१३ - बोंगा जंगा, डेरा घर साफ करने गया था, वहाँ पर दो आदमी को वचन सुनाया, स्कूल किया
१४ - लांजी गया था, वहाँ पर जिसिंग बुरु का दो भाई को सुसमाचार प्रचार किया
१५ - गिर्जा किया - रात को स्कूल किया।
१६ - पाठ तैयारी किया, और एक घर बिमारीयों के यहाँ जा कर बिन्ती किया, स्कूल किया
१७ - गिर्जा किया।
१८ - बजार किया, बजार में दो भाई को सुसमाचार सुनाया। स्कूल किया।
१९ - घर में जरूरी काम था। - स्कूल किया।
२० - बड़ेडीह गांव में टूर किया - एक भाई को सुसमाचार सुनाया, स्कूल किया।
२१ - बिमारीयों का सेवा किया। स्कूल किया।
२२ - बिमारीयों का सेवा किया, गिर्जा किया - स्कूल किया।
२३ - पाठ तैयारी किया - स्कूल किया।
२४ - गिर्जा किया। बिमारीयों के पास जा कर बिन्ती किया।
२५ - बजार किया। बजार में दो भाईयों को सुसमाचार प्रचार किया - स्कूल किया।
२६ - बोंगा जंगा में दो बहिन एक भाई को सुसमाचार सुनाया - स्कूल किया।
२७ - चक्रधरपुर पद्री के पास गये थे, पद्री से कुछ बहुत काम था।
२८ चक्रधरपुर से बोंगा जंगा लौटा, लौटते समय एक भाई को वचन सुनाया, स्कूल किया
२९ टूर किया, एक भाई और दो बहिन को सुसमाचार सुनाया, गिर्जा किया।
३० पाठ तैयारी किया, बिमारी घर जा कर बिन्ती किया - स्कूल किया।
३१ - गिर्जा किया। एक संसार भाई के घर में बिमारी है - वहाँ जा कर बिन्ती किया और कुछ सुसमाचार वचन भी प्रचार किया।

(२) महिने की बिशेष बात :—

मार्च महीने में दो भाई का बपतिस्मा पादरी जे सौथ से
ता० 3-3-63 को किये गये।

(३) गिर्जे की हाजिरी :

		खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार	... ...	४० प्रणामी थे।	
२रा ,,	... ...	२५ प्रणामी थे।	
३रा ,,	... ...	१२ ,, ,,	
४था ,,	... ...	१६ ,, ,,	
५वां ,,	... ...	२४ ,, ,,	

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ...

१ पुराने—

२ नये जो बीते महिना हुए—

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— -- ६४

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— -- २१

(७) महीने की मण्डली आमदनी— — — ३।।) आ०

,, का मण्डली पैसा— — — — २।।) आ०

(८) मैं ने ~~६४~~ ~~६३~~ ता० को ४०) रु: न: पै:

मार्च महिने का तलब और पाया। रु: न: पै:

टी ए० और ..... रु: ..... न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता: —

जिन्हें घर की जरूरी है। टेबुल, कुर्सी, और
बेदी कपड़ा नहीं है। इनसब का बहुत ही
जरूरी है।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण—

ता: ..... सही ..... सुचास सेंगा .....

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव ..... बोंगा-जोंगा ..... पोस्ट आफिस ..... केरा .....

जिला ..... सिंहभूम ..... प्रान्त ..... बिहार .....

सेवक का नाम प्रचारक ..... सुनास ..... संगा .....

सन १९ ६४ के अगस्त ..... महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विशेष काम

१ बुड़ीमुता में एक घर के लोहार संबसार भाईयों को वचन प्रचार किया।
२ - गिर्जा किया।
३ - ठोकलो (कड़ेदा:) के एक सांवसार भाई को सुसमाचार वचन प्रचार किया।
४ - धर्म रंगोड़ाक एक भाई की श्रे कर चाईबासा गया था।
५ पानी होने के कारण घर ही में था।
६ - भराहंगा और सुरगुड़ा गांव में टूर किया।
७ बड़ेडीह गांव में टूर किया, एक घर में बिमारियों की सेवा किया।
८ पाट तैयारी किया - दूसरी बेला- बड़ेडीह गांव में टूर किया -
९ - गिर्जा किया
१० - मेल पिड़ी गांव में टूर किया -
११ - भराहंगा - सुरगुड़ा: और मोसोसाई में टूर किया, वचन सहित बिन्ती किया -
१२ - बड़ेडीह गांव में टूर किया -
१३ बड़ेडीह गांव में एक घर के संवसार भाईयों को वचन प्रचार किया।
१४ डेरा घर मरम्मत किया।
१५ - सरजाड़ा गया था, वचन सहित बिन्ती किया।
१६ गिर्जा किया, पादी जे: सोय द्वारा प्रभुभोज और एक प्राणी का दृढ़ापन हुआ।
१७ पादी जे: सोय + प्रचारक पतरासबरला के साथ कड़ेदा: वचन प्रचार के लिये गये थे।
१८ - ठोकलो से बोंगा जोंगा वापस लौट आये।
१९ बड़ेडीह में बिमारियों की सेवा किया।
२० " " "
२१ बुड़ीमुता में टूर किया।
२२ पाट तैयारी किया।
२३ गिर्जा किया।
२४ - बजार किया
२५ - बड़ेडीह में टूर किया।
२६ चक्रधर पुर गया था।
२७ - घर में था।
२८ बड़ेडीह में बिमारीयों की सेवा किया।
२९ गिर्जा किया, पादी जे. सोय द्वारा गिर्जा हुआ।
३० बड़ेडीह में बिमारियों की सेवा किया।

(२) महीने की विशेष बात :—

(३) गिर्जे की हाजिरी :—

		खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार ...	... ...	४०	२
२रा ,,	... ...	२०	१
३रा ,,	... ...	४०	१
४था ,,	... ...	३५	,,
५वां ,,	... ...	४५	,,

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ... धर्म्म खोजकों का बीते महीना बपतिस्मा

१ पुराने— १— ४ पुराने

२ नये जो बीते महीना हुए— २.

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— ४ ,,

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— २६ १

(७) महीने की मण्डली आमदनी —

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैंने ३०—८—४८ ता: को ५५ रु: ... न: पै:

अगस्त महीने का तलब और ... रु: ... न पै:

टी० ए० और ... रु: ... न: पै: अन्य बाबत पाया।

(९) मैंने 3-0-८-२४ को रु. ३२।।=) नः पैः ०० मेरठली अमदनी

आप के पास ~~.....~~ ता. को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष घटनाओं का वर्णन।

ता: ८-६-९४ई०

सही जुनास सेगा

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिश्न बोर्ड

गांव :- बोंगा-जोंगा पोस्ट आफिस ..... केरा .....

जिला ... सिंहभूम ... प्रान्त ..... बिहार .....

सेवक का नाम :- प्रचारक जुनास सँगा ...

सन १९६४ के जुलाई ..... महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विशेष काम

१ - बोंगा जोंगा में एक संसार बहिन मर गई उस को दफनाया।
२ - भराहेंगा बजार गया था, लौटते समय मोसोसाई गांव में दूर किया।
३ - बड़ेडीह गांव में दूर किया।
४ - पाट तैयारी किया। दूसरी नेला घर का काम किया।
५ - बिजा किया - बिजा बाद - बिजा घर मरामत किया।
६ - बजार से धान - चावल खरीदने गया था।
७ - बोंगा जोंगा मिशन जगह के लिये चक्रधरपुर केस में गया था।
८ " " " " " " "
९ भराहेंगा गांव में दूर किया एक घर में वचन सहित बिन्ती किया।
१० हड़का डा: गांव में दूर किया, दूसरी नेला ओटीनोमा का बिजा किया।
११ पाट तैयारी किया।
१२ बिजा किया।
१३ बजार किया, तीन संसार भाईयों को वचन प्रचार किया।
१४ - चक्रधरपुर केस में गया था।
१५ सरजगड़ा: गांव में दूर किया।
१६ भराहेंगा गांव में दूर किया।
१७ चक्रधरपुर गया था।
१८ पाट तैयारी किया। दूसरी नेला दूर किया।
१९ बिजा किया - बिजा बाद भाईबहिनों को बिन्ती सिखाया।
२० बड़ेडीह गांव में दूर किया।
२१ बन्द गांव से के कुलडा: गया था।
२२ कुलडा: से बोंगा-जोंगा - लौट आया।
२३ बुड़ीमुता गांव में दूर किया - बोंगा-जोंगा गांव में दूर किया। एक घर में वचन प्रचार किया।
२४ बोंगा-जोंगा गांव में दूर किया।
२५ सरजगड़ा में जा कर बिजा किया।
२६ बिजा किया - बिजा बाद बिन्ती सिखाया।
२७ बजार किया, नकटी प्रचारक के साथ बोंगा जोंगा आये।
२८ - घर में था।
२९ चक्रधरपुर गया था रास्ता में तीन संसार भाईयों को वचन सुनाया।
३० भराहेंगा गांव में दूर किया।
३१ बड़ेडीह गांव में दूर किया - दो घर में बिन्ती किया।

(२) महीने की विशेष बात :—

(३) गिर्जे की हाजिरी :— खृस्तान अखृस्तान

१ला एतवार ... ... ३० ,,

२रा ,, ... २५ ,,

३रा ,, ... ३५ ,,

४था ,, ... ३० ,,

५वां ,, ...

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ... धर्म्म खोजकों का बीते महीना बपतिस्मा

१ पुराने— १. प्राणी

२ नये जो बीते महीना हुए— २. प्राणी

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— प्राणी

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या— २५ ,,

(७) महीने की मण्डली आमदनी —

,, का मण्डली पैसा— ×

(८) मैंने २३-६-६८ ता: को ५५ रु: ७ न: पै:

चुड़ाई ... महीने का तलब और ... × ... रु: ... × ... न पै:

टी० ए० और ... × ... रु ... × ... नः पैः अन्य बाबत पाया।

(९) मैंने ..... रु. ..... नः पैः .....

के पास ..... ता. को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष घटनाओं का वर्णन।

ता. २३-७-८४ ई० — सही प्रचारक जुनास सँगा

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव ओंगा-जेंगा पोस्ट आफिस कैरा

जिला सिंहभूम प्रान्त बिहार

सेवक का नाम प्रचारक - सुनास सेंगा

सन १९६४ ई० के जून महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विशेष काम

१. बजार से चावल खरीदने के लिये गया था, सभा को बड़ेडीह जा कर एक घरमें विन्ती किया
२. प्रचारीन के साथ रहसुद गये थे।
३ - बड़ेडीह गांव में दूर किया, एक घर को संसार भाई को सुसमाचार वचन प्रचार किया।
४ चक्रधरपुर गया था।
५ भुरांगा गांव में दूर किया, वन्दना सहित विन्ती किया -
६ बड़ेडीह गांव में दूर किया, एक घर के संसार भाईयों को वचन प्रचार किया।
७ गिजो किया, छुट्टी ले कर बड़ेडीह गांव में जा कर एक घर में विन्ती किया।
८ बजार किया, बजार में तीन संसार भाइयों को वचन प्रचार किया।
९ गिजो घर मरामत किया।
१०
११ गिजो घर में खपरा चढ़ाया।
१२ बड़ेडीह गांव में दूर किया, एक घर के भाईयों को वचन सुनाया।
१३ धर्म बेला के लिये फटकमननाय। दूसरी बेला धर्म मेला किया।
१४ डीकन जे. जे. पिलिप्स + पादी जे. सी. हारा दिया हुआ प्रभु भोज + पवित्र सहभागिता भी हुआ।
१५ बजार से धन खरीदने गया था।
१६ - बड़ेडीह गांव में दूर किया।
१७ - चक्रधरपुर गया था, दूसरी बेला फिर लौट आया।
१८ - बड़ेडीह गांव में जा कर दो घर में विन्ती किया।
१९ - स्कुल वहा पादी के पास गया था।
२० स्कुल वहा से ओंगा जेंगा लौट आया।
२१ - गिजो किया।
२२ - सपरिवार सहित बड़ेडीह गांव में दूर किया।
२३ - घर का काम किया।
२४ - कड़ाई के ला गया था, लौटते समय शिशिवहा प्रचारक के घर गये थे।
२५ हराडंगा में दूर किया।
२६ बड़ेडीह गांव में दूर किया।
२७ पाट तैयारी किया। दूसरी बेला बड़ेडीह गांव में जा कर घर विन्ती किया।
२८ - गिजो किया।
२९ - बजार किया (चावल दाल खरीदा)
३० - वर्षा होने के कारण घर ही में था।

(२) महीने की विशेष बात :— —

इस महीने में आने ता। १३-६-६४ को डैरेक्टर ✱ जे. जे. मीगा
+ पादरी जे. सोय के द्वारा ४ प्रचारी, और १४-६-६४ को —
२ प्रचारी का धन्यवाद बपतिस्मा हुआ।

(३) गिर्जे की हाज़िरी :— खृस्तान अखृस्तान

१ला एतवार ३५ ११

२रा ,, ... ४५ २

३रा ,, ... ३४

४था ,, ... ३०

५वां ,, ...

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ... धर्म्म खोजकों का बीते महीना बपतिस्मा

१ पुराने— १.

२ नये जो बीते महीना हुए— २.

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या—

(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या—

(७) महीने की मण्डली आमदनी —

,, का मण्डली पैसा—

(८) मैंने ६-७-६४ ई० ता: को ५५) रु: ✱ न: पै:

जून महीने का तलब और ✱ रु: ✱ न: पै:

टी० ए० और ✱ रु: ✱ न: पै: अन्य बाबत पाया।

(९) मैंने ..... रु: ..... न: पै: .....

के पास ..... ता: को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष घटनाओं का वर्णन।

ता. ई-८-६४ ई.

सही प्रचारक नुनास खेरा

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव — कोंडा-झोंडा — पोस्ट आफिस ——— कैरा ———

जिला ——— सिंहभूम ——— प्रान्त ——— बिहार ———

सेवक का नाम प्रचारक — सुनास सँगा ———

सन १९४४ के ——— मई ——— महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विशेष काम

१ कुछ घरेलू काम के लिये टीकड़ गये थे, वहाँ से कोंडा-झोंडा लौट आये।
२ पाट तैयारी किया - दूसरी बेला कड़ेडीह गांव में दूर किया।
३ - छिट्टी किया।
४ बाजार किया - बाजार में ही संसार भाईयों को वचन प्रचार किया।
५ - रेंद बुद कंडाली का एक भाई बिमारी के कारण हम लोगों का घर में रह गया, उस का सेवा किया
६ बिमारी ही का सेवा किया।
७ अराहंगा में दूर किया।
८ छिट्टी हाट का खपरा बनाने के लिये मही कोड़वाया।
९ " " खपरा बनवाया।
१० पादरी जे: सोय द्वारा छिट्टी भी पवित्र प्रभुभोज बंटा गया।
११ बन छिट्टी घर भी प्रचारक डेरा के लिये खपरा बनवाया।
१२ " " " " "
१३ " " " "
१४ " " " " "
१५ डेरा में रह कर खपरा की धूप में सुखाया।
१६ पाट तैयारी किया - खपरा का देख भाल किया।
१७ - छिट्टी किया। छुट्टी ली कर कड़ेडीह गांव में गया, एक घर में विनती किया।
१८ - कोंडा-झोंडा से भाई बेड़ा धर्म सेवा के लिये गये।
१९ सरन्डिया पीस में प्रेम भोज हुआ, एक जोड़े का शादी पादरी जे: सोय + जे: के: मीज द्वारा हुआ
२० की यह को नेला सरन्डिया में ठहरे, दूसरी बेला झुमपुरा में धर्म का छाया हुआ।
२१ - कड़ेबेड़ा में छिट्टी किया। दूसरी नेला सुलनसा के धर्म सेवा किया।
२२ - सरन्डिया में ठहरे।
२३ की सरन्डिया से कोंडा-झोंडा लौट आये।
२४ छिट्टी किया,
२५ बाजार किया, बाजार में ही संसार भाई को वचन सुनाया।
२६ कड़ेडीह गांव में दूर किया।
२७ चक्रधरपुर गया था, वहाँ से कुछ बच्चों को लाने के लिये भेजा गया था
२८ - सरन्डिया में ठहरा।
२९ सरन्डिया से कोंडा झोंडा आये।
३० पाट तैयारी किया.
३१ छिट्टी किया।

(२) महीने की विशेष बात :—

(३) गिर्जे की हाजिरी :— खृस्तान अखृस्तान

१ला एतबार ... ... ३२ ॥) ?

२रा ,, ... ४० ॥) ?

३रा ,, ... ३५ ॥) ?

४था ,, ... ३० ॥) ?

५वां ,, ... ३४ ॥) ? ॥)

(४) धर्म्म खोजकों की संख्या ... ... धर्म्म खोजकों का बीते महीना बपतिस्मा

१ पुराने— १.

२ नये जो बीते महीना हुए— २.

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या— ... ...

(९) मैंने ..... रु. ..... नः पैः .....

के पास ..... ता. को भेज दिया।

(१०) अपने मण्डली की विशेष घटनाओं का वर्णन।

ता: १३-६-६४ ई०

सही प्रचारक-सुनील सेंगर

बोस्सनार एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइंन्ट मिशन - बोर्ड

गांव - बोंगा-जँगा - पोस्ट आफिस - केरा
जिला - सिंहभूम - प्रान्त - बिहार
सेवक का नाम - जुनास बँगा
सन् १९७४ ई: के अप्रैल महीने का रिपोर्ट
प्रति दिन का विशेष काम

---

१. चक्रधरपुर गया था,
२. जिऊँ घर का दिवाल मरामत किया।
३- " " " " " ".
४ बड़ेडीह गांव में दूर किया, और विमारियों के पास जा कर विन्ती किया।
५. जिऊँ किया।
६. बड़ेडीह गांव के एक संसार भाई को वचन प्रचार किया।
७. बड़ेडीह में विमारी की सेवा किया।
८ चक्रधरपुर गया था।
९ बड़ेडीह गांव में एक बहिका प्रभु में सो गई, उस को मट्टि दिया।
१०. कड़ाई केला गया था।
११. धान पाट तैयारी किया, दुसरी बेला सुरगुड़ा, अराहेंगा में दूर किया।
१२. जिऊँ किया।
१३. बजार किया, बजार में दो संसार भाई को सुसमाचार वचन प्रचार किया।
१४. बड़ेडीह गांव में दूर किया।
१५- चक्रधरपुर गया था।
१६ चाईबासा गया था, दुसरी बेला फिर वापस लौट आया।
१६ बुड़ीमुता गया, एक घर के संसार भाईयों को वचन प्रचार किया।
१८. पाट तैयारी किया।
१९ - जिऊँ किया।
२० नकटी + बिरोडीह का प्रचार बोंगा जोगा आये थे।
२१. बड़ेडीह में एक घर के संसार भाईयों को वचन सुनाया, और विन्ती किया।
२२ चक्रधरपुर गया था, लौटते समय अराहेंगा + सुरगुड़ा में दूर किया।
२३. बोंगा-जोगा में संसार भाईयों को वचन प्रचार किया।
२४. बड़ेडीह गांव में दूर किया।
२५. बोंगा-जोगा अराहेंगा के एक बड़का का वचनदत्त के लिये उमुलानदा गये थे।
२६ उमुलानदा से बोंगा जोगा लौट आये, दुसरी बेला जिऊँ किया।
२७. बिमार होने के कारण घर ही में था।
२८ बड़ेडीह में विमारियों की सेवा किया।
२९. नकटी प्रचारक की बेटी का, बड़का कुटुम्ब के लिये टीकट गये थे।
३०. बोकट में प्रेम भोज हुआ।
३१.

(३) महीने की खिड़ीज बाद :-

(४) गिर्जे की हाजिरी — रबू स्तान — अखूस्तान

१ ला	सतवार	३५
२ रा	सतवार	४५
३ रा	सतवार	४०
४ था	सतवार	३४
५ वाँ	सतवार	

(४) धर्म्म स्नोजकों की संख्या —
१ पुराने
२ नाये जो पीते महीना हुए

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या —

(६) छुड़ीकरण पाये हुओं की कुल संख्या २ —

७ महीने की मंगाडली अमदनी ६।।।)

८ महीने की मंगाडली पैसा

(९) मैंने ता: को ५५) रु० ० न० पैसा
अप्रेल महीने का बालक भोर ५ रु० १ न० पैसा
टी० स भोर ५ रु० ० न० पै० अन्या बाबत पाया

(१०) मैंने रु० नं० पैसा
आप के पास ता० को भेज दिया।

(११) अपने सराइली की विशेष आवश्यकता :-

(१२) विशेष कठिनाईयों का विवरण :-

ता: 26-4-65 सही:- प्रचारक - जुनासखेगा

गोस्सनर इवंजेलिकल लूथेरान चर्च
जोइन्ट मिशन-बोर्ड

गांव - बोंगा-जोंगा - पोस्ट आफिस - - - केरा
जिला - सिंहभूम - - - प्रान्त - - बिहार
सेवक का नाम
सन् १९६४ ई० के मार्च महीने का रिपोर्ट-
प्रति दिन का विशेष काम

१- सन्डे स्कूल किया, दुसरी वेला गिर्जा किया।
२- स्कूल किया, दुसरी वेला बजार किया।
३- स्कूल किया - " घर मरामत किया।
४- चक्रधरपुर तलब लेने के लिये गया था।
५- स्कूल किया। " बड़ेडीह गांव में दूर किया।
६- महोपवास काल का गिर्जा किया।
७- पाठ तैयारी किया। दुसरी वेला बड़ेडीह गांव में दूर किया।
८- गिर्जा किया।
९- बोंगा जोंगा में दो संसार भाई को वचन प्रचार किया।
१०- बुड़ीमुता में एक घर के संसार भाईयो को वचन प्रचार किया।
११- चक्रधरपुर गया था।
१२- अराडंगा में दूर किया।
१३- महोपवास काल का गिर्जा किया।
१४- पाठ तैयारी किया।
१५- गिर्जा किया, पादरी जोः सोय से प्रभु भोजा-उपस्थिमा और एकप्रार्थी का दृढ़ापन हुआ।
१६- बजार किया, बाजार में एक संसार भाई को वचन सुनाया।
१७- गिर्जा घर मरामत किया।
१८ " " " " "
१९- मोसोमाई - सुरगुड़ाः में दूर किया।
२०- गिर्जा किया। गिर्जा बाद बड़ेडीह में बिमारियों के पास जा कर बिन्ती किया
२१- पाठ तैयारी किया।
२२- गिर्जा किया।
२३- अराडंगा गांव में दूर किया।
२४- बुड़ीमुता गांव में दूर किया एक घर के संसार भाईयों वचन सुनाया।
२५- बड़ेडीह में बिमारियों की सेवा किया।
२६- अराडंगा सुरगुड़ाः और मोसोडीह में दूर किया।
२७- सबका शुक्रवार का गिर्जा किया।
२८- पाठ तैयारी किया। दुसरी वेला बड़ेडीह में बिमारियों का सेवा किया
२९- गिर्जा किया।
३०- बाजार किया।
३१- बड़ेडीह में एक घर के कच्चे बाड़ी जोर से गिर में दे उस की सेवा किया।

(३) महीने की विशेष बात :-
इस महीना में पादरी जे. सौथ द्वारा
दो प्रतियों का अंग्रेजी नागरिक.
ता: १५.३.६४ को हुआ।

(३) गिर्जे की हाजिरी - - - - - - रबुस्तान - - अरबुस्तान

१ ला	इतवार	३०
२ रा	,,	३५
३ रा	,,	५०
४ था	,,	३०
५ वाँ	,,	४०

(४) धर्म खोजकों की संख्या
१. पुराने — ४ प्रतापी -
२. नये। जो बीते महीना हुए
(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या = ३ प्रतापी
(६) दृढ़ करना पाये हुओं की कुल संख्या - २८ ,,
(७) महीने की मंडली आमदनी - - ६॥।)
,, ,, ,, जैसा - ५॥)

(८) मैं ने १६-४-६४ ता: को ५५) रु० ४ न० पैसा
मार्च महीने का तालब और ४ रु० १ न० पै.
टी.एस. और ४ रु० ४ न० पै. अन्या गावत पाया

(९) मैं ने रु० रु० पै.

आप के पास ता० को भेज दिया।

(१०) अपने सराइली की विशेष आवश्यकता :

(११) विशेष कठिनाइयों का विवरण :

ता० सही.

गोस्समर इवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोईन्ट मिशन बोर्ड

गांव - बोंगा - जोंगा - पोस्ट ऑफिस ---- केरा

जिला - सिंहभूम ---- प्रान्त ---- बिहार

सेवक का नाम - युनास संगा

सन १९६४ ई० की फरवरी महीने का रिपोर्ट -

(१) प्रति दिन का विशेष काम -

१- पाट तैयारी किया, दुसरी बेला बड़ेडीह गांव में दूर किया।
२. गिर्जा किया।
३. बजार किया. बजार में एक संसार भाई को वचन प्रचार किया।
४. कुडीमुला गांव में दूर किया।
५. होयोहतु गांव में दूर किया।
६. अराहंगा सुरगुड़ा: और बोसोडीह गांव में दूर किया।
७. बड़ेडीह गांव में दूर किया।
८. पाट तैयारी किया. दुसरी बेला बड़ेडीह गांव में दूर किया।
९. गिर्जा किया, पादरी जेम्स सोय द्वारा एक प्राणी का बपतिस्मा + प्रभुभोज हुआ
१०. कुडीमुला गांव में दूर किया, दुसरी बेला बजार किया।
११. बड़ेडीह गांव के एक हार में कुटुम्ब सम्बन्धी काम हुआ।
१२. महोपवास काल का गिर्जा किया।
१३. पहली बेला स्कुल किया, दुसरी बेला अराहंगा में दूर किया।
१४. " स्कुल किया, दुसरी बेला बड़ेडीह गांव में दूर किया।
१५. पाट तैयारी किया, दुसरी बेला बड़ेडीह गांव में दूर किया।
१६- सन्डे स्कूल किया, दुसरी बेला गिर्जा किया।
१७- को परिवार सहित सुरगुड़ा: दूर में गये थे।
१८- होयोहतु गांव में दूर किया।
१९ चक्रधरपुर गया था।
२०. बड़ेडीह गांव में दूर किया।
२१- महोपवास काल को गिर्जा किया।
२२ परिवार सहित सरगड़ा: दूर में गये थे।
२३- सन्डे स्कूल किया। गिर्जा किया।
२४- बजार किया. बजार में एक संसार भाई को वचन प्रचार किया।
२५. स्कूल किया। दुसरी बेला बड़ेडीह गांव का एक संसार भाई वचन प्रचार किया
२६- स्कूल किया। बड़ेडीह गांव में दूर किया।
२७. स्कूल किया. दुसरी बेला बाल-बच्चा सहित अराहंगा में दूर किया।
२८- महोपवास काल का गिर्जा किया।
२९- स्कूल किया, पाट तैयारी किया।

(२) महीने की विशेष बातः—
इस महीने में एक बारी का पवित्र बपतिस्मा पादरी जी॰ सीय द्वारा हुआ।

(३) गिर्जे की हाजिरी ---------- रबूस्तान -- अखबूस्तान

१ ला	बतवार	४० "
२ रा	"	५५ "
३ रा	"	३५
४ था	"	३३
५ वां	"	

(४) धर्म खोजकों की संख्या — — — —
१- पुराने ४ बारी
२ नये जो बीते महीना हुए · ×

(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या · २४ "
(६) दृढ़ीकरण पाये हुओं की कुल संख्या २७ "
(७) महीने की मराठली अमदनी
(८) महीने की मराठली पैसा ||)

(९) मैंने ४-३-९६ ता॰ को ५५) रु॰ ४ नं॰ पै॰
फरवरी महीने का तालब और × रु॰ × नं॰ पै॰
टी॰ ए॰ और × रु॰ × नं॰ पै॰ अन्यागत पाया।

(२०) मैंने रक्त नमूने
आप के पास ता० को भेज दिया।

(२१) अपने सराइली की विशेष आवश्यकता:-

(२२) विशेष कठिनाईयों का विवरण ----

ता० ४-३-६६ ई० सही:- प्रचारक जुनास संगा

बीस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च
जोईन्ट-मिशन बोर्ड

गाँव — बोंगा-जोंगा — पोस्ट आफिस — — — केरा

जिला — सिंहभूम — प्रान्त — — बिहार

सेवक का नाम — प्रचारक- युनास सेंगा

सन १९६४ ई० के जनवरी — महीने का रिपोर्ट

(१) प्रति दिन का विशेष काम

१- गिर्जा किया।
२- सुरगुड़ा: मोसोडीह में टूर किया।
३- बुड़ीमुत्ता गया, एक घर के संसार भाईयों को वचन सुनाया।
४- पाट तैयारी किया, दुसरी बेला बड़ेडीह गाँव में टूर किया।
५- गिर्जा किया।
६- बजार किया, बजार में तीन संसार भाईयों को वचन प्रचार किया
७- सुरगुड़ा भराहंगा और मोसोडीह गाँव में टूर किया।
८- चक्रधरपुर तलब लाने के लिये गया था।
९- बुड़ीमुत्ता गाँव में टूर किया।
१०- बड़ेडीह गाँव में टूर किया
११- पाट तैयारी किया, दुसरी बेला बड़ेडीह गाँव में टूर किया।
१२- गिर्जा किया।
१३- बड़ेडीह गाँव में बिमारियों के पास जा कर बिन्ती किया।
१४- बड़ेडीह गाँव में बिमारियों की सेवा किया।
१५- चक्रधरपुर गया था।
१६- भराहंगा सुरगुड़ा और मोसोडीह में टूर किया।
१७- कोयोहत गाँव में टूर किया।
१८- पाट तैयारी किया, दुसरी बेला बड़ेडीह गाँव में टूर किया।
१९- गिर्जा किया, पादरी जो० सोय गिर्जा किया।
२०- बजार किया, बजार में दो संसार भाई को वचन सुनाया।
२१- बुड़ीमुत्ता गाँव में टूर किया।
२२- बड़ेडीह गाँव में टूर किया।
२३- भराहंगा सुरगुड़ा और मोसोडीह गाँव में टूर किया।
२४- बोंगा-जोंगा गाँव में टूर किया और वचन साथ बिन्ती किया।
२५- पाट तैयारी किया। दुसरी बेला बोंगा-जोंगा गाँव के एक घर में भाईयों को वचन सुनाया।
२६- गिर्जा किया।
२७- नकटी धर्म मेला के लिये गया था।
२८- नकटी में धर्म मेला किया।
२९- घर में था।
३०- भराहंगा सुरगुड़ा में टूर किया।
३१- मोसोडीह गाँव में टूर किया।

(२) महीने की विशेष बात :- इस महीने में दो प्राणी की बपतिस्मा हुआ।
२रा - भराहंगा के पौलुस केराई, परिवार सहित रोमन मिशन में जा रहे थे, उन की फिर से बोंगा-बंगा मंडली में लौटाया।
३रा - सिकरीमा में एक घर बोंगा-बंगा मंडली में बपतिस्मा किये गये थे ने उसुलनहा परिवार के लिये, उन की सेवा कठिन होने के कारण. कि उसुलनहा परिवार को जमीरा मंडली में जोमा दे दिये गये हैं, (५ प्राणी के)

(३) विभों की गणना-

१ला	सतवार	४५ "
२रा	"	३५
३रा	"	३०
४था	"	३०
५वां	"	२५.

(४) धर्म खोजकों की संख्या :-

१ पुराने
२ नये जो बीते महीना हुए -
(३) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या -
(४) बढ़ी करया पाये हुओं की कुल संख्या -
५ महीने की मराङली आमदनी - -
६ महीने की मराङली पैसा

४ प्राणी -
२ प्राणी
८३ प्राणी -
२५ प्राणी -
५८)
२) रु०

(६) मैं ने ६-२-६४ ता. को ५५) रु० नव पैसा
जनवरी महीने का तालब — — पाया -

(१०) मैंने ३६ रु० ४४ नाउ पैसा आप के पास १६-१-६४ ता० को भेज दिया।

(११) अपने मराडली की विशेष आवश्यकता:-
(१) इस मराडली के लिये बोदी कपड़ा की जरूरी है।
२. महीने की रिपोर्ट फ्रोम नहीं है।

(१२) विशेष कोटनाईयों का विवरण

ता० १४-२-६४ ई० सही:- प्रचारक जुनास संग

गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान चर्च

जोइन्ट मिशन बोर्ड

गांव ..... बोंगा जँगा ..... पोस्ट आफिस ..... केरा .....

जिला ..... सिंहभूम ..... प्रान्त ..... बिहार .....

सेवक का नाम ..... जुनास सँगा .....

सन १९.६३ ई. के ..... नोवेम्बर ..... महिने का रिपोर्ट

(१) प्रतिदिन का विसेष काम

१ बोंगा जंगा से चक्रधर गया, शाम की ट्रेन से सीमुँआ गया, वहाँसे सरांडिडया पहुँचा।
२ को सरांडिडया से फिन्डुंग गया।
३
४ को फिन्डुंग से घर (रैंबेड़ा) गया। रैंबेड़ा में प्रार्थना किया।
५ रैंबेड़ा रैंबेड़ा में ठहरा।
६ रैंबेड़ा से फिर फिन्डुंग आया।
७ फिन्डुंग से सरांडिन्डया भाया।
८ सरांडिडया में नया कुटुम्ब समन्दी काम हुआ।
९ को सरांडिडया से बोंगा जंगा वापस आया।
१० - प्रार्थना किया, पादरी जे॰ सीय से एक प्रार्थी का बपतिस्मा और प्रभुभोज हुआ।
११ - पादरी जे॰ सीय के साथ बड़ेडीह गांव में दौरा किया।
१२ को को मरडली के दो पंचों के साथ सुरगुड़ा: गया, वचन सहित बिन्ती प्रार्थना किया
१३ - चक्रधरपुर पादरी के पास गया था, दुसरी बेला फिर वापस लौट आया।
१४ को बड़ेडीह से बोंगा-जंगा अपना सारा समान ले के डेरा किया।
१५ को को डेरा घर के आस पास, साफ किया।
१६ को पाट तैयारी किया, दुसरी बेला बड़ेडीह गांव में दौरा किया।
१७ - प्रार्थना किया,
१८ बाजार गया था, बजार में के संसार भाई को सुसमाचार वचन प्रचार किया।
१९ को मंडली के भाईयों के साथ गिर्जा घर मरामत किया।
२० बड़ेडीह गांव में दौरा किया वचन सहित बिन्ती प्रार्थना किया।
२१ लोयोहतु गया था, लौटते समय बड़ेडीह में दो घर में बिन्ती किया।
२२ - प्रचारीन बिमार में पड़ने के कारण घर ही में था. उसकी सेवा किया।
२३ पाट तैयारी किया, + बिमारी की - सेवा किया।
२४ - प्रार्थना किया।
२५ घर का काम किया, दुसरी बेला बजार से दाल तरकारी खरीदने गया था।
२६ मरांडली के भाईयों के साथ गिर्जा घर (बिरोल) मरामत किया।
२७ बोंगा जंगा मरांडली के प्रचीन बहुते और बिमार में है उन की सेवा किया।
२८ बड़ेडीह गांव में दौरा किया, बिमारी के पास जा कर बिन्ती किया।
२९ सुरगुड़ा: और अराहंगा - दौरा किया।
३० बुड़ीमुचा गया एक घर के संसार भाईयों को सुसमाचार वचन प्रचार किया
३१ पाट तैयारी किया, दुसरी बेला बिमारी के पास जा कर किया।

(२) महिने की विशेष बात :—

इस महिने में एक प्राणी का
पवित्र आत्मात्मा पादी जे. सौम्य द्वारा
ता० १०-११-६३ को हुआ

(३) गिर्जे की हाजिरी :			खृस्तान	अखृस्तान
१ला एतवार	...	...	२५	प्राणी ०।
२रा ,,	...	...	४८	प्राणी ०।
३रा ,,	...	...	३१	,, ,,
४था ,,	...	...	२०	,, ,,
५वां ,,	...	...		
(४) धर्म्म खोजकों की संख्या	...	..	२	प्राणी
१ पुराने—			—	×
२ नये जो बीते महिना हुए—			—	२
(५) स्नान पाये हुओं की कुल संख्या—			—	८१ ,,
(६) दृढ़िकरण पाये हुओं की कुल संख्या—				२५ प्राणी
(७) महीने की मण्डली आमदनी—			—	४।=)
,, का मण्डली पैसा—				

(८) मैं ने ११-१२-६३ ता० को ४४) रु० × न० पै०

नवम्बर महिने का तलब और × रु० × न० पै०

टी ए० और × रु० × न० पै० अन्य बाबत पाया।

(९) मैं ने ..... रु ..... न० पै० .....

के पास ..... ता: को भेज दिया ।

(१०) अपने मण्डली की विशेष आवश्यकता:

मेराडली की विशेष आवश्यकता है कि -
गेंदी कपड़ा नहीं है।

(११) विशेष कठिनाईयों का विवरण -

ता: ११-१२-६१

सही प्रचारक-जुनास सैंगा।